RAJBHASHAHINDI.COM

सामान्य हिंदी

सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी

हिन्दी भाषा परिचय

हिन्दी विश्व की लगभग 3000 भाषाओं में से है। यह भारत की बहुसंख्यक लोगों की भाषा है। इसका प्रारंभ 1000 ई॰पू॰ में हुआ। यह यूरोपीय (Indo-European) परिवार की भाषा है। इसकी आदि जननी संस्कृत है। इस भाषा का जन्म वैदिक संस्कृत से हुआ है। हिन्दी विश्व में चीनी एवं अंग्रेजी के बाद तीसरे नम्बर की सबसे बड़ी भाषा है। यह भारत की राजभाषा के रूप में सरकारी कामकाज की भाषा है तथा बहुसंख्यक लोगों की भाषा के रूप में भारत की राष्ट्रभाषा है।

हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा 1965 से है। 14 सितम्बर 1949 को भारतीय संविधान ने हिन्दी को भी संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। संविधान के अनुच्छेद-343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है।

हिन्दी भाषा का क्रम

हिन्दी को वैदिक संस्कृत से आधुनिक युग की भारतीय भाषाओं तक आने में निम्न चार-चरणों से होकर गुजरना पड़ा –

1. वैदिक संस्कृत (500 ई॰पू॰ से 800 ई॰पू॰ तक) जिसमें चार वेदों की रचना हुई।
2. लौकिक संस्कृत (800 ई॰पू॰ से) जिसमें रामायण, महाभारत आदि महाकाव्य लिखे गए।
3. पाली और प्राकृत लौकिक संस्कृत का परिवर्तित रूप है। इसमें बौद्ध साहित्य भी लिखा गया।
4. अपभ्रंश प्राकृत का परिवर्तित रूप देश में उस समय गैर-सेवी, मराठी, महाराष्ट्र आदि कई रूप प्रचलित थे।

नोट : इस विकास क्रम से स्पष्ट है कि द्रविड़ परिवार की तमिल, तेलुगु, मलयालम तथा कन्नड़ को छोड़कर भारत की सभी भाषाओं का विकास अपभ्रंश से हुआ।

मानक हिन्दी

मानक हिन्दी को परिनिष्ठित हिन्दी या स्टैण्डर्ड हिन्दी भी कहा जाता है। इसका मूल आधार खड़ी बोली है। वास्तव में मानक हिन्दी उस हिन्दी को कहते हैं जो हिन्दी क्षेत्र के नगरों में बोली जाने वाली सामान्य भाषा है। इसी भाषा में हिन्दी की पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित होती हैं। यही मानक हिन्दी उच्च शिक्षा का माध्यम है तथा यही रेडियो एवं दूरदर्शन के हिन्दी कार्यक्रमों की भाषा है। वस्तुत: मानक हिन्दी को ही राजभाषा के रूप में संविधान ने स्वीकृति दी है। जब हम यह कहते है कि हमें दक्षिण भारत में हिन्दी का प्रचार-प्रसार करना चाहिए, तब हिन्दी से हमारा तात्पर्य मानक हिन्दी से होता है, न कि अवधी, ब्रज, बघेली या मैथिली से।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

- हिन्दी दिवस 14 सितम्बर को मनाया जाता है।
- अंतराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21 फरवरी को मनाया जाता है।
- भारत में अंग्रेजी को राजभाषा का दर्जा नागालैंड एवं मिजोरम में दिया गया है।
- केन्द्रीय अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा संस्थान हैदराबाद में है।
- प्रथम हिन्दी सम्मेलन भारत में 1975 ई॰ में नागपुर में हुआ था।
- हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने का विचार सर्वप्रथम बंगाल में उदित हुआ।
- हिन्दी में आशुलिपि के जन्मदाता राधेलाल द्विवेदी है।
- हिन्दी का प्रथम बड़ा महाकाव्य 'पद्मावत' है।
- संसार का सबसे बड़ा महाकाव्य 'महाभारत' है।
- विश्व का आदि महाकाव्य 'रामायण' को तथा आदिकवि बाल्मिकी को माना जाता है।
- भारत के प्रथम राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त है।
- हिन्दी विषय पर प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार (चिदम्बरा हेतु) पाने वाले भारतीय सुमित्रानंदन पंत थे।
- आधुनिक युग की मीरा महादेवी वर्मा को कहा जाता है।
- हिन्दी साहित्य में सुकुमार कवि के नाम से सुमित्रानन्दन पंत जाने जाते है।
- आधुनिक युग का तुलसी मैथलीशरण गुप्त को कहा जाता है।
- हिन्दी का आदि कवियत्री मीराबाई को कहा जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

1. हिन्दी दिवस मनाया जाता है –

(A) 8 अक्टूबर को (B) 8 मार्च को
(C) 14 दिसम्बर को (D) 14 सितम्बर को

2. आधुनिक युग की मीरा किसे कहा जाता है ?

(A) महादेवी वर्मा (B) अरूधंती राय
(C) सरोजनी नायडू (D) निर्मला दत्ता

3. 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' किसका लिखा है ?

(A) डॉ॰ रामकुमार वर्मा (B) डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) डॉ॰ बच्चन सिंह (D) डॉ॰ नामवर सिंह

4. 'रामबोला' बचपन में किसका नाम था ?

(A) सूरदास (B) तुलसीदास
(C) कबीरदास (D) अग्रदास

5. तुलसीदास का जन्म कब हुआ था ?

(A) 1520 में (B) 1554 में
(C) 1680 में (D) 1550 में

6. आदिकाल को 'वीरगाथाकाल' किसने कहा ?

(A) पं॰ हजारी प्रसार द्विवेदी (B) डॉ॰ रामविलास शर्मा
(C) पं॰ रामचन्द्र शुक्ल (D) पं॰ विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा

7. हिन्दी की उत्पत्ति किस अपभ्रंश से हुई है ?

(A) मागधी अपभ्रंश (B) शौरसेनी अपभ्रंश
(C) अर्धमागधी अपभ्रंश (D) नागर अपभ्रंश

8. निम्नलिखित में कौन कवि 'राष्ट्रकवि' कहलाते है ?

(A) हरिवंशराय बच्चन (B) सुमित्रानंदन पंत
(C) मैथलीशरण गुप्त (D) रामधारी सिंह दिनकर

9. आधुनिक युग का तुलसी किसे कहा जाता है ?

(A) सुमित्रानंदन पंत (B) विद्यापति
(C) मैथलीशरण गुप्त (D) हरिवंश राय बच्चन

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

10. हिन्दी साहित्य में किस कवि को 'कवियों का कवि' कहा गया ?

(A) अज्ञेय (B) भवानी प्रसाद मिश्र

(C) रामेशर बहादुर सिंह (D) हरिवंश राय बच्चन

11. महात्मा गांधी ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए किस संस्था की स्थापना की थी -

(A) गुजरात हिन्दी विद्यापीठ (B) हिन्दुस्तानी प्रचार सभा

(C) हिन्दी साहित्य सम्मेलन (D) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति

12. मानक हिन्दी से क्या तात्पर्य है ?

(A) आदर्श के रूप में हिन्दी का स्वीकार्य रूप

(B) केवल लिखने-पढ़ने की हिन्दी

(C) साधारण बोलचाल की हिन्दी

(D) मध्यकालीन साहित्यिक पुस्तकों की हिन्दी

13. आठवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन (World Hindi Conference, 2007 ई०) का आयोजन स्थल है ?

(A) नई दिल्ली (भारत) (B) न्यूयार्क (अमेरिका)

(C) पोर्ट लुई (मॉरिशस) (D) लंदन (यूके)

14. हिन्दी कविता को छन्दों की परिधि से मुक्त कराने वाले थे ?

(A) सुमित्रानन्दन पंत (B) जयशंकर प्रसाद

(C) महादेवी वर्मा (D) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

15. कबीरदास की भाषा थी ?

(A) खड़ी बोली (B) सधुक्कड़ी

(C) कन्नौजी (D) ब्रज

16. तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' में कितने काण्ड है ?

(A) आठ (B) सात

(C) पाँच (D) नौ

17. 'दक्षिणी भारत हिन्दी प्रसार सभा' का मुख्यालय कहाँ पर स्थित है ?

(A) हैदराबाद (B) बंगलौर

(C) चेन्नई (D) मैसूर

18. विश्व की भाषाओं को कितने परिवारों में बाँटा गया है ?

(A) 12 (B) 14

(C) 16 (D) 10

19. भाषा का संबंध संविधान की किस अनुसूची से है ?

(A) 10वीं (B) 11वीं

(C) 8वीं (D) 9वीं

20. संसार का सबसे बड़ा महाकाव्य है ?

(A) रामायण (B) महाभारत

(C) गीतांजली (D) कोई नहीं

21. संसार की भाषाओं में हिन्दी का कौन-सा स्थान है ?

(A) पहला (B) दूसरा

(C) तीसरा (D) चौथा

22. हिन्दी किस परिवार की भाषा है ?

(A) सामी (B) भारोपीय

(C) तूरानी (D) पापुई

23. हिन्दी का प्राचीनत्तम रूप मिलता है -

(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में

(C) यजुर्वेद में (D) अथर्ववेद में

24. 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग' की रचना कब हुई थी ?

(A) 1910 ई० (B) 1915 ई०

(C) 1920 ई० (D) 1925 ई०

25. हिन्दी का पहला समाचार पत्र है -

(A) बगदूत (B) उदंत मार्त्तण्ड

(C) लोकमित्र (D) प्रजाहितैषी

26. निम्नलिखित में से 'कृत्रिम हिन्दी' किसे कहा गया है ?

(A) रेख्ता (B) हिन्दवी

(C) बाँगरू (D) दरद

27. निम्नलिखित भाषाओं में से 'हिन्दी की ही एक शैली' किसे कहा जाता है ?

(A) अरबी को (B) फारसी को

(C) तुर्की (D) उर्दू को

28. संस्कृत भाषा का प्राचीनतम रूप कहाँ द्रष्टव्य होता है ?

(A) ऋग्वेद (B) उपनिषद्

(C) रामायण (D) महाभारत

29. भारतवर्ष में हिन्दी को आप किस वर्ग में रखेंगे ?

(A) राजभाषा (B) राष्ट्रभाषा

(C) विभाषा (D) तकनीकी भाषा

30. संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित भारतीय भाषाओं की संख्या है -

(A) 14 (B) 16

(C) 17 (D) 22

31. 'देवभाषा' कौन-सी भाषा है ?

(A) हिन्दी (B) पाली

(C) संस्कृत (D) खड़ी भाषा

32. 'हिन्दी' भाषा का जन्म हुआ है -

(A) लौकिक संस्कृत से (B) पाली प्राकृत से

(C) मागधी अपभ्रंश से (D) वैदिक संस्कृत से

33. 'हिन्दी' कौन-सी भाषा का शब्द है ?

(A) संस्कृत (B) फारसी

(C) उर्दू (D) प्राकृत

34. पंजाबी भाषा का जन्म किस अपभ्रंश से हुआ है ?

(A) पैशाची (B) शौरसेनी

(C) अर्द्धमागधी (D) ब्राचड

Join WhatsApp Group

35. 'रामचरितमानस' की भाषा है ?
(A) ब्रह्म (B) अवधि
(C) ब्रज (D) मैथिली

36. जायसी का 'पदमावात' की भाषा है ?
(A) हिन्दी (B) संस्कृत
(C) ब्रज (D) अवधी

37. बघेली किसकी बोली है ?
(A) पहाड़ी (B) राजस्थानी
(C) पूर्वी हिन्दी (D) पश्चिमी हिन्दी

38. विभाषा किसे कहते है ?
(A) खड़ी बोली हिन्दी को
(B) हिन्दी-क्षेत्र की प्रमुख बोलियों को
(C) हिन्दी-क्षेत्र की शेष बोलियों को
(D) इनमें से सभी

39. खड़ी बोली का प्रयोग सबसे पहले किस पुस्तक में हुआ ?
(A) भक्तिसागर (B) सुखसागर
(C) काव्यसागर (D) प्रेमसागर

40. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(A) 15 अगस्त, 1947 (B) 26 जनवरी, 1950
(C) 14 सितम्बर, 1949 (D) 14 सितम्बर, 1950

41. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ ?
(A) पंजाब (B) जम्मू-कश्मीर
(C) राजस्थान (D) आंध्र प्रदेश

42. भाषा के आधार पर भारतीय राज्यों की पुनः संरचना की गई थी ?
(A) 1952 ई॰ में (B) 1953 ई॰ में
(C) 1954 ई॰ में (D) 1956 ई॰ में

43. तुलसी कृत 'विनय पत्रिका' की भाषा है ?
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) कन्नौजी (D) कौरवी

44. संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव किसने रखा ?
(A) गोपाल स्वामी आयंगर (B) सरदार वल्लभ भाई पटेल
(C) डॉ॰ भीमराव अम्बेडकर (D) पं॰ जवाहरलाल नेहरू

45. नागरी प्रचारिणी सभा का स्थापना वर्ष है ?
(A) 1893 (B) 1857
(C) 1902 (D) 1917

46. संविधान के किस अनुच्छेद में कहा गया है कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी ?
(A) अनुच्छेद-343 (B) अनुच्छेद-344
(C) अनुच्छेद-345 (D) अनुच्छेद-346

47. वर्ष 1955 में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष कौन थे ?
(A) बी॰ जी॰ खेर (B) सुनीति कुमार चटर्जी
(C) जी॰ बी॰ पंत (D) पी॰ सुब्बोरोयान

48. 10वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन (2015) कहाँ आयोजित किया गया ?
(A) भोपाल (भारत) (B) लंदन (यूके)
(C) नागपुर (भारत) (D) न्यूयार्क (अमेरिका)

49. भारत वर्ष के लिए हिन्दी भाषा का नाम सबसे पहले किसने सुझाया ?
(A) राजा राममोहन राय (B) महात्मा गांधी
(C) रवीन्द्रनाथ टैगोर (D) मदन मोहन मालवीय

50. काशीनागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में कौन नहीं है ?
(A) बाबू श्यामसुन्दर दास (B) शिवकुमार सिंह
(C) रामनारायण मिश्र (D) रामचन्द्र शुक्ल

51. 10वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन किस शहर में आयोजित किया गया ?
(A) नागपुर (B) भोपाल
(C) नई दिल्ली (D) जयपुर

52. हिन्दी साहित्य को कितने काल-खंडो में विभक्त किया गया है ?
(A) दो (B) चार
(C) पाँच (D) तीन

53. हिन्दी के अतिरिक्त कौन-सी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है?
(A) सिंधी (B) पंजाबी
(C) बांग्ला (D) नेपाली

54. हिन्दी भाषा राज्य के अंतर्गत कौन-सा राज्य नहीं है ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) बिहार
(C) झारखंड (D) महाराष्ट्र

55. 'विश्व हिन्दी दिवस' किस तिथि को मनाया जाता है ?
(A) 10 दिसम्बर (B) 10 जनवरी
(C) 14 सितम्बर (D) 14 नवम्बर

56. 12वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन 2023 में कहाँ आयोजित किया गया ?
(A) फिजी (B) मॉरिशस
(C) भारत (D) दक्षिण अफ्रिका

57. 11वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन (2018) कहाँ आयोजित किया गया ?
(A) पारामारिबो (सूरीनाम) (B) पोर्ट लुईस (मॉरिशस)
(C) नागपुर (भारत) (D) जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रिका)

उत्तरमाला

1. (D)	2. (A)	3. (A)	4. (B)	5. (B)	6. (C)	7. (B)	8. (C)
9. (C)	10. (D)	11. (D)	12. (A)	13. (B)	14. (D)	15. (B)	16. (B)
17. (C)	18. (A)	19. (C)	20. (B)	21. (C)	22. (B)	23. (A)	24. (A)
25. (B)	26. (A)	27. (D)	28. (A)	29. (B)	30. (D)	31. (C)	32. (B)
33. (B)	34. (A)	35. (D)	36. (D)	37. (C)	38. (B)	39. (D)	40. (C)
41. (D)	42. (D)	43. (B)	44. (A)	45. (A)	46. (A)	47. (A)	48. (A)
49. (D)	50. (D)	51. (C)	52. (B)	53. (D)	54. (D)	55. (B)	56. (A)
57. (B)							

Join WhatsApp Group

भाषा एवं लिपि

भाषा की परिभाषा

- जिस साधन के द्वारा मनुष्य अपने भावों और विचारों को लिखकर या बोलकर प्रकट करता है, उसे भाषा कहते है।
- भाषा ध्वनि प्रतीकों की ऐसी व्यवस्था है, जिसके माध्यम से किसी समाज के सदस्य परस्पर भावों और विचारों का बोलकर या लिखकर आदान-प्रदान या संप्रेषण करते है।
- भाषा भावों या विचारों की अभिव्यक्ति का प्रमुख साधन है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते है –

(1) मौखिक और (2) लिखित

1. **मौखिक भाषा :** मौखिक भाषा, भाषा का बोलचाल का रूप है। इस भाषा की आधारभूत ईकाई ध्वनि है। इस भाषा का प्रयोग प्राय: तभी किया जाता है जब श्रोता वक्ता के सामने होता है।
2. **लिखित भाषा :** भाषा का लिखित रूप लिखित भाषा कहलाती है। इस भाषा की आधारभूत इकाई वर्ण है। यह भाषा का स्थायी रूप है, जिसमें हम अपने भावों-विचारों को अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रख सकते हैं।

बोली एवं उपभाषा

बोली : किसी छोटे तथा विकसित क्षेत्र में स्थानीय व्यवहार में प्रयुक्त होने वाली भाषा का अल्पविकसित रूप 'बोली' कहलाता है। बोली में साहित्य रचना नहीं होती।

उपभाषा : अगर किसी बोली में साहित्य रचना होने लगती है और क्षेत्र का विस्तार हो जाता है तो वह बोली न रहकर 'उपभाषा' बन जाती है। हिन्दी के अन्तर्गत पाँच उपभाषाएँ एवं अठारह बोलियाँ आती है। इसका विवरण निम्नवत् है –

उपभाषा	बोली	मुख्य क्षेत्र
(i) पश्चिमी हिन्दी	ब्रजभाषा, कन्नौजी, बुन्देली, बांगरू, खड़ी बोली	हरियाणा, उत्तर प्रदेश
(ii) पूर्वी हिन्दी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी	मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, उत्तर प्रदेश
(iii) बिहारी हिन्दी	मैथिली, मगही, भोजपुरी	बिहार, उत्तर प्रदेश
(iv) राजस्थानी हिन्दी	मेवाती, मालवी, मारवाड़ी, जयपुरी	राजस्थान
(v) पहाड़ी हिन्दी	गढ़वाली, कुमायंनी, नेपाली	उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश

खड़ी बोली : जिस रूप में आज हिन्दी बोली और समझी जाती है वह खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा रूप है, जिसका विकास मुख्यत: उन्नीसवीं शताब्दी में हुआ। खड़ी बोली का प्राचीन रूप 10 वीं शताब्दी में मिलता है लेकिन चौदहवीं शताब्दी के प्रारंभ में अमीर खुसरो द्वारा पहली बार खड़ी बोली हिन्दी में पहेलियाँ एवं मुकरिया रची गई। मध्यकाल तक खड़ी बोली मुख्यत: बोलचाल की भाषा ही रही, साहित्यक भाषा के रूप में नहीं। इसका अर्थ यह था कि उस युग में ब्रजभाषा आपके काव्य की भाषाएँ थी।

मानकभाषा : शिष्ट और सुशिक्षित लोगो द्वारा निश्चित, प्रयुक्त तथा व्याकरण सम्मत भाषा रूप ही मानक भाषा कहलाती है।

संविधान की 8वीं अनुसूची

- भाषा का संबंध संविधान की आठवीं अनुसूची से है।
- 8वीं अनुसूची में आरंभ में 14 भाषाएँ [1. असमिया 2. बांग्ला 3. गुजराती 4. हिन्दी 5. कन्नड़ 6. कश्मीरी 7. मलयालम 8. मराठी 9. उड़िया 10. पंजाबी 11. संस्कृत 12. तमिल 13. तेलगू 14. उर्दू] थी।
- सिंधी भाषा को 15वीं भाषा के रूप में 21वाँ संशोधन 1967 ई॰ द्वारा मान्यता दी गई।
- तत्पश्चात् 71वाँ संशोधन, 1992 ई॰ द्वारा इसमें तीन अन्य भाषाएँ – मणिपुरी, नेपाली और कोंकणी को सम्मिलित करने से इनकी संख्या 18 हो गई।
- तदुपरांत 92वाँ संशोधन 2003 द्वारा इसमें चार अन्य भाषाएँ – बोडो, डोगरी, मैथली, संथाली को शामिल किया गया।
- वर्तमान में 8वीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त भाषाओं की संख्या 22 है।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

- भारत की राष्ट्रभाषा हिन्दी है।
- भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा हिन्दी है जबकि दूसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा 'तेलगू' है।
- किसी देश या राज्य की राजकाज के लिए प्रयुक्त भाषा राजभाषा कहलाती है।
- 14 सितम्बर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने अनुच्छेद-343 के अन्तर्गत 'हिन्दी' को भारतसंघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया है।
- राजभाषा आयोग का प्रथम गठन 1955 में किया गया था, जिसके अध्यक्ष बी॰जी॰ खरे थे।
- भारत की प्राचीन भाषाएँ 'पाली और प्राकृत' है।
- विश्व की सबसे प्राचीन ज्ञात लिखित भाषाएँ सुमेरियन है।
- भाषाई आधार पर गठित सर्वप्रथम राज्य आंध्र-प्रदेश है।

लिपि की परिभाषा

मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहा जाता है। अर्थात् किसी भाषा को लिखने का ढ़ंग लिपि है। प्राय: हर भाषा की अपनी लिपि होती है। जैसे :-

'हिन्दी' देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।
'पंजाबी' गुरूमुखी लिपि में लिखी जाती है।
'अंग्रेजी' रोमन लिपि में लिखी जाती है।
'उर्दू' फारसी लिपि में लिखी जाती है।
'बंगला' बंगला लिपि में लिखी जाती है।
'अरबी' अरबी लिपि में लिखी जाती है।

- फारसी लिपि दायीं से बायीं ओर लिखी जाती है।
- देवनागरी और रोमन लिपि बायीं से दायीं ओर लिखी जाती है।
- हिन्दी के अलावा संस्कृत, मराठी, नेपाली भाषाएँ भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- चीनी और जापानी लिपियाँ ऊपर से नीचे की ओर लिखी जाती है।
- भाषा की सभी लिपियाँ ब्राह्मी लिपि से ही निकली है।
- ब्राह्मी लिपि का प्रयोग वैदिक आर्यों ने शुरू किया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

1. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ ?
(A) पंजाब (B) जम्मू-कश्मीर
(C) राजस्थान (D) आंध्र प्रदेश

2. हिन्दी भाषा की लिपि है ?
(A) प्राकृत (B) देवनागरी
(C) पाली (D) इनमें से कोई नहीं

3. गोवा की स्वीकृत राजभाषा है ?
(A) कोंकणी (B) पुर्तगाली
(C) मराठी (D) गुजराती

4. कबीर दास की भाषा थी -
(A) खड़ी बोली (B) सधुक्कड़ी
(C) कन्नौजी (D) ब्रज

5. वर्तमान हिन्दी का प्रचलित रूप है ?
(A) अवधी (B) ब्रजभाषा
(C) खड़ी बोली (D) देवनागरी

6. हिन्दी किस भाषा-परिवार की भाषा है -
(A) भारोपीय (B) द्रविड़
(C) आस्ट्रिक (D) चीनी-तिब्बती

7. हिन्दी की आदि जननी है -
(A) संस्कृत (B) पाली
(C) प्राकृत (D) अपभ्रंश

8. राजभाषा आयोग का प्रथम गठन कब हुआ था ?
(A) 1953 (B) 1955
(C) 1943 (D) 1960

9. अरबी लिपि लिखी जाती है -
(A) बायें से दायें (B) दायें से बायें
(C) ऊपर से नीचे (D) नीचे से ऊपर

10. पंजाबी किस लिपि में लिखी जाती है ?
(A) देवनागरी (B) रोमन
(C) फारसी (D) गुरूमुखी

11. सिंधी को 15वीं भाषा के रूप में कब मान्यता मिली ?
(A) 1965 ई॰ (B) 1967 ई॰
(C) 1955 ई॰ (D) 1930 ई॰

12. वर्तमान में 8 वीं अनुसूची में कुल कितनी भाषाएँ है ?
(A) 14 (B) 15
(C) 18 (D) 22

13. विश्व की सबसे प्राचीन भाषाएँ है ?
(A) पारसियन (B) सुमेरियन
(D) ग्रीक (D) कोई नहीं

14. राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे -
(A) आसफ अली (B) बी॰ जी॰ खरे
(C) यशवंत सिंह (D) जॉन मथाई

15. भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली दूसरी भाषा कौन-सी है ?
(A) हिन्दी (B) बांग्ला
(C) तेलगू (D) उर्दू

16. देवभाषा कौन-सी है ?
(A) हिन्दी (B) पाली
(C) संस्कृत (D) कोई नहीं

17. ब्रजभाषा किस लिपि में लिखी जाती है ?
(A) गुरुमुखी (B) ब्रह्मी
(C) फारसी (D) देवनागरी

18. सर्वप्रथम भाषा का प्रयोग किस रूप में हुआ ?
(A) लिखित (B) मौखिक
(C) सांकेतिक (D) कोई नहीं

19. भारत की सबसे प्राचीन भाषा है ?
(A) हिन्दी (B) संस्कृत
(C) पाली (D) अपभ्रंश

20. भारत की राष्ट्रभाषा कौन-सी है ?
(A) हिन्दी (B) संस्कृत
(C) उर्दू (D) तेलगु

21. भाषा के लिखने का ढ़ंग है -
(A) व्याकरण (B) लिपि
(C) वाक्य (D) शब्द

22. भाषा साधक है -
(A) अभिव्यक्ति का (B) ज्ञान का
(C) लिखने का (D) बोलने का

23. पूर्वी हिन्दी किस अपभ्रंश से निकली है ?
(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री
(C) मागधी (D) अर्ध-मागधी

24. ब्रजभाषा का विकास किससे हुआ ?
(A) उपनागर (B) मागधी
(C) शौरसेनी (D) पैशाची

25. 'पद्मावत' की भाषा है -
(A) मैथिली (B) अवधी
(C) भोजपुरी (D) बुन्देली

26. आधुनिक देवनागरी का प्राचीन रूप है -
(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) देवप्रिय (D) पाली

27. देवनागरी लिपि में सुधारों का आरंभिक प्रयत्न किसने किया था ?
(A) राहुल सांकृत्यायन (B) सुनीति कुमार चटर्जी
(C) बाल गंगाधर तिलक (D) महादेव गोविन्द रानाडे

28. भाषा की उत्पत्ति किस धातु सें हुई है ?
(A) भाषा (B) भाष्
(C) भाष्य (D) भास

29. हिन्दी की उप-भाषाओं की संख्या है ?
(A) 5 (B) 10
(C) 15 (D) 12

30. भारत की राजभाषा को कब स्वीकार किया गया ?
(A) 14 अगस्त, 1950 (B) 14 सितम्बर, 1949
(C) 14 दिसम्बर, 1948 (D) 14 नवम्बर, 1949

Join WhatsApp Group

31. 'संघ की भाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी' यह संविधान की किस अनुच्छेद में कहा गया है ?
(A) 343 (B) 372
(C) 350 (D) 243

32. हिन्दी भाषा के बोलियों की मूल संख्या कितनी है ?
(A) 22 (B) 25
(C) 15 (D) 18

33. 'मालवी' हिन्दी की किस उप-भाषा के अंतर्गत आती है ?
(A) राजस्थानी (B) बिहारी
(C) खड़ी बोली (D) पूर्वी हिन्दी

34. 'छतीस गढ़ी' बोली किस हिन्दी के अंतर्गत आती है ?
(A) पहाड़ी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पूर्वी हिन्दी (D) बिहारी हिन्दी

35. नेपाली भाषा किस लिपि में लिखी जाती है ?
(A) ब्राह्मी (B) देवनागरी
(c) खरोष्ठी (D) पहाड़ी

36. 'राष्ट्रभाषा' निम्नलिखित में कौन-सी है ?
(A) सरकारी काम-काज की भाषा
(B) संविधान-स्वीकृत भाषा
(C) बहु संख्यक देशवासियों द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा
(D) साहित्य-सृजन की भाषा

37. खड़ी बोली किस हिन्दी क्षेत्र के अंतर्गत आती है ?
(A) पूर्वी हिन्दी (B) बिहारी हिन्दी
(C) पश्चिमी हिन्दी (D) पहाड़ी हिन्दी

38. 'हिन्दी' शब्द की व्युत्पत्ति किस शब्द से हुई है ?
(A) हिन्द से (B) हिन्दू से
(C) सिन्धु से (D) इनमें से कोई नहीं

39. संविधान में हिन्दी को कौन-सा दर्जा दिया गया है ?
(A) राष्ट्रभाषा (B) राजभाषा
(C) आर्यभाषा (D) A और B दोनों

40. देवनागरी लिपि किस प्रकार की लिपि है ?
(A) अक्षरात्मक (B) संकेतात्मक
(C) चित्रात्मक (D) ध्वन्यात्मक

41. किस राज्य की राजभाषा अंग्रेजी है ?
(A) नागालैंड (B) मणिपुर
(C) मेघालय (D) उपर्युक्त सभी

42. देवनागरी को दक्षिण भारत में किस नाम से जाना जाता है ?
(A) उत्तरी नागरी (B) ब्रह्म नागरी
(C) देवनागरी (D) नन्द नागरी

43. कौन-सी भाषा मानक भाषा नहीं मानी जाती है ?
(A) अंग्रेजी (B) उर्दू
(C) अवधी (D) हिन्दी

44. बोली के संदर्भ में कौन-सा कथन गलत है ?
(A) बोली में केवल मौखिक साहित्य-परम्परा होती है।
(B) बोली ही विकसित होकर 'भाषा' बन जाती है।
(C) एक भाषा की अनेक बोलियाँ हो सकती है।
(D) 'बोली' भाषा की आधारशिला है।

45. खड़ी बोली निम्नलिखित में कहाँ बोली जाती है ?
(A) झाँसी (B) कानपुर
(C) मेरठ (d) अलीगढ़

46. शौरसेनी अपभ्रंश से किस उपभाषा का विकास हुआ ?
(A) राजस्थानी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पूर्वी हिन्दी (D) पहाड़ी

47. पूर्वी हिन्दी की बोली है ?
(A) बाँगरू (B) कन्नौजी
(C) बघेली (D) बुन्देली

48. राजस्थानी उप-भाषा में कितनी बोलियाँ हैं ?
(A) चार (B) पाँच
(C) छः (D) सात

49. देवनागरी लिपि का विकास किस लिपि में हुआ है ?
(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) नाग लिपि (D) हिब्रू

50. खड़ी बोली का उद्‌भव अपभ्रंश के किस रूप में हुआ ?
(A) अर्द्ध मागधी (B) मागधी
(C) शौरसेनी का उत्तरी रूप (D) ब्राचड़

51. खड़ी बोली का सर्वाधिक उपयुक्त प्राचीन नाम है ?
(A) रेख्ता (B) हिन्दवी
(C) देहलवी (d) कौरवी

52. हिन्दी साहित्य का इतिहास कितने काल खण्डों में विभाजित है ?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छः

53. 'पृथ्वीराज रासो' किस भाषा में रचित है ?
(A) अवधी (B) ब्रजभाषा
(C) भोजपुरी (D) राजस्थानी

54. हिन्दी साहित्य के आदिकाल को अपभ्रंश काल किसने कहा ?
(A) डॉ॰ धीरेन्द्र वर्मा (B) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
(C) केवल A (D) A और B दोनों

55. आदिकाल में खड़ी बोली में रचना किसने पहले की ?
(A) हाजी मुहम्मद (B) विद्यापति
(C) कुशलराय (D) अमीर खुसरो

56. शुक्लजी ने हिन्दी का प्रथम महाकवि किसको माना है ?
(A) तुलसीदास (B) विद्यापति
(C) कबीर (D) चन्दबरदाई

57. हिन्दी की प्रथम साहित्यिक रचना है -
(A) चन्दबरदाई कृत पृथ्वीराज रासो।
(B) स्वयम्भू कृत पउम चरित।
(C) पुष्पदन्त कृत महापुराण।
(D) रामसिंह कृत पाहुड़ दोहा

58. हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है -
(A) आल्ह खण्ड (B) पृथ्वीराज रासो
(C) पद्मावत (D) प्रिय प्रवास

59. हिन्दी का प्रथम कवि है -
(A) सरहपाद (B) स्वयम्भू
(C) चन्दबरदाई (D) हेमचन्द्र

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

60. हिन्दी का प्रथम बड़ा महाकाव्य है -
(A) पद्मावत (B) कामायनी
(C) परमाल रासो (D) प्रिय प्रवास

61. बारहमासा का वर्णन सर्वप्रथम किस ग्रन्थ में मिलता है ?
(A) वीसलदेव रासो (B) सन्देश रासो
(C) पृथ्वीराज रासो (D) खुमान रासो

62. हिन्दी गीतिकाव्य का जनक कौन कवि है ?
(A) स्वयम्भू (B) विद्यापति
(C) पुष्पदन्त (D) सरहपा

63. भारत में सर्वाधिक बोली जानेवाली भाषा कौन-सी है ?
(A) हिन्दी (B) संस्कृत
(C) तमिल (D) उर्दू

64. 'हिन्दी' भाषा का जन्म हुआ है ?
(A) अपभ्रंश से (B) लौकिक संस्कृत से
(C) पालि-प्राकृत से (D) वैदिक संस्कृत से

65. भारतवर्ष में हिन्दी को आप किस वर्ग में रखेंगे ?
(A) राजभाषा (B) राष्ट्रभाषा
(C) विभाषा (D) तकनीकी भाषा

66. निम्नलिखित में कौन-सी भाषा संस्कृत भाषा की अपभ्रंश है ?
(A) खड़ी बोली (B) ब्रजभाषा
(C) अवधी (D) पालि

67. अधिकतर भारतीय भाषाओं का विकास किस लिपि में हुआ ?
(A) शारदा लिपि (B) खरोष्ठी लिपि
(C) कुटिल लिपि (D) ब्राह्मी लिपि

68. भारतीय संविधान में किन अनुच्छेदों में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है ?
(A) 343-351 तक (B) 434-315 तक
(C) 443-135 तक (D) 334-153 तक

69. हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन-सा है ?
(A) पालि-प्राकृत-अपभ्रंश-हिन्दी (B) प्राकृत-अपभ्रंश-हिन्दी-पालि
(C) अपभ्रंश-पालि-प्राकृत-हिन्दी (D) हिन्दी-पालि-अपभ्रंश-प्राकृत

70. संविधान के अनुच्छेद-351 में किस विषय का वर्णन है ?
(A) संघ की राजभाषा (B) उच्चतम न्यायालय की भाषा
(C) पत्राचार की भाषा (D) हिन्दी के विकास के लिए निर्देश

71. 'ब्रजभाषा' है ?
(A) पूर्वी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) बिहारी हिन्दी (D) पहाड़ी हिन्दी

72. 'मगही' किस उपभाषा की बोली है ?
(A) राजस्थानी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पूर्वी हिन्दी (D) बिहारी

73. भाषा के आधार पर भारतीय राज्यों की पुन: संरचना की गई थी ?
(A) 1952 ई॰ में (B) 1953 ई॰ में
(C) 1954 ई॰ में (D) 1956 ई॰ में

74. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(A) 15 अगस्त, 1947 ई॰ (B) 26 जनवरी, 1950 ई॰
(C) 14 सितम्बर, 1949 ई॰ (D) 14 सितम्बर, 1950 ई॰

75. आठवां विश्व हिन्दी सम्मेलन 2007 ई॰ का आयोजन स्थल था -
(A) नागपुर (B) मारिशस
(C) लंदन (D) न्यूयार्क

76. मौखिक भाषा की आधारभूत इकाई क्या है -
(A) वर्ण (B) ध्वनि
(C) वाक्य (D) शब्द

77. लिखित भाषा की आधारभूत इकाई क्या है -
(A) वर्ण (B) ध्वनि
(C) वाक्य (D) शब्द

78. मानक हिन्दी से क्या तात्पर्य है -
(A) साहित्यिक पुस्तकों की भाषा
(B) साधारण बोलचाल की भाषा
(C) शिष्ट और सुशिक्षित लोगों की भाषा
(D) केवल पढ़ाई-लिखाई की काम में लायी जाने वाली भाषा

79. किस पुस्तक में हिन्दी का सर्वप्रथम उल्लेख हुआ -
(A) महाभारत (B) रामचरितमानस
(C) ऋग्वेद (D) अवेस्ता

80. अपभ्रंश का दूसरा नाम बताइए ?
(A) अवहट (B) देसी
(C) लोकभाषा (D) पैशाची भाषा

81. 'प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन' नागपुर (भारत) में कब आयोजित किया गया था ?
(A) 10-12 जनवरी, 1975 (B) 10-15 जनवरी, 1975
(C) 10-14 जनवरी, 1975 (D) 10-18 जनवरी, 1975

82. अपभ्रंश को पुरानी हिन्दी किसने कहा ?
(A) जायसी (B) अमीर खुसरो
(C) विद्यापति (D) चंद्रधर शर्मा गुलेरी

83. भाषा की सबसे बड़ी इकाई क्या है ?
(A) वाक्य (B) ध्वनि
(C) शब्द (D) अर्थ

84. 'खड़ी बोली' का दूसरा नाम क्या है ?
(A) मगही (B) कौरवी
(C) हिन्दुस्तानी (D) बघेली

85. भाषा का प्राचीन रूप किस ग्रंथ में मिलता है ?
(A) सामवेद (B) अथर्वेद
(C) ऋग्वेद (D) उपनिषद

उत्तरमाला

1. (D)	2. (B)	3. (A)	4. (B)	5. (C)	6. (A)	7. (A)	8. (B)
9. (B)	10. (D)	11. (B)	12. (D)	13. (B)	14. (B)	15. (B)	16. (C)
17. (D)	18. (C)	19. (B)	20. (A)	21. (B)	22. (A)	23. (D)	24. (C)
25. (B)	26. (B)	27. (C)	28. (B)	29. (A)	30. (B)	31. (A)	32. (D)
33. (D)	34. (C)	35. (B)	36. (C)	37. (C)	38. (C)	39. (B)	40. (A)
41. (A)	42. (D)	43. (C)	44. (A)	45. (C)	46. (B)	47. (C)	48. (A)
49. (B)	50. (C)	51. (A)	52. (B)	53. (B)	54. (D)	55. (D)	56. (D)
57. (A)	58 (B)	59. (A)	60. (A)	61. (A)	62. (B)	63. (A)	64. (A)
65. (A)	66. (D)	67. (D)	68. (A)	69. (A)	70. (D)	71. (B)	72. (D)
73. (D)	74. (C)	75. (D)	76. (D)	77. (A)	78. (A)	79. (D)	80. (A)
81. (C)	82. (D)	83. (A)	84. (B)	85. (C)			

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

वर्ण एवं ध्वनि

वर्ण : भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है। वर्ण उस मूल ध्वनि को कहते है जिसके खण्ड एवं टुकड़े नहीं किए जा सकते। जैसे – अ, इ, क्, च् इत्यादि।

वर्णमाला : वर्णों के व्यवस्थित समूह या समुदाय को वर्णमाला कहते है। मूलत: हिन्दी में कुल 50 वर्ण है। जिसमें 13 स्वर, 33 व्यंजन तथा 4 संयुक्त व्यंजन है, जो निम्न प्रकार है –

स्वर : अ आ इ ई उ ऊ (ऋ) ए ऐ ओ औ (अं) (अ:)

[कुल : 10 + (3) = 13]

व्यंजन : –

(i)	क-वर्ग	–	क ख ग घ ङ					स्पर्श व्यंजन = 25
	च-वर्ग	–	च छ ज झ ञ					
	ट-वर्ग	–	ट ठ ड ढ ण					
	त-वर्ग	–	त थ द ध न					
	प-वर्ग	–	प फ ब भ म					
(ii)	अंत:स्थ	–	य र ल व	= 4				
(iii)	ऊष्म	–	श ष स ह	= 4				
(iv)	संयुक्त	–	क्ष त्र ज्ञ श्र	= 4				

■ संयुक्त व्यंजन : इन व्यंजनों की रचना दो व्यंजनों के मेल से होता है।

जैसे – क्ष = क् + ष

त्र = त् + र

ज्ञ = ज् + ञ

श्र = श् + र

■ अयोगवाह वर्ण : अं (ं) और अ: (:) को अयोगवाह कहा जाता है, क्योंकि ये न तो पूर्णत: स्वर है और न ही व्यंजन। ये हमेशा स्वर के बाद और व्यंजन के पहले आते है।

वर्णों के भेद

वर्णों के दो प्रकार है –

A. स्वर वर्ण

B. व्यंजन वर्ण

■ स्वर वर्ण : स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण अर्थात् वैसे वर्ण जिनका उच्चारण किसी दूसरे वर्ण के सहायता के बिना होता है 'स्वर' कहलाते है। जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ आदि।

स्वरों का वर्गीकरण

स्वरों के उच्चारण में कंठ एवं तालू का प्रयोग होता है, जीभ, होठ का नहीं। इस तरह उच्चारण के आधार पर स्वर दो प्रकार के होते है –

(a). मूल स्वर या हर्स्व स्वर

(b). दीर्घ स्वर

■ मूल स्वर : जिस स्वरों के उच्चारण में अन्य स्वरों की सहायता नहीं लेनी पड़ती उसे मूल स्वर या ह्र्स्व स्वर कहते हैं।

जैसे – अ, इ, उ, ऋ

■ दीर्घ स्वर : जिन स्वरों के उच्चारण में मूल स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उसे दीर्घ स्वर कहते है। जैसे –

आ = अ + अ ई = इ + इ

ऊ = उ + उ ए = अ + इ

ऐ = अ + ए ओ = अ + उ

औ = अ + ओ आदि।

■ व्यंजन वर्ण : स्वरों की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण अर्थात् जिनका उच्चारण स्वर की सहायता से होता है, 'व्यंजन' कहलाते है।

जैसे – क, ख, ग, घ, ङ, छ आदि।

व्यंजनों का वर्गीकरण

व्यंजन वर्णों को तीन श्रेणियों में रखा गया है –

(i) स्पर्श

(ii) अंत:स्थ

(iii) उष्म

■ स्पर्श व्यंजन : 'क (क-वर्ग) से म (प-वर्ग)' तक 25 व्यंजन स्पर्श है। इनका उच्चारण क्रमश: कण्ठ, तालु, मुर्द्धा, दन्त, ओष्ठ स्थानों के स्पर्श से होता है।

■ अंत:स्थ व्यंजन : 'य, र, ल तथा व' अंत:स्थ व्यंजन है। ये स्वर और व्यंजन के बीच स्थित है, जो जीभ, तालु, दाँत और ओठों को परस्पर सटाने से उच्चरित होते है।

■ उष्म व्यंजन : 'श, ष, स और ह' उष्म व्यंजन है, जिनका उच्चारण एक प्रकार की रगड़ से उत्पन्न उष्म (गर्म) वायु से होता है।

याद रखें : प्रत्येक व्यंजन के उच्चारण में 'अ' ध्वनि छिपी रहती है। जैसे –

क = क् + अ, ख = ख् + अ,

च= च् + अ, म = म् + अ आदि।

हिन्दी ध्वनियों के उच्चारण स्थान

मुँह के जिस भाग से वर्णों की ध्वनियों का उच्चारण होता है, उसे उच्चारण स्थान कहते है। उच्चारण स्थान की दृष्टि से वर्णों को निम्नलिखित वर्गों में बाँटा गया है –

नाम	वर्ण	उच्चारण स्थान
कंठ्य वर्ण	अ, आ, क-वर्ग, विसर्ग और ह	कंठ
तालव्य वर्ण	इ, ई, च-वर्ग, य और श	तालु
मूर्धन्य वर्ण	ऋ, ट-वर्ग, र तथा ष	मूर्धा
दंत्य वर्ण	त-वर्ग और स, ल	दंत
ओष्ठ्य वर्ण	उ, ऊ और प-वर्ग	ओठ
कण्ठ-तालव्य वर्ण	ए और ऐ	कण्ठ-तालु
कंठोष्ठ्य वर्ण	ओ और औ	कण्ठ-ओष्ठ
दंतोष्ठ्य वर्ण	व और फ	दन्त-ओष्ठ
नासिक्य वर्ण	ङ् ञ् ण् न् म्	नासिक
अलिजिह्व वर्ण	क़, ख़, ग़, ज़ और फ़	अलिजिह्व

अघोष तथा घोष ध्वनि

स्वर-तंत्रियों (नाद) के आधार पर ध्वनि का वर्गीकरण दो भागों में किया गया है – (i) अघोष ध्वनि

(ii) घोष ध्वनि

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

■ अघोष ध्वनि : जिन ध्वनियों के उच्चारण में स्वर तंत्रियों में कंपन न हो, उसे अघोष ध्वनि कहते है। अर्थात् हर वर्ग का पहला एवं दूसरा व्यंजन।

जैसे – क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, श, ष, और स

इस प्रकार अघोष ध्वनियों की संख्या 13 है।

■ घोष ध्वनि : जिन ध्वनियों के उच्चारण में स्वर तंत्रियों में कंपन हो, उसे घोष ध्वनि कहते है। अर्थात् सभी स्वर और हर वर्ग का तीसरा, चौथा तथा पाँचवाँ व्यंजन। जैसे – सभी स्वर ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व और ह।

इस प्रकार घोष ध्वनियों की संख्या 31 है।

अल्पप्राण तथा महाप्राण

उच्चारण में वायु प्रक्षेप या श्वास की दृष्टि से दो प्रकार के वर्ण माने गए है – (i) अल्पप्राण

(ii) महाप्राण

■ अल्पप्राण : जिन वर्णों के उच्चारण में मुँह से गर्म वायु का प्रक्षेपण कम या एकदम नहीं हो साथ ही मुँह से 'हकार' की ध्वनि भी न निकले 'अल्पप्राण' वर्ण कहलाते है।

जैसे – (i) प्रत्येक वर्ग का प्रथम, तृतीय और पंचम वर्ण तथा

(ii) अन्त:स्थ व्यंजन।

अर्थात् क, ग, ङ, च, ज, ञ, ट, ड, ण, ... तथा य, र, ल, व अल्पप्राण वर्ण है।

■ महाप्राण : जिन वर्णों के उच्चारण में मुँह से गर्म वायु का प्रक्षेपण अधिक हो साथ ही मुँह से 'हकार' की ध्वनि भी निकले 'महाप्राण' वर्ण कहलाते है।

जैसे – (i) हर वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण तथा

(ii) उष्म व्यंजन (श, ष, स)

अर्थात् – ख, घ, छ, ज, ठ, ढ़, ... तथा श, ष, स महाप्राण वर्ण है।

बलाघात, अनुतान तथा संगम

■ बलाघात या स्वराघात : बोलते समय किसी अक्षर या शब्द पर जो बल दिया जाता है, उसे 'बलाघात' या 'स्वराघात' कहा जाता है। बलाघात का प्रभाव बोलने और समझने पर पड़ता है। जैसे – 'दिन' शब्द में कोई बलाघात नहीं है, पर 'दीन' शब्द में 'दी' वर्ण पर बलाघात काम करता है। इसी से 'दिन' और 'दीन' – इन दोनों शब्दों के अर्थ में अन्तर आ जाता है।

■ अनुतान : उच्चरित ध्वनि की स्वर-लहरियों में उतार-चढ़ाव को 'अनुतान' कहते है। इस स्वर-लहर के कारण 'शब्द' तथा 'वाक्य' के अर्थ बदल जाते है। जैसे –

सामान्य कथन	अच्छा
प्रश्नवाचक	अच्छा ?
आश्चर्य सूचक	अच्छा !

पुन:

यह कलम राम की है। (सामान्य कथन)

यह कलम राम की है! (आश्चर्य)

उपर्युक्त दोनों वाक्य समान है। पर, सुर और अनुतान के बदल जाने से प्रथम वाक्य का सामान्य कथन दूसरे वाक्य में आश्चर्य सूचक बन गया है।

■ संगम : शब्दों और वाक्यों के उच्चारण क्रम में अल्पकालीन मौनावस्था या विरामावस्था को संगम कहते है। 'संगम' होने या न होने से वाक्य के अर्थ में अंतर पड़ता है। जैसे –

दवाखाना।	– दवा खाना ।
दवा पीली है।	– दवा पी ली है।

वर्ण-विच्छेद

■ वर्ण-विच्छेद : कोई भी शब्द वर्णों के सहयोग से बनता है। किसी शब्द के सभी वर्णों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया को वर्ण विच्छेद कहा जाता है।

वर्ण विच्छेद के नियम

(i) प्रत्येक व्यंजन के उच्चारण में 'अ' ध्वनि छिपी रहती है।

अर्थात् क = क् + अ, ख = ख् + अ, च = च् + अ

(ii) संयुक्त व्यंजनों की रचना दो व्यंजनों के मेल से होता है।

अर्थात् क्ष = क् + ष, त्र = त् + र, ज्ञ = ज् + ञ

श्र = श् + र आदि।

(iii) वर्ण विच्छेद के लिए इन्हें भी याद रखें –

अर्थात् कि = क् + इ, की = क् + ई, क्र = क् + र् + अ

द्या = द् + य् + आ, द्ध = द् + ध् + आ।

नीचे कुछ शब्दों का वर्ण विच्छेद कर दिखाया जा रहा है –

- कमल = क् + अ + म् + अ + ल् + अ
- किसान = क् + इ + स् + आ + न् + अ
- रंजन = र् + अं + ज् + अ + न् + अ
- गणेश = ग् + अ + ण् + ए + श् + अ
- विद्यार्थी = व् + इ + द् + य् +आ + र् + थ् + ई
- शिक्षा = श् + इ + क् + ष् + आ
- क्लिष्ट = क् + ल् + इ + ष् + ट् + अ
- रंजय = र् + अं + ज् + अ + य् + अ
- विद्यालय = व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ
- अशुद्ध = अ + श् + उ + द् + ध् + अ
- उपर्युक्त = उ + प् + अ + र् + य् + उ + क् + त् + अ
- स्वास्थ्य = स् + व् + आ + स् + थ् + य् + अ
- व्युत्पत्ति = व् + य् + उ + त् + प् + अ + त् + त् + इ
- ऐतिहासिक = ऐ + त् + इ + ह् + आ + स् + इ + क् + अ
- आक्रमण = आ + क् + र् + अ + म् + अ + ण् + अ
- उद्यान = उ + द् + य् + आ + न् + अ
- आकांक्षा = आ + क् + आं + क् + ष् + आ

प्लुत वर्ण

■ प्लुत वर्ण : जिन वर्णों के उच्चारण में तिगुना समय लगे प्लुत वर्ण कहलाते है। जैसे – ऊँ । ओइम ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. क्ष, त्र, ज्ञ वर्ण है –

(A) संयुक्त व्यंजन (B) ऊष्म व्यंजन

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

(C) स्पर्श व्यंजन (D) अन्त:स्थ व्यंजन

2. निम्नलिखित में अयोगवाह किसे कहा गया है ?

(A) संयुक्त व्यंजन (B) विसर्ग

(C) घोष (D) महाप्राण

3. 'फ, ब' किस प्रकार के वर्ण है ?

(A) दन्तोष्ठ्य (B) मूर्धन्य

(C) तालव्य (D) कष्ठोष्ठ्य

4. ध्वनि किसकी लघुत्तम इकाई है ?

(A) शब्द (B) भाषा

(C) वाक्य (D) अक्षर

5. लघुत्तम वाग्-ध्वनि को कहते है -

(A) स्वर (B) व्यंजन

(C) वर्ण (D) शब्द

6. वर्णमाला में मात्रा का अर्थ है -

(A) वर्ण की मात्राएँ

(B) वर्ण के उच्चारण में लगने वाला समय

(C) ध्वनि का परिमाण (D) वर्णों का क्रम

7. बिना अवरोध के उच्चरित होने वाले वर्ण कहलाते है -

(A) घोष (B) स्पर्श

(C) स्वर (D) व्यंजन

8. व्यंजन की परिभाषा है -

(A) दीर्घ स्वर वाले वर्ण

(B) स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण

(C) बिना किसी के सहायता से बोले जाने वाले वर्ण

(D) बिना अवरोध के बोले जाने वाले वर्ण

9. इनमें से कौन स्पर्श व्यंजन है ?

(A) क-वर्ग (B) च-वर्ग

(C) त-वर्ग (D) ये सभी

10. 'क्' कौन-सा व्यंजन है ?

(A) तालव्य (B) दंत्य

(C) मूर्धन्य (D) कंठ्य

11. उच्चारण स्थान की दृष्टि से 'क-वर्ग' के सभी वर्ण क्या कहलाते है?

(A) तालव्य (B) कंठ्य

(C) मूर्धन्य (D) दंत्य

12. निम्नलिखित ध्वनियों में से बताइये कि कौन-सा वर्ण ओष्ठ्य नहीं है ?

(A) म (B) प

(C) फ (D) ञ

13. निम्नलिखित वर्णों में कौन-सा मूर्धन्य है ?

(A) च (B) ज

(C) ट (D) झ

14. व्यंजनों में बताइए कौन-सा वर्ण महाप्राण है ?

(A) क (B) ख

(C) ग (D) ङ

15. निम्नलिखित में संयुक्त व्यंजन कौन-से है ?

(A) य, र, ल, व (B) श, स, ष, ह

(C) क्ष, त्र, ज्ञ (D) प, फ, ब, भ

16. निम्नलिखित में कौन-सा वर्ण नासिक्य है ?

(A) ञ (B) क्ष

(C) छ (D) ष

17. 'च, छ, ज, झ, ञ' ये ध्वनियाँ क्या कहलाती है ?

(A) कंठ्य (B) मूर्धन्य

(C) तालव्य (D) दन्तोष्ठ

18. निम्न में से 'अल्पप्राण' वर्ण कौन है ?

(A) क, ग (B) अ, आ

(C) फ, भ (D थ, छ

19. निम्न में से 'तालव्य' ध्वनियाँ कौन-सी है ?

(A) ड, ढ़, ण, ड़ (B) क, ख, ग, घ

(C) च, छ, ज, झ (D) त, थ, द, ध

20. वर्णमाला में कुल व्यंजनों की संख्या कितनी है ?

(A) 11 (B) 45

(C) 33 (D) 50

21. निम्न में से घोष वर्ण कौन-से है ?

(A) थ (B) ख

(C) च (D) ह

22. हिन्दी वर्णमाला में मूल स्वर कितने है ?

(A) छ: (B) सात

(C) चार (D) दो

23. निम्न में से महाप्राण वर्ण कौन-से है ?

(A) ख, घ (B) क, च

(C) य, र (D) त, द

24. वर्णमाला कहते हैं -

(A) शब्द-समूह को (B) वर्णों के संकलन को

(C) शब्द गणना को (D) वर्णों के व्यवस्थित समूह को

25. 'ए', 'ऐ' वर्ण क्या कहलाते है ?

(A) नासिक्य (B) मूर्धन्य

(C) ओष्ठ्य (D) कंठ-तालव्य

26. 'श', 'ष', 'स', 'ह' कौन-से व्यंजन कहलाते है ?

(A) प्रकंपी (B) स्पर्शी

(C) संघर्षी (D) स्पर्श-संघर्षी

27. हिन्दी में मूलत: वर्णों की संख्या कितनी है ?

(A) 50 (B) 25

(C) 46 (D) 33

28. अघोष वर्ण कौन-सा है ?

(A) अ (B) ज

(C) ह (D) स

29. जिन शब्दों के अंत में 'अ' आता है, उन्हें क्या कहते हैं ?

Join WhatsApp Group

(A) अनुस्वार (B) अयोगवाह
(C) अंत:स्थ (D) अकारांत

30. हिन्दी वर्णमाला के अंतिम पंचमाक्षरों का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) अनुनासिक (B) कण्ठ्य
(C) तालव्य (D) मूर्धन्य

31. निम्नलिखित में कौन एक स्पर्श व्यंजन है ?
(A) श (B) छ
(C) ल (D) ह

32. इनमें से कौन-सा युग्म अघोष ध्वनि है ?
(A) ग, घ (B) ड, ढ
(C) प, फ (D) द, ध

33. 'क्ष' वर्ण किसके योग से बना है ?
(A) क् + ष (B) क् + च
(C) क् + छ (D) क् + श

34. निम्नलिखित में से कौन स्वर नहीं है ?
(A) अ (B) उ
(C) ए (D) ञ

35. हिन्दी भाषा में वे कौन-सी ध्वनियाँ है, जो स्वतंत्र रूप से बोली या लिखी जाती है ?
(A) स्वर (B) व्यंजन
(C) वर्ण (D) अक्षर

36. निम्नलिखित में से कौन एक संयुक्त व्यंजन नहीं है ?
(A) क्ष (B) ष
(C) त्र (D) ज्ञ

37. 'छ' ध्वनि का उच्चारण स्थान है -
(A) दन्त्य (B) ओष्ठ्य
(C) तालव्य (D) नासिक्य

38. मूर्धन्य ध्वनियाँ कौन-सी है ?
(A) च, छ, ज, झ (B) ट, ठ, ड, ढ
(C) त, थ, द, ध (D) प, फ, ब, भ, म

39. 'क्ष' ध्वनि किसके अंतर्गत आती है ?
(A) मूल स्वर (B) घोष वर्ण
(C) संयुक्त वर्ण (D) तालव्य

40. अघोष वर्ण कौन-सा है ?
(A) अ (B) ज
(C) ह (D) स

41. निम्नलिखित में से कौन अयोगवाह है ?
(A) विसर्ग (B) महाप्राण
(C) संयुक्त व्यंजन (D) अल्पप्राण

42. निम्नलिखित में कौन-सी पश्च-स्वर है ?
(A) आ (B) इ
(C) ज (D) ढ

43. 'श' ध्वनि का उच्चारण स्थान है -
(A) मूर्धन्य (B) तालव्य
(C) दन्त्य (D) ओष्ठ्य

44. 'ज्ञ' वर्ण किन वर्णों के संयोग से बना है ?
(A) ज + ञ (B) ज् + ञ
(C) ज + ध (D) ज + न्य

45. हिन्दी शबदकोश में 'क्ष' का क्रम किस वर्ण के बाद आता है ?
(A) क (B) छ
(C) त्र (D) ज्ञ

46. निम्न में से 'नासिक्य' व्यंजन कौन-सा है ?
(A) ष (B) ञ
(C) ग (D) ज

47. भाषा-निर्माण की इकाइयों का सही अनुक्रम है ?
(A) शब्द, ध्वनि, वाक्य, पद (B) शब्द, वाक्य, ध्वनि, पद
(C) पद, वाक्य, ध्वनि, शब्द (D) ध्वनि, शब्द, पद, वाक्य

48. कंठोष्ठ्य ध्वनि का उदाहरण है -
(A) औ (B) ए
(C) क (D) त

49. य, र, ल, व - किस वर्ग के व्यंजन है ?
(A) तालव्य (B) ऊष्म
(C) अन्त:स्थ (D) ओष्ठ्य

50. निम्न में से 'अल्पप्राण' वर्ण कौन-से है ?
(A) अ, आ (B) क, ग
(C) थ, ध (D) फ, भ

51. हिन्दी वर्णमाला में स्वरों की संख्या कितनी है ?
(A) आठ (B) नौ
(C) तेरह (D) चौदह

52. अनुनासिक व्यंजन कौन-से होते है ?
(A) वर्ग के प्रथमाक्षर (B) वर्ग के तृतीयाक्षर
(C) वर्ग के चतुर्थाक्षर (D) वर्ग के पंचमाक्षर

53. हिन्दी वर्णमाला में 'अ' और 'अ:' क्या है ?
(A) स्वर (B) व्यंजन
(C) अयोगवाह (D) संयुक्ताक्षर

54. निम्नलिखित में कौन स्वर नहीं है ?
(A) अ (B) उ
(C) ए (D) ख

55. यदि नीचे का होठ पूरी तरह काट दिया जाए, तो किस ध्वनि के उच्चारण में कठिनाई होगी ?
(A) ल (B) ब
(C) ध (D) ख

56. निम्नांकित में से उच्चारण स्थान के आधार पर कंठ से लेकर मुख विवर में उच्चरित व्यंजन ध्वनियों का सही अनुक्रम है ?
(A) कंठ्य, तालव्य, वत्र्स्य, दंत्य, ओष्ठ्य
(B) तालव्य, कंठ्य, ओष्ठ्य, दंत्य, वत्र्स्य
(C) दंत्य, ओष्ठ्य, कंठ्य, वत्र्स्य, तालव्य
(D) ओष्ठ्य, वत्र्स्य, तालव्य, कंठ्य, दंत्य

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

57. निम्नलिखित में कौन 'ट' वर्ग नहीं है ?
(A) ड (B) ढ
(C) ण (D) घ

58. तालव्य व्यंजन है ?
(A) च, छ, ज, झ (B) ट, ठ, ड, ढ
(C) त, थ, द, ध (D) प, फ, ब, भ

59. निम्न में से कंठ्य ध्वनियाँ कौन-सी है ?
(A) क, ख (B) य, र
(C) च, ज (D) ट, ण

60. 'श', 'ष', 'स', 'ह' कौन-से व्यंजन कहलाते हैं ?
(A) अंत:स्थ (B) संयुक्त
(C) ऊष्म (D) इनमें से कोई नहीं

61. हिन्दी में ध्वनियाँ कितने प्रकार की होती है ?
(A) 2 (B) 4
(C) 6 (D) 8

62. इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ आदि का उच्चारण किससे होता है ?
(A) कंठ्य से (B) मूर्धन्य से
(C) तालव्य से (D) ओष्ठ से

63. निम्न में से घोष वर्ण कौन-सा है ?
(A) ज (B) क
(C) च (D) ट

64. वर्णमाला में स्पर्श व्यंजनों की संख्या कितनी है ?
(A) 25 (B) 30
(C) 20 (D) 35

65. प्रत्येक शब्द की वर्तनी के सभी वर्गों को उसी क्रम में अलग-अलग दिखाना क्या कहलाता है ?
(A) वर्ण संयोजन (B) वर्ण-विच्छेद
(C) संधि (D) संधि-विच्छेद

66. जिनका उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है और जो व्यंजन के उच्चारण में सहायक होते हैं, उसे कहते है ?
(A) संज्ञा (B) स्वर
(C) व्यंजन (D) विसर्ग

67. स्वर 'ए-ऐ' का उच्चारण स्थान कौन-सा है ?
(A) कंठोष्ठ (B) दंतोष्ठ
(C) कंठ तालव्य (D) ओष्ठ

68. निम्न में ओष्ठ्य वर्ण कौन-सा है ?
(A) अ (B) आ
(C) इ (D) उ

69. निम्न में अन्त:स्थ व्यंजन कौन-सा है ?
(A) ग (B) ज
(C) व (D) स

70. 'त्र' किन वर्णों के सहयोग से बना है ?
(A) त + अ (B) त् + र
(C) त + ऱ् (D) त्र् + अ

71. अयोगवाह कहा जाता है ?
(A) विसर्ग को (B) महाप्राण को
(C) संयुक्त व्यंजन को (D) अल्पप्राण को

72. अनुनासिक व्यंजन कौन-से होते है ?
(A) वर्ग के प्रथमाक्षर (B) वर्ग का तृतीयाक्षर
(C) वर्ग का चौथा व्यंजन (D) वर्ग का पंचमाक्षर

73. निम्न में अल्पप्राण व्यंजन कौन-सा है ?
(A) ख (B) ग
(C) घ (D) ठ

74. मात्रा के आधार पर स्वर कितने प्रकार के होते है ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

75. किस स्वर के उच्चारण में दीर्घ स्वर से भी अधिक समय लगता है ?
(A) अनुस्वार (B) अनुनासिक
(C) ह्रस्व (D) प्लुत

76. चवर्ग ध्वनियाँ किस वर्ग में आती है ?
(A) वत्सर्य (B) कंठ्य
(C) तालव्य (D) दंत्य

77. निम्न में दीर्घ सवर कौन है ?
(A) इ (B) ई
(C) ए (D) ऐ

78. भाषा की सार्थक लघुत्तम इकाई किसे माना जाता है ?
(A) शब्द (B) वर्ण
(C) अर्थ (D) मात्रा

79. हिन्दी भाषा में ह्रस्व स्वरों की संख्या कितनी है ?
(A) ग्यारह (B) चार
(C) सात (D) दो

80. प्लुत स्वर कौन-सा है ?
(A) ओउम् (B) अउम
(C) ओम (D) ओम्

81. स्वर किसका भेद है ?
(A) सन्धि (B) समास
(C) वर्ण (D) लिंग

उत्तरमाला

1. (A)	2. (B)	3. (A)	4. (B)	5. (C)	6. (B)	7. (C)	8. (B)
9. (D)	10. (D)	11. (B)	12. (D)	13. (C)	14. (B)	15. (C)	16. (A)
17. (C)	18. (A)	19. (C)	20. (C)	21. (D)	22. (C)	23. (A)	24. (D)
25. (D)	26. (C)	27. (A)	28. (D)	29. (D)	30. (A)	31. (B)	32. (C)
33. (A)	34. (D)	35. (A)	36. (B)	37. (C)	38. (B)	39. (C)	40. (A)
41. (A)	42. (A)	43. (B)	44. (B)	45. (A)	46. (B)	47. (D)	48. (A)
49. (C)	50. (B)	51. (C)	52. (D)	53. (C)	54. (D)	55. (B)	56. (A)
57. (D)	58. (A)	59. (A)	60. (C)	61. (A)	62. (C)	63. (A)	64. (A)
65. (B)	66. (B)	67. (C)	68. (D)	69. (C)	70. (B)	71. (A)	72. (D)
73. (B)	74. (A)	75. (D)	76. (C)	77. (B)	78. (A)	79. (B)	80. (A)
81. (C)							

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

शब्द विचार

शब्द : वर्णों या ध्वनियों के मेल से बने हुए स्वतंत्र एवं सार्थक 'वर्ण-समूह' या 'ध्वनि-समूह' को शब्द कहते है। जैसे – पुस्कालय, मकान, मिठाई, महल आदि।

शब्दों का वर्गीकरण

शब्दों का वर्गीकरण मुख्यत: चार आधारों पर किया जाता है –

(i) अर्थ के विचार से
(ii) रचना या व्युत्पति के विचार से
(iii) रूपान्तर या रूप-परिवर्तन के विचार से
(iv) उत्पत्ति या उद्गम के विचार से

सार्थक तथा निरर्थक शब्द

■ **अर्थ की दृष्टि से शब्द दो तरह के होते है –**

(i) सार्थक
(ii) निरर्थक

सार्थक शब्द : अर्थपूर्ण शब्दों को अर्थात् वह शब्द जिसका कुछ अर्थ हो, सार्थक शब्द कहलाता है। जैसे – आम, इधर, पानी आदि।

निरर्थक शब्द : अर्थहीन शब्दों को अर्थात् वह शब्द जिसका अर्थ स्पष्ट न हो, निरर्थक शब्द कहलाता है। जैसे – मआ, रघइ, नीमा आदि।

रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्द

■ **रचना के आधार पर शब्द तीन तरह के होते है –**

(i) रूढ़
(ii) यौगिक
(iii) योगरूढ़

रूढ़ : रूढ़ वे शब्द है जिनके खण्ड निरर्थक होते है। जैसे – घोड़ा, पानी आदि।

यदि घोड़ा में 'घो' और 'ड़ा' को अलग-अलग कर देने से कोई भी अर्थ नहीं निकलता है। अत: घोड़ा एक रूढ़ शब्द है।

यौगिक : यौगिक वे शब्द है, जिनके खण्ड सार्थक होते है। जैसे – विद्यालय (विद्या और आलय), रसोईघर (रसोई और घर), गंगाजल (गंगा और जल) के अलग-अलग अर्थ है। अत: वे यौगिक है।

योगरूढ़ : योगरूढ़ वे शब्द है, जो अपना सामान्य अर्थ छोड़कर विशेष अर्थ बताते है। जैसे – 'पंकज' शब्द 'पंक' और 'ज' के मेल से बना है, जिसका विशेष अर्थ है – कमल। अत: 'पंकज' योगरूढ़ शब्द है। इसी प्रकार – पिताम्बर, लम्बोदर आदि भी योगरूढ़ शब्द है।

विकारी तथा अविकारी शब्द

■ **रूपान्तर के आधार पर शब्द दो तरह के होते है –**

(i) विकारी
(ii) अविकारी

विकारी शब्द : 'विकारी' वे शब्द है, जिनके लिंग, पुरुष और वचन के कारण रूप बदलते है। जैसे –

लड़का – लड़कें – लड़कों   खाता – खाती – खाते
मैं – मुझे – मेरा   अच्छा – अच्छे – अच्छों

याद रखें : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया शब्द विकारी शब्द होते है। जैसे –

क्रिया-विशेषण अव्यय – आज, कल, परसों, अब, कब, कैसे, क्यों।
समुच्चय बोधक अव्यय – परन्तु, इसलिए, या, और, यदि, क्योंकि।
संबंध-बोधक अव्यय – के ऊपर, के नीचे, के पास, से आगे, से पीछे, की ओर, में, से, पर।
विस्मयादिबोधक अव्यय – आहा!, हा!, हाय!, ओह!, वाह!

तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज तथा संकर शब्द

■ **उत्पति-उद्गम के आधार पर शब्द पाँच तरह के होते है –**

(i) तत्सम्   (ii) तद्भव
(iii) देशज   (iv) विदेशज
(v) संकर

(i) **तत्सम :** 'तत्सम' (तत् + सम) शब्द का अर्थ है – उसके समान अर्थात् संस्कृत के समान। अत: संस्कृत के ऐसे शब्द जिसे हम ज्यों-का-त्यों प्रयोग में लाते है, तत्सम शब्द कहलाते है। जैसे –
अग्नि, रात्रि, क्षेत्र, वायु, पत्र, माता-पिता आदि।

(ii) **तद्भव :** 'तद्भव' (तत् + भव) शब्द का अर्थ है – 'उससे होना' अर्थात् संस्कृत शब्दों से विकृत होने से बने शब्द। अत: संस्कृत का ऐसे शब्द जिनका रूप विकृत हो जाता है, तद्भव शब्द कहलाते है। जैसे – आग, हाथ, खेत, पत्ता, रात आदि।

(iii) **देशी/देशज :** जो शब्द अन्य भाषाओं (संस्कृत को छोड़कर) या घरेलू बोलियों से हिन्दी में लाए गये है, वे देशज कहलाते है। जैसे – कटोरा, लोटा, पगड़ी, पेट, झोला, आदि।

(iv) **विदेशी/विदेशज :** जो शब्द किसी विदेशी भाषा से हिन्दी में मिला लिए गए है, वे विदेशज कहलाते है। जैसे –
आराम – फारसी, डॉक्टर – अंग्रेजी, लाश – तुर्की, दाम – ग्रीक आदि।

(v) **संकर शब्द :** जब दो भिन्न भाषाओं के मेल से नया शब्द बनाया जाता है, तब उसे 'संकर' शब्द कहा जाता है। जैसे –

वर्षगाँठ = वर्ष (संस्कृत) + गाँठ (हिन्दी)
टिकटघर = टिकट (अंग्रेजी) + घर (हिन्दी)
जाँचकर्त्ता = जाँच (हिन्दी) + कर्ता (संस्कृत)
जेलखना = जेल (अंग्रेजी) + खाना (फारसी)
सीलबंद = सील (अंग्रेजी) + बंद (फारसी)

तत्सम एवं तद्भव की सूची

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
• **अग्नि**	आग	• **आम्र**	आम
• **अंधकार**	अँधेरा	• **आश्रय**	आसरा
• **अस्थि**	हड्डी	• **आश्चर्य**	अचरज
• **अर्ध**	आधा	• **उज्ज्वल**	उजला
• **अश्रु**	आँसू	• **उलूक**	उल्लू
• **अद्य**	आज	• **ओष्ठ**	ओठ
• **अग्र**	आगे	• **उच्च**	ऊँचा

rajbhashahindi
Join WhatsApp Group

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
• क्षीर	खीर	• अट्टालिका	अटारी
• क्षेत्र	खेत	• घोटक	घोड़ा
• गर्दभ	गधा	• चर्म	चाम
• ग्राम	गाँव	• चूर्ण	चून
• ग्रंथि	गाँठ	• छिद्र	छेद
• ग्राहक	गाहक	• छत्र	दाता
• नासिका	नाक	• भ्राह	भाई
• घृत	घी	• चंद्र	चाँद
• कार्य	काज	• अमूल्य	अमोल
• पत्र	पत्ता	• कुठार	कुल्हाड़ी
• कूप	कुआँ	• कर्म	काम
• दंत	दाँत	• दुर्बल	दुबला
• दधि	दही	• धैर्य	धीरज
• योगी	जोगी	• रत्न	रतन
• निद्रा	नींद	• भ्रमर	भौंरा
• नृत्य	नाच	• भगिनी	बहन
• नव	नया	• मस्तक	माथा
• नग्न	नंगा	• मयूर	मोर
• पक्षी	पंक्षी	• मुख	मुँह
• पृष्ठ	पीठ	• मक्षिका	मक्खी
• प्रस्तर	पत्थर	• मित्र	मीत
• प्रहर	पहर	• मृत्तिका	मिट्टी
• पर्यंक	पलंग	• मिष्ट	मीठा
• बाहु	बाँह	• मृत्यु	मौत
• बिंदु	बूँद	• तपस्वी	तापसी
• भिक्षा	भीख	• स्तन	थन
• सर्प	साँप	• हस्त	हाथ
• सौभाग्य	सुहाग	• काक	कौआ
• रात्रि	रात	• लज्जा	लाज
• लक्ष	लाख	• वधू	बहू
• वानर	बन्दर	• वाष्प	भाप
• वार्ता	बात	• विवाह	व्याह
• शर्करा	शक्कर	• श्वसुर	ससुर
• सत्य	सच	• सप्त	सात
• स्नेह	नेह	• हस्ती	हाथी
• अंक	आँक	• चन्द्र	चाँद
• अष्ट	आठ	• ऊर्ण	ऊन
• अघोर	औघड़	• कंपन	काँपना
• कर्पूर	कपूर	• कज्जल	काजल
• काष्ठ	काठ	• खर्जूर	खजूर
• जिह्वा	जीभ	• दुग्ध	दूध
• उज्ज्वल	उजला	• पंख	पाँख
• पृष्ठ	पीठ	• ज्येष्ठ	जेठ
• स्वर्ण	सोना	• लौह	लोहा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. उद्गम के आधार पर निम्न में कौन-सा शब्द-भेद नहीं है ?
(A) तत्सम (B) रूढ़
(C) तद्भव (D) विदेशी

2. तत्सम शब्दों का मूल स्रोत है -
(A) अप्रभंश (B) प्राकृत
(C) संस्कृत (D) पालि

3. निम्नलिखित में कौन रूढ़ शब्द है ?
(A) गोबर (B) चूल्हा
(C) नाक (D) माली

4. निम्नलिखित में कौन रूढ़ शब्द है ?
(A) सलाई (B) पेट
(C) पंकज (D) उबटन

5. निम्नलिखित में कौन योगरूढ़ शब्द है ?
(A) पुष्प (B) पंकज
(C) कुमुदिनी (D) कमल

6. निम्नलिखित में कौन योगरूढ़ शब्द है ?
(A) योद्धा (B) असुर
(C) दशानन (D) राक्षस

7. 'लक्ष' का तद्भव बताइए -
(A) लाख (B) लक्ष्य
(C) लच्छ (D) लच्छी

8. 'ओठ' का तत्सम शब्द है -
(A) होठ (B) ओट
(C) ओष्ठ (D) अधर

9. 'बादल' का तत्सम शब्द है -
(A) मेघ (B) घन
(C) वारिद (D) वाष्प

10. 'कन्धा' का तत्सम शब्द है -
(A) इस्कन्ध (B) स्कन्ध
(C) कक्षु (D) कन्धु

11. 'केला' का तत्सम शब्द है -
(A) फल (B) ओलक
(C) कदली (D) मेवा

12. 'उलूक' का तद्भव शब्द है -
(A) उलक (B) ओलक
(C) रात्रिपथ (D) उल्लू

13. 'काक' का तद्भव शब्द है -
(A) काग (B) केका
(C) श्याम वर्ण (D) कागा

14. 'कुम्भकार' का तद्भव शब्द है -
(A) कुम्भकार (B) कुम्भहर
(C) कुम्हार (D) कुम्हर

Join WhatsApp Group

15. इनमें से कौन-सा शब्द देशज है ?
(A) काठ (B) गोड़
(C) ऊँट (D) उल्लू

16. 'पुलिस' किस वर्ग का शब्द है ?
(A) तत्सम (B) तद्भव
(C) देशज (D) विदेशी

17. 'दन्त धावन' के विकसित तद्भव शब्द क्या है ?
(A) दतौंन (B) दातौन
(C) दातुन (D) इनमें से कोई नहीं

18. 'श्यामल' किस तद्भव शब्द का तत्सम रूप है ?
(A) सांवला (B) सामले
(C) समालू (D) सम्भल

19. 'विष्टा' का तद्भव शब्द क्या होगा ?
(A) वीस (B) विष
(C) विट्टी (D) वीट

20. योगरूढ़ शब्द का अर्थ है -
(A) जिसमें कोई रूप परिवर्तन न हो
(B) जिसका अर्थ निश्चित हो
(C) जिसकी कोई व्युत्पत्ति ज्ञात न हो
(D) जो सामान्य अर्थ को छोड़कर परम्परागत अर्थ बताए

21. शब्द किसे कहते है ?
(A) एक या एक से अधिक ध्वनि समूह को
(B) एक या एक से अधिक वर्ण समूह को
(C) एक या एक से अधिक सार्थक वर्ण समूह को
(D) ध्वनि की लघुतम इकाई को

22. शब्दों के वर्गीकरण का आधार है -
(A) रचना (B) उद्गम
(C) अर्थ (D) ये सभी

23. निम्नलिखित में कौन तद्भव शब्द है ?
(A) लोहा (B) विस्फोट
(C) जन्म (D) लवण

24. निम्नलिखित में कौन तद्भव शब्द है ?
(A) बक (B) मुँह
(C) मर्म (D) प्रलाप

25. निम्नलिखित में कौन तद्भव शब्द है ?
(A) पड़ोसी (B) गोधूम
(C) बहू (D) शहीद

26. निम्नलिखित में कौन तद्भव शब्द है ?
(A) गुलाम (B) गृह
(C) एला (D) बादल

27. निम्नलिखित में शब्दों का विषम संयोजन कौन-सा है ?
(A) रस्सी-तद्भव (B) सरकारी-फारसी
(C) लीची-तुर्की (D) पुरोहित-तत्सम

28. 'अभिधेयार्थ' वाचक शब्दों का सम्बंध किससे है ?
(A) प्रेरणात्मकता से (B) परिमाणवाचकता से
(C) मूलार्थ व्यञ्जकता से (D) इन सभी से

29. सार्थक खण्ड वाले शब्द क्या कहलाते है ?
(A) रूढ़ (B) योगरूढ़
(C) यौगिक (D) इनमें से कोई नहीं

30. इनमें अव्यय कौन है ?
(A) सजल (B) धीरे-धीरे
(C) पतित (D) सुन्दर

31. पत्र में अपने से बड़े के लिए सम्बोधन शब्द है -
(A) प्रिय (B) श्रद्धेय
(C) चिरंजीवी (D) आयुष्मान्

32. पत्र में अपरिचितों को सम्बोधित करने के लिए उपयुक्त शब्द है -
(A) प्रिय महोदय (B) आदरणीय
(C) श्रीमान् (D) इनमें से कोई नहीं

33. 'सदा' शब्द क्या है ?
(A) अव्यय (B) संज्ञा
(C) विशेषण (D) सर्वनाम

34. निम्नांकित में से अव्यय का कौन-सा भेद नहीं है ?
(A) विचारादिबोधक (B) भावादिबोधक
(C) समुच्चयबोधक (D) सम्बन्धबोधक

35. 'हल्दी' का तत्सम है ?
(A) हरदी (B) हरिद्रा
(C) हल्दिका (D) हरद्रिका

36. 'बखान' का तत्सम है ?
(A) वर्णन (B) उल्लेख
(C) व्याख्यान (D) व्याख्याता

37. निम्नलिखित तत्सम-तद्भव में से कौन-सा विकल्प अशुद्ध है ?
(A) नृत्यु-नाच (B) श्रृंगार-सिंगार
(C) चक्षु-आँख (D) दधि-दही

38. कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है ?
(A) गोमय (B) घोड़ा
(C) चोंच (D) ऊँट

39. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द तद्भव है ?
(A) मधुप (B) मधुकर
(C) भ्रमर (D) भँवरा

40. 'गेहूँ' का तत्सम शब्द है ?
(A) गोधूम (B) गोहूँ
(C) गोहुम (D) गोधुम

41. कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है ?
(A) धृत (B) अतिन
(C) दुग्ध (D) आँसू

rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

42. निम्नलिखित में कौन तत्सम शब्द है ?
(A) सींग (B) विवाह
(C) डंडा (D) छेद

43. निम्नलिखित में कौन तत्सम शब्द है ?
(A) ऊन (B) उछाह
(C) उपास (D) उल्लास

44. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द तत्सम है ?
(A) आँख (B) अग्र
(C) आग (D) आज

45. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द का चयन कीजिए।
(A) आश्रम (B) प्यास
(C) प्रांगण (D) उद्वेग

46. निम्नलिखित विकल्पों में से तत्सम शब्द का चयन कीजिए।
(A) गहरा (B) तीखा
(C) अटारी (D) निकृष्ट

47. 'प्रस्तर' का तद्भव शब्द है?
(A) पाथर (B) पत्थर
(C) पत्तर (D) फत्थर

48. 'इलायची' का तत्सम शब्द है?
(A) एला (B) इला
(C) अला (D) अल्ला

49. 'साखी' का मूल तत्सम शब्द क्या है?
(A) शिक्षा (B) साक्षी
(C) सखी (D) इनमें से कोई नहीं

50. निम्न में से कौन-सा शब्द तत्सम है ?
(A) प्रिय (B) पिया
(C) मोर (D) चार

51. निम्न में कौन-सा शब्द तत्सम है?
(A) क्षेत्र (B) गधा
(C) गाय (D) घर

52. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द को पहचानिए?
(A) कोयल (B) कुक्कुर
(C) लाख (D) भीतर

53. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम है?
(A) सोलह (B) शोभन
(C) सोता (D) सोना

54. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?
(A) कपाट (B) कीटक
(C) कूची (D) कुम्भकार

55. निम्न में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?
(A) वचन (B) श्लाका
(C) तिक्त (D) चार

56. निम्न में से कौन-सा शब्द तद्भव है?
(A) यौवन (B) निर्झर
(C) जीभ (D) स्थान

57. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द को पहचानिए?
(A) आलस (B) कुष्ठ
(C) अंधकार (D) उल्लास

58. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव है?
(A) पक्ष (B) पक्षी
(C) पतन (D) पत्ता

59. उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के चार भेद किए गए है। निम्नलिखित में से कौन-सा भेद गलत है?
(A) तत्सम (B) तद्भव
(C) यौगिक (D) विदेशी

60. 'अहेर' शब्द का तत्सम रूप है -
(A) अरहर (B) अहीर
(C) आषाढ़ (D) आखेट

61. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?
(A) गायक (B) नायक
(C) शावक (D) उपखान

62. निम्न में कौन-सा शब्द तद्भव है?
(A) यौवन (B) निर्झर
(C) जीभ (D) स्थान

63. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है?
(A) धरती (B) दीपावली
(C) नेवला (D) नाच

64. कौन-सा शब्द युग्म तत्सम की दृष्टि से अशुद्ध है?
(A) तृण-दण्ड (B) वत्स-परख
(C) कपाट-एकादश (D) राजपुत्र-शूकर

65. 'टकसाल' का तत्सम रूप है -
(A) टंकशाला (B) टंकशाल
(C) टकशाल (D) टकशाला

66. 'खेती' किस शब्द का तद्भव रूपान्तरण है?
(A) धरती (B) कृषि
(C) क्षेत्रीत (D) अक्षि

67. 'गड़बड़ घोटाला' कौन-सा शब्द है?
(A) तद्भव (B) देशज
(C) तत्सम (D) संकर

68. तद्भव एवं उसके तत्सम का कौन-सा मेल गलत है?
(A) लौंग-लवंग (B) आँत-अंत्र
(C) पुराण-पुराना (D) आयसु-आदेश

69. 'लाश' शब्द किस मूल भाषा का है?
(A) अरबी (B) फारसी
(C) तुर्की (D) संस्कृत

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

70. निम्नलिखित में से यौगिक शब्द छाँटिए -
(A) दशानन (B) परोपकार
(C) चतुर्मुख (D) गोपाल

71. निम्नलिखित शब्दों में योगरूढ़ शब्द कौन-सा है?
(A) चक्रपाणि (B) पाठशाला
(C) उपचार (D) अभिव्यक्ति

72. निम्न में कौन-सा शब्द विदेशज है?
(A) रिक्शा (B) जूता
(C) तेंदुआ (D) नव

73. 'वकील' किस भाषा का शब्द है?
(A) फारसी (B) अरबी
(C) तुर्की (D) पुर्तगाली

निर्देश (74-79) : निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द तत्सम है ?

74. (A) गात्र (B) शरीर
(C) कन्नौजिया (D) भानजा

75. (A) मामा (B) लोमश
(C) भगत (D) घोसी

76. (A) धरनी (B) धरती
(C) धैर्य (D) निवाह

77. (A) मारग (B) याचक
(C) जोति (D) कोयल

78. (A) चैत (B) क्वार
(C) महीना (D) फाल्गुन

79. (A) चंचु (B) गर्दन
(C) मुखड़ा (D) कंगन

निर्देश (80-85) : निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द देशज है ?

80. (A) अपराध (B) उद्गम
(C) भीड़भाड़ (D) अवतार

81. (A) निमग्न (B) गड़बड़
(C) निकृष्ट (D) आजन्म

82. (A) घरघर (B) इत्यादि
(C) उत्तम (D) निदर्शन

83. (A) अनुशीलन (B) अधिकार
(C) अतिरिक्त (D) सरसर

84. (A) अभिप्राय (B) ऊटपटाँग
(C) उत्कष्ठा (D) दुरवस्था

85. (A) निवारण (B) दुस्साहस
(C) आक्रोश (D) गल्प

निर्देश (86-90) : निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द तद्भव है?

86. (A) प्रकाश (B) उत्तम
(C) अंकुश (D) झंझट

87. (A) अवस्था (B) भगवान्
(C) वक्ष (D) नीलाम

88. (A) दुरुस्त (B) दृष्टान्त
(C) महत्त्व (D) अणु

89. (A) पिता (B) खेल
(C) मोर (D) उन्मूलन

90. (A) उत्सर्ग (B) कष्ट
(C) पगहा (D) स्वर्ण

निर्देश (91-99) : निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द विदेशज है ?

91. (A) जलधर (B) डांडी
(C) चक्रव्यूह (D) चषक

92. (A) उर्दू (B) उत्कर्ष
(C) उत्सर्ग (D) उत्पादन

93. (A) आषाढ़ (B) अभिर्भाव
(C) आराम (D) आचरण

94. (A) आद्य (B) आफत
(C) आकार (D) आचरण

95. (A) नीलाम (B) नक्षत्र
(C) नेत्र (D) नैवेद्य

96. (A) चंदन (B) चश्मा
(C) चन्द्र (D) चषक

97. (A) संयम (B) समीर
(C) समन (D) साधन

98. (A) ताण्डव (B) तंत्र
(C) तीर्थ (D) तोप

99. (A) अन्तर्धान (B) अंक
(C) औरत (D) अंकुश

उत्तरमाला

1. (B)	2. (C)	3. (C)	4. (B)	5. (B)	6. (C)	7. (A)	8. (C)
9. (C)	10. (B)	11. (C)	12. (D)	13. (A)	14. (C)	15. (B)	16. (D)
17. (B)	18. (A)	19. (D)	20. (D)	21. (C)	22. (D)	23. (E)	24. (B)
25. (C)	26. (D)	27. (A)	28. (D)	29. (C)	30. (B)	31. (B)	32. (A)
33. (A)	34. (A)	35. (B)	36. (C)	37. (C)	38. (A)	39. (D)	40. (A)
41. (D)	42. (B)	43. (D)	44. (B)	45. (B)	46. (D)	47. (B)	48. (A)
49. (B)	50. (A)	51. (A)	52. (B)	53. (B)	54. (C)	55. (D)	56. (C)
57. (A)	58. (D)	59. (C)	60. (D)	61. (D)	62. (C)	63. (B)	64. (B)
65. (A)	66. (C)	67. (B)	68. (B)	69. (C)	70. (D)	71. (A)	72. (A)
73. (B)	74. (A)	75. (B)	76. (C)	77. (B)	78. (D)	79. (A)	80. (C)
81. (B)	82. (A)	83. (D)	84. (B)	85. (D)	86. (D)	87. (D)	88. (A)
89. (C)	90. (C)	91. (B)	92. (A)	93. (C)	94. (B)	95. (A)	96. (B)
97. (C)	98. (D)	99. (C)					

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

संज्ञा और उसके भेद

संज्ञा की परिभाषा : किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, पदार्थ, स्थान, भाव अथवा दशा के नाम को संज्ञा कहते है। अर्थात् संज्ञा किसी नाम को कहते है, किन्तु रंगों के नाम को छोड़कर। जैसे –

राम पटना जा रहा है।

गाय एक चौपाया जानवर है।

बुढ़ापा दु:खदायी होता है।

सभी के साथ प्रेम करो।

इन वाक्यों में 'राम' व्यक्ति का नाम है। 'गाय' पशुओं की एक जाति विशेष का नाम है। 'बुढ़ापा' एक दशा विशेष का नाम है। 'प्रेम' एक भाव विशेष का नाम है। अत: राम, गाय, बुढ़ापा, प्रेम आदि संज्ञा शब्द है।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के पाँच भेद है –

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. जातिवाचक संज्ञा
3. समूह वाचक संज्ञा
4. द्रव्यवाचक संज्ञा
5. भाववाचक संज्ञा

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा :** जिस शब्द से किसी खास व्यक्ति, खास वस्तु, खास स्थान या खास भाव का बोध होता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है। जैसे – राम, कुर्सी, पटना आदि।
2. **जातिवाचक संज्ञा :** जिस शब्द से किसी जाति के सभी व्यक्तियों, वस्तुओं, स्थानों का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते है। जैसे – गाय, लड़का, लड़की, कुत्ता, पशु, फुल आदि।
3. **समूहवाचक संज्ञा :** जिस शब्द से समूह या झुण्ड का बोध होता है, उसे समूह वाचक संज्ञा कहते है। जैसे – सेना, भीड़, वर्ग, सभा, गुच्छा आदि।
4. **द्रव्यवाचक संज्ञा :** जिन वस्तुओं को नापा-तौला जा सके, ऐसी वस्तु के नामों को द्रव्यवाचक संज्ञा कहते है। जैसे – पानी, दूध, घी, तेल, सोना, चाँदी, चावल आदि
5. **भाववाचक संज्ञा :** जिस शब्द से किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण, दोष, दशा आदि का पता चलता है, उसे भाववाचक संज्ञा कहते है। जैसे – बुढ़ापा, इमानदारी, चतुराई, प्रेम, मिठास, सुन्दरता आदि।

भावाचक संज्ञा बनाना

■ जातिवाचक संज्ञा से –

दानव	दानवता	**भ्राता**	भ्रातृत्व
मनुष्य	मनुष्यता	**माता**	मातृत्व
गुरु	गुरुत्व, गुरुता	**प्रतिनिधि**	प्रतिनिधित्व
मित्र	मैत्री	**राष्ट्र**	राष्ट्रीयता
नर	नरता	**मानव**	मानवता
बच्चा	बचपन	**पिता**	पितृत्व
लड़का	लड़कपन	**साधू**	साधुता
बूढ़ा	बुढ़ापा	**दूत**	दौत्य
नारी	नारीत्व	**पंडित**	पांडित्य

■ सर्वनाम से –

स्व	स्वत्व	**सर्व**	सर्वस्व
अपना	अपनत्व, अपनापन	**अहं**	अहंकार
निज	निजत्व, निजता	**मम** (मेरा)	ममता, ममत्व

■ विशेषण से –

धीर	धीरता, धैर्य	**शूर**	शूरता, शौर्य
सम	समता, समानता	**वीर**	वीरत्व
मीठा	मिठास	**नीला**	नीलापन
गोरा	गोरापन, गोराई	**लघु**	लघुत्व, लघुता
निर्धन	निर्धनता	**सभ्य**	सभ्यता
असभ्य	असभ्यता	**साहित्यिक**	साहित्य
प्रयुक्त	प्रयोग	**एक**	एकता
दुष्ट	दुष्टता	**अंध**	अंधकार
महान्	महानता	**सुखद**	सुखदायी
संपन्न	संपन्नता	**विपन्न**	विपन्नता

■ क्रिया से –

खेलना	खेल	**पढ़ना**	पढ़ाई
लिखना	लिखावट	**बचाना**	बचाव
बनाना	बनावट	**सजाना**	सजावट
चढ़ना	चढ़ाई	**मिलना**	मिलान, मिलावट
चलना	चलन	**बुझना**	बुझौवल
लूटना	लूट	**बहना**	बहाव
उतरना	उतार	**दौड़ना**	दौड़
पुकारना	पुकार	**चीखना**	चीख
घबराना	घबराहट	**उड़ना**	उड़ान

■ अव्यय से –

निकट	निकटता	**वाहवाह**	वाहवाही
समीप	सामीप्य	**दूर**	दूरी
धिक्	धिक्कार	**मना**	मनाही

■ विविध –

आरामदायक	आराम	**लाभप्रद**	लाभ
संतोषप्रद	संतोष	**प्रशंसनीय**	प्रशंसा
शक्तिमान	शक्ति	**बलशाली**	बल

■ व्यक्तिवाचक से –

रावण	रावणत्व	**हिटलर**	हिटलरी
राम	रामत्व	**भारत**	भारतीय

हमेशा याद रखें

- जब कभी द्रव्यमान संज्ञा शब्द बहुवचन के रूप में द्रव्य के प्रकारों का बोध कराता है।, तब वह जातिवाचक संज्ञा बन जाता है। जैसे – यह फर्नीचर कई प्रकार के लकड़ियों से बना है।
- जब समूहवाचक संज्ञा बहुत सी समूह ईकाइयों को प्रकट करता है, तब बहुवचन में प्रयुक्त होता है। जैसे – दोनों सेनाएँ आपस में जमकर लड़ी।
- जब कभी भाववाचक संज्ञा शब्द बहुवचन में प्रयुक्त होते है, तब वे जातिवाचक संज्ञा बन जाते है। जैसे – बुराईयों से बचकर रहो।
- कुछ भाववाचक शब्द मूल शब्द है। जैसे – प्रेम, घृणा, क्रोध आदि। अधिकांश भाववाचक शब्द यौगिक होते है – लड़का-लड़कपन, गरीब-गरीबी।

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- भावचावक संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम, अव्यय और क्रिया शब्दों के अंत में त्व, ता, वन, पा, आस, आई, वट, हट इत्यादि प्रत्यय लगाकर बनाई जाती है। जैसे – मित्र-मित्रता, अपना-अपनत्व, लम्बा-लम्बाई आदि।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. कुँज में संज्ञा शब्द का भेद बताएँ –
(A) जातिवाचक (B) समूहवाचक
(C) भाववाचक (D) इनमें से कोई नहीं

2. कोयला में संज्ञा शब्द का भेद बताएँ –
(A) व्यक्तिवाचक (B) समूहवाचक
(C) भाववाचक (D) जातिवाचक

3. सोना-चाँदी में संज्ञा शब्द का भेद बताएँ –
(A) समूहवाचक (B) जातिवाचक
(C) द्रव्यवाचक (D) इनमें से कोई नहीं

4. सुन्दरता में संज्ञा शब्द का भेद बताएँ –
(A) व्यक्तिवाचक (B) समूहवाचक
(C) जातिवाचक (D) भाववाचक

5. निम्नलिखित में कौन व्यक्तिवाचक संज्ञा है ?
(A) शिक्षक (B) विद्यार्थी
(C) मंत्री (D) महेन्द्र

6. बचपन, शैशव, मित्रता, अहंकार, स्वत्व, देवत्व ये शब्द कौन-सी संज्ञा है ?
(A) भावचावक संज्ञा (B) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(C) समूहवाचक संज्ञा (D) जातिवाचक संज्ञा

7. जिस संज्ञा से किसी वस्तु के धर्म, गुण, अवस्था का ज्ञान हो, उसे कौन-सी संज्ञा कहते है ?
(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा (B) भावचाचक संज्ञा
(C) जातिवाचक संज्ञा (D) कोई नहीं

8. निम्न में से कौन-सा शब्द भाववाचक संज्ञा नहीं है ?
(A) लम्बाई (B) बहन
(C) दया (D) शत्रुता

9. किसी व्यक्ति या वस्तु के नाम का बोध कराने वाले शब्द कहलाते हैं –
(A) नामवाची (B) संज्ञा
(C) नामधारी (D) विशेष

10. जातिवाचक संज्ञा से किसका बोध नहीं होता है ?
(A) पद का (B) पक्षी के नाम का
(C) पशु के नाम का (D) आदमी की जाति का

11. निम्नलिखित में कौन व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं है ?
(A) रामायण (B) पटना
(C) औरत (D) गंगा

12. निम्नलिखित में कौन द्रव्यवाचक संज्ञा नहीं है ?
(A) लोहा (B) घड़ी
(C) तेल (D) दूध

13. यह घोड़ा अच्छा है – वाक्य में 'यह' क्या है ?
(A) संज्ञा (B) सर्वनाम
(C) विशेषण (D) सार्वनामिक विशेषण

14. कौन-सा शब्द भाववाचक संज्ञा नहीं है ?
(A) मिठाई (B) चतुराई
(C) लड़ाई (D) उतराई

15. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'व्यक्तिवाचक' संज्ञा है ?
(A) गाय (B) पहाड़
(C) यमुना (D) आम

16. निम्नलिखित में भाववाचक संज्ञा कौन-सी है ?
(A) शत्रुता (B) वीर
(C) मनुष्य (D) गुरू

17. इनमें व्यक्तिवाचक संज्ञा कौन-सी है ?
(A) माण्डवी (B) घरेलू
(C) भला (D) स्वतंत्र

18. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द 'भावचावक संज्ञा' के अंतर्गत रखा जाएगा ?
(A) मोहन (B) नदी
(C) हरियाली (D) अयोध्या

19. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम के अन्तर्गत रखा जा सकता है ?
(A) राम (B) यह
(C) हम (D) कोई

20. बुढ़ापा भी एक प्रकार का अभिशाप है – शब्द में 'बुढ़ापा' कौन-सी संज्ञा है ?
(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा (B) भाववाचक संज्ञा
(C) जातिवाचक संज्ञा (D) इनमें से कोई नहीं

21. अमीरी, गरीबी, जवानी, बुढ़ापा आदि शब्द किस संज्ञा के अंतर्गत है ?
(A) भाववाचक (B) जातिवादक
(C) समूहवाचक (D) व्यक्तिवाचक

22. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द संज्ञा है ?
(A) क्रोधी (B) क्रोधित
(C) क्रोध (D) क्रुद्ध

23. संज्ञा की रूप रचना के आधार है –
(A) सर्वनाम, विशेषण और क्रिया (B) लिंग, वचन और कारक
(C) उपसर्ग, प्रत्यक्ष और संधि (D) संधि, समास और प्रत्यय

24. 'धिक्कार' शब्द संज्ञा के किस भेद के अन्तर्गत है ?
(A) जातिवाचक (B) भाववाचक
(C) व्यक्तिवाचक (D) द्रव्यवाचक

25. निम्नलिखित में कौन व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं है ?
(A) पानीपत का प्रथम युद्ध (B) डकैती
(C) मंगलवार (D) स्वतंत्रता-दिवस

उत्तरमाला

1. (B)	2. (D)	3. (C)	4. (D)	5. (D)	6. (A)	7. (B)	8. (B)
9. (B)	10. (D)	11. (A)	12. (B)	13. (D)	14. (A)	15. (C)	16. (A)
17. (A)	18. (C)	19. (C)	20. (B)	21. (A)	22. (C)	23. (B)	24. (B)
25. (B)							

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

सर्वनाम और उसके भेद

संज्ञा के बदले अथवा उसके प्रतिनिधि के रूप में जो शब्द प्रयुक्त होता है, उसे सर्वनाम कहते है। अर्थात् वाक्यों में संज्ञा की पुनरूक्ति दूर करने के लिए जो शब्द प्रयुक्त होते है, वे सर्वनाम कहलाते है। जैसे –

राम बहुत तेज लड़का है

वह परीक्षा में हमेशा प्रथम आता है।

यहाँ 'वह' सर्वनाम है जो संज्ञा 'राम' के लिए प्रयुक्त हुआ है।

हिन्दी में कुल ग्यारह सर्वनाम है – मैं, तू, आप, वह यह, जो सो, कोई, कुछ, कौन और क्या।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छः भेद है –

1. पुरुषवाचक सर्वनाम – मैं, तुम, वह, हम, वे
2. निश्चयवाचक सर्वनाम – यह (निकट), वह (दूर)
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – कोई, क्या, कुछ
4. निजवाचक सर्वनाम – आप, स्वयं, खुद
5. संबंधवाचक सर्वनाम – जो, सो
6. प्रश्नवाचक सर्वनाम – कौन, क्या

1. पुरुषवाचक सर्वनाम : जो सर्वनाम पुरुषवाचक या स्त्रीवाचक संज्ञाओं के नाम के बदले आता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे – मैं, वह, तू, तुम आदि।

पुरुषवाचक सर्वनाम से बोलनेवाला, सुननेवाला या जिसके विषय में कहा जाए उसका बोध होता है। इस आधार पर पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद है –

(i) उत्तम पुरुष : जिस सर्वनाम का प्रयोग 'कहने' या 'बोलनेवाला' अपने लिए करता है, उसे 'उत्तम पुरुष' कहते है। जैसे – मैं, हम, मेरा, हमारा, आदि।

(ii) मध्यम पुरुष : 'सुनने वाले' के लिए जिस सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है, उसे 'मध्यम पुरुष' कहते है। जैसे – तू, तुम, आप, तुम्हें, आपको आदि।

(iii) अन्य पुरुष : जिस 'सर्वनाम' का प्रयोग ऐसे संज्ञा के लिए हो, जिसके विषय में बात कही जा रही हो, किन्तु जो उपस्थित न हो, ऐसे सर्वनाम को 'अन्य पुरुष' कहा जाता है। जैसे – वह, वे, उसकी, उसका, उनकी, उनका आदि

2. निश्चयवाचक सर्वनाम : जिन सर्वनाम शब्दों से वक्ता के लिए या दूरस्थ व्यक्ति, वस्तु या घटना का निश्चित बोध होता है, उन्हें निश्चय वाचक सर्वनाम कहते है। जैसे – यह, वह, ये, वे

यह मेरी पुस्तक है। वह उनकी मेज है।

ये मेरे हथियार है। वे तुम्हारे आदमी है।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम : जिस सर्वनाम से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं होता है, उसे अश्चियवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे – कोई, कुछ।

कोई आ गया तो क्या करोगे ?

चाय में कुछ गिर गया है।

4. निजवाचक सर्वनाम : जिस सर्वनाम से अपने आपका (स्वयं) या निज का बोध होता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे – स्वयं, खुद, अपना, अपनी।

मैं अपना काम स्वयं करूँगा।

मैं खुद चला जाऊँगा।

वह अपने आप हिन्दी पढ़ लेगा।

5. संबंधवाचक सर्वनाम : जिस सर्वनाम से दो संज्ञाओं के परस्पर संबंध का ज्ञान हो, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे – जो, सो

जो मेहनत करेगा वह अवश्य सफल होगा।

वह कमीज कहाँ है, जिसे मैने खरीदी थी।

6. प्रश्नवाचक सर्वनाम : जिस सर्वनाम का प्रयोग 'प्रश्न' करने के लिए किया जाता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे – कौन, क्या।

कौन आया है ?

तुम्हारे पास क्या है ?

दूध से क्या गिर पड़ा ?

सर्वनाम : एक नजर में

1. पुरुषवाचक	(i) उत्तम पुरुष – मैं, हम (ii) मध्यम पुरुष – तू, तुम, आप (iii) अन्य पुरुष – वह, वे, यह, ये
2. निश्चयवाचक	(i) निकटवर्ती – यह, ये (ii) दूरवर्ती – यह, वे
3. अनिश्चयवाचक	(i) प्राणी बोधक – कोई (ii) वस्तुबोधक – कुछ
4. संबंध वाचक	जो, सो
5. प्रश्नवाचक	(i) प्राणिबोधक – कोई (ii) वस्तुबोधक – क्या
6. निजवाचक	आप, स्वयं

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

- विभिन्न कारकों में प्रयुक्त होने पर सर्वनाम शब्दों के रूप परिवर्तित हो जाते है। इसका प्रयोग संबंधन में नहीं होता है। अर्थात् इसमें केवल सात कारक है। जैसे – मैं, मुझको, मुझसे, मेरे लिए, मेरा, मुझको, मुझपर आदि
- कभी-कभी कुछ 'शब्द-समूह' भी सर्वनाम के रूप में प्रयुक्त होता है। जैसे – कुछ न कुछ, सब-कुछ, कोई-न-कोई, कुछ-कुछ, हर-कोई, कुछ-भी आदि।
- सर्वनाम में लिंग भेद से रूपान्तर नहीं होता। जैसे – वह जाता है। वह जाती है।
- सर्वनाम आदर और अनादर का बोध कराता है। जैसे – 'आप' से आदर तथा 'तू', 'तुम' से अनादर का बोध होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'हम' क्या है –

(A) उत्तमपुरुष (B) प्रथमपुरुष

(C) निजवाचक (D) सम्बन्धवाचक

2. सर्वनाम के भेद हैं –

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6

3. 'यह' कौन-सा सर्वनाम है ?
(A) पुरुषवाचक (B) निजवाचक
(C) निश्चयवाचक (D) सम्बन्धवाचक

4. तू, तुम, आप, आदि हिन्दी में कौन-से पुरुषवाचक सर्वनाम है ?
(A) उत्तम पुरुष (B) अन्य पुरुष
(C) मध्यम पुरुष (D) इनमें से कोई नहीं

5. 'कल वह विद्यालय जाएगा।' इस वाक्य में सर्वनाम छाँटे -
(A) कल (B) वह
(C) विद्यालय (D) जाएगा

6. इनमें से कौन-सा सर्वनाम पुरुषवाचक नहीं है ?
(A) कोई (B) आप
(C) मैं (D) वे

7. इनमें से कौन-सा शब्द सर्वनाम नहीं है ?
(A) कुछ (B) कौन
(C) क्या (D) इधर

8. प्रश्नवाचक सर्वनाम का उदाहरण है ?
(A) जो (B) वे
(C) कौन (D) आप

9. 'मैं <u>कुछ</u> पुस्तकें लाया हूँ, इन्हें तुम रख लो।' इस वाक्य में रेखांकित सर्वनाम का भेद बताइए -
(A) पुरुषवाचक (B) अनिश्चयवाचक
(C) निजवाचक (D) सम्बन्धवाचक

10. निम्नलिखित में प्रश्नवाचक सर्वनाम का प्रयोग किस वाक्य में हुआ है ?
(A) तुम उधर बैठो (B) यह किसका घर है
(C) मैं घर जा रहा हूँ (D) यह घड़ी मेरी है

11. 'कुछ खा लो।' इस वाक्य में 'कुछ' कैसा सर्वनाम है ?
(A) प्रश्नवाचक सर्वनाम (B) निश्चयवाचक सर्वनाम
(C) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (D) निजवाचक सर्वनाम

12. 'देखो, कौन आया है ?' इस वाक्य में 'कौन' कैसा सर्वनाम है ?
(A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (B) निश्चयवाचक सर्वनाम
(C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम (D) प्रश्नवाचक सर्वनाम

13. 'मैं स्वयं आ जाऊँगा।' इस वाक्य में 'स्वयं' कैसा सर्वनाम है ?
(A) प्रश्नवाचक सर्वनाम (B) निजवाचक सर्वनाम
(C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम (D) पुरुषवाचक सर्वनाम

14. 'यह राम का घर है।' इस वाक्य में 'यह' कैसा सर्वनाम है ?
(A) निश्चयवाचक सर्वनाम (B) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम (D) निजवाचक सर्वनाम

15. 'आप मेरे घर अवश्य पधारें।' इस वाक्य में 'आप' किस पुरुष में है ?
(A) उत्तम पुरुष (B) मध्यम पुरुष
(C) अन्य पुरुष (D) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

16. निम्नलिखित किस वाक्य में अन्य पुरुष का प्रयोग हुआ है ?
(A) मैं खेल रहा हूँ (B) तुम सो रहे हो
(C) वे पढ़ रहे हैं (D) कौन आ रहा है ?

17. निम्नलिखित वाक्यों में किसमें उत्तम पुरुष का प्रयोग हुआ है ?
(A) तुम कहाँ जा रहे हो (B) आज मेरे घर में पूजा है
(C) बच्चा रो रहा है (D) उसे भूख लगी है

18. 'राजेन्द्रबाबू हमारे प्रथम राष्ट्रपति थे, आप वस्तुतः दूसरे गाँधी थे।' इस वाक्य में 'आप' क्या है ?
(A) निश्चयवाचक सर्वनाम (D) उत्तम पुरुष
(C) मध्यम पुरुष (D) अन्य पुरुष

19. जो शब्द सभी संज्ञाओं के बदले उसके स्थान पर प्रयुक्त होते है, उन्हें कहते हैं
(A) संज्ञा (B) सर्वनाम
(C) विशेषण (D) क्रिया

20. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द प्रश्नवाचक सर्वनाम है ?
(A) कोई (B) आप
(C) यह (D) कौन

21. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द निश्चयवाचक सर्वनाम है ?
(A) क्या (B) यह
(C) कोई (D) कहाँ

22. किसी व्यक्ति या वस्तु के नाम की जगह दूसरे शब्दों का प्रयोग करते हो तो ऐसे शब्दों को क्या कहा जाता है ?
(A) संज्ञा (B) अव्यय
(C) सर्वनाम (D) इनमें से कोई नहीं

23. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'पुरुषवाचक सर्वनाम' के अन्तर्गत रखा जा सकता है ?
(A) राम (B) यह
(C) हम (D) कोई नहीं

24. 'मैं अपने आप काम कर लूँगा।' इस वाक्य में 'आप' शब्द कौन-सा सर्वनाम है ?
(A) पुरुषवाचक (B) निजवाचक
(C) सम्बन्धवाचक (D) निश्चयवाचक

25. निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में सर्वनाम का अशुद्ध प्रयोग हुआ है ?
(A) मुझे इस बैठक की सूचना नहीं थी।
(B) मैं तेरे को एक घड़ी दूँगा
(C) आपके आग्रह पर मैं दिल्ली जा सकता हूँ
(D) वह स्वयं यहाँ नहीं आना चाहती।

26. यह भोजन मैं स्वयं कर लूगाँ-रेखांकित शब्द में कौन-सा सर्वनाम है ?
(A) संबंधवाचक सर्वनाम (B) पुरूषवाचक सर्वनाम
(C) निजवाचक सर्वनाम (D) निश्चयवाचक सर्वनाम

27. आप चले जाये-रेखंकित शब्द में कौन-सा सर्वनाम है ?
(A) मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम (B) निश्चयवाचक सर्वनाम
(C) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (D) प्रश्नवाचक सर्वनाम

28. तुमको कौन-सा कमरा पसंद आया। यह वाक्य किस सर्वनाम का उदाहरण है ?
(A) प्रश्नवाचक सर्वनाम (B) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(C) सम्बन्धवाचक सर्वनाम (D) निश्चयवाचक

उत्तरमाला

1. (A)	2. (D)	3. (C)	4. (C)	5. (B)	6. (A)	7. (D)	8. (C)
9. (B)	10. (B)	11. (C)	12. (D)	13. (B)	14. (A)	15. (B)	16. (C)
17. (B)	18. (C)	19. (B)	20. (D)	21. (B)	22. (C)	23. (C)	24. (B)
25. (B)	26. (C)	27. (A)	28. (A)				

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

विशेषण और उसके भेद

विशेषण : जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण, रंग, आकार, दशा आदि) बतलाता है, उसे विशेषण कहते हैं। जैसे –

सुंदर, कुरूप, लंबा, नाटा, अच्छा, बुरा, हल्का, भारी, चतुर, मूर्ख, लाल, पीला, कुछ, थोड़ा, दो, चार, गोल, चौड़ा, दुबला, पतला आदि।

रीता/वह सुंदर है।	(गुण)
नीता/वह कुरूप है।	(दोष)
पाँच लड़के पढ़ रहे हैं।	(संख्या)
थोड़ा पानी पी लो।	(परिमाण)
यह/कलम लाल है।	(रंग)

उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त शब्द – सुंदर, कुरूप, पाँच, थोड़ा तथा लाल संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं, अत: ये विशेषण हैं।

विशेषण के कार्य

विशेषण के निम्नलिखित प्रमुख कार्य है –

- **विशेषण, संज्ञा और सर्वनाम के गुण-दोष को बतलाता है। जैसे –**

राधा पढ़ने में तेज है।	(गुण का बोध)
लेकिन, वह डरपोक है।	(दोष का बोध)

- **यह संज्ञा और सर्वनाम की निश्चित संख्या या परिमाण बतलाता है। जैसे –**

दो लड़कें आये थे।	(निश्चित संख्या का बोध)
दो लिटर दूध दो।	(निश्चित परिमाण का बोध)

- **यह संज्ञा और सर्वनाम की अनिश्चित संख्या या परिमाण बतलाता है। जैसे –**

कुछ लड़कियाँ आयी हैं।	(अनिश्चित संख्या का बोध)
अधिक भोजन मत करो।	(अनिश्चित परिमाण का बोध)

- **यह संज्ञा और सर्वनाम के क्षेत्र को सीमित करता है। जैसे –**

लाल रूमाल लाओ।	(सिर्फ लाल – काला, पीला नहीं)
उस कुत्ते को खिलाओ।	(किसी खास कुत्ते को, दूसरे को नहीं)

- **यह संज्ञा और सर्वनाम की दशा, अवस्था आदि बतलाता है। जैसे –**

तुम बीमार हो।	(दशा का बोध)
मैं जवान हूँ।	(अवस्था का बोध)

विशेषण के भेद

विशेषण के मुख्यत: चार भेद है –

1. संख्यावाचक विशेषण
2. परिमाणवाचक विशेषण
3. गुणवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

1. संख्यावाचक विशेषण : जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या (निश्चित या अनिश्चित) का बोध हो, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे – दो, चार, पहला, चौथा, दोहरा, चौगुना, आधा, पाव, कुछ, बहुत, सैकड़ों, असंख्य आदि।

चार लड़कें आ रहे हैं।	(चार लड़कें – निश्चित संख्या)
कुछ लड़के जा रहे हैं।	(कुछ लड़कें – अनिश्चित संख्या)

2. परिमाणवाचक विशेषण : जो विशेषण वस्तु के परिमाण या मात्रा (निश्चित या अनिश्चित) का बोध कराए, उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे – दो लिटर, तीन मीटर, थोड़ा, बहुत, कुछ कम, सारा, पूरा, इतना, उतना, जितना, कितना आदि।

दो लिटर दूध दें।	(दो लिटर – निश्चित परिमाण)
तीन मीटर कपड़ा दें।	(तीन मीटर – निश्चित परिमाण)
थोड़ा दूध चाहिए।	(थोड़ा दूध – अनिश्चित परिमाण)
बहुत कपड़े चाहिए।	(बहुत कपड़े – अनिश्चित परिमाण)

3. गुणवाचक विशेषण : जिस विशेषण से गुण, दोष, रंग, आकार, स्वभाव, दशा, अवस्था आदि का बोध हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे – अच्छा, बुरा, सच्चा, झूठा, नेक, भला, सुन्दर, कुरूप, आकर्षक, सीधा, टेढ़ा, लाल, पीला, हरा पीला, लंबा, चौड़ा, छोटा बड़ा, दयालु, कठोर, सूखा, गीला, दुबला, पतला, नया, पुराना, आधुनिक, प्राचीन, बनारसी, मुरादाबादी आदि।

वह भला/अच्छा आदमी है।	(भला/अच्छा – गुणबोधक)
मोहन बुरा/दुष्ट लड़का है।	(बुरा/दुष्ट – अवगुणबोधक)
कपड़ा लाल/पीला है।	(लाल/पीला – रंगबोधक)
भाला नुकीला/लंबा है।	(नुकीला/लंबा – आकारबोधक)
मोहन दुबला/मोटा है।	(दुबला/मोटा – दशाबोधक)

4. सार्वनामिक विशेषण : जो सर्वनाम विशेषण के रूप में प्रयुक्त हो, उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। जैसे – यह, वह, कौन, क्या, कोई, कुछ आदि।

उपर्युक्त शब्द सर्वनाम और विशेषण दोनों हैं। यदि ये क्रिया के पहले प्रयुक्त हों, तो सर्वनाम और संज्ञा के पहले प्रयुक्त हों, तो सार्वनामिक विशेषण। जैसे –

यह देखो।	(क्रिया के पहले – यह – सर्वनाम)
यह फूल देखो।	(संज्ञा के पहले – यह – सार्वनामिक विशेषण)
वह खेलेगा।	(क्रिया के पहले – वह – सर्वनाम)
वह लड़का खेलेगा।	(संज्ञा के पहले – वह – सार्वनामिक विशेषण)

उपर्युक्त बातों से स्पष्ट हो जाता है कि – 'यह' और 'वह' शब्द सर्वनाम भी हैं और विशेषण भी। यह आप पर निर्भर करता है कि इनका प्रयोग आप किस रूप में करते हैं। अत: इन शब्दों के प्रयोग में सावधानी रखें, अन्यथा अर्थ का अनर्थ हो सकता है।

प्रविशेषण

प्रविशेषण : विशेषण की विशेषता बतलानेवाले विशेषण को 'प्रविशेषण' कहते हैं। प्रविशेषण सामान्यत: विशेषण के गुणों में वृद्धि लाता है। जैसे – थोड़ा, बहुत, अति, अत्यंत, अधिक, अत्यधिक, बड़ा, बेहद, महा, घोर, ठीक, बिल्कुल, लगभग आदि।

दूध मीठा है।	(मीठा – संज्ञा की विशेषता = विशेषण)
दूध थोड़ा मीठा है	(थोड़ा – विशेषण की विशेषता = प्रविशेषण)
वह पाँच बजे आएगा।	(पाँच – संज्ञा की विशेषता = विशेषण)
वह ठीक पाँच बजे आएगा।	(ठीक – विशेषण की विशेषता = प्रविशेषण)

स्पष्ट है कि उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त 'थोड़ा' एवं ठीक शब्द प्रविशेषण हैं, क्योंकि ये विशेषण की विशेषता बतलाते हैं।

विशेष्य और विशेषण

विशेष्य : जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलायी जाती है, उस संज्ञा या सर्वनाम को 'विशेष्य' कहते हैं। जैसे –

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

लड़का लम्बा है।	(लड़का – विशेष्य)
वह लम्बा है।	(वह – विशेष्य)
कलम लाल है।	(कलम – विशेष्य)
यह लाल है।	(यह – विशेष्य)

विशेष्य-विशेषण और विधेय-विशेषण

- **प्रयोग की दृष्टि से विशेषण के दो भेद है –**

(i) विशेष्य-विशेषण और

(ii) विधेय-विशेषण

विशेष्य (संज्ञा/सर्वनाम) के पहले आए विशेषण को **विशेष्य-विशेषण** तथा विशेष्य के बाद आए विशेषण को **विधेय-विशेषण** कहते हैं। जैसे –

वह लम्बा लड़का है।	(लम्बा – विशेष्य-विशेषण)
वह लड़का लम्बा है।	(लम्बा – विधेय-विशेषण)

नोट – यहाँ दो बातें ध्यान देने योग्य हैं –

1. **विशेषण के लिंग एवं वचन विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार होते हैं, चाहे विशेषण विशेष्य के पहले आए या बाद में। जैसे –**

वह अच्छा लड़का है। (अच्छा, लड़का – दोनों एकवचन, पुलिंग)

वह लड़का अच्छा है। (लड़का, अच्छा – दोनों एकवचन, पुलिंग)

वह अच्छी लड़की है। (अच्छी, लड़की – दोनों एकवचन, स्त्रीलिंग)

वे अच्छे लड़के हैं। (अच्छे, लड़के – दोनों बहुवचन, पुंलिंग)

स्पष्ट है कि विशेषण के लिंग एवं वचन, विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार आये हैं।

2. **अगर एक ही विशेषण के अनेक विशेष्य हों, तो विशेषण के लिंग और वचन प्रथम विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार होंगे। जैसे –**

(i) उजला कुरता, टोपी और जूते लाओ।
(प्रथम विशेष्य कुरता – पुंलिंग, अत: – उजला)

(ii) उजली टोपी, कुरता और जूते लाओ।
(प्रथम विशेष्य टोपी – स्त्रीलिंग, अत: – उजली)

(iii) उजले जूते, कुरता और टोपी लाओ।
(प्रथम विशेष्य जूते – एकारांत पुंलिंग, अत: – उजले)

स्पष्ट है कि यहाँ एक विशेषण के अनेक विशेष्य हैं, लेकिन विशेषण के लिंग एवं वचन प्रथम विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार ही आये हैं।

सरल वाक्यों में विशेषण के स्थान

सरल वाक्यों में विशेषण का स्थान निम्नलिखित हो सकता है –

- **सरल वाक्यों में विशेषण प्राय: संज्ञा के पहले आता है। जैसे –**

वह अच्छा लड़का है।	(संज्ञा के पहले विशेषण)
वह अच्छी लड़की है।	(संज्ञा के पहले विशेषण)

- **सार्वनामिक विशेषण भी संज्ञा के पहले आता है। जैसे –**

यह फूल देखो।	(यह – विशेषण)
वह लड़का आया है	(वह – विशेषण)

- **सरल वाक्यों में संज्ञा या सर्वनाम के बाद भी विशेषण आता है। जैसे –**

सोहन नटखट है।	(संज्ञा के बाद विशेषण)
वह बदमाश कहाँ गया ?	(सर्वनाम के बाद विशेषण)

विशेषणों की रचना

हिन्दी में कुछ विशेषण ऐसे हैं जो मौलिक होते हैं, जिन्हें किसी शब्द या प्रत्यय के सहयोग से नहीं बनाया जाता। ऐसे विशेषणों को मूल विशेषण कहा जाता है। जैसे – अच्छा, बुरा, काला, उजला, मोटा, पतला, अमीर, गरीब, छोटा, बड़ा, बूढ़ा, जवान, नया, पुराना, निम्न, उच्च, सुंदर, हल्का आदि।

इसके विपरीत अधिकांश विशेषण किसी-न-किसी प्रत्यय के जुड़ने से बनते हैं। ये प्रत्यय हैं – अ, अक, अनीय, आ, आई, आऊ, आड़ी, आना, आर, आल, आलू, इंदा, इक, इत, इल, इयल, ई, ईच, ईन, ईला, उ, उक, एय, एरा, एल, ऐल, ओड़, ओड़ा, क, था, दार, नाक, बाज, मंद, मान्, वान्, वाला, वार, वी, ल आदि। ये प्रत्यय संस्कृत, हिन्दी और उर्दू (अरबी-फारसी) के हैं। ये किन-किन शब्दों में जुड़ते हैं। इन्हें समझें –

1. **कुछ विशेषण अव्ययों में प्रत्यय लगाकर बनाए जाते हैं। जैसे –**

भीतर – भीतरी	अंदर – अंदरूनी
बाहर – बाहरी	ऊपर – ऊपरी
करीब – करीबी	सामने – सामनेवाला

2. **कुछ विशेषण दो विशेषणों के मेल से बनते हैं। जैसे –**

अच्छा + बुरा = अच्छा-बुरा	बुरा + भला = बुरा-भला
छोटा + बड़ा = छोटा-बड़ा	लम्बा + चौड़ा = लम्बा-चौड़ा

3. **कभी-कभी विशेषण के द्वित्य से भी नये-नये विशेषण बनते हैं। जैसे –**

मोटा-मोटा	नीले-नीले
पतला-पतला	पीले-पीले

4. **अधिकांश विशेषण क्रिया में प्रत्यय लगाकर बनाए जाते हैं। जैसे –**

क्रिया	विशेषण	क्रिया	विशेषण
अड़-ना	अड़ियल	जुड़-ना	जुड़वाँ
खा-ना	खेवैया	भाग-ना	भगोड़ा
गा-ना	गवैया	मर-ना	मरियल
घट-ना	घटिया	लड़-ना	लड़ाकू
घूम-ना	घुमक्कड़	सड़-ना	सड़ियल
उखाड़-ना	उखाड़ू	झगड़-ना	झगड़ालू
उड़-ना	उड़ंकू, उड़ाऊ	टिक-ना	टिकाऊ
उठ-ना	उठौवा	डर-ना	डरावना
चल-ना	चलाऊ	सुन-ना	सुनवैया
जड़-ना	जड़ाऊ	हँस-ना	हँसोड़
उपज-ना	उपजाऊ	तैर-ना	तैराक
कट-ना	कटीला	दे-ना	दिवैया
कमा-ना	कमाऊ	पढ़-ना	पढ़वैया
कर-ना	करवैया	पी-ना	पियक्कड़

सूची (विशेष्य-विशेषण)

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
• **मनोरंजन**	मनोरंजक	• **मनोवांछा**	मनोवांछित
• **मरीज**	मरीजी	• **मसीहा**	मसीही
• **मिथ्यावादी**	मिथ्यावादिनी	• **मिश्रण**	मिश्रित
• **मौसी**	मौसेरा	• **राजद्रोह**	राजद्रोही
• **राष्ट्रवाद**	राष्ट्रवादी	• **रुचि**	रुचित

Join WhatsApp Group

रोग	रोगी, रुग्ण
रोष	रुष्ट
अंक	अंकित
अंकुर	अंकुरित
अंडा	अंडैल
ऋण	ऋणी
एकीकरण	एकीकृत
ऐब	ऐबी
कंकड़	कंकड़ीला
कंठ	कंठ्य
कंधार	कंधारी
गंधक	गंधकी
गर्व	गर्वित
गाँव	गँवार
गुजरात	गुजराती
अंत	अंतिम, अंत्य
अँकुड़ी	अँकुड़ीदार
उद्योग	उद्योगी
उन्माद	उन्मादक
उपकार	उपकारक
उपचार	उपचारित
उल्लेख	उल्लेखनीय
गुणा	गुण्य
गृह	गृही
घर	घराऊ
घृणा	घृणित
चमत्कार	चमत्कारी
चिंतन	चिंतनीय
पत्थर	पथरीला
परिमार्जन	परिमार्जित
प्रांत	प्रांतिक
फेन	फेनिल
मखमल	मखमली
लारवाही	लापरवाह
लेखक	लेखनीय
वसंत	वासंतिक
अनुराग	अनुरागी
अनुशासन	अनुशासित
अन्याय	अन्यायी
अन्योन्याश्रय	अन्योन्याश्रित
उद्धरण	उद्धरणीय
उद्धार	उद्धारक
उद्यम	उद्यत, उद्यमी
विकास	विकासमान्
विदेश	विदेशी

रोब	रोबीला
लज्जा	लज्जित
अँगरेज	अँगरेजी
अधर्म	अधर्मी
अनिच्छा	अनिच्छित
क्षोभ	क्षुब्ध
खंडन	खंडित
खानदान	खानदानी
खेद	खिन्न
खैरात	खैरात्
ख्याल	ख्याली
गणन	गणनीय
गाँठ	गँठीला
गाभा	गाभिन
गुण	गुणी
अनुभव	अनुभवी
अनुमान	अनुमानित
काम	कामुक, कामी
कारबार	कारबारी
किताब	किताबी
किमत	कीमती
क्षुधा	क्षुधालु
गुस्सा	गुस्सावर
गोर	गोरी
घिन	घिनौना
चटपटी	चटपटिया
चातुर्थक	चातुर्थिकी
चित्र	चित्रित
परित्याग	परित्यागी
परिवर्तन	परिवर्तनीय
प्रात:काल	प्रात:कालीन
बहिष्कार	बहिष्कृत
मजहब	मजहबी
लालच	लालची
वर्णन	वर्णनीय
वस्तु	वास्तव
आमंत्रण	आमंत्रित
आयुर्वेद	आयुर्वेदीय
आयोजन	आयोजित
आलंबन	आलंबित
कागज	कागजी
कानून	कानूनी
काबुल	काबुली
विज्ञापन	विज्ञापित
विनाश	विनाशक

शरीर	शरीरिणी
शोषण	शोषित
संचय	संचयी
संप्रदाय	सांप्रदायिक
संशोधन	संशोधित
सरकार	सरकारी
सोपान	सोपानित
स्वाभिमान	स्वाभिमानी
चिह्न	चिह्नित
छिद्र	छिद्रित
जबान	जबानी
जिद	जिद्दी
तिरस्कार	तिरस्कृत
तेजाब	तेजाबी
दरबार	दरबारी
देहात	देहाती
निमंत्रण	निमंत्रित
निरीक्षण	निरीक्षित
नोक	नुकीली

शान	शानदार
संकेत	संकेतित
संपादन	संपादकीय
संरक्षण	संरक्षित
समर्थन	समर्थक
सरोकार	सरोकारी
स्कूल	स्कूली
हठ	हठी
चुंबन	चुंबनीय
जंगल	जंगली
जरूरत	जरूरी
जीवन	जीवित
तिरहुत	तिरहुतिया
दक्खिन	दक्खिनी
दाग	दागी
नाम	नामी
निराला	निराली
निष्कासन	निष्कासित
पंजाब	पंजाबी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. इनमें से कौन गुणवाचक विशेषण नहीं है ?

(A) काला (B) लम्बा

(C) पचास (D) युवा

2. इनमें से कालबोधक विशेषण कौन-सा है ?

(A) गीला (B) पतला

(C) पुराना (D) भला

3. सार्वनामिक विशेषण –

(A) संज्ञा के पहले आते है (B) संज्ञा के बाद आते है

(C) सर्वनाम के बाद आते हैं (D) इनमें से कोई नहीं

4. विशेषण किस शब्द की विशेषता बताते हैं ?

(A) संज्ञा की (B) सर्वनाम की

(C) संज्ञा और सर्वनाम की (D) कारक की

5. जिस शब्द की विशेषता बताई जाए, वह है –

(A) विशेषण (B) विशेष्य

(C) प्रविशेषण (D) विधेय

6. नीचे दिए जोड़ों में से जो सही नहीं है उसको छाँटिये –

(A) वर्ष-वार्षिक (B) वन-वन्य

(C) व्यवसाय-व्यवसायिक (D) वन्दना-वन्दनी

7. किस वाक्य में 'अच्छा' शब्द का प्रयोग विशेषण के रूप में हुआ है ?

(A) तुमने अच्छा किया जो आ गए (B) यह स्थान बहुत अच्छा है

(C) अच्छा तुम घर जाओ (D) अच्छा है वह अभी आ जाये

8. 'पशु' शब्द का विशेषण क्या है ?

(A) पाशविक (B) पशुत्व

(C) पशुपति (D) पशुता

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

9. 'संस्कृति' का विशेषण है -
(A) सांस्कृतिक (B) संस्कृतिक
(C) संस्कृत (D) सांस्कृत

10. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है ?
(A) सौन्दर्य (B) बेकारी
(C) वृक्ष (D) फुफेरा

11. निम्नांकित में विशेषण है -
(A) सुलेख (B) पुष्पित
(C) बलवान (D) पौरुष

12. 'लक्ष्मण एक कुशल कार्यकर्त्ता है' में विशेषण है -
(A) लक्ष्मण (B) कार्यकर्त्ता
(C) कुशल (D) इनमें से कोई नहीं

13. निम्नलिखित में से विशेषण चुनिए -
(A) भलाई (B) मिठास
(C) थोड़ा (D) स्वयं

14. 'परिश्रमी व्यक्ति ही सफल होते हैं।' इसमें 'परिश्रमी' कैसा विशेषण है?
(A) परिमाणवाचक विशेषण (B) गुणवाचक विशेषण
(C) संख्यावाचक विशेषण (D) सार्वनामिक विशेषण

15. 'यह लड़का गवैया है।' इस वाक्य में 'यह' कैसा विशेषण है ?
(A) निश्चित संख्यावाचक (B) अनिश्चित संख्यावाचक
(C) सार्वनामिक विशेषण (D) संख्यावाचक विशेषण

16. 'चार गायें खेत में चर रही है।' इनमें 'चार' कैसा विशेषण है ?
(A) निश्चित संख्यावाचक (B) अनिश्चित संख्यावाचक
(C) निश्चित परिमाणवाचक (D) अनिश्चित परिमाणवाचक

17. 'मुझे थोड़ा घी चाहिए।' इनमें 'थोड़ा' कैसा विशेषण है ?
(A) निश्चित परिमाणवाचक (B) अनिश्चित परिमाणवाचक
(C) निश्चित संख्यावाचक (D) अनिश्चित संख्यावाचक

18. 'आवश्यक' शब्द निम्नांकित में से क्या है ?
(A) संज्ञा (B) सर्वनाम
(C) विशेषण (D) प्रविशेषण

19. 'यह लड़का बड़ा भोला है।' इसमें 'बड़ा' शब्द क्या है ?
(A) प्रविशेषण (B) संज्ञा
(C) सर्वनाम (D) विशेषण

20. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द परिमाणवाचक विशेषण है ?
(A) अच्छा (B) आकर्षक
(C) कुछ (D) धनी

21. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द गुणवाचक विशेषण है ?
(A) बहुत (B) भारतीय
(C) पाँच (D) कोई नहीं

22. 'यह दृश्य अति सुन्दर है।' इसमें 'अति' क्या है ?
(A) संज्ञा (B) प्रविशेषण
(C) विशेषण (D) क्रिया

23. 'आलस्य' शब्द का विशेषण क्या है ?
(A) आलस (B) अलस
(C) आलसीपन (D) आलसी

24. निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा शब्द विशेषण है ?
(A) नम्रता (B) मिठास
(C) सच्चा (D) शीतलता

25. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द गुणवाचक विशेषण है ?
(A) बलवान (B) थोड़ा
(C) पाँच (D) आप

26. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य में विशेषण सम्बंधी अशुद्धि नहीं है। वह कौन-सा है ?
(A) उसमें एक गोपनीय रहस्य है।
(B) आप जैसा अच्छा सज्जन कौन होगा ?
(C) कहीं से खूब ठण्डा बर्फ लाओ
(D) वहाँ ज्वर की सर्वोत्कृष्ट चिकित्सा होती है।

27. 'अच्छा विद्यार्थी' में 'विद्यार्थी' शब्द क्या है ?
(A) विशेषण (B) विशेष्य
(C) सर्वनाम (D) प्रविशेषण

28. 'प्रविशेषण' बताते हैं
(A) विशेषण का भेद (B) विशेषणों का भाव
(C) विशेषणों की विशेषता (D) विशेषणों के गुण

29. निम्नलिखित संज्ञा-विशेषण जोड़ी में कौन-सा सही नहीं है ?
(A) विष-विषैला (B) पिता-पैतृक
(C) उन्नति-उन्नत (D) प्रान्त-प्रान्तिक

30. विशेषण के कितने भेद है ?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छह

31. वस्तुओं की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को क्या नाम दिया जाता है ?
(A) संज्ञा (B) सर्वनाम
(C) क्रिया (D) इनमें कोई नहीं

32. विशेषण की विशेषता बताने वाला शब्द क्या कहलाता है ?
(A) विधेय-विशेषण (B) प्रविशेषण
(C) क्रियाविशेषण (D) विशेष्य

33. 'कोई आदमी उसे मार रहा था।' इस वाक्य में विशेषण छाँटिए -
(A) उसे (B) रहा
(C) मार (D) इनमें कोई नहीं

34. 'संस्कृति' का विशेषण है -
(A) सांस्कृतिक (B) संस्कृतक
(C) संस्कृत (D) सांस्कृत

35. हल्का लाल फूल तोड़कर लाओं। रेखांकित शब्द का विशेषण बताइए ?
(A) गुणवाचक विशेषण (B) प्रविशेषण विशेषण
(C) परिणामवाचक विशेषण (D) संबंधवाचक विशेष

उत्तरमाला

1. (C)	2. (C)	3. (A)	4. (C)	5. (B)	6. (D)	7. (B)	8. (A)
9. (A)	10. (D)	11. (C)	12. (C)	13. (C)	14. (B)	15. (C)	16. (A)
17. (B)	18. (C)	19. (A)	20. (C)	21. (B)	22. (B)	23. (D)	24. (C)
25. (A)	26. (D)	27. (B)	28. (C)	29. (D)	30. (B)	31. (D)	32. (C)
33. (B)	34. (A)	35. (B)					

Join WhatsApp Group

अव्यय (अविकारी शब्द)

अव्यय : जिन शब्दों में लिंग, वचन, पुरुष, कारक इत्यादि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अव्यय कहते है।

जैसे – वह धीरे-धीरे चलता है। तुम तेज चलते हो।

ऐसे शब्द हमेशा अपने मूल रूप में ही बने रहते है। चूँकि इन शब्दों का रूप नहीं बदलता, अत: इन्हें अविकारी भी कहा जाता है। अव्यय शब्दों के कुछ उदाहरण है – जब, तब, अभी, वहाँ, उधर, यहाँ, इधर, कब, क्यों, आह, वाह, ठीक, अरे, और, तथा, एवं, किंतु परंतु, लेकिन, बल्कि, इसलिए, किसलिए, बिल्कुल, अत:, अतएव, अर्थात्, चूँकि, क्योंकि, इत्यादि।

अव्यय के कार्य

अव्यय के निमनलिखित कार्य है –

- अव्यय क्रिया का स्थान, दिशा, समय, रीति, तुलना, परिमाण, उद्देश्य, सादृश्य इत्यादि का ज्ञान कराते हैं।
- कुछ अव्यय शब्दों, पदबंधों, उपवाक्यों और वाक्यों को आपस में जोड़ने का काम करते हैं।
- अव्यय शोक, हर्ष, आश्चर्य इत्यादि भावों को व्यक्त करते हैं।
- कुछ अव्यय संबोधन को सूचित करते हैं।
- कुछ अव्यय बल, निषेध, स्वीकार, अवधारणा इत्यादि भी व्यक्ति करते हैं।

अव्यय के भेद

अव्यय के चार भेद है –

A. क्रियाविशेषण
B. संबधबोधक
C. समुच्चयबोधक
D. विस्मयादिबोधक

A. क्रियाविशेषण

क्रिया की विशेषता बतलानेवाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं। जैसे – यहाँ, वहाँ, अब, अभी, ऐसे, वैसे, बहुत, बड़ा, क्यों, क्या आदि।

राम अब खा रहा है। (अब – क्रियाविशेषण)

यहाँ 'अब' शब्द क्रियाविशेषण है, क्योंकि यह 'खा रहा है' क्रिया की विशेषता बतलाता है।

क्रियाविशेषण के कार्य

क्रियाविशेषण के निम्नलिखित प्रमुख कार्य है –

- **क्रियाविशेषण क्रिया की विशेषता बतलाता है। जैसे –**
  श्याम तेज दौड़ता है। (तेज – विशेषता का बोध)
  वह शुद्ध लिखता है। (शुद्ध – विशेषता का बोध)
- **यह क्रिया के स्थान की स्थिति या दिशा का बोध कराता है। जैसे –**
  वह बाहर बैठा है। (बाहर – स्थान की स्थिति का बोध)
  सड़क के बाएँ चलें। (बाएँ – स्थान की दिशा का बोध)
- **यह क्रिया के समय, अवधि आदि का बोध कराता है। जैसे –**
  राधा कल आएगी। (कल – समय का बोध)
  वह रात भर पढ़ता रहा। (रात भर – अवधि का बोध)
- **यह क्रिया के प्रकार, स्वीकार, निषेध, निश्चय, अनिश्चय, आदि का बोध कराता है। जैसे –**
  यहाँ नहीं खेलो। (नहीं – निषेध का बोध)
  हाँ, आइए। (हाँ – स्वीकार का बोध)
- **यह क्रिया की न्यूनता, अधिकता, तुलना आदि का बोध कराता है। जैसे –**
  सीता थोड़ा खाती है। (थोड़ा – न्यूनता का बोध)
  गीता बहुत पढ़ती है। (बहुत – अधिकता का बोध)

क्रियाविशेषण के भेद

क्रियाविशेषण के मुख्यत: चार भेद है –

1. स्थानवाचक 2. कालवाचक
3. रीतिवाचक और 4. परिमाणवाचक

1. **स्थानवाचक क्रियाविशेषण :** जो शब्द क्रिया के स्थान की स्थिति एवं दिशा का बोध कराए, उसे स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं। जैसे – यहाँ, वहाँ, यहीं, वहीं, बाहर, भीतर, इधर, उधर, पास, दूर, दाएँ, बाएँ, आगे, पीछे, ऊपर, नीचे, की तरफ, की ओर आदि।
   वह **यहाँ** रहता है। (स्थान की स्थिति का बोध)
   सड़क के **बाएँ** चलो। (स्थान की दिशा का बोध)
2. **कालवाचक क्रियाविशेषण :** जो शब्द क्रिया के समय, अवधि, बारंबारता आदि का बोध कराऐ, उसे कालवाचक क्रियाविशेषण कहते है। जैसे – आज, कल, अब, जब, अभी, कभी, सायं, प्रात:, तुरंत, पहले, आजकल, दिन भर, नित्य, सदा लगातार, सदैव, बहुधा, प्रतिदिन, रोज, कई बार, हर बार आदि।
   श्री मरांडी **अभी** जा रहे हैं। (क्रिया के समय का बोध)
   मि॰ जॉन **आजकल** खेलते हैं। (क्रिया की अवधि का बोध)
   मो॰ रहीम **प्रतिदिन** पढ़ रहे हैं। (क्रिया की बारंबारता का बोध)
3. **रीतिवाचक क्रियाविशेषण :** जिस शब्द से क्रिया के प्रकार, निश्चय, अनिश्चय, स्वीकार, निषेध आदि का बोध हो, उसे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते है। जैसे – ऐसे, वैसे, कैसे, जैसे, शायद, अवश्य, न, नहीं, मत, तो भी, ही, क्योंकि, चूँकि, अत:, इसलिए, धीरे-धीरे, तेजी से, जोर-जोर से, ध्यानपूर्वक आदि।
   वह **ऐसे** लिखता है। (क्रिया के प्रकार का बोध)
   वह **शायद** जाए। (क्रिया के अनिश्चय का बोध)
   मैं **नहीं** खेलूँगा। (क्रिया के निषेध का बोध)
4. **परिमाणवाचक क्रियाविशेषण :** जिस शब्द से क्रिया की न्यूनता, अधिकता, तुलना, मात्रा आदि का बोध हो, उसे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते है। जैसे – इतना, उतना, जितना, कितना, थोड़ा, बहुत, कम, खूब, अधिक, अति, अत्यंत, अतिशय, केवल, बस, काफी, जरा, थोड़ा-थोड़ा, तिल-तिल, बारी-बारी से, क्रमश: एक-एक कर आदि।
   गीता **थोड़ा** खाती है। (न्यूनता का बोध)
   मैं **बहुत** पढ़ता हूँ। (अधिकता का बोध)
   राम **कितना** सोता है? (तुलना का बोध)

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

B. संबंधबोधक

जो अव्यय संज्ञा या सर्वनाम के बाद आकर वाक्य के दूसरे शब्द के साथ संबंध बतलाए, उसे **संबंधबोधक** कहते है। जैसे – निकट, दूर, आगे, पीछे, अंदर, बाहर, ओर, तरफ, पार, द्वारा, मारफत, लिए, सिवा, अलावा, अतिरिक्त, संग, साथ, विरुद्ध, खिलाफ, बिना, भर आदि।

राम के **आगे** मैं खड़ा हूँ। (संज्ञा के बाद)

मेरे **आगे** राम खड़ा है। (सर्वनाम के बाद)

C. समुच्चयबोधक

जो अव्यय दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ता है, उसे **समुच्चयबोधक** कहते है। जैसे – और, व, एवं, तथा, या, अथवा, किन्तु, परन्तु, कि, क्योंकि, जोकि, ताकि, हालाँकि, चूँकि, लेकिन, अतः, इसलिए आदि।

राम और रहीम दोस्त हैं। (दो शब्दों को)

राम आया और उसने रहीम को समझाया। (दो वाक्यों को)

D. विस्मयादिबोधक

जिन अव्यय शब्दों से हर्ष, शोक, क्रोध, भय, आश्चर्य, घृणा आदि तीव्र मनोभाव व्यक्त होते हैं, उन्हें **विस्मयादिबोधक** अव्यय कहते है। जैसे – आह, वाह, काश, शाबाश, ए, ऐं, बाप रे, राम-राम, छी-छी आदि।

वाह ! वाह ! अच्छा किया ! (हर्ष का भाव)

आह ! वह मर गया ! (शोक का भाव)

बाप रे ! कितना भयानक शेर ! (आश्चर्य का भाव)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. लता बहुत अच्छा होती है। वाक्य में कौन-सा अव्यय है ?
(A) समुच्चय बोधक (B) परिमाणवाचक
(C) समानाधिकरण (D) परिणामवाची

2. अरे ! जरा इधर तो आ ! वाक्य में कौन-सा अव्यय है ?
(A) परिमाणवाचक (B) प्रश्नवाचक
(C) विस्मयादिबोधक (D) कालवाचक

निर्देश (3-5) : निम्नांकित प्रश्नों के वाक्यों में क्रिया विशेषण का वाक्य कौन-सा है ?

3. (A) धोबी कपड़े साफ धोता है (B) वह धीरे-धीरे पढ़ता है
(C) a व b दोनों (D) उपरोक्त सभी

4. (A) उपसेन रोते-रोते कहा (B) वह इधर-उधर देख रहा है
(C) वह पहले पहुँचा (D) उपरोक्त सभी

5. (A) राम न पढ़ता है, न खेलता है
(B) यदि वह आयोग, तो मैं जाऊँगा
(C) एक धनी है तो दूसरा गरीब
(D) वह बीमार है, अतः कॉलेज नहीं जाएगा

6. 'कछुआ धीरे-धीरे चलता है।' इस वाक्य में क्रिया विशेषण छाँटें –
(A) धीरे-धीरे (B) कछुआ
(C) चलता (D) इनमें कोई नहीं

7. दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द कौन-से शब्द होते है ?
(A) समुच्चयवाचक (B) सर्वनाम
(C) सम्बन्धसूचक (D) इनमें कोई नहीं

8. 'उसने आँख फाड़कर देखा।' इस वाक्य में 'फाड़कर' निम्नलिखित में से क्या है ?
(A) विशेषण (B) क्रियाविशेषण
(C) पूर्वकालिक क्रिया (D) इनमें से कोई नहीं

9. निम्नलिखित में कौन अविकारी है ?
(A) अव्यय (B) क्रिया विशेषण
(C) विशेषण (D) a और b

10. इनमें से किसमें एक क्रिया-विशेषण है –
(A) वह धीरे से बोलता है (B) वह काला कुत्ता है
(C) रमेश तेज धावक है (D) सत्य वाणी सुन्दर होती है

11. 'निमित्त' शब्द क्रिया-विशेषण के किस भेद के अन्तर्गत आता है ?
(A) परिणामवाचक (B) प्रश्नवाचक
(C) हेतुबोधक (D) हेतुवाचक

12. निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा शब्द क्रिया-विशेषण है ?
(A) सूर्योदय (B) नीला
(C) विगत (D) धीरे-धीरे

13. अव्यय कितने प्रकार के होते हैं ?
(A) चार (B) पाँच
(C) छह (D) सात

14. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द 'कालवाचक क्रियाविशेषण' है ?
(A) जहाँ (B) आगे
(C) अब (D) पर्याप्त

15. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द 'क्रियाविशेषण' है ?
(A) सूर्योदय (B) नीला
(C) विगत (D) धीरे-धीरे

16. 'अंकित और अंकुर विद्यालय जाते है।' इस वाक्य में 'और' शब्द है –
(A) क्रियाविशेषण (B) समुच्चयबोधक
(C) सम्बन्धबोधक (D) विस्मयादिबोधक

17. 'मैं गोपाल के बिना नहीं जाऊँगा।' इस वाक्य में 'बिना' कौन-सा अव्यय है ?
(A) सम्बन्धबोधक (B) समुच्चयबोधक
(C) विस्मयादिबोधक (D) क्रियाविशेषण

18. निम्न वाक्य किस अव्यय से पुरा होगा ?
आज धन .... कोई नहीं पूछता
(A) के बिना (B) साथ
(C) तक को (D) कहाँ

19. 'नल बूँद-बूँद टपक रहा है' वाक्य में रेखांकित है –
(A) विशेषण (B) क्रिया
(C) क्रिया विशेषण (D) सर्वनाम

उत्तरमाला

1. (B)	2. (C)	3. (C)	4. (D)	5. (A)	6. (A)	7. (A)	8. (B)
9. (D)	10. (A)	11. (D)	12. (D)	13. (A)	14. (C)	15. (D)	16. (B)
17. (A)	18. (A)	19. (C)					

Join WhatsApp Group

लिंग और उसके भेद

संज्ञा के जिस रूप में यह पता चले कि वह पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते है।

जैसे – लड़का (पुरुष), लड़की (स्त्री), आदमी (पुरुष), औरत (स्त्री)

लिंग के भेद

लिंग के दो भेद है –

A. पुल्लिंग B. स्त्रीलिंग

A. पुल्लिंग : जिस संज्ञा शब्द से उसके पुरुष होने का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते है।
जैसे – घोड़ा, लड़का, छात्र, बैल आदि।

B. स्त्रीलिंग : जिस संज्ञा शब्द से उसके स्त्री होने का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते है।
जैसे – घोड़ी, लड़की, छात्रा, गाय आदि।

लिंग निर्णय संबंधी नियम

पुल्लिंग

1. जिन संज्ञा शब्दो के अंत में 'अ' स्वर आता है, वे प्रायः पुल्लिंग होते है।
जैसे – घर, वरदान, स्वराज्य, मान, भवन, प्रश्न, उत्तर, जलज, पंकज, दमन, पोषण, पवन, वन, क्रोध, दान, त्याग, गणित, चरित, गीत, संगीत, सुख, दु:ख, व्यापार, विवाह, अकाल, स्वर्ग, सत्य चित्र, नेत्र, पत्र, फूल, फल, तन, मन, जल, थल, कर्म, धर्म, समाज, देश, संसार आदि।
अपवाद : सन्तान, पुलिस, सेना, फौज, सरकार आदि शब्द स्त्रीलिंग है।

2. ना, आव, पन, आपा, त्व प्रत्ययों से बननेवाली संज्ञाएँ पुल्लिंग होती है।
जैसे – लड़कपन, बचपन, जगाना, हँसना, छिपाव, बचाव, बढ़ापा, मोटापा, महत्त्व, अपनत्व।

3. हिन्दी की 'आकारान्त' संज्ञाएँ प्रायः पुल्लिंग होती है।
जैसे – छाता, पैसा, चमड़ा, चश्मा, गुस्सा, पहिया, पटाखा, कपड़ा, बक्सा, लड़का, नाला, घड़ा।

4. दिन, महीना, ग्रह, देश, पर्वत, रत्न, धातु, शरीर के अवयवों, अन्नाज, पेड़ तथा द्रव्यों नाम प्रायः पुल्लिंग होते है। जैसे –

- **दिन के नाम** – सोमवार, मंगलवार, बुधवार, शनिवार आदि।
- **महीनों के नाम** – चैत, बैशाख, अगहन, मार्च, अप्रैल, आदि। (अपवाद – जनवरी, फरवरी)
- **ग्रहों के नाम** – शुक्र, शनि, मंगल, वरूण, नेप्च्यून आदि। (अपवाद – पृथ्वी)
- **देशों के नाम** – भारत, चीन, अमेरिका, रूस, जापान आदि।
- **पर्वतों के नाम** – हिमालय, एंडीज, सह्याद्रि, विंध्य, नीलांचल आदि।
- **रत्नों के नाम** – पन्ना, हीरा, माणिक, मूँगा, मोती आदि।
- **धातुओं के नाम** – ताँबा, लोहा, सोना, सीसा, राँगा, पीतल, काँसा। (अपवाद – चाँदी)
- **शरीर के अवयव** – कान, मुँह, दाँत, ओठ, मस्तक, अँगूठा, नाखून, पाँव, हाथ, सिर आदि। (अपवाद – कलाई, नाक, आँख, जीभ, खाल, बाँह)
- **अन्नाज के नाम** – चना, गेहूँ, चावल, धान, बाजरा, तिल आदि। (अपवाद – ज्वार, अरहर, मूंग, सरसों, खेसारी)
- **पेड़ के नाम** – पीपल, बड़, चीड़, आम, शीशम, अमरूद। (अपवाद – लीची, नाशपाती, नारंगी, इमली, मलसौरी)
- **द्रव्यों के नाम** – पानी, घी, तेल, दही, शर्बत, काढ़ा (अपवाद – चाय, स्याही, शराब)

5. निम्नलिखित शब्द ऐसे है, जो सर्वदा पुल्लिंग होते है।
जैसे – पशु, पक्षी, कौआ, तोता, मच्छर, बिच्छु, छछूँदर, खटमल साँप, गिरगिट, झींगुर, कीड़ा, गेंडा शब्द स्त्रीलिंग है।

स्त्रीलिंग

1. संस्कृत के 'आकारान्त' शब्द प्रायः स्त्रीलिंग होते है।
जैसे – लता, शोभा, सभा, प्रिया, दया, माया, क्षमा, लज्जा, कृपा, माला, क्षमता, रमा, ममता, कथा प्रार्थना, वेदना, रचना, इच्छा, आशा, रक्षा परीक्षा, योग्यता, संस्था, आस्था, ईर्ष्या, सुन्दरता, नम्रता, निराशा, अभिलाषा, घटना आदि।

2. इकारान्त, ईकारान्त, उकारान्त शब्द प्रायः स्त्रीलिंग होते है।
जैसे – रात्रि, निधि, जाति, समिति, नियुक्ति, शक्ति, छवि, नदी, नारी, गोष्ठी, कुंडली, बोली, चिट्ठी, लड़की, कहानी, कटोरी, रोटी, वस्तु, ऋतु, मृत्यु, आयु आदि।
(अपवाद – लघु, सेतु हेतु, पानी, मोती, हाथी कवि, मुनि, पति ऋषि)

3. जिन भाववाचक संज्ञाओं के अंत में ट, वट या हट होता है, वे प्रायः स्त्रीलिंग होते है।
जैसे – झंझट, बनावट, चिकनाहट, लिखावट, आहट, घबराहट, सजावट, कड़वाहट आदि।

4. नदियों, लिपियों, बोलियों, तिथियों, भाषाओं, झीलों तथा नक्षत्रों के नाम प्रायः स्त्रीलिंग होते है। जैसे –

- **नदियों के नाम** – गंगा, यमुना, सतलुज, रावी, ताप्ती, नर्मदा, सरस्वती (अपवाद – सोन, सतलज, सिंधु और ब्रह्मपुत्र)
- **लिपियों के नाम** – देवनागरी, रोमन, गुरूमुखी।
- **बोलियों के नाम** – हिन्दी, अरबी, फारसी, अंग्रेजी।
- **तिथियों के नाम** – प्रथमा, द्वितीया, चतुर्थी, अमावस्या, पूर्णिमा, पहली
- **भाषाओं के नाम** – हिन्दी, तमिल, मराठी, पंजाबी, अंग्रेजी।
- **झीलों के नाम** – डलझील, विक्टोरिया झील
- **नक्षत्रों के नाम** – अश्विनी, रोहिणी, पृथ्वी आदि।

5. खाने-पीने की चीजें तथा बनिये की दूकान की चीजें प्रायः स्त्रीलिंग होते है। जैसे –

- **खाने-पीने की चीजें** – कचौड़ी, पूरी, खीर, दाल, पकौड़ी, चपाती, तरकारी, खिचड़ी, रोटी, दाल, सब्जी।
- **बनिये की दूकान की चीजें** – लौंग, इलाइची, मिर्च, दालचीनी, हल्दी, केसर, सुपारी, हींग। (अपवाद – धनिया, जीरा, गरम-मशाला, नमक, तेजपता आदि)

rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

6. 'ख' तथा 'इया' से अन्त होने वाले शब्द प्राय: स्त्रीलिंग होते है।
जैसे – ईख, भूख, चीख, कोख, खटिया, लुटिया, कुटिया, चिड़िया आदि।

7. निम्नलिखित शब्द ऐसे है जो सर्वदा स्त्रीलिंग होते है।
जैसे – मकरी, कोयल, मैना, गौरैया, मछली, मक्खी, लोमड़ी, गिलहरी, छिपकली, चील आदि।

लिंग-निर्णय के सरल सूत्र

जिस शब्द का लिंग ज्ञात करना हो उसका बहुवचन रूप बना लें। बहुवचन रूप के अंत में यदि 'आँ' या 'ऐं' आ रहा है तो वह शब्द स्त्रीलिंग है और यदि 'आँ' या 'ऐं' नहीं आ रहा है तो वह शब्द पुल्लिंग है।

शब्द	बहुवचन	विकार	लिंग
भवन	भवन	×	पुल्लिंग
बात	बातें	✓	स्त्रीलिंग
पुत्र	पुत्र	×	पुल्लिंग
कोशश	कोशिशें	✓	स्त्रीलिंग
खिड़की	खिड़कियाँ	✓	स्त्रीलिंग
इमारत	इमारतें	✓	स्त्रीलिंग
पंखा	पंखे	×	पुल्लिंग
पुस्तक	पुस्तकें	✓	स्त्रीलिंग
पहाड़	पहाड़	×	पुल्लिंग
दरवाजा	दरवाजे	×	पुल्लिंग
अखबार	अखबार	×	पुल्लिंग
स्कूल	स्कूल	×	पुल्लिंग
हवा	हवाएँ	✓	स्त्रीलिंग
कुत्ता	कुत्ते	×	पुल्लिंग
पहाड़ी	पहाड़ियाँ	✓	स्त्रीलिंग
पत्ता	पत्ते	×	पुल्लिंग

ध्यान दें : ऊपर में पंखा का बहुवचन पंखे, दरवाजा का दरवाजे, कुत्ता का कुत्ते तथा पत्ता का पत्ते में 'ए' (े) आया है न कि 'एँ' (ें) अत: ये पुल्लिंग होंगे, स्त्रीलिंग नहीं।

वाक्य प्रयोग द्वारा लिंग निर्णय

वाक्य प्रयोग द्वारा लिंग-निर्णय की चार विधियाँ है –

1. क्रिया द्वारा –
गाय खाती है। (खाती – स्त्रीलिंग)
बैल खाता है। (खाता – पुल्लिंग)
ध्यान दें : यहाँ 'खाती' क्रिया शब्द से गाय के स्त्रीलिंग एवं 'खाता' से बैल के पुल्लिंग होने का बोध होता है।

2. विशेषण द्वारा –
गाय उजली है। (उजली – स्त्रीलिंग)
बैल उजला है। (उजला – पुल्लिंग)
ध्यान दें : यहाँ 'उजली' विशेषण से गाय के स्त्रीलिंग एवं 'उजला' से बैल के पुल्लिंग होने का बोध होता है।

3. सर्वनाम द्वारा –
गाय मेरी है। (मेरी – स्त्रीलिंग)
बैल मेरा है। (मेरा – पुल्लिंग)
ध्यान दें : यहाँ 'मेरी' सर्वनाम शब्द के गाय के स्त्रीलिंग एवं 'मेरा' से 'बैल' के पुल्लिंग होने का बोध होता है।

4. संबंधकारक की विभक्ति द्वारा –
मोहन की गाय कहाँ है ? (की – स्त्रीलिंग)
मोहन का बैल कहाँ है ? (का – पुल्लिंग)
ध्यान दें : यहाँ 'की' विभक्ति चिह्न से गाय के स्त्रीलिंग एवं 'का' से बैल के पुल्लिंग होने का बोध होता है।
नोट : लिंग-निर्णय में वाक्य हमेशा छोटे एवं सरल रखें। दूसरी बात, ऐसा वाक्य न बनाएँ, जिससे लिंग-निर्णय स्पष्ट न हो। जैसे –
यह एक गाय है।
वह एक बैल है।
यहाँ वाक्य की दृष्टि से सारे वाक्य शुद्ध है, लेकिन लिंग-निर्णय की दृष्टि से अशुद्ध। ऐसा इसलिए कि उपर्युक्त वाक्यों से गाय/बैल पुल्लिंग है या स्त्रीलिंग, स्पष्ट नहीं होता ।

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के नियम

साधारणत: पुल्लिंग शब्द को स्त्रीलिंग बनाने के लिए कुछ प्रत्ययों को शब्द में जोड़ा जाता है। जिन्हे 'स्त्री-प्रत्यय' कहते है। ये प्रत्यय निम्नलिखित है – आ, आइन, आनी, इका, इन, इया ई, नी, जी, नी, इनी, वती, मती।

- **आ** : प्रिय-प्रिया, सुत-सुता, शिष्य-शिष्या, बाल-बाला
- **आइन** : बनिया-बनियाइन, लाला-ललाइन, चौबे-चौबाइन
- **आनी** : देवर-देवरानी, मेहतर-मेहतरानी, नौकर-नौकरानी
- **इन** : चमार-चमारिन, धोबी-धोबिन, सुनार-सुनारिन
- **इया** : कुत्ता-कुतिया, चूहा-चुहिया, बंदर-बंदरिया
- **णी** : अभिलाषी-अभिलाषिणी, अहंकारी-अहंकारिणी, अविचारी-अविचारिणी
- **त्री** : नेता-नेत्री, दाता-दात्री, भर्ता-भर्ती, कर्ता-कर्त्री
- **वती** : बलवान-बलवती, धनवान-धनवती, रूपवान-रूपवती, पुत्रवान-पुत्रवती
- **मती** : बुद्धिमान-बुद्धिमती, श्रीमान-श्रीमती, महान-महती
- **इनी** : स्वामी-स्वामिनी, तपस्वी-तपस्विनी, एकाकी-एकाकिनी
- **नी** : मोर-मोरनी, शेर-शेरनी, हाथी-हथिनी, सिंह-सिंहनी

ध्यान दें – कुछ शब्दों के स्त्रीलिंग रूप बिना प्रत्यय के बनाये जाते है। ये किसी नियम में बंधे नहीं होते है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
राजा	रानी	**भाई**	बहन
युवक, युवा	युवती	**पुरुष**	स्त्री
कवि	कवयित्री	**नर**	नारी
बैल	गाय	**आदमी**	औरत
पिता	माता	**ससुर**	सास
विद्वान	विदुषी	**सम्राट**	सम्राज्ञी
वर	वधू	**बिलाव**	बिल्ली
महाराजा	महारानी	**विधुर**	विधवा
वीर	वीरंगना	**साधु**	साधवी

कुछ विशेष अक्षरों के स्त्रीलिंग रूप

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पुत्र	कन्या	**आर्य**	आर्याणी
इंद्र	इंद्राणी	**किशोर**	किशोरी
कुमार	कुमारी	**डिब्बा**	डिबिया
छात्र	छात्रा	**पूज्य**	पूज्या

Join WhatsApp Group

• **दुष्ट**	दुष्टा	**नाला**	नाली
• **ब्राह्मण**	ब्राह्मणी	**घंटा**	घंटी
• **शिक्षक**	शिक्षिका	**महोदय**	महोदया
• **शिव**	शिवाणी	**महाशय**	महाशया
• **संपादक**	संपादिका	**मियाँ**	बीबी
• **संरक्षक**	संरक्षिका	**श्याम**	श्यामा
• **नाटक**	नाटिका	**विजय**	विजया
• **साँप**	साँपिन	**लोग**	लुगाई
• **कृष्ण**	कृष्णा	**मलिक**	मलिका
• **पुतला**	पुतली	**भवदीय**	भवदीया
• **भगवान्**	भगवाती	**साहब**	मेम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश (1-3) : पुल्लिंग-स्त्रीलिंग के जोड़े में कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?

1. (A) बालक-बालिका (B) माली-मालिनी
(C) गूंगा-गूंगी (D) नर-नारी

2. (A) भगवान-भागवंती (B) गधा-गधी
(C) देव-देवी (D) नाला-नाली

3. (A) हिरन-हिरणी (B) पुत्र-पुत्री
(C) तनुज-तरुणी (D) लाला-ललाइन

निर्देश (4-6) : निम्नलिखित प्रश्नों में विकल्पों में पुल्लिंग शब्द का चयन कीजिए -

4. (A) सूचीपत्र (B) दवात
(C) किताब (D) कुर्सी

5. (A) सरसों (B) मकई
(C) सारस (D) मूँग

6. (A) बर्फी (B) हठयोग
(C) मलाई (D) साधना

निर्देश (7-8) : निम्नलिखित प्रश्नों में कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है ?

7. (A) झुरमुट (B) अन्त्येष्टि
(C) इच्छा (D) उपासना

8. (A) उलझन (B) एकता
(C) डमरू (D) अनबन

9. 'कवि' शब्द का सही स्त्रीलिंग रूप क्या है ?
(A) कवियित्री (B) कवियत्री
(C) कविनी (D) कवयित्री

10. निम्नलिखित शब्दों में से कौन शब्द पुल्लिंग है ?
(A) दया (B) घुटना
(C) जड़ता (D) बुढ़ापा

11. निम्नलिखित में से स्त्रीवाचक शब्द कौन-सा है ?
(A) बाला (B) छात्र
(C) महाशय (D) शिव

12. हिंदी में लिंग कितने प्रकार के होते है ?
(A) तीन (B) दो
(C) चार (D) कोई नहीं

13. 'सुन्दर' शब्द का स्त्रीलिंग क्या है ?
(A) सौन्दर्य (B) सौन्दर्यता
(C) सुन्दरी (D) सौन्दर्यीकरण

14. निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग शब्द का चयन कीजिए -
(A) अपराध (B) अध्याय
(C) स्वदेश (D) स्थापना

15. निम्नलिखित में से कौन रूढ़ शब्द है ?
(A) दया सागर (B) पंकज
(C) विद्यालय (D) जल

16. स्वतंत्र सता धारण न करने वाले शब्द क्या कहलाते है ?
(A) रूढ़ (B) योगरूढ़
(C) यौगिक (D) कोई नहीं

17. 'जेठ' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या है ?
(A) जेठिन (B) जेठराइन
(C) जेठरानी (D) जेठानी

18. 'हलवाई' का स्त्रीलिंग है -
(A) हलवाईन (B) हलवाइन
(C) हलवायीन (D) हलवानी

19. स्त्रीलिंग शब्द का चयन कीजिए -
(A) संविधान (B) संसद
(C) संगठन (D) सिन्दूर

20. निम्न में से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग में ही प्रयुक्त होता है ?
(A) बुढ़ापा (B) हिमालय
(C) बनावट (D) लड़कपन

21. 'याचक' शब्द का लिंग बदलने पर जो शब्द बनेगा, वह होगा -
(A) याचक (B) याचिका
(C) याची (D) याचिकी

22. 'गीदड़' का स्त्रीलिंग क्या होगा ?
(A) गीदड़िन (B) गीदड़नी
(C) गीदड़ी (D) गिदड़िया

23. स्त्रीलिंग शब्द का चयन करें ?
(A) शराब (B) शील
(C) शक (D) शहद

24. लिंग की दृष्टि से 'दही' क्या है ?
(A) स्त्रीलिंग (B) पुलिंग
(C) नपुंसक लिंग (D) उभयलिंग

25. 'सोन' नदी क्या है ?
(A) स्त्रीलिंग (B) पुल्लिंग
(C) ये दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

26. पदनाम होते है ?
(A) पुल्लिंग (B) स्त्रीलिंग
(C) ये दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

27. 'मगरमच्छ' का स्त्रीलिंग है ?
(A) मगरमच्छी (B) मगरमच्छवी
(C) मादा मगरमच्छ (D) मगरमच्छानी

उत्तरमाला

1. (B)	2. (A)	3. (A)	4. (A)	5. (C)	6. (B)	7. (A)	8. (C)
9. (B)	10. (D)	11. (A)	12. (B)	13. (C)	14. (D)	15. (D)	16. (C)
17. (D)	18. (B)	19. (B)	20. (C)	21. (B)	22. (C)	23. (A)	24. (B)
25. (B)	26. (A)	27. (A)					

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

वचन और उसके भेद

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया के जिस रूप से संख्या (एक या अनेक) का बोध होता है, उसे वचन कहते है। जैसे –

लड़का, लड़की, कुत्ता, घोड़ा, आम आदि – एक का बोध
लड़के, लड़कियाँ, कुत्ते, घोड़े, आपलोग आदि – अनेक का बोध

वचन के भेद

वचन के दो भेद होते हैं –

A. एकवचन B. बहुवचन

A. एकवचन : शब्द के जिस रूप से एक वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है, उसे एकवचन कहा जाता है। जैसे – गाय, किताब, कलम, लड़का, आदि।

B. बहुवचन : शब्द के जिस रूप से एक से अधिक व्यक्तियों या वस्तुओं का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते है। जैसे – गायें, किताबें, कलमें, लड़कें आदि।

बहुवचन बनाने के नियम

1. आकारांत पुल्लिंग शब्दों के अन्त में 'आ' को 'ए' में बदलकर बहुवचन बनाया जाता है। जैसे –

लड़का – लड़के	कमरा – कमरे	कौआ – कौए
घोड़ा – घोड़े	पहिया – पहिये	पुआ – पुए
हरा – हरे	कपड़ा – कपड़े	छोटा – छोटे

2. आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'आ' के साथ 'एँ' जोड़कर बहुवचन बनाया जाता है। जैसे –

लता – लताएँ	माता – माताएँ	दिशा – दिशाएँ
कन्या – कन्याएँ	महिला – महिलाएँ	समस्या – समस्याएँ
भाषा – भाषाएँ	शाखा – शाखाएँ	अध्यापिका – अध्यापिकाएँ

3. अकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'अ' को 'एँ' में बदलकर बहुवचन बनाया जाता है। जैसे –

गाय – गायें	पुस्तक – पुस्तकें	झील – झीलें
बहन – बहनें	रात – रातें	आँख – आँखें
सड़क – सड़कें	आदत – आदतें	बात – बातें

4. 'इकारान्त' और 'ईकारान्त' स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'इ', 'ई' को 'इयाँ' में बदलकर बहुवचन बनाया जाता है। जैसे –

लड़की – लड़कियाँ	नारी – नारियाँ	नीति – नीतियाँ
तिथि – तिथियाँ	सखी – सखियाँ	रानी – रानियाँ
विधि – विधियाँ	स्त्री – स्त्रियाँ	मिठाई – मिठाइयाँ

5. 'उकारान्त' और 'ऊकारान्त' स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'एँ' जोड़कर बहुवचन बनाया जाता है। यदि अंत में 'ऊ' हो तो उसे 'उ' करके 'एँ' लगाया जाता है। जैसे –

वस्तु – वस्तुएँ	बहू – बहुएँ	वधू – वधुएँ
धेनु – धेनुएँ	ऋतु – ऋतुएँ	धातु – धातुएँ

6. 'या' से अंत होने वाले स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त वाले 'या' को 'याँ' में बदलकर बहुवचन बनाया जाता है। जैसे –

चिड़िया – चिड़ियाँ	डिबिया – डिबियाँ	चुहिया – चुहियाँ
गुड़िया – गुड़ियाँ	खटिया – खटियाँ	कुटिया – कुटियाँ

7. कुछ स्त्रीलिंग या पुल्लिंग एकवचन शब्दों में गण, वर्ग, जन, जाति, वृन्द, लोग, दल आदि शब्द लगाकर बहुवचन बनाया जाता है। जैसे –

गण –	पाठकगण, छात्रगण, नेतागण, मंत्रिगण
वर्ग –	अधिकारीवर्ग, शासकवर्ग, धनीवर्ग, छात्रवर्ग
जन –	वृद्धजन, भक्तजन, गुरुजन, स्त्रीजन
जाति –	मनुष्यजाति, स्त्रीजाति, मानवजाति, पुरुषजाति
वृन्द –	पाठकवृन्द, शिक्षकवृन्द, नारीवृन्द, छात्रवृन्द
लोग –	आपलोग, डॉक्टरलोग, विद्यार्थीलोग, छात्रलोग
दल –	विद्यार्थीदल, छात्रदल, नेतादल, स्त्रीदल

वचन के प्रयोग संबंधी आवश्यक निर्देश

- प्रत्येक, हरएक, हर, कोई, जनता, वर्षा, आग, पुलिस, भीड़ का प्रयोग सदा एक वचन में ही होता है। जैसे – प्रत्येक व्यक्ति, हरएक कुआँ आदि।
- द्रव्यवाचक संज्ञा शब्दों का प्रयोग प्राय: एक वचन में होता है जैसे –
  उसके पास बहुत सोना है।
  मेरे पास काफी धन है।
  लोहा एक उपयोगी धातु है।
- दर्शन, आँसू, प्राण, अक्षत, ओठ, दम, लोग, होश, भाग्य, हस्ताक्षर, बाल, रोम आदि शब्दों का प्रयोग सदा बहुवचन में होता है। जैसे –
  उनके प्राण निकल गये।
  उनके दर्शन हुए।
  समाचार सुनकर होश उड़ गए।
  आँसू टपक पड़े
  तुमलोग कब आए ?
  मैने कागज पर हस्ताक्षर कर दिए।
- आदर या सम्मान प्रकट करने के लिए 'एकवचन' के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग होता है। जैसे –
  गाँधी जी चम्पारण आये थे।
  नेहरू जी महान विद्वान थे।
  मेरे पिता जी लम्बे है।
- भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग प्राय: एकवचन में होता है। जैसे –
  सत्य की ही विजय होती है।
  तुम झूठ नहीं बोले।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'प्रत्येक' शब्द का प्रयोग सदैव होता है –

(A) एकवचन में (B) बहुवचन में
(C) a व b दोनों में (D) इनमें से कोई नहीं

2. इनमें से कौन-सा शब्द बहुवचन में ही प्रयुक्त होता है ?

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

(A) ओठ (B) अक्षत
(C) प्राण (D) ये सभी

3. इनमें से एकवचन-बहुवचन का कौन-सा युग्म सही नहीं है ?
(A) घोड़ा-घोड़े (B) आँसू-आँसुओं
(C) गली-गलियों (D) चिड़िया-चिड़ियाँ

4. निम्नलिखित में कौन-सा युग्म सही हैं ?
(A) प्राण-प्राणों (B) दर्शन-दर्शनों
(C) मुनि-मुनियों (D) दाम-दामों

5. 'आप' का बहुवचन होगा -
(A) हम (B) आप लोग
(C) वे (D) इनमें से कोई नहीं

6. 'बहू' शब्द का बहुवचन है -
(A) बहुएँ (B) बहू
(C) बहु (D) बहुओं

7. 'भारतीय' शब्द का बहुवचन है -
(A) भारतियों (B) भारतीयों
(C) भारतिओं (D) भारितीयों

8. 'कागज' का बहुवचन होता है -
(A) कागजी (B) कागजात
(C) कागजें (D) इनमें से कोई नहीं

9. 'चिड़िया' का बहुवचन रूप होगा -
(A) चिड़ैया (B) चिड़ा
(C) चिड़ियाँ (D) चिड़ीयाँ

10. 'धेनु' का बहुवचन रूप क्या होगा ?
(A) धेनू (B) धेनुन
(C) धेनुयें (D) धेनुएँ

11. इनमें से 'भालू' का बहुवचन रूप कौन-सा है ?
(A) भालु (B) भालूओं
(C) भालुओं (D) भालुएँ

12. इनमें से कौन सदा एकवचन में प्रयुक्त होता है ?
(A) नारी (B) दही
(C) आँसू (D) कोई नहीं

13. इनमें से कौन सदा बहुवचन में प्रयुक्त होता है ?
(A) हवा (B) पानी
(C) सोना (D) दर्शन

14. व्याकरण में 'वचन' का सही अर्थ क्या है ?
(A) प्रतिज्ञा (B) बोली
(C) भाषा (D) संख्या

15. हिन्दी में वचन कितने प्रकार के होते हैं ?
(A) नदी (B) तीन
(C) दो (D) पाँच

16. इनमें से कौन-सा शब्द सदा एकवचन में प्रयुक्त होता है ?
(A) नदी (B) पानी
(C) पर्वत (D) बाल

17. इनमें से कौन-सा शब्द सदा बहुवचन में प्रयुक्त होता है ?
(A) भक्ति (B) शिशु
(C) किताब (D) प्राण

18. हिन्दी में वचन के कितने भेद हैं ?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

19. 'नदी' शब्द का बहुवचन रूप क्या होगा ?
(A) नदी (B) नदियाँ
(C) नदीयाँ (D) नदियों

20. 'वधू' शब्द का बहुवचन है -
(A) वधुओं (B) वधुएँ
(C) वधूओं (D) बहुयें

21. 'तिथि' शब्द का बहुवचन है -
(A) तिथियों (B) तिथियें
(C) तिथियाँ (D) इनमें से कोई नहीं

22. 'आँसू' का बहुवचन क्या होगा ?
(A) आँसू (B) आँसूएँ
(C) आँसुओं (D) इनमें से कोई नहीं

23. कौन-सा शब्द बहुवचन है ?
(A) माता (B) प्राण
(C) लड़का (D) किताब

24. 'बात' शब्द का बहुवचन रूप क्या होगा ?
(A) बातें (B) बातों
(C) बाताएँ (D) कोई नहीं

25. 'नारी' शब्द का बहुवचन रूप क्या होगा ?
(A) नारि (B) नारियों
(C) नारीयाँ (D) नारीओं

26. 'साधु' शब्द का बहुवचन रूप क्या होगा ?
(A) साधुओं (B) साधुऐं
(C) साधू (D) कोई नहीं

27. 'साड़ी' शब्द का बहुवचन रूप क्या होगा ?
(A) साड़ियाँ (B) साड़िये
(C) साड़ियों (D) साड़ीयाँ

28. कौन-सा शब्द सदा बहुवचन में प्रयुक्त होता है ?
(A) प्राण (B) शिशु
(C) भक्त (D) पुस्तक

29. 'सूचना' शब्द का बहुवचन रूप क्या होगा ?
(A) सुचनाएँ (B) सूचनाएँ
(C) सुचनाओं (D) कोई नहीं

उत्तरमाला

1. (A)	2. (D)	3. (B)	4. (C)	5. (B)	6. (A)	7. (B)	8. (B)
9. (C)	10. (D)	11. (C)	12. (B)	13. (D)	14. (D)	15. (C)	16. (B)
17. (D)	18. (A)	19. (B)	20. (B)	21. (C)	22. (C)	23. (B)	24. (A)
25. (C)	26. (A)	27. (A)	28. (A)	29. (B)			

Join WhatsApp Group

उपसर्ग

उपसर्ग : जो शब्दार्थ किसी शब्द से पहले लगकर उसका अर्थ बदल देते है अथवा उसमें नई विशेषता उत्पन्न कर दते है, वे उपसर्ग कहलाते है।

जैसे – 'अयोग्य' शब्द 'अ' शब्दार्थ तथा 'योग्य' शब्द के मेल से बना है और उसने योग्य शब्द के अर्थ को बदल डाला है। ध्यान रहे 'अ' शब्दांश है – शब्द नहीं। इसी पकार 'कुचाल' शब्द 'कु' उपसर्ग + 'चाल' से बना है। 'कु' भी शब्द न होकर शब्दांश है।

हिंदी भाषा के शब्दों में संस्कृत, हिंदी तथा उर्दू-फारसी और अरबी के उपसर्ग लगे हैं।

संस्कृत के उपसर्ग

हिंदी में संस्कृत के निम्नलिखित उपसर्ग हैं –

उपसर्ग	**बनने वाले शब्दों के उदाहरण**			
अति	अति + अंत	= अत्यंत,	अति + प्राचीन	= अतिप्राचीन
अधि	अधि + कार	= अधिकार,	अधि + पति	= अधिपति
परा	परा + जय	= पराजय,	परा + भव	= पराभव
परि	परि + ईक्षा	= परीक्षा,	परि + कार	= परिष्कार
प्र	प्र + चार	= प्रचार,	प्र + सिद्धि	= प्रसिद्धि
प्रति	प्रति + कार	= प्रतिकार,	प्रति + एक	= प्रत्येक
वि	वि + कल	= विकल,	वि + जय	= विजय
सु	सु + गम	= सुगम,	सु + पथ	= सुपथ
अ	अ + काल	= अकाल,	अ + धर्म	= अधर्म
अनु	अनु + भव	= अनुभव,	अनु + शासन	= अनुशासन
अप	अप + कार	= अपकार,	अप + मान	= अपमान
अभि	अभि + आगत	= अभ्यागत,	अभि + मान	= अभिमान
अव	अव + काश	= अवकाश,	अव + सान	= अवसान
नि	नि: + यम	= नियम,	नि: + वास	= निवास
अन्	अन् + अन्त	= अनन्त,	अन् + उचित	= अनुचित
सं	सम् + कल्प	= संकल्प,	सम् + ग्राम	= संग्राम
आ	आ + कर्षण	= आकर्षण,	आ + गमन	= आगमन
उत्	उत् + चारण	= उच्चारण,	उछ् + श्वास	= उच्छवास
उप	उप + कृत	= उपकृत,	उप + योग	= उपयोग
दुस/दुर	दुर + आचार	= दुराचार,	दुस + साध्य	= दुस्साध्य
निस्/निर	निस् + संकोच	= निस्संकोच,	निर् + आदर	= निरादर
कु	कु + कर्म	= कुकर्म,	कु + पुत्र	= कुपुत्र

हिंदी के उपसर्ग

अ	अ + लग	= अलग,	अ + टल	= अटल
उन	उन + तीस	= उनतीस,	उन + सठ	= उनसठ
ओ/अव	औ + गुण	= औगुण,	अव + गुण	= अवगुण
क/कु	क + पूत	= कपूत,	कु + ढंग	= कुढंग
अध	अध + खिला	= अधखिला,	अध + मरा	= अधमरा
अन	अन + जान	= अनजान,	अन + देखी	= अनदेखी
चौ	चौ + राहा	= चौराहा,	चौ + मासा	= चौमासा
दु	दु + धारू	= दुधारू,	दु + अन्नी	= दुवन्नी
पर	पर + नाना	= परनाना,	पर + दादा	= परदादा
बिन	बिन + ब्याहा	= बिनब्याहा,	बिन + खाया	= बिनखाया
भर	भर + पेट	= भरपेट,	भर + पूर	= भरपूर
नि	नि + डर	= निडर,	नि + कम्मा	= निकम्मा
स	स + हित	= सहित,	स + पूत	= सपूत

उर्दू-फारसी के उपसर्ग

- **कम** कमजोर, कमबख्त, कमखर्च, कमउम्र
- **बा** बाइज्जत, बाकायदा, बावजूद
- **बद** बदनाम, बदसूरत, बदकिस्मत
- **गैर** गैरकानूनी, गैरजिम्मेदार, गैरहाजिर
- **खुश** खुशबू, खुशमिजाज, खुशकिस्मत
- **दर** दरअसल, दरहकीकत
- **ना** नागवार, नासमझ, नालायक, नादान
- **ब** बखूबी, बनाम, बदौलत
- **हम** हमसफर, हमदम, हमउम्र
- **बे** बेवजह, बेअदब, बेइज्जत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'सम्' उपसर्ग से बना है ?
(A) संयोग (B) सुकर्म
(C) स्वयंसेवक (D) सन्तान

2. 'अल' किस भाषा का उपसर्ग है ?
(A) हिन्दी (B) उर्दू
(C) फारसी (D) अरबी

3. 'नादान' में ना उपसर्ग किस भाषा से आया है ?
(A) हिन्दी (B) उर्दू
(C) फारसी (D) संस्कृत

4. 'बदबू' में कौन-सा उपसर्ग प्रयुक्त है?
(A) ब (B) बद
(C) बे (D) बा

5. 'उनचास' में कौन-सा उपसर्ग है ?
(A) उ (B) उत
(C) उन (D) इनमें से कोई नहीं

6. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग नहीं लगा है ?
(A) अधिशासी (B) प्रशंसा
(C) विनाश (D) प्रत्याशा

7. 'क्रय' शब्द में कौन-सा उपसर्ग लगाने से उसका अर्थ विपरीत हो जाएगा ?
(A) 'अन्' (B) 'आ'
(C) 'प्र' (D) 'वि'

8. 'उज्जवल' में कौन-सा उपसर्ग है ?
(A) उज् (B) उ

Join WhatsApp Group

(C) उप (D) उत्

9. 'परिमाप' में उपसर्ग बताइए -
(A) परि (B) प
(C) प्र (D) परा

10. 'प्रख्यात' में उपसर्ग छाँटिए -
(A) पर (B) प्र
(C) परि (D) परा

11. 'बेइन्साफी' में प्रयुक्त उपसर्ग है -
(A) बगैर (B) बेइन
(C) बेइन्सा (D) बे
(E) कोई नहीं

12. निम्नांकित में से उपसर्ग रहित शब्द कौन-सा है ?
(A) कुलीन (B) सुदर्शन
(C) विनम्रता (D) निर्बल

13. कौन-सा उपसर्ग 'आचार' शब्द से पूर्व लगने पर उसका अर्थ 'जुल्म' हो जाता है ?
(A) अन् (B) निर्
(C) अति (D) दुर

14. निम्नांकित में से किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?
(A) विकास (B) विवाद
(C) सुन्दर (D) भारतीय

15. जो शब्दांश शब्द के आदि में जुड़कर शब्द के पहले अर्थ को परिवर्तित कर देते है, उन्हें क्या कहते है ?
(A) अव्यय (B) प्रत्यय
(C) सर्वनाम (D) उपसर्ग
(E) कोई नहीं

16. 'गमन' शब्द को विपरीतार्थक बनाने के लिए आप किस उपसर्ग का प्रयोग करेंगे ?
(A) 'अनु' (B) 'प्रति'
(C) 'आ' (D) 'उप'

17. 'आमिष' को विपरीतार्थक बनाने के लिए आप किस उपसर्ग का प्रयोग करेंगे ?
(A) 'प्र' (B) 'अनु'
(C) 'नि:' (D) 'प्रति'

18. मूल धातु से पूर्व जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें क्या कहते हैं ?
(A) प्रत्यय (B) उपसर्ग
(C) रस (D) इनमें से कोई नहीं

19. 'स्पृश्य' शब्द को विलोमार्थक बनाने के लिए आप किस उपसर्ग का प्रयोग करेंगे ?
(A) 'नि' (B) 'अनु'
(C) 'अ' (D) 'कु'

20. 'प्रत्युत्पन्नमति' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है ?
(A) 'प्र' (B) 'प्रति'
(C) 'प्रत्यु' (D) इनमें से कोई नहीं

21. 'अध्यादेश' में प्रयुक्त उपसर्ग है -
(A) अध्य (B) अधि
(C) अध्या (D) अधी

22. 'उपहार' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है ?
(A) प्र (B) अ
(C) अन् (D) उप

23. 'चिरायु' में प्रयुक्त उपसर्ग है -
(A) चि (B) चिर
(C) यु (D) आयु

24. 'संस्कार' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?
(A) सम् (B) सन्
(C) सम्स (D) सन्स

25. 'अनुवाद' में प्रयुक्त उपसर्ग है -
(A) अ (B) अव
(C) अन (D) अनु

26. निम्नलिखित में से उपसर्ग रहित शब्द है -
(A) अनुवाद (B) पराजय
(C) प्रभाव (D) ओढ़ना

27. निम्नलिखित में से उपसर्ग रहित शब्द है -
(A) सुयोग (B) विदेश
(C) अत्यधिक (D) सुरेश

28. 'विज्ञान' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है -
(A) विज्ञ (B) ज्ञान
(C) वि (D) अन

29. किस शब्द में उपसर्ग नहीं है ?
(A) अपवाद (B) पराजय
(C) प्रभाव (D) ओढ़ना

30. 'स्वागत' शब्द में निहित उपसर्ग है ?
(A) स्वा (B) स्
(C) सु (D) स्वा

31. 'उन्नचास' शब्द में निहित उपसर्ग है ?
(A) उन (B) उ
(C) अन (D) ऊ

32. 'नि' उपसर्ग से निर्मित शब्द नहीं है ?
(A) निहित (B) निकुंज
(C) निथन (D) निर्गुण

33. 'निर' उपसर्ग से निर्मित शब्द नहीं है ?
(A) निर्दोष (B) निर्जन
(C) निर्देश (D) निरंजन

34. 'अवचेतन' शब्द में निहित उपसर्ग है ?
(A) अ (B) अव
(C) अवका (D) अवक

35. 'उद्घाटन' शब्द में निहित उपसर्ग है ?
(A) उद (B) उ
(C) अन (D) ऊ

उत्तरमाला

1. (A)	2. (D)	3. (C)	4. (B)	5. (C)	6. (D)	7. (D)	8. (D)
9. (A)	10. (B)	11. (D)	12. (A)	13. (C)	14. (B)	15. (D)	16. (C)
17. (C)	18. (B)	19. (A)	20. (B)	21. (B)	22. (D)	23. (B)	24. (A)
25. (D)	26. (D)	27. (D)	28. (C)	29. (D)	30. (C)	31. (A)	32. (D)
33. (D)	34. (B)	35. (A)					

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

प्रत्यय

प्रत्यय : वे शब्द अथवा शब्दांश जो शब्द के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते है, अथवा शब्द के अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, प्रत्यय कहलाते है। जैसे –

पठ + नीय = पठनीय   **दौड़ + ना = दौड़ना**
सज + आवट = सजावट   **होन + हार = होनहार**

यहाँ नीय, ना, आवट, हार, ची आदि शब्दों अथवा शब्दांशों ने पठ, दौड़, सच, होनहार और अफीम के साथ क्रमशः मिलकर पठनीय, दौड़ना, सजावट और होनहार शबदों का निर्माण कर दिया। अतः नीय, ना, आवट, हार आदि प्रत्यय है।

प्रत्यय के भेद

प्रत्यय दो प्रकार के होते है –

A. कृत प्रत्यय
B. तद्धित प्रत्यय

कृत प्रत्यय

कृत-प्रत्यय : जो प्रत्यय धातुओं के अंत में लगते है, वे कृत प्रत्यय कहलाते है। कृत प्रत्यय से युक्त शब्दों को कृदन्त कहते हैं। जैसे – लिखना क्रिया के साथ 'वाला' प्रत्यय लगा देने से नया शब्द बना – लिखनेवाला।

हिंदी के कुछ कृत प्रत्यय और उनसे निर्मित होने वाले शब्द

- **कर्तृवाचक कृदन्त :** जिस प्रत्यय से बने शब्द से कार्य करने वाले अर्थात् कर्ता का बोध हो, उसे 'कर्तृवाचक कृदन्त' कहते हैं। जैसे –'पढ़ना' क्रिया के साथ 'वाला' प्रत्यय लगाने से बन गया – 'पढ़ने वाला'।

प्रत्यय	शब्द रूप
हार	पालनहार, राखनहार
ऊ	खाऊ, चालू, उड़ाऊ, झाड़ू
अक	पालक, धावक, पाठक
वाला	पढ़नेवाला, लिखनेवाला, रखवाला
आका	लड़ाका, धमाका, पटाखा
आड़ी	अनाड़ी, अगाड़ी, खिलाड़ी, पिछाड़ी
आलू	झगड़ालू, दयालु, कृपालु
आक	तैराक, चालाक
इया	बढ़िया, घटिया
ऐया	गवैया, नचैया, खिवैया

- **कर्म वाचक कृदन्त :** जिस प्रत्यय से बने शब्द से किसी कर्म का बोध हो वह कर्म वाचक कृदन्त कहलाता है। जैसे – 'गा' में 'ना' प्रत्यय लगाने से बना – गाना।

प्रत्यय	शब्द रूप
ना	गाना, ओढ़ना
नी	ओढ़नी, सूंघनी
औना	बिछौना

- **करण वाचक कृदन्त :** जिस प्रत्यय से बने शब्द से क्रिया के साधन अर्थात् करण का बोध हो, उसे करण वाचक कृदन्त कहते हैं। जैसे – झूल + आ = झूला।

प्रत्यय	शब्द
आ	झूला, भूला
ई	रेती, फाँसी
ऊ	झाड़ू
न	बंधन, झाड़न
नी	धौंकनी, कतरनी

- **भाववाचक कृदन्त :** जिस प्रत्यय से बने शब्द से भाव अर्थात् क्रिया के व्यापार का बोध हो, उसे भाववाचक कृदन्त कहते है। जैसे – घबरा + आहट = घबराहट।

प्रत्यय	शब्द रूप
आहट	घबराहट, चिल्लाहट
आवट	सजावट, लिखावट
आव	बचाव, खिंचाव
आई	लड़ाई, चढ़ाई
वा	बुलावा, चढावा

- **क्रियावाचक कृदन्त :** जिस प्रत्यय से बने शब्द से क्रिया के होने का भाव प्रगट हो उसे क्रियावाचक कृदन्त कहते है। जैसे – लिखता हुआ, भागता हुआ।

तद्धित प्रत्यय

तद्धित प्रत्यय : जो प्रत्यय संज्ञा सर्वनाम अथवा विशेषण के अन्त में लग कर उनसे नए 'शब्द' बनाते हैं, वे 'तद्धित प्रत्यय' कहलाते है। इनके योग से बने शब्दों को तद्धितांत अथवा तद्धित शब्द कहते हैं। जैसे – मानव + ता = मानवता, अपना + पन = अपनापन।

हिंदी के कुछ तद्धित प्रत्यय और उनसे निर्मित शब्द

- **कर्तृवाचक तद्धित :** जिससे किसी कार्य के करने का बोध हो उसे कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे – सुनार, लुहार में 'आर' प्रत्यय।

प्रत्यय	शब्द रूप
आर	सुनार, लुहार
ई	तेली, मेली
इया	सुखिया, दुखिया
ची	खजानची, मशालची
गर	कारीगर, जादूगर
वाला	गाड़ीवाला, टोपीवाला
हारा	लकड़हारा, पनिहारा
उआ	मछुआ, गेरुआ

- **भाववाचक तद्धित प्रत्यय :** जिससे भाव व्यक्त हो, उसे भाववाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे – 'आ' प्रत्यय लगाने से – सराफा, बुलावा।

प्रत्यय	शब्द रूप
आ	सराफा, बुलावा
आई	भलाई, बुराई

Join WhatsApp Group

आहट	चिकनाहट, कड़वाहट
ई	गर्मी, सर्दी
पा	बुढ़ापा, मुटापा
ता	प्रभुता, लघुता
त	रंगत, संगत
पन	बचपन, लड़कपन
गी	जिन्दगी, मर्दानगी

- **सम्बन्धवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिससे सम्बंध का बोध हो उसे, सम्बन्ध बोधक तद्धित कहते हैं। जैसे – 'एरा-प्रत्यय से चचेरा, ममेरा।

एरा	चचेरा, ममेरा, फुफेरा
जा	भानजा, भतीजा
आल	ससुराल, ननिहाल

- **लघुता वाचक तद्धित प्रत्यय :** जिससे लघुता बोध हो, उसे लघुता वाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे – 'इया' प्रत्यय से लुटिया, खटिया।

प्रत्यय	शब्द रूप
इया	लुटिया, खटिया
ई	कोठरी, ढ़ोलकी
टी	लंगोटी, कछौटी
ड़ी	पगड़ी, टुकड़ी

- **गुणवाचक तद्धित प्रत्यय :** जिससे किसी गुण का बोध हो, उसे गुणवाचक तद्धित कहते हैं। जैसे – 'ऐला' प्रत्यय से – विषैला।

प्रत्यय	शब्द रूप
ई	धनी, लोभी
वान	गुणवान, धनवान
वन्त	दयावन्त, कलावन्त
ऐला	विषैला, कसैला
ईला	रंगीला, सजीला
लु	दयालु, कृपालु
आ	भूखा, प्यासा
ईय	वांछनीय, अनुकरणीय

- **स्थान वाचक तद्धित प्रत्यय :** जिससे स्थान का बोध हो, उसे स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं जैसे – 'ई' प्रत्यय से – पंजाबी।

प्रत्यय	शब्द रूप
ई	पंजाबी, बंगाली, गुजराती
वाला	डेरेवाला, दिल्लीवाला
ईया	कलकतिया, जबलपुरिया

- **गणनावाचक तद्धित प्रत्यय :** जिससे संख्या का बोध हो, उसे गणनावाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे – 'वाँ' प्रत्यय लगाने से-पाँचवाँ।

प्रत्यय	शब्द-रूप
वाँ	पाँचवाँ, दसवाँ
ला	पहला
हरा	इकहरा, दुहरा
था	चौथा
रा	दूसरा, तीसरा

- **सादृश्य वाचक तद्धित :** जिससे समता का बोध हो उसे सादृश्य वाचक तद्धित कहते है। जैसे – 'हरा' प्रत्यय से – सुनहरा।

प्रत्यय	शब्द-रूप
हरा	सुनहरा, इकहरा
सा	पीला-सा, नीला-सा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. लठैत में प्रत्यय बताइए –
(A) त (B) एत
(C) ऐत (D) लाठी

2. गुलाबी में कौन-सा प्रत्यय है –
(A) बी (B) ई
(C) लाबी (D) गुल

3. लिखावट में प्रत्यय छाँटिए –
(A) वट (B) ट
(C) आवट (D) खावट

4. सैनिक शब्द में कौन-सा प्रत्यय है ?
(A) क (B) इक
(C) ईक (D) निक

5. सर्प में कौन-सा प्रत्यय है ?
(A) अ (B) अर
(C) अर्प (D) इनमें से कोई नहीं

6. धूमिल में प्रत्यय बताइए –
(A) ल (B) लु
(C) इल (D) मिल

7. मधुरिमा शबद में प्रत्यय बताइए –
(A) रिमा (B) मा
(C) इमा (D) मधु

8. किस शब्द की रचना प्रत्यय से हुई है ?
(A) अभियोग (B) व्यायाम
(C) रचयिता (D) सर्वनेच्छा
(E) इनमें से कोई नहीं

9. हिन्दी में 'कृत् प्रत्ययों' की संख्या कितनी है ?
(A) तीस (B) अठ्ठाईस
(C) पचास (D) अनगिनत

10. 'वृत्' धातु में 'ण्युल्' प्रत्यय लगने पर शब्द रूप क्या होगा ?
(A) वृतं (B) वर्त
(C) व्रतं (D) व्रातं

11. निम्नलिखित पद 'इक' प्रत्यय लगने से बने हैं। इनमें से कौन-सा पद गलत है ?
(A) पाक्षिक (B) भौमिक
(C) सामाजिक (D) दैविक

12. 'पितृ' शब्द में 'इक' लगने पर क्या शब्द बनेगा ?
(A) पैत्रिक (B) पैतृीक
(C) पैत्रिक (D) पैतृक

13. निम्नांकित में से किस शब्द में प्रत्यय का प्रयोग हुआ है ?
(A) अलक (B) विकल
(C) धनिक (D) पुलक

14. निम्नांकित में से कौन-सा कृदन्त-प्रत्यय से बना है ?
(A) कृपालु (B) दुधारू
(C) बिकाऊ (D) रंगीला

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

15. निम्नांकित में से कौन-सा शब्द प्रत्यय युक्त है -
(A) सजीव (B) पराजय
(C) कुरूप (D) मलिन

16. प्रत्यय सम्बंधी अशुद्धि को दृष्टिगत रखते हुए सही शब्द को बताइए -
(A) पुज्जअनीय (B) पूज्यानीय
(C) पूजनीय (D) पूज्य

17. 'निर्वासित' शब्द में निम्नलिखित में से कौन-सा प्रत्यय है ?
(A) इत (B) सित
(C) इक (D) इनमें से कोई नहीं

18. निम्नांकित में कौन-सा शब्द कृदन्त है ?
(A) चतुराई (B) मिठास
(C) भिड़न्त (D) दुधार

19. 'सुत' शब्द को स्त्रीवाचक बनाने के लिए किस प्रत्यय का प्रयोग किया जायेगा ?
(A) 'ई' प्रत्यय (B) 'आ' प्रत्यय
(C) 'ईय' प्रत्यय (D) 'इक्' प्रत्यय

20. 'अनुज' शब्द को स्त्रीवाचक बनाने के लिए आप किस प्रत्यय का प्रयोग करेंगे ?
(A) 'ई' (B) 'आ'
(C) 'ईय' (D) 'ईक'

21. 'लेखक' शब्द के अन्त में कौन-सा प्रत्यय लगा हुआ है ?
(A) 'क' प्रत्यय (B) 'इक' प्रत्यय
(C) 'आक्' प्रत्यय (D) 'अक्' प्रत्यय

22. जो धातु या शब्द के अन्त में जोड़ा जाता है, उसे क्या कहते है ?
(A) उपसर्ग (B) प्रत्यय
(C) अव्यय (D) समास

23. 'लचकीला' में प्रयुक्त प्रत्यय है -
(A) ला (B) कीला
(C) ईला (D) लच

24. जो धातु या शब्द के शुरू में जोड़ा जाता है, उसे क्या कहते है ?
(A) समास (B) अव्यय
(C) उपसर्ग (D) प्रत्यय

25. 'बहाव' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय कौन-सा है ?
(A) बह (B) हाव
(C) आव (D) आवा

26. किस शब्द में 'आवा' प्रत्यय नहीं है ?
(A) दिखावा (B) चढ़ावा
(C) लावा (D) भुलावा

27. निम्नलिखित में से किस शब्द में प्रत्यय लगा हुआ है ?
(A) सागर (B) नगर
(C) अगर-मगर (D) जादूगर

28. निम्न में से किस शब्द में प्रत्यय का प्रयोग हुआ है ?
(A) विकल (B) अलक
(C) पुलक (D) धनिक

29. हिन्दी में 'कृत' प्रत्ययों की संख्या कितनी है ?
(A) 28 (B) 30
(C) 40 (D) 50

30. 'कृदन्त' प्रत्यय किन शब्दों के साथ जुड़ते हैं ?
(A) संज्ञा (B) सर्वनाम
(C) विशेषण (D) क्रिया

31. 'धुंधला' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है -
(A) धुं (B) धुंध
(C) ला (d) इनमें से कोई नहीं

32. 'सावधानी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है -
(A) ई (B) इ
(C) धानी (D) आनी

33. 'कनिष्ठ' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है -
(A) इष्ठ (B) इष्ट
(C) ष्ठ (D) ष्ट

34. 'ऊँचाई' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) अई (B) ईक
(C) चाई (D) आई

35. 'समग्रात्मकता' में मूल शब्द क्या है ?
(A) समग्र (B) आत्मक
(C) आत्म (D) अग्र

36. निम्नलिखित में से 'ता' प्रत्यय किसमें है ?
(A) सुन्दरता (B) बर्बरता
(C) पछताता (D) लंगड़ाता

37. निम्नलिखित में से किसमें 'आई' प्रत्यय है ?
(A) कढ़ाई (B) सगाई
(C) राई (D) पढ़ाई

38. 'अनुज' शब्द को स्त्रीवाचक बनाने के लिए आप किस प्रत्यय का प्रयोग करेंगे ?
(A) इक् (B) ईय
(C) आ (D) ई

39. इनमें से कौन-सा शब्द समूहवाचक प्रत्यय नहीं है ?
(A) लोग (B) गण
(C) वर्ग (D) प्रेस

40. 'खिलौना' में कौन-सा प्रत्यय है ?
(A) ना (B) लना
(C) औना (D) लौना

41. 'धुंधला' में कौन-सा प्रत्यय है ?
(A) ला (B) धुंध
(C) धुं (D) धला

42. 'कृदन्त' प्रत्यय जोड़े जाते है ?
(A) विशेषण (B) संज्ञा
(C) सर्वनाम (D) क्रिया

उत्तरमाला

1. (C)	2. (B)	3. (C)	4. (B)	5. (A)	6. (C)	7. (C)	8. (C)
9. (D)	10. (D)	11. (A)	12. (D)	13. (C)	14. (C)	15. (D)	16. (C)
17. (A)	18. (C)	19. (B)	20. (B)	21. (D)	22. (B)	23. (C)	24. (C)
25. (C)	26. (C)	27. (D)	28. (D)	29. (A)	30. (D)	31. (C)	32. (A)
33. (A)	34. (D)	35. (A)	36. (A)	37. (D)	38. (C)	39. (C)	40. (C)
41. (A)	42. (D)						

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi

Join WhatsApp Group

संधि और उसके भेद

संधि : दो अक्षरों के आपस में मिलने से उनके रूप और उच्चारण में जो परिवर्तन होता है, उसे संधि कहते हैं। जैसे –

गण + ईश = गणेश (अ + ई = ए)

यहाँ 'गण' शब्द का 'अ' (अंतिम स्वर) एवं 'ईश' शब्द का 'ई' (शुरूवाला स्वर) दोनों स्वरों के मिलने से 'ए' स्वर की उत्पत्ति हुई जिससे 'गणेश' शब्द बना। यह नया शब्द (गणेश) 'गण' और 'ईश' के उच्चारण एवं रूप से भिन्न है। यह भिन्नता या परिवर्तन संधि के कारण है।

संधि विच्छेद : जिन अक्षरों के बीच संधि हुई है यदि उन्हें संधि के पहलेवाले रूप में अलग-अलग करके रखा जाए, तो उसे 'संधि-विच्छेद' कहा जाएगा। जैसे –

संधि	**संधि-विच्छेद**
गणेश	गण + ईश
दिगम्बर	दिक् + अम्बर

संधि-भेद

संधि तीन प्रकार की होती है –

(A) स्वर संधि

(B) व्यंजन-संधि और

(C) विसर्ग-संधि

स्वर संधि

स्वर संधि : दो स्वरों के आपस में मिलने से जो रूप-परिवर्तन होता है, उसे स्वर-संधि कहते हैं। जैसे –

भाव + अर्थ = भावार्थ

यहाँ 'भाव' शब्द का अंतिम स्वर 'अ' (व = व् + अ) एवं 'अर्थ' शब्द का पहला स्वर 'अ', दोनों स्वरों के मिलने (अ + अ) से 'आ' स्वर की उत्पत्ति हुई, जिससे 'भावार्थ' शब्द का निर्माण हुआ। स्वरों के ऐसे मेल को स्वर-संधि कहते है।

स्वर-संधि के भेद

स्वर-संधि के पाँच भेद हैं –

(1) दीर्घ संधि
(2) गुण-संधि
(3) वृद्धि-संधि
(4) यण्-संधि और
(5) अयादि-संधि

1. **दीर्घ संधि :** ह्रस्व स्वर (अ, इ, उ) या दीर्घ (आ, ई, ऊ) के आपस में मिलने से यदि स्वर या उसी जाति के दीर्घ स्वर (आ, ई, ऊ) की उत्पत्ति हो, तो उसे दीर्घ-संधि कहेंगे। जैसे –

(क)	अ + अ	= आ	भाव + अर्थ	= भावार्थ
	अ + आ	= आ	पुस्तक + आलय	= पुस्तकालय
	आ + अ	= आ	परीक्षा + अर्थी	= परीक्षार्थी
	आ + आ	= आ	प्रतीक्षा + आलय	= प्रतीक्षालय
(ख)	इ + इ	= ई	कवि + इन्द्र	= कवीन्द्र
	इ + ई	= ई	गिरि + ईश	= गिरीश
	ई + इ	= ई	मही + इन्द्र	= महीन्द्र
	ई + ई	= ई	नदी + ईश	= नदीश
(ग)	उ + उ	= ऊ	भानु + उदय	= भानूदय
	उ + ऊ	= ऊ	अंबु + ऊर्मि	= अंबूर्मि
	ऊ + उ	= ऊ	वधू + उत्सव	= वधूत्सव
	ऊ + ऊ	= ऊ	भू + ऊर्जा	= भूर्जा

2. **गुण-संधि :** यदि 'अ' या 'आ' के बाद इ/ई, उ/ऊ अथवा ऋ स्वर आता है, तो दोनों के मिलने से क्रमश: 'ए', 'ओ' तथा 'अर्' हो जाते हैं। इसी को गुण-संधि कहते हैं। जैसे –

(क)	अ + इ	= ए	देव + इन्द्र	= देवेन्द्र
	अ + ई	= ए	गण + ईश	= गणेश
	आ + इ	= ए	यथा + इष्ट	= यथेष्ट
	आ + ई	= ए	महा + ईश	= महेश
(ख)	अ + उ	= ओ	ज्ञान + उदय	= ज्ञानोदय
	अ + ऊ	= ओ	शीत + ऊष्म	= शीतोष्म
	आ + उ	= ओ	महा + उत्सव	= महोत्सव
	आ + ऊ	= ओ	गंगा + ऊर्मि	= गंगोर्मि
(ग)	अ + ऋ	= अर्	सप्त + ऋषि	= सप्तर्षि
	आ + ऋ	= अर्	महा + ऋषि	= महर्षि

3. **वृद्धि-संधि :** यदि अ/आ के बाद ए/ऐ हो, तो 'ऐ' में और अ/आ के बाद ओ/औ हो, तो 'औ' में बदलना वृद्धि-संधि कहलाती है। जैसे –

(क)	अ + ए	= ऐ	एक + एक	= एकैक
	आ + ए	= ऐ	तथा + एव	= तथैव
(ख)	अ + ओ	= औ	वन + ओषधि	= वनौषधि
	आ + ओ	= औ	महा + ओषध	= महौषध

4. **यण्-संधि :** यदि इ, ई, उ, ऊ या ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आए तो, इ/ई का – 'य्'; उ/ऊ का – 'व्' और ऋ का – 'र्' हो जाना यण्-संधि कहलाती है। जैसे –

(क)	इ + अ	= य	यदि + अपि	= यद्यपि
	इ + आ	= या	इति + आदि	= इत्यादि
	ई + आ	= या	नदी + आगम	= नद्यागम
	इ + उ	= यु	उपरि + उक्त	= उपर्युक्त
	इ + ऊ	= यू	वि + ऊह	= व्यूह
	इ + ए	= ये	प्रति + एक	= प्रत्येक
(ख)	उ + अ	= व	अनु + अय	= अन्वय
	उ + आ	= वा	सु + आगत	= स्वागत
	उ + ए	= वे	अनु + एषण	= अन्वेषण
	उ + इ	= वि	अनु + इति	= अन्विति
(ग)	ऋ + आ	= रा	पितृ + आदेश	= पित्रादेश

5. **अयादि-संधि :** ए, ऐ, ओ तथा औ के बाद यदि कोई भिन्न स्वर आए, तो 'ए' का – अय्, 'ऐ' का – आय्, 'ओ' का – अव् तथा 'औ' का – आव् हो जाना अयादि-संधि कहलाती है। जैसे –

(क)	ए + अ	= अय	ने + अन	= नयन
	ऐ + अ	= आय	गै + अक	= गायक
	ऐ + इ	= आयि	नै + इका	= नायिका
(ख)	ओ + अ	= अव	पो + अन	= पवन
	ओ + इ	= अवि	पो + इत्र	= पवित्र
(ग)	औ + अ	= आव	पौ + अक	= पावक
	औ + इ	= आवि	नौ + इक	= नाविक

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

व्यंजन-संधि

व्यंजन-संधि : यदि व्यंजन वर्ण के साथ व्यंजन वर्ण या स्वर वर्ण की संधि से व्यंजन में कोई विकार उत्पन्न हो, तो वह व्यंजन-संधि कहलाती है। जैसे –

सत् + गति = सद्गति [व्यंजन वर्ण (त्) + व्यंजन वर्ण (ग)]
वाक् + ईश = वागीश [व्यंजन वर्ण (क्) + स्वर वर्ण (ई)]

व्यंजन-संधि में अक्षरों में परिवर्तन इस प्रकार होते हैं –

- **यदि क्, च्, ट्, त्, प् व्यंजन के बाद कोई स्वर हो या किसी वर्ग का तीसरा (ग, ज, ड, द, ब) या चौथा वर्ण (घ, झ, ढ, ध, भ) हो अथवा, य, र, ल, व वर्णों में कोई एक हो, तो 'क्' का – ग्, 'च्' का – ज्, 'ट्' का – ड्, 'त्' का – द् एवं 'प्' का – ब् हो जाता है। अर्थात्, तीसरा वर्ण आता है जैसे –**

दिक् + अम्बर	= दिगम्बर	– (क् का – ग्)	तीसरा
दिक् + गज	= दिग्गज	– (क् का – ग्)	तीसरा
अच् + अन्त	= अजन्त	– (च् का – ज्)	तीसरा
जगत् + आनंद	= जगदानंद	– (त् का – द्)	तीसरा
षट् + दर्शन	= षड्दर्शन	– (ट् का – ड्)	तीसरा
सत् + बुद्धि	= सद्बुद्धि	– (त् का – द्)	तीसरा
अप् + ज	= अब्ज	– (प् का – ब्)	तीसरा

- **यदि क्, च्, ट्, त्, प् के बाद 'न' या 'म' आए, तो पहले वर्ण के स्थान पर उसी वर्ग का पंचमाक्षर (ङ्, ञ्, ण्, न्, म्) शुद्ध रूप में आता है। जैसे –**

वाक् + मय	= वाङ्मय	– (क् के स्थान पर – ङ्)
षट् + मास	= षण्मास	– (ट् के स्थान पर – ण्)
जगत् + नाथ	= जगन्नाथ	– (त् के स्थान पर – न्)
अप् + मय	= अम्मय	– (प् के स्थान पर – म्)

- **यदि 'त्' या 'द्' के बाद कोई भी व्यंजन अक्षर (च, ज, ट, ड, द, न, ल) आए, तो उस आनेवाले व्यंजन के साथ वही व्यंजन उसमें हल् (शुद्ध व्यंजन) के रूप में एक और जुड़ जाता है तथा 'त्' या 'द्' लुप्त हो जाता है। जैसे –**

उत् + चारण	= उच्चारण	('च' के कारण एक और 'च्' जुड़ा)
शरद् + चन्द्र	= शरच्चन्द्र	('च' के कारण एक और 'च्' जुड़ा)
सत् + जन	= सज्जन	('ज' के कारण एक और 'ज्' जुड़ा)
विपद् + जाल	= विपज्जाल	('ज' के कारण एक और 'ज्' जुड़ा)
तत् + टीका	= तट्टीका	('ट' के कारण एक और 'ट्' जुड़ा)
उत् + डयन	= उड्डयन	('ड' के कारण एक और 'ड्' जुड़ा)
उत् + दाम	= उद्दाम	('द' के कारण एक और 'द्' जुड़ा)
जगत् + नाथ	= जगन्नाथ	('न' के कारण एक और 'न्' जुड़ा)
उत् + लास	= उल्लास	('ल' के कारण एक और 'ल्' जुड़ा)

- **यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'श्' हो, तो 'त्' या 'द्' का च् और 'श्' का – छ् हो जाता है। जैसे –**

उत् + शिष्ट	= उच्छिष्ट	('त्' का 'च्' और 'शि' का 'छि')
सत् + शास्त्र	= सच्छास्त्र	('त्' का 'च्' और 'शा' का 'छा')

- **यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'ह्' या 'ध्' हो, तो 'त्' या 'द्' के स्थान पर – 'द्' और 'ह्' के स्थान पर – 'ध्' हो जाता है। लेकिन 'घ्' का – 'घ्' ही रह जाता है। जैसे –**

उद् + हरण	= उद्धरण	('द्' का 'द्' और 'ह्' का 'ध्')
तत् + हित	= तद्धित	('त्' का 'द्' और 'हि' का 'धि')
उत् + घाटन	= उद्घाटन	(लेकिन 'घ्' का 'घ्' ही रह गया)

नोट : लेकिन, त्/द् के बाद यदि 'झ' हो, तो त्/द् का – 'ज्' हो जाता है। जैसे –

उद् + झटिका = उज्झटिका ('द्' का – 'ज्')

- **यदि ह्रस्व स्वर के बाद 'छ' आए, तो 'छ' – 'च्छ' में बदल जाता है। जैसे –**

छत्र + छाया	= छत्रच्छाया	(अ + छा = अच्छा)
परि + छेद	= परिच्छेद	(इ + छे) = इच्छे

- **यदि 'ष्' के बाद 'त' या 'थ' आए, तो 'त' का – 'ट' तथा 'थ' का – 'ठ' हो जाता है। जैसे –**

उत्कृष + त	= उत्कृष्ट	('त' का 'ट')
पृष् + थ	= पृष्ठ	('थ' का 'ठ')

- **यदि 'म्' के बाद अन्तःस्थ व्यंजन (य, र, ल, व) या ऊष्म व्यंजन (श, ष, स, ह) आए, तो 'म्' अनुस्वार (ं) में बदल जाता है। जैसे –**

सम् + योग	= संयोग	सम् + शय	= संशय
सम् + रक्षण	= संरक्षण	सम् + सार	= संसार
सम् + लाप	= संलाप	सम् + हार	= संहार

नोट – (i) यदि 'म्' के बाद कोई स्पर्श व्यंजन आए, तो 'म्' के बदले उसी वर्ग का पंचमाक्षर लिखा जा सकता है। जैसे –

सम् + कल्प = संकल्प / सङ्कल्प / सङ्.ल्प
सम् + चय = संचय / अञ्चय / सञ्चय

(ii) यदि 'म्' के बाद 'म' हो, तो अनुस्वार न देकर द्वित्व का प्रयोग करें। जैसे –

सम् + मति = सम्मति ('संमति' लिखना गलत है।)
सम् + मान = सम्मान ('संमान' लिखना गलत है।)

विसर्ग-संधि

विसर्ग-संधि : विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन की संधि, विसर्ग-संधि कहलाती है। जैसे –

दुः + आत्मा = दुरात्मा विसर्ग के साथ स्वर (: + आ)
दुः + गन्ध = दुर्गन्ध विसर्ग के साथ व्यंजन (: + ग)

विसर्ग-संधि के निम्नलिखित नियम हैं –

- **विसर्ग के पहले कोई स्वर ('अ' या 'आ' को छोड़कर) आए और विसर्ग के बाद कोई स्वर रहे अथवा वर्ग के तीसरे, चौथे, पाँचवें वर्ण अथवा य, र, ल, व, ह में कोई हो, तो विसर्ग – 'र्' में बदल जाता है। जैसे –**

(क) निः + अर्थक = अय (निः = न् + इ + :)
दुः + गन्ध = दुर्गन्ध (दुः = द् + उ + :)

(ख) निः + धन = निर्धन (निः = निर्)
आशीः + वाद = आशीर्वाद (शीः = शीर्)

(ग) विसर्ग के पहले 'अ' हो ओर उसके बाद यदि कोई स्वर हो, तो भी विसर्ग का 'र्' हो जाता है। जैसे –
पुनः + अवलोकन = पुनरावलोकन, पुनः + इच्छा = पुनरिच्छा

- **यदि विसर्ग के पहले 'इ' या 'उ' हो, तो 'क', 'ख', 'प', या 'फ' के रहने पर विसर्ग का 'ष्' हो जाता है। जैसे –**

दुः + कर्म	= दुष्कर्म	निः + कपट	= निष्कपट
दुः + प्रकृति	= दुष्प्रकृति	निः + फल	= निष्फल

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

लेकिन 'दु:' के बाद 'ख' हो, तो विसर्ग ज्यों-का-त्यों रहता है। जैसे –
दु: + ख = दु:ख
लेकिन 'अ' अथवा 'आ' के बाद विसर्ग हो और उसके बाद क, ख, प, फ आए, तो विसर्ग ज्यों-का-त्यों रह जाता है जैसे –
पय: + पान = पय:पान प्रात: + कमल = प्रात:कमल

- **यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद में 'अ', वर्गीय व्यंजन के तीसरे, चौथे, पाँचवें अथवा य, र, ल, व, ह में से कोई एक हो, तो विसर्ग – 'ओ' में बदल जाता है। जैसे –**

मन: + अनुकूल = मनोनुकूल मन: + मोहक = मनोमोहक
अध: + गति = अधोगति मन: + योग = मनोयोग
पय: + धारा = पयोधारा वय: + वृद्ध = वयोवृद्ध

- **विसर्ग के बाद 'च' या 'छ' हो तो विसर्ग – 'श्' में, 'ट' या 'ठ' हो, तो विसर्ग – 'ष्' में और 'त' या 'थ' हो तो विसर्ग – 'स' में बदल जाता है। जैसे –**

नि: + चय = निश्चय (: + च = श्च)
नि: + छल = निश्छल (: + छ = श्छ)
नि: + ठुर = निष्ठुर (: + ठु = ष्ठु)
नि: + तार = निस्तार (: + ता = स्ता)

- **विसर्ग के बाद 'श्', 'ष्' या 'स्' हो, तो विसर्ग ज्यों-का-त्यों रह जाता है अथवा उसके स्थान पर विसर्ग के आगेवाला वर्ण एक और हल् रूप में आ जाता है। जैसे –**

दु: + शासन = दु:शासन अथवा दुश्शासन
नि: + संतान = नि:संतान अथवा निस्संतान

- **यदि 'अ' अथवा 'आ' के बाद विसर्ग हो और उसके बाद क, ख अथवा प, फ आए, तो विसर्ग ज्यों-का-त्यों रह जाता है या कुछ शब्दों में यह विसर्ग 'स्' बन जाता है। जैसे –**

रज: + कण = रज:कण पुर: + कार = पुरस्कार
पय: + पान = पय:पान भा: + पति = भास्पति

- **यदि रेफ (र्) के बाद र हो, तो 'र्' लोप हो जाता है और उसके पूर्व का ह्रस्व, दीर्घ में बदल जाता है। जैसे –**

निर् + रस = नीरस निर् + रोग = नीरोग
निर् + रज = नीरज निर् + रुज = नीरुज
नोट : निर् में निहित 'र्' के बदले आप विसर्ग भी दे सकते हैं। जैसे –
नि: + रस = नीरस नि: + रोग = नीरोग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'इत्यादि' का संधि विच्छेद कीजिए –
(A) इत + आदि (B) इति + आदि
(C) इत्य + आदि (D) इनमें से कोई नहीं

2. एक ही जाति के लघु और दीर्घ स्वरों का मिलकर दीर्घ होना किस संधि का लक्षण है ?
(A) गुण संधि (B) दीर्घ संधि
(C) वृद्धि संधि (D) अयादि संधि

3. 'महेन्द्र' में कौन-सी संधि होगी ?
(A) यण (B) दीर्घ
(C) गुण (D) वृद्धि

4. 'एकैक' में कौन-सी संधि है ?
(A) वृद्धि (B) दीर्घ
(C) गुण (D) अयादि

5. 'जगन्नाथ' का संधि विच्छेद कीजिए –
(A) जग + नाथ (B) जगन् + नाथ
(C) जगत् + नाथ (D) जग + नाथ

6. 'उज्जवल' में कौन-सी संधि है ?
(A) स्वर (B) विसर्ग
(C) व्यंजन (D) अयादि

7. 'भवन' का संधि विच्छेद क्या होगा ?
(A) भ + वन (B) भ + अन
(C) भो + अन (D) भौ + अन

8. संधि का अर्थ है –
(A) दो अक्षरों का मेल (B) दो शब्दों को जोड़ना
(C) दो अक्षरों के मेल से तीसरा अक्षर बनाना
(D) दो अक्षरों में रूप परिर्वन

9. 'नायक' में कौन-सी संधि है ?
(A) यण (B) गुण
(C) अयादि (D) दीर्घ

10. 'पवन' में किस संधि का प्रयोग हुआ है ?
(A) दीर्घ (B) अयादि
(C) गुण (D) यण

11. 'प्रत्येक' में कौन-सी संधि है ?
(A) गुण (B) यण
(C) दीर्घ (D) अयादि

12. 'चन्द्रोदय' में कौन-सी संधि है ?
(A) दीर्घ (B) गुण
(C) यण (D) वृद्धि

13. 'ज्ञ' किसके योग से बना है ?
(A) ज् + ग (B) ज् + ञ
(C) ग + य (D) ज + ञ

निर्देश (प्रश्न 14-16) : निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद चुनिये।

14. परिच्छेद –
(A) परि + छेद (B) पर + ईच्छेद
(C) परिच + छेद (D) परि + च्छेद

15. दिग्दर्शन –
(A) दिग् + दर्शन (B) दिक् + दर्शन
(C) दिग + दर्शन (D) दिग + दर्शन

16. निष्कपट –
(A) नि: + कपट (B) निष्क + पट
(C) निषु + कपट (D) निष + कपट

Join WhatsApp Group

17. **निम्नलिखित प्रश्न में शब्द का संधि-विच्छेद लिखा गया है। संधि -विच्छेद के पाँच विकल्प में से सटीक उत्तर चुनिए।**
(A) श्री + अन्
(B) श्री + अन
(C) श्रा + अन्
(D) श्रा + अन
(E) इनमें से कोई नहीं

18. **'हिमालय' में किस संधि का प्रयोग हुआ है ?**
(A) गुण स्वर संधि
(B) यण् स्वर संधि
(C) दीर्घ स्वर संधि
(D) विसर्ग संधि
(E) इनमें से कोई नहीं

19. **'विजयोल्लास' शब्द में प्रयुक्त संधि का प्रकार बताइये –**
(A) विसर्ग संधि
(B) दीर्घ स्वर संधि
(C) यण् स्वर संधि
(D) गुण स्वर संधि
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश (प्रश्न 20-35) : प्रत्येक प्रश्न में एक शब्द दिया गया है जिसका संधि विच्छेद चार प्रकार से किया गया है। इनमें से केवल एक ही सही है। सही संधि विच्छेद का चयन कीजिए –

20. **बिम्बौष्ठ –**
(A) बिम्ब + ओष्ठ
(B) बिम्ब + औष्ठ
(C) बिम्बौ + अष्ठ
(D) बिम् + बौष्ठ

21. **अक्षौहिणी –**
(A) अक्ष + अहीणी
(B) अक्ष + ऊहिणी
(C) अक्षो + ऊहिणी
(D) अक्षौ + ऊहिणी

22. **दशार्ण –**
(A) दश + ऋण
(B) दश + अर्ण
(C) दशा + एरण
(D) दश् + वर्ण

23. **देव्यागम –**
(A) देव + आगम
(B) देव्या + गम
(C) देवि + आगम
(D) देवी + आगम

24. **अभिषेक –**
(A) अभी + सेक
(B) अभि + सेक
(C) अभि + षेक
(D) अभी + षेक

25. **पृष्ठ –**
(A) पृस् + थ
(B) पृस् + ठ
(C) पृष् + थ
(D) पृष् + ठ

26. **धनित्व –**
(A) धनिन् + त्व
(B) धन + ईत्व
(C) धन + नित्व
(D) धमिन् + इत्व

27. **लड़कपन –**
(A) लड़क + पन
(B) लड़का + पन
(C) लड़ + कपन
(D) लड़का + अपन

28. **व्यूह –**
(A) व्यू + ह
(B) वि + ओह
(C) वि + ऊह
(D) व्य + उह

29. **नाविक –**
(A) नै + ईक
(B) नो + इक
(C) नाव + इक
(D) नौ + इक

30. **काव्योर्मि –**
(A) का + व्योर्मि
(B) कवि + उर्मि
(C) काव्य + उर्मि
(D) काव्य + ओर्मि

31. **सत्याग्रह –**
(A) सत्य + ग्रह
(B) सत्य + आग्रह
(C) सत + आग्रह
(D) सत्या + अग्रह

32. **बहिष्कार –**
(A) बहि: + कार
(B) बहिष + कार
(C) बहि + अकार
(D) बहि + सकार

33. **यशोदा –**
(A) यशो + दा
(B) यश + अदा
(C) यशु + अदा
(D) यश: + दा

34. **नाविक –**
(A) नौ + इक
(B) ना + इक
(C) नो + इक
(D) ना + विक

35. **इत्यादि –**
(A) इति + यादि
(B) इति + आदि
(C) इत + आदि
(D) इत + यादि

36. **'निर्विकार' में कौन-सी संधि है –**
(A) व्यंजन
(B) दीर्घ स्वर
(C) विसर्ग
(D) गुण स्वर

37. **निम्नलिखित शब्दों में से किसमें स्वर संधि है ?**
(A) अधोसुख
(B) सज्जन
(C) वाग्जाल
(D) महोदधि

38. **'प्रति + छवि' के मेल से बने शब्द का चयन कीजिए –**
(A) प्रतिछवि
(B) प्रतिच्छवि
(C) प्रत्तिछवि
(D) प्रतिच्चवि

39. **'श् + इ + क् + ष् + आ' के मेल से बने शब्द का चयन कीजिए –**
(A) शीक्षा
(B) शिक्छा
(C) शिक्षा
(D) शिष्य

40. **'सम् + सार' शब्द में संधि निर्देश कीजिए –**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) दीर्घ संधि

निर्देश (प्रश्न 41-45) : निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद चुनिये।

41. **मुनीन्द्र –**
(A) मुनि + इन्द्र
(B) मुनि + ईन्द्र
(C) मुनी + इन्द्र
(D) मुनि: + इन्द्र

42. **निरालंब –**
(A) निरा + आलम्ब
(B) नि: + आलम्ब
(C) निरा + अलम्ब
(D) निर + आलम्ब

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

43. सप्तर्षि -
(A) सप् + तर्षि (B) सप्त + ऋषि
(C) सप्त + अषि (D) सप्त: + षि

44. संजीव -
(A) सं + जीव (B) सम + जीव
(C) सं: + जीव (D) संज + ईव

45. निश्चल -
(A) नि: + चल (B) निस् + चल
(C) निश + चल (D) नी: + चल

46. निम्नांकित में से कौन-सा उदाहरण 'अयादि संधि' का नहीं है ?
(A) गायन (B) पवन
(C) गंगोदक (D) पावक

47. काव्योर्मि शब्द का कौन-सा संधि विग्रह ठीक है ?
(A) का + व्योर्मि (B) कवि + उर्मि
(C) काव्य + उर्मि (D) काव्य + ओर्मि

48. आत्मोत्सर्ग शब्द का संधि विच्छेद है -
(A) आत्मा + स्वर्ग (B) आत्म + तसर्ग
(C) आत्मो + त्सर्ग (D) आत्म + उत्सर्ग

49. इनमें कौन 'स्वर संधि' का उदाहरण है -
(A) पवन (B) नमस्कार
(C) मनोहर (D) संयोग

50. 'सन्मति' शब्द का संधि विच्छेद है -
(A) सद् + मति (B) सन् + मदि
(C) सत् + मति (D) सु + मति

51. 'इति + इव' में कौन-सी संधि है ?
(A) गुण संधि (B) दीर्घ संधि
(C) वृद्धि संधि (D) अनुस्वार संधि

52. निम्नांकित में से कौन-सा शब्द वृद्ध-संधि का उदाहरण नहीं है -
(A) परमौदार्य (B) गुरूपदेश
(C) जलौघ (D) सदैव

53. 'निराशा' शब्द का संधि विच्छेद है -
(A) निर: + आशा (B) नि: + आशा
(C) निर् + आशा (D) निरा + आशा

54. 'आशीर्वाद' शब्द का संधि विच्छेद है -
(A) आशीर + वाद (B) आर्शी + वाद
(C) आशी: + वाद (D) आशी + र्वाद

55. 'गण + ईश:' में कौन-सी संधि है -
(A) दीर्घ संधि (B) वृद्धि संधि
(C) गुण संधि (D) विसर्ग संधि

56. 'महौषधम्' शब्द का संधि विच्छेद है -
(A) महा + औषधम् (B) महा + औषधम्
(C) महा + ओषधम् (D) महौ + ओषधम्

57. व्यंजन के आगे स्वर या व्यंजन आने से जो संधि बनती है, उसे क्या कहते है ?
(A) स्वर संधि (B) गुण संधि
(C) व्यंजन संधि (D) वृद्धि संधि

58. निम्न में से दीर्घ-संधि युक्त पद कौन-सा है ?
(A) देवेन्द्र (B) सूर्योदय
(C) दैत्यारि (D) महर्षि

59. निकटवर्ती दो वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता, है, उसे क्या कहते है ?
(A) समास (B) संधि
(C) प्रत्यय (D) सर्वनाम

60. महेश्वर शब्द का संधि विच्छेद है -
(A) महे + ईश्वर (B) मह + ईश्वर
(C) महा + ईश्वर (D) महा + इश्वर

61. 'सदैव' शब्द में कौन-सी संधि है ?
(A) यण संधि (B) वृद्धि संधि
(C) दीर्घ संधि (D) गुण संधि

62. विसर्ग सम्बंधी अशुद्धि को ध्यान में रखते हुए शुद्ध शब्द को बताइए -
(A) अ + धा:पतन (B) अध: + पतन
(C) अधो + पतन (D) अ + धो: पतन

63. 'अन्त: + राष्ट्रीय' शब्द में संधि निर्देश कीजिए -
(A) स्वर संधि (B) विसर्ग संधि
(C) व्यंजन संधि (D) दीर्घ संधि

64. निम्न में से दीर्घ-संधि युक्त पद कौन-सा है ?
(A) महर्षि (B) देवेन्द्र
(C) सूर्योदय (D) दैत्यारि

65. 'व्यर्थ' शब्द में किन वर्णों की संधि हुई है ?
(A) इ + अ (B) इ + उ
(C) इ + ए (D) ई + अ

66. इनमें कौन 'स्वर सन्धि' का उदाहरण है ?
(A) संयोग (B) मनोहर
(C) नमस्कार (D) पवन

67. 'रजनीश' का संधि-विच्छेद करें ?
(A) रजनि + ईश (B) रजनी + इश
(C) रजिनी + ईश (D) रजनी + ईश

68. 'नमस्ते' का संधि-विच्छेद होगा ?
(A) नम + स्ते (B) तम् + स्ते
(C) नम: + स्ते (D) नम: + स्ते

69. 'अनुच्छेद' का संधि-विच्छेद करें ?
(A) अनु + छेद (B) अनु: + देद
(C) अन: + उच्छेद (D) अन: + उच्च + देद

Join WhatsApp Group

70. 'उद्धरण' का संधि-विच्छेद करें ?
(A) उत् + हरण (B) हत् + अण
(C) उत् + धरण (D) उद्ध + रण

71. 'सच्चिदानन्द' का विच्छेद है ?
(A) सत् + चित् + आनन्द (B) सच्चिद + आनन्द
(C) सच्चि + दानन्द (D) उच् + चिद् + आनन्द

72. गुण संधि का उदाहरण है ?
(A) महर्षि (B) पावक
(C) अभ्युदय (D) मतैक्य

73. कौन-से शब्द में व्यंजन संधि है ?
(A) देवर्षि (B) जानकोश
(C) वागीश (D) कवीश

74. 'कवीश्वर' शब्द का सही संधि-विच्छेद बताइए।
(A) कवि + ईश्वर (B) कविश + वर
(C) कवि + इश्वर (D) कवी + ईश्वर

75. व्यंजन संधि के उदाहरण है-
(A) उल्लस, संगम् तथास्तु (B) सम्भावना, सद्भावना, बहिष्कार
(C) वातावरण, उल्लास, संस्कृत (D) उल्लास, संगम, सम्भावना

76. व्यंजन संधि का उदाहरण है-
(A) उद्यत (B) परमौषध
(C) दुरुपयोग (D) तपोवन

77. 'अन्वेषण' का संधि-विच्छेद होगा -
(A) अन + वेषण (B) अनु + एषण
(C) अनु + ऐषण (D) अनव + एषण

78. विसर्ग संधि का उदाहरण है?
(A) हरिश्चन्द्र (B) हरिशचन्द्र
(C) हरीशचन्द्र (D) दिनेशचन्द्र

79. गुण संधि का उदाहरण है ?
(A) महर्षि (B) पावक
(C) अभ्युदय (D) मतैक्य

80. सच्चिदानन्द का विच्छेद है?
(A) सत् + चित् + आनन्द (B) सच्चिद् + आनन्द
(C) सच्चि + दानन्द (D) सत् + चिद् + आनन्द

81. 'उच्छिष्ट' शब्द का विच्छेद है?
(A) उच् + छिष्ट (B) उत् + छिष्ट
(C) उत् + शिष्ट (D) उच् + शिष्ट

82. 'पवन' का संधि विच्छेद कौन-सा है ?
(A) पब + अन (B) पो + अन
(C) पव + न (D) पो + इन

83. 'निः + कलंक' का सही संधि शब्द कौन-सा है?
(A) निस्कलक (B) निश्कलंक
(C) निष्कालंक (D) निष्कलंक

84. 'सच्छास्त्र' का उचित विच्छेद निम्न में से कौन-सा है ?
(A) सत् + छास्त्र (B) सच् + छास्त्र
(C) सच् + शास्त्र (D) सत् + शास्त्र

85. 'अत्युत्तम' के संधि-विच्छेद का सही विकल्प चुनिए?
(A) अति + युत्तम (B) अत्य + उत्तम
(C) अत्यु + उत्तम (D) अति + उत्तम

86. 'व्याख्यान' में कौन-सी संधि है?
(A) गुण (B) दीर्घ
(C) यण् (D) विसर्ग

87. 'हिमांशु' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।
(A) हिम + अंशु (B) हिमा + अंशु
(C) हिम + आंशु (D) हिमांशु + उ

88. 'अति + आचार' किसका संधि-विच्छेद है?
(A) अतिचार (B) अत्याचार
(C) अत्यचार (D) इनमें से कोई नहीं

89. 'भानूदय' में प्रयुक्त संधि का नाम है?
(A) गुण संधि (B) दीर्घ संधि
(C) व्यंजन संधि (D) वृद्धि संधि

90. दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार को कहते हैं?
(A) संधि (B) समास
(C) उपसर्ग (D) प्रत्यय

91. 'राकेश' का सही संधि-विच्छेद है?
(A) राके + ईश (B) राक + एश
(C) राका + ईश (D) राका + इश

92. संधि के प्रकार होते हैं?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार

93. 'प्रत्युत्तर' का सही संधि-विच्छेद है -
(A) प्र + त्युत्तर (B) प्रति + उत्तर
(C) प्रत + उत्तर (D) प्रत्यु + उत्तर

उत्तरमाला

1. (B)	2. (B)	3. (C)	4. (A)	5. (C)	6. (C)	7. (C)	8. (C)
9. (C)	10. (B)	11. (B)	12. (B)	13. (D)	14. (A)	15. (B)	16. (A)
17. (E)	18. (A)	19. (D)	20. (A)	21. (B)	22. (A)	23. (D)	24. (B)
25. (C)	26. (A)	27. (B)	28. (C)	29. (D)	30. (C)	31. (B)	32. (A)
33. (D)	34. (A)	35. (B)	36. (C)	37. (D)	38. (B)	39. (C)	40. (B)
41. (A)	42. (B)	43. (B)	44. (B)	45. (A)	46. (C)	47. (C)	48. (D)
49. (A)	50. (C)	51. (B)	52. (B)	53. (B)	54. (C)	55. (C)	56. (B)
57. (C)	58. (C)	59. (B)	60. (C)	61. (B)	62. (C)	63. (B)	64. (D)
65. (A)	66. (D)	67. (D)	68. (D)	69. (A)	70. (C)	71. (A)	72. (A)
73. (C)	74. (A)	75. (D)	76. (A)	77. (B)	78. (A)	79. (A)	80. (A)
81. (C)	82. (B)	83. (D)	84. (C)	85. (D)	86. (C)	87. (A)	88. (B)
89. (B)	90. (A)	91. (C)	92. (C)	93. (B)			

Join WhatsApp Group

समास और उसके भेद

समास : दो या दो से अधिक पद जब अपने विभक्ति-चिह्न या अन्य शब्दों को छोड़कर एक पद हो जाते है, तो समास कहलाते है। जैसे -

राजा की कन्या = राजकन्या ('की' विभक्ति लुप्त)

भाई और बहन = भाई-बहन ('और' शब्द लुप्त)

समास विग्रह : यदि सामासिक शब्दों को तोड़कर उनका पूर्व रूप दिखलाया जाए, तो वह समास-विग्रह कहलाता है। जैसे -

समस्त पद	**समास-विग्रह**
राजमहल = राज + महल	- राजा का महल

समास के भेद

समास के मुख्यत: सात भेद है -

1. तत्पुरुष
2. कर्मधारय
3. बहुव्रीहि
4. अव्ययीभाव
5. द्वंद्व और
6. द्विगु
7. नञ् समास

1. **तत्पुरुष समास :** जिस समास में अंतिम शब्द (उत्तरपद) प्रधान हो, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। जैसे -

(क) कर्म-तत्पुरुष ('को' चिह्न का लोप)

विषधर = विष को धारण करनेवाला
सिरतोड़ = सिर को तोड़नेवाला
पॉकेटमार = पॉकेट को मारनेवाला
गिरिधर = गिरि को धारण करनेवाला
वंशीधर = वंशी को धारण करनेवाला
मनोहर = मन को हरनेवाला
चिड़ीमार = चिड़ियों को मारनेवाला
जलधर = जल को धारण करनेवाला
भूधर = भू को धारण करनेवाला
गृहागत = गृह को आगत

(ख) करण-तत्पुरुष ('से' चिह्न का लोप)

शोकग्रस्त	= शोक से ग्रस्त	रसभरा	= रस से भरा
मदान्ध	= मद से अंधा	धर्मभीरु	= धर्म से भीरु
कामचोर	= काम से चोर	देहचोर	= देह से चोर
मुँहचोर	= मुँह से चोर	धर्मान्ध	= धर्म से अंधा
रोगपीड़ित	= रोग से पीड़ित	जन्मान्ध	= जन्म से अंधा

(ग) संप्रदान-तत्पुरुष ('के लिए' चिह्न का लोप)

देवालय = देव के लिए आलय
किताबघर = किताब के लिए घर
न्यायालय = न्याय के लिए आलय
रसोईघर = रसोई के लिए घर
शिवालय = शिव के लिए आलय
स्नानघर = स्नान के लिए घर
गुरुभक्ति = गुरु के लिए भक्ति
पुत्रशोक = पुत्र के लिए शोक
देशभक्ति = देश के लिए भक्ति
गोशाला = गाय के लिए शाला

(घ) अपादान-तत्पुरुष ('से' चिह्न का लोप)

अन्नहीन	= अन्न से हीन	पापमुक्त	= पाप से मुक्त
नेत्रहीन	= नेत्र से हीन	पदच्युत	= पद से च्युत
धनहीन	= धन से हीन	शक्तिहीन	= शक्ति से हीन
ऋणमुक्त	= ऋण से मुक्त	बंधनमुक्त	= बंधन से मुक्त
बलहीन	= बल से हीन	पथभ्रष्ट	= पथ से भ्रष्ट

(ङ) संबंध-तत्पुरुष ('का', 'की' चिह्न का लोप)

राजकन्या	= राजा की कन्या	श्रमदान	= श्रम का दान
भूदान	= भू का दान	सेनानायक	= सेना का नायक
गुरुसेवा	= गुरु की सेवा	राजपुत्र	= राजा का पुत्र
कन्यादान	= कन्या का दान	अन्नदान	= अन्न का दान
जननायक	= जनों का नायक	देशसेवा	= देश की सेवा

(च) अधिकरण-तत्पुरुष ('में' चिह्न का लोप)

नरोत्तम	= नरों में उत्तम	ध्यानमग्न	= ध्यान में मग्न
रणवीर	= रण में वीर	दानवीर	= दान में वीर
मुनिश्रेष्ठ	= मुनियों में श्रेष्ठ	कविश्रेष्ठ	= कवियों में श्रेष्ठ
कुलश्रेष्ठ	= कुल में श्रेष्ठ	आनन्दमग्न	= आनन्द में मग्न
पुरुषोत्तम	= पुरुषों में उत्तम	सर्वोत्तम	= सब में उत्तम

2. **कर्मधारय समास :** कर्ता-तत्पुरुष को ही कर्मधारय समास कहते हैं। इसमें प्राय: प्रथम पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य होता है। जैसे -

महाकाव्य	महान् काव्य	महान् है जो काव्य
महात्मा	महान् आत्मा	महान् है जो आत्मा
वीरबाला	वीर बाला	वीर है जो बाला
नीलकमल	नीला कमल	नीला है जो कमल
महावीर	महान् वीर	महान् है जो वीर

3. **बहुव्रीहि समास :** इसमें कोई भी पद प्रधान नहीं होता, बल्कि समस्त पदों से किसी अन्य शब्द का बोध होता है। जैसे -

नीलकंठ	नीला है कंठ जिसका	(भगवान शिव का बोध)
वीणापाणि	वीणा है पाणि (हाथ) में जिसके	(सरस्वती का बोध)
वज्रदेह	वज्र है देह जिसकी	(हनुमान का बोध)
चतुरानन	चार हैं आनन (मुख) जिसके	(ब्रह्मा का बोध)
दशानन	दश (दस) हैं आनन जिसके	(रावण का बोध)
लम्बोदर	लम्बा है उदर जिसका	(गणेश का बोध)

4. **अव्ययीभाव :** इसका पहला पद अव्यय होता है और यह क्रियाविशेषण के रूप में प्रयुक्त होता है। जैसे -

वह प्रतिदिन आ रहा है। (प्रतिदिन - क्रियाविशेषण)

यथाशीघ्र	- जितना शीर्घ हो	अकारण	- बिना कारण के
प्रतिदिन	- हर दिन	यथाशक्ति	- शक्ति भर
बेरहम	- बिना रहम के	प्रतिमास	- हर मास
यथासंभव	- जितना संभव हो	बेफायदा	- बिना फायदे का
बखूबी	- खूबी के साथ	बेकाम	- बिना काम का

5. **द्वंद्व समास** - इसके सभी पद प्रधान होते हैं। जैसे -

लोटा-डोरी	- लोटा और डोरी	अच्छा-बुरा	- अच्छा या बुरा
माता-पिता	- माता और पिता	झूठ-सच	- झूठ या सच
सीता-राम	- सीता और राम	लाभ-हानि	- लाभ या हानि
राजा-रानी	- राजा और रानी	पाप-पुण्य	- पाप या पुण्य
राधा-कृष्ण	- राधा और कृष्ण	यश-अपयश	- यश या अपयश

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

6. **द्विगु समास :** इसका पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण होता है। तत्पुरुष कर्मधारय समास की तरह ही इसका उत्तरपद प्रधान होता है। जैसे –

छमाही – छह माहों का समाहार
दोपहर – दो पहरों का समाहार
चौराहा – चार राहों का समाहार
नवग्रह – नौ ग्रहों का समाहार
त्रिकाल – तीन कालों का समाहार
त्रिफला – तीन फलों का समाहार
पंचमुख – पाँच मुखों का समाहार

7. **नञ समास :** जिस समास के पूर्व पद में निषेधसूचक/नकरात्मक शब्द (अ, अन्, न, ना, गैर आदि) लगे हो। जैसे –

अधर्म	– न धर्म	अनिष्ट	– न इष्ट
अनावश्यक	– न आवश्यक	नापसंद	– न पसंद
गैरवाजिब	– न वाजिब	अगोचर	– न गोचर
अचल	– न चल	अजन्मा	– न जन्मा
अन्याय	– न न्याय	अनुचित	– न उचित

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **विशेषण और संज्ञा के सम्बंध वाले शब्द में कौन-सा समास होता है ?**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) द्वन्द्व (D) कर्मधारय

2. **किस समास से बने शब्द का रूप, लिंग या वचन के कारण परिवर्तन नहीं होता है ?**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्विगु (D) अव्ययीभाव

3. **रसोईघर में कौन-सा समास है ?**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) द्विगु

4. **प्रतिदिन में कौन-सा समास है ?**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) अव्ययीभाव (D) द्वन्द्व

5. **राम-लक्ष्मण में समास बताइए –**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

6. **चन्द्रशेखर में कौन-सा समास है ?**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) द्वन्द्व

7. **हानि-लाभ में कौन-सा समास है ?**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) बहुव्रीहि (D) कर्मधारय

8. **किस समास में अन्तिम पद प्रधान होता है ?**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) अव्ययीभाव

निर्देश (9-16) : समास बतायें –

9. **प्रतिदिन –**
(A) द्वन्द्व (B) अव्ययीभाव
(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

10. **गुणहीन –**
(A) कमधारय (B) तत्पुरुष
(C) अव्ययीभाव (D) द्वन्द्व

11. **आकण्ठ –**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) बहुब्रीहि (D) कर्मधारय

12. **श्याम सुन्दर –**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) अव्ययीभाव (D) बहुब्रीहि

13. **आजन्म –**
(A) द्वन्द्व (B) नञ तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

14. **महापुरुष –**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) बहुब्रीहि (D) कर्मधारय
(E) इनमें से कोई नहीं

15. **यथाशक्ति –**
(A) तत्पुरुष समास (B) द्वन्द्व समास
(C) अव्वयीभाव समास (D) कर्मधारय समास
(E) इनमें से कोई नहीं

16. **तुलसीकृत –**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व (D) बहुब्रीहि

17. **इनमें से द्विगु समास का उदाहरण है –**
(A) पीताम्बर (B) नेत्रहीन
(C) चौराहा (D) रुपया पैसा

18. **नीचे दिए गए सामासिक शब्दों में कौन-सा 'नञ् समास' का उदाहरण है ?**
(A) अनिष्ट (B) कुरंगनयन
(C) मुखचन्द्र (B) शीतोष्ण

19. **जब दो या दो से अधिक पद मिलकर एक नवीन शब्द की रचना करते है, तो उसे क्या कहते हैं ?**
(A) छन्द (B) समास
(C) संधि (D) अलंकार

20. **किस समास के दोनों शब्दों को समानाधिकरण होने पर कर्मधारय समास होता है ?**
(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व
(C) द्विगु (D) बहुब्रीहि

Join WhatsApp Group

21. निम्नलिखित पदों में से किस पद में समास नहीं है ?

(A) हाथों हाथ (B) राज्याध्यक्ष

(C) पर्वतारोही (D) सौभाग्य

निर्देश (प्रश्न 22-24) : निम्नलिखित शब्दों में समास बताइये।

22. पीताम्बर -

(A) कर्मधारय (B) तत्पुरुष

(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

23. अमृतधारा -

(A) अमृतरूपी (B) अमृतमय धारा

(C) अमृत की धारा (D) अमृत के लिए धारा

24. घर-आँगन -

(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व

(C) द्विगु (D) बहुब्रीहि

25. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'तत्पुरुष समास' का उदाहरण है ?

(A) जन्मान्ध (B) वज्रदेह

(C) नीलकमल (D) हाथों-हाथ

26. निम्नलिखित पदों में से किस पद में समास नहीं है ?

(A) हाथों हाथ (B) राज्याध्यक्ष

(C) पर्वतारोही (D) सौभाग्य

27. देवासुर में समास है -

(A) द्वन्द्व (B) तत्पुरुष

(C) कर्मधारय (D) बहुब्रीहि

28. निम्न में से द्विगु समास चुनिए -

(A) कपड़े-लत्ते (B) दशानन

(C) पंचांग (D) ज्ञानसागर

29. जिस समास के दानों पद अप्रधान होते हैं, वहाँ पर कौन-सा समास होता है ?

(A) द्वन्द्व समास (B) द्विगु समास

(C) तत्पुरुष समास (D) बहुब्रीहि समास

30. निम्नलिखित में बताइए कि द्विगु समास किस पद में है ?

(A) सन्दर्भ (B) आजन्म

(C) वनगमन (D) पंचवटी

31. जिस समास में उत्तर-पद प्रधान होने के साथ ही साथ पूर्व तथा उत्तर पद में विशेषण-विशेष्य का सम्बंध भी होता है, उसे कौन-सा समास कहते हैं ?

(A) बहुब्रीहि समास (B) कर्मधारय समास

(C) तत्पुरुष समास (D) द्वन्द्व समास

32. 'शशिशेखर' में बहुब्रीहि समास का कौन-सा भेद है ?

(A) समानाधिकरण (B) तुल्य योग

(C) व्याधिकरण (D) व्यतिहार

33. 'शरणागत' शब्द में कौन-सा समास है ?

(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व

(C) द्विगु (D) कर्मधारय

34. निम्न में कर्मधारय समास किसमें है ?

(A) माता-पिता (B) नीलोत्पलम्

(C) चतुर्युगम् (D) चक्रपाणि:

35. 'जितेन्द्रिय' शब्द में कौन-सा समास है ?

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय

(C) बहुब्रीहि (D) द्वन्द्व

36. निम्नांकित में से किस शब्द में द्विगु समास है ?

(A) हिमालय (B) चरणकमल

(C) पंचानन (D) राम-श्याम

37. निम्नांकित में से कौन-सा पद अव्ययीभाव समास है ?

(A) कुमारी (B) प्रतिदिन

(C) आचारकुशल (D) गृहागत

38. 'देशांतर' शब्द में कौन-सा समास है ?

(A) बहुब्रीहि (B) द्वन्द्व

(C) द्विगु (D) कर्मधारय

39. 'अष्टाध्यायी' शब्द में कौन-सा समास है ?

(A) द्विगु (B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय (D) बहुब्रीहि

40. जिस समाज के दोनों पद अप्रधान होते हैं, वहाँ पर कौन-सा समास होता है ?

(A) द्वन्द्व समाज (B) द्विगु समाज

(C) तत्पुरुष समाज (D) बहुब्रीहि समाज

41. विशेषण और विशेष्य के योग से कौन-सा समास बनता है ?

(A) द्विगु (B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

42. 'सप्तसिंधु' का विग्रह होगा ?

(A) सात सिंधुओं का समूह (B) सात सिंधुओं का है जो समूह

(C) सात है सिंधु (D) सात सिंधुओं वाला

43. 'दहीबड़ा' शब्द किस समास का उदाहरण है ?

(A) बहुव्रीहि (B) अव्ययीभाव

(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

44. 'हाथोंहाथ' शब्द किस समास का उदाहरण हैं ?

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष

(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

45. 'घुड़सवार' में समास है ?

(A) द्विगु (D) कर्मधारय

(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

46. अव्ययीभाव समास का उदाहरण है ?

(A) लवकुश (B) भरपेट

(C) त्रिभुवन (D) छत्रधारी

47. 'नर-वानर' शब्द किस समास का उदाहरण है ?

(A) बहुब्रीहि (B) अव्ययीभाव

(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

Join WhatsApp Group

48. 'स्वर्णघट' का विग्रह है ?
(A) स्वर्ण में घट (D) घट में स्वर्ण
(C) स्वर्ण का घट (D) घट के लिए स्वर्ण

49. 'अकालपीड़ित' किस समास का उदाहरण है ?
(A) बहुव्रीहि (B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

50. 'पुत्रशोक' किस समास का उदाहरण है ?
(A) बहुव्रीहि (B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

51. 'महाविद्यालय' किस समास का उदाहरण है ?
(A) कर्मधारय (B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

52. निम्नलिखित में से एक शब्द में द्विगु समास है, उस शब्द का चयन कीजिए।
(A) आजीवन (B) भूदान
(C) सप्ताह (D) पुरुषसिंह

53. अव्ययीभाव समास का एक उदाहरण है?
(A) लेन-देन (B) सज्जन
(C) चिड़ीमार (D) परोक्ष

54. निम्नलिखित में बताइए कि द्विगु समास किस पद में है?
(A) पंचवटी (B) वनगमन
(C) आजन्म (D) संदर्भ

55. किसमें सही सामासिक पद है?
(A) पुष्पधन्वी (B) दिवरात्रि
(C) त्रिलोकी (D) मंत्रिपरिषद्

56. जब प्रथम शब्द संख्यावाची और दूसरा शब्द संज्ञा हो, तब कौन-सा समास होगा?
(A) द्वन्द्व (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) अव्ययीभाव

57. संधि और समास में क्या समानता है?
(A) दोनों में ही शब्द-विकास होता है
(B) संधि और समास दोनों में ध्वनियाँ मिलती हैं
(C) संधि और समास दोनों में ही ध्वनि-विकार अनिवार्य है
(D) दोनों ही शब्दों को संक्षिप्त करते हैं

58. इनमें से द्वन्द्व समास का उदाहरण है?
(A) पीताम्बर (B) नेत्रहीन
(C) चौराहा (D) रुपया-पैसा

59. द्विगु समास का उदाहरण कौन-सा है?
(A) अनन्य (B) दिन-रात
(C) चतुरानन (D) त्रिभुवन

60. कौन-सा शब्द बहुब्रीहि समास का सही उदाहरण है?
(A) निशिदिन (B) त्रिभुवन
(C) पंचानन (D) ज्ञानगंगा

61. जिस समास में उत्तर-पद प्रधान होने के साथ-ही-साथ पूर्व तथा उत्तर पद में विशेषण-विशेष्य का सम्बंध भी होता है, उसे कौन-सा समास कहते है?
(A) बहुव्रीहि समास (B) कर्मधारय समास
(C) तत्पुरुष समास (D) द्वन्द्व समास

62. निम्नलिखित शब्दों में से द्वन्द्व समास किस शब्द में है?
(A) पाप-पुण्य (B) धड़ाधड़
(C) कलाप्रवीण (D) त्रिभुवन

63. 'समास' शब्द का अर्थ है?
(A) संक्षेप (B) व्यास
(C) टिप्पणी (D) सार

64. 'योगदान' में कौन-सा समास है?
(A) बहुव्रीहि (B) अव्ययीभाव
(C) तत्पुरुष (D) कर्मधारय

65. 'देव जो महान् है' यह किस समास का उदाहरण है?
(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

66. 'गंगाजल' शब्द में समास का भेद बताइए।
(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) कर्मधारय

67. 'सतसई' शब्द में समास का भेद बताइए।
(A) कर्मधारय (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) द्वन्द्व

68. 'पंचानन' में कौन-सा समास है?
(A) तत्पुरुष (B) बहुब्रीहि
(C) कर्मधारय (D) द्विगु

69. 'भाई-बहन' में कौन-सा समास है?
(A) द्वन्द्व (B) बहुब्रीहि
(C) द्विगु (D) तत्पुरुष

70. 'चौराहा' में कौन-सा समास है ?
(A) बहुव्रीहि (B) तत्पुरुष
(C) अव्ययीभाव (D) द्विगु

71. कौन-सा शब्द बहुब्रीहि समास का सही उदाहरण है?
(A) निशिदिन (B) त्रिभुवन
(C) पंचानन (D) पुरुषसिंह

72. 'पंचामृत' में कौन-सा समास है?
(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) द्विगु

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

73. 'त्रिवेणी' शब्द में कौन-सा समास है?

(A) द्वन्द्व (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) द्विगु

74. निम्नलिखित में से किस शब्द में समास और संधि दोनों है?

(A) यज्ञशाला (B) स्वधर्म
(C) जलोष्मा (D) पंकज

75. 'रसगुल्ला' में कौन-सा समास है?

(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि
(C) अव्ययीभाव (D) द्विगु

76. 'गर्व शून्य' शब्द में समास है?

(A) कर्म तत्पुरुष (B) करण तत्पुरुष
(C) सम्प्रदान तत्पुरुष (D) आपादान तत्पुरुष

77. 'हाथोंहाथ' शब्द में प्रयुक्त समास है?

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

78. 'वाचस्पति' किस समास का समस्तपद है?

(A) नञ् तत्पुरुष (B) अलुक तत्पुरुष
(C) सम्बन्ध तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

79. अव्ययीभाव समास का उदाहरण है?

(A) लवकुश (B) भरपेट
(C) त्रिभुवन (D) छत्रधारी

80. 'स्वर्णघट' का विग्रह है?

(A) स्वर्ण में घट (B) घट में स्वर्ण
(C) स्वर्ण का घट (D) घट के लिए स्वर्ण

81. 'चतुरानन' में समास है?

(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

82. निम्नलिखित में कर्मधारय समास किसमें है?

(A) चक्रपाणि (B) चतुर्युग
(C) नीलोत्पल (D) माता-पिता

83. 'राजपुत्र' में कौन-सा समास है?

(A) बहुव्रीहि (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) कर्मधारय

84. अधिकरण तत्पुरुष में

(A) पहला पद प्रधान होता है।
(B) दूसरा पद प्रधान होता है।
(C) दोनों पद प्रधान होते हैं।
(D) प्रथम एवं तृतीय पद प्रधान होते है।

85. 'चौमासा' में समास है -

(A) द्वन्द्व (B) कर्मधारय
(C) द्विगु (D) तत्पुरुष

86. 'देशान्तर' में कौन-सा समास है?

(A) बहुव्रीहि (B) द्विगु
(C) द्वन्द्व (D) कर्मधारय

87. 'अनुरूप' समस्त पद में कौन-सा समास है?

(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

88. तत्पुरुष समास है?

(A) शताब्दी (B) चौमासा
(C) भाई-बहन (D) पद प्राप्त

89. 'पीताम्बर' में समास है?

(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) बहुव्रीहि (D) द्विगु

90. 'शताब्दी' में समास है?

(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

91. 'देशभक्ति' में कौन-सा समास है?

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

92. 'बैलगाड़ी' में समास है?

(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

93. 'पंचवटी' में कौन-सा समास है?

(A) बहुव्रीहि समास (B) द्वन्द्व समास
(C) द्विगु समास (D) तत्पुरुष समास

94. मुम्बई में गगनचुम्बी इमारतें बहुत हैं। रेखांकित शब्द में कौन-सा समास समाहित है?

(A) तत्पुरुष समास (B) कर्मधारय समास
(C) द्विगु समास (D) अव्ययीभाव समास

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

उत्तरमाला

1. (A)	2. (D)	3. (A)	4. (C)	5. (B)	6. (B)	7. (A)	8. (A)
9. (B)	10. (B)	11. (A)	12. (C)	13. (B)	14. (C)	15. (C)	16. (B)
17. (C)	18. (A)	19. (B)	20. (A)	21. (A)	22. (A)	23. (C)	24. (A)
25. (A)	26. (C)	27. (A)	28. (C)	29. (D)	30. (D)	31. (B)	32. (C)
33. (A)	34. (B)	35. (C)	36. (C)	37. (B)	38. (D)	39. (A)	40. (B)
41. (C)	42. (A)	43. (D)	44. (B)	45. (C)	46. (B)	47. (C)	48. (C)
49. (D)	50. (D)	51. (A)	52. (C)	53. (D)	54. (A)	55. (B)	56. (C)
57. (D)	58. (D)	59. (D)	60. (C)	61. (B)	62. (A)	63. (A)	64. (D)
65. (C)	66. (A)	67. (B)	68. (D)	69. (A)	70. (D)	71. (C)	72. (D)
73. (D)	74. (C)	75. (A)	76. (B)	77. (A)	78. (C)	79. (B)	80. (C)
81. (B)	82. (C)	83. (B)	84. (B)	85. (C)	86. (D)	87. (C)	88. (D)
89. (C)	90. (B)	91. (B)	92. (D)	93. (C)	94. (A)		

Join WhatsApp Group

वाक्य एवं वाच्य विचार

वाक्य : सामान्य तौर पर वाक्य, सार्थक शब्द का समूह है, जिसमें कर्त्ता और क्रिया दोनों होते है। जैसे – मोहन, सोहन, बाग, घर मैदान।

यहाँ एक शब्द-समूह है, पर क्रियापद एक भी नहीं है। अतएव, इसे हम वाक्य नहीं कह सकते। इसी प्रकार, 'खाता है, रोता है, पढ़ता है, नाचता है' आदि क्रियापदों के समूह को भी वाक्य नहीं कह सकते। वाक्य उसी शब्दसमूह को कहेंगे, जब उसमें क्रिया (विधेय) और कर्त्ता (उद्देश्य) दोनों होंगे। जैसे – मोहन खेलता है।

इसमें 'मोहन' कर्त्ता के रूप में है और 'खेलता है' क्रिया। इस वाक्य से पूरा अर्थबोध होता है। अत: यह एक वाक्य है।

वाक्य के अंग

हर वाक्य के दो अंग होते है –

1. उद्देश्य और
2. विधेय

1. **उद्देश्य :** जिसके बारे में कुछ कहा जाय, उसे 'उद्देश्य' कहते हैं। जैसे – 'सुरेश पुस्तक पढ़ता है।' इस वाक्य में 'सुरेश' के बारे में कहा गया है। अत: 'सुरेश' यहाँ उद्देश्य हुआ।
   उद्देश्य के रूप – वाक्यों में उद्देश्य भिन्न-भिन्न रूपों में आता है –
   (क) संज्ञा – **गणेश** गाता है।
   (ख) सर्वनाम – **मैं** पढ़ता हूँ।
   (ग) विशेषण – **गरीब** को कौन पूछता है।
   (घ) क्रियार्थक (कृदंत) संज्ञा – **हँसना** जरूरी है।
2. **विधेय :** उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाय, उसे 'विधेय' कहते है। जैसे – 'सुरेश' पुस्तक पढ़ता है।' इस वाक्य में 'सुरेश (उद्देश्य) के बारे में कहा गया है कि वह 'पुस्तक पढ़ता है।' अत: 'पुस्तक पढ़ता है' विधेय हुआ।

वाक्य-संरचना

■ **संरचना या स्वरूप की दृष्टि के वाक्य के तीन प्रकार है –**

1. साधारण या सरल वाक्य
2. मिश्र वाक्य
3. संयुक्त वाक्य

1. **साधारण या सरल वाक्य :** जिस वाक्य में एक ही क्रिया रहती है, उसे 'साधारण या सरल वाक्य' कहते हैं। इसमें एक उद्देश्य और एक विधेय रहता है। जैसे – बिजली चमकती है। पानी बरसता है।
2. **मिश्र वाक्य :** जिस वाक्य में एक से अधिक साधारण या सरल वाक्य हों और उनमें एक मुख्य वाक्य हो और शेष उसके आश्रित हों, उसे 'मिश्र वाक्य' कहते हैं। जैसे – मैं यह जानता हूँ कि यह काम आपसे नहीं होगा।
3. **संयुक्त वाक्य :** जिस वाक्य में साधारण अथवा मिश्र वाक्यों का मेल योजक ('और', 'अथवा' आदि) अव्यय द्वारा होता है, उसे 'संयुक्त वाक्य' कहते हैं। जैसे – उसकी आँखें हँसती हैं, किंतु उसका हृदय रोता है। मैं आया और वह गया।

■ **अर्थ की दृष्टि से वाक्य के आठ भेद है –**

1. विधिवाचक वाक्य – मैं खा चुका हूँ।
2. निषेधवाचक वाक्य – मैं आज नहीं पढ़ूँगा।
3. आज्ञावाचक वाक्य – तुम आओ। तुम पढ़ों।
4. प्रश्नवाचक वाक्य – क्या तुम पढ़ रहे हो ?
5. विस्मयवाचक वाक्य – ओह ! यह पिट ही गया !
6. संदेहवाचक वाक्य – उसने कहा होगा।
7. इच्छावाचक वाक्य – तुम अपने काम में सफल रहो !
8. संकेतवाचक वाक्य – यदि तुम चलो तो मैं भी चलूँ।

1. **विधिवाचक वाक्य :** जिससे किसी बात के होने का बोध हो। जैसे –
   सरल वाक्य – हम खा चुके।
   मिश्र वाक्य – मैं खाना खा चुका, तब वह आया।
   संयुक्त वाक्य – मैंने खाना खाया और मेरी भूख मिट गयी।
2. **निषेधवाचक वाक्य :** जिससे किसी बात के न होने का बोध हो। जैसे –
   सरल वाक्य – हमने खाना नहीं खाया।
   मिश्र वाक्य – मैंने खाना नहीं खाया, इसलिए मैंने फल नहीं खाया।
   संयुक्त वाक्य – मैंने भोजन नहीं किया और इसलिए मेरी भूख नहीं मिटी।
3. **आज्ञावाचक वाक्य :** जिससे किसी तरह की आज्ञा का बोध हो। जैसे – तुम खाओ। तुम पढ़ो।
4. **प्रश्नवाचक वाक्य :** जिससे किसी प्रकार के प्रश्न किए जाने का बोध हो। जैसे – क्या तुम खा रहे हो? तुम्हारा नाम क्या है ?
5. **विस्मयवाचक वाक्य :** जिससे आश्चर्य, दु:ख या सुख का बोध हो। जैसे – ओह ! मेरा सिर फटा जा रहा है।
6. **सन्देहवाचक वाक्य :** जिससे किसी बात का सन्देह प्रकट हो। जैसे – उसने खा लिया होगा। मैंने कहा होगा।
7. **इच्छावाचक वाक्य :** जिससे किसी प्रकार की इच्छा या शुभकामना का बोध हो। जैसे – तुम अपने कार्य में सफल रहो।
8. **संकेतवाचक वाक्य :** जहाँ एक वाक्य दूसरे की सम्भावना पर निर्भर हो। जैसे – पानी न बरसता तो धान सूख जाता। यदि तुम खाओ तो मैं भी खाऊँ।

वाच्य

वाच्य : वाच्य क्रिया में उस रूपान्तर को कहते है, जिससे जाना जाता है कि वाक्य में कर्त्ता के विषय में विधान किया गया है या कर्म के विषय में अथवा भाव के विषय में।

■ **हिन्दी में वाच्य तीन प्रकार के होते है –**

1. कर्तृवाच्य
2. कर्मवाच्य
3. भाववाच्य

1. **कर्तृवाच्य :** क्रिया के जिस रूपान्तर से वाक्यगत कर्त्ता की प्रधानता का बोध हो, उसे कर्तृवाच्य कहते है। जैसे – बच्चा दौड़ता है। सीता जाती है। मैं पढ़ता हूँ। तुम पढ़ते हो।
2. **कर्मवाच्य :** क्रिया के जिस रूपान्तर से वाक्यगत कर्म का बोध हो, उसे कर्मवाच्य कहते है। जैसे – बच्चा मैदान में दौड़ाया जाता है। तुम्हारे द्वारा खाना खाया जाता है। मोहन द्वारा पुस्तक पढ़ा जाता है।
3. **भाववाच्य :** क्रिया के जिस रूपान्तर में क्रिया अथवा भाव की प्रधानता हो, उसे भाववाच्य कहते है। जैसे – मुझसे खाया नहीं जाता। राम से बैठा नहीं जाता। सीता से गाया नहीं जाता।

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. प्रत्येक वाक्य की समाप्ति पर लगता है -
(A) अल्प विराम (B) अर्द्ध विराम
(C) पूर्ण विराम (D) प्रश्नवाचक चिह्न

2. 'गुरु ही शिष्य को ज्ञान देता है।' किस कारक का वाक्य है ?
(A) अपादान (B) कर्मकारक
(C) सम्बन्ध (D) सम्प्रदान

3. 'उसने टेढ़ी चाल चली' वाक्य में कारक है -
(A) कर्म कारक (B) अधिकरण कारक
(C) कर्ता कारक (D) सम्बन्ध कारक

4. 'मुझसे यह काम न हो सकेगा।' किस कारक का वाक्य है ?
(A) करण (B) सम्प्रदान
(C) अपादान (D) सम्बन्ध

5. 'भगवान करे तुम्हारी नौकरी लग जाए।' यह किस प्रकार का वाक्य है?
(A) इच्छावाचक (B) प्रश्नवाचक
(C) संकतवाचक (D) विधानार्थक

6. 'यदि हम गवाही दे दें तो काम न जाए।' किस प्रकार का वाक्य है ?
(A) इच्छावाचक (B) संकेतवाचक
(C) सन्देहवाचक (D) आज्ञार्थक

7. 'गुरुजन का समान करना सीखो।' किस प्रकार का वाक्य है ?
(A) आज्ञार्थक (B) विधानार्थक
(C) इच्छावाचक (D) संकेतवाचक

8. सामान्य वर्तमान काल का उदाहरण है -
(A) सीता बाजार जाती होगी (B) रमेश ने समाचार-पत्र पढ़ा
(C) वर्षा हो रही थी (D) वह कोलकाता जाता है

9. निम्नलिखित किस वाक्य में अकर्मक क्रिया है ?
(A) गेहूँ पिस रहा है (B) मैं बालक को जगवाता हूँ
(C) मदन गोपाल को हँसा रहा है
(D) राम पत्र लिखता है

10. निम्न वाक्य का विश्लेषण कीजिए -
''तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा।''
(A) आज्ञावाचक वाक्य (B) क्रियाविशेषण उपवाक्य
(C) समानाधिकरण उपवाक्य (D) उपवाक्य
(E) इनमें से कोई नहीं

11. किस वाक्य में क्रिया का भाववाच्य प्रयोग है ?
(A) लड़कियों ने माँ को देखा (B) उससे फल नहीं खाये जाते
(C) घोड़ा हिनहिनाता है (D) यह काम तुम से ही सम्भव है
(E) इनमें से कोई नहीं

12. 'मैं खाना खा चुका हूँ।' इस वाक्य में भूतकालिक भेद इंगित कीजिए -
(A) सामान्य भूत (B) पूर्ण भूत
(C) आसन्न भूत (D) संदिग्ध भूत

13. जिन वाक्यों में सामान्य रूप से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है, उसे क्या कहते है ?
(A) निषेधार्थक वाक्य (B) विधानार्थक वाक्य
(C) आज्ञार्थक वाक्य (D) संकेतार्थक वाक्य

14. 'कृष्ण ने गाना गाया' वाक्य में कारक है ?
(A) कर्म (B) सम्बोधक
(C) सम्प्रदान (D) कर्ता

15. 'झूठ मत बोलो' यह किस प्रकार का वाक्य है ?
(A) प्रश्नवाचक (B) नकारात्मक
(C) निषेधवाचक (D) विधिवाचक

16. निम्नांकित वाक्यों में मिश्र वाक्य कौन-सा है ?
(A) परिश्रमी छात्र परीक्षा में सफल होता है
(B) बच्चे दौड़ रहे थे और अध्यापक पढ़ा रहे थे
(C) प्रधानाचार्य का कहना है कि परिश्रमी सदैव सफल होता है
(D) स्कूल खुल गया और पढ़ाई भी शुरू हो गई

17. मजदूर मेहनत करता है किन्तु उसके लाभ से वंचित रहता है। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

18. राजनीति अब एक व्यवसाय बनती जा रही है जो गुण्डागिरि के बल पर चलती है। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) संयुक्त वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

19. आज बहुत पानी गिरा। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) साधारण वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) उपवाक्य

20. उससे अब अकेले नहीं रहा जाता है। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) कर्तृवाक्य (B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य (D) इनमें से कोई नहीं

21. वहाँ जाओ। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) निषेधवाचक (B) प्रश्नवाचक
(C) आज्ञावाचक (D) अनुरोधवाचक

22. उसने कहा कि मैं घर जाऊँगा। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) प्रश्नवाचक वाक्य

23. तुम यह काम मत करों। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) आज्ञावाचक (B) निषेधवाचक
(C) प्रश्नवाचक (D) विस्मयवाचक

24. हो सकता है राम का काम बन जाय। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) निषेधवाचक (B) प्रश्नवाचक
(C) संदेहवाचक (D) आज्ञावाचक

25. अरे ! उसने तो कमाल कर दिया। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) प्रश्नवाचक (B) निषेधवाचक
(C) विस्मयवाचक (D) इच्छावाचक

26. राम क्रिकेट खेलता है पर अच्छा नहीं। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

27. ज्यों ही मैंने दरवाजा खोला कि वह आ गया। - यह कैसा वाक्य है?
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

28. वह आए तो काम बन सकता है। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) इच्छाबोधक (B) संदेहसूचक
(C) संकेतार्थक (D) विधानार्थक

29. मुझे विश्वास है कि वह अवश्य आएगा। - यह किस प्रकार का वाक्य है ?
(A) संयुक्त वाक्य (B) सरल वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

30. ईश्वर करे तुम्हारा जीवन सुखमय हो। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) संदेहवाचक (B) विधिवाचक
(C) संकेतवाचक (D) इच्छावाचक

31. चाहे रात बीत जाए, मुझे यह काम पूरा करना है। - यह कैसा वाक्य है ?
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

32. आज्ञावाचक वाक्य को चिह्नि कीजिए।
(A) उसने दरवाजा खोला (B) उसके द्वारा दरवाजा खोला गया
(C) जल्दी दरवाजा खोलो (D) क्या वह दरवाजा खोल पाएगा?

33. विस्मयवाचक वाक्य का चयन कीजिए।
(A) मधुर भाषण वाणी का रूप है
(B) कटू वचन मन को आहत करता है
(C) छि:! कितनी गन्दी बात है?
(D) गन्दगी सदैव हानिकारक है।

34. 'जो गरीबों की सहायता करते है, वे धर्मात्मा होते है' - वाक्य है
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

35. संकेतवाचक वाक्य चुनिए।
(A) ईश्वर सर्वशक्तिमान है।
(B) ईश्वर का वास प्रत्येक हृदय में है।
(C) ईश्वर करे आप जल्दी स्वस्थ हो जाएँ।
(D) ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया।

36. मिश्र वाक्य को चिह्नि कीजिए।
(A) आपने ऐसा क्यों किया?
(B) उसने कहा कि आज छुट्टी हो जाएगी।
(C) वाह! आपा एम॰पी॰ हो गए।
(D) बालक आया और मेरे पास बैठ गया।

37. इनमें से विधानवाचक वाक्य कौन है?
(A) यह एक अनुकरणीय उदाहरण नहीं है।
(B) इस बात से किसी को इनकार नहीं है।
(C) मुझे कौन वोट नहीं देगा?
(D) यह बात सभी को स्वीकार्य है।

38. संयुक्त वाक्य पहचानिए।
(A) उत्तर देने का यह ढंग ठीक नहीं है।
(B) उसे गर्व है कि वह उच्चकुल में पैदा हुआ।
(C) दवा लो और बुखार कम हो जाएगा।
(D) उपरोक्त सभी

39. इनमें से मिश्र वाक्य कौन है?
(A) यौवन चरित्र निर्माण का समय है।
(B) जो लोग स्वस्थ रहते हैं उन्हें वैद्य के पास नहीं जाना पड़ता हैं।
(C) करो या मरो।
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

40. सरल वाक्य है।
(A) उसके आने का समय निश्चित नहीं है।
(B) मुझे बताओं कि तुम कहाँ रहते हो?
(C) वह घर पर मिलेगा तो मैं आवश्य बता करँगा।
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

41. निम्न में से कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य नहीं है?
(A) मैंने एक पुस्तक खरीदी जो नई है।
(B) यह वही बच्चा है जिसे बैल ने मारा।
(C) यह विज्ञान गोष्ठ हुई जिसमें अनेक वक्ता बोले।
(D) वह परिश्रमी ही नहीं वरन् ईमानदार भी है।

निर्देश (42-99) : निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में दिए गए वाक्य का उचित प्रकार चुनिए।

42. मैं नही जानता कि रात में वह कब भाग निकला।
(A) मिश्र वाक्य (B) सरला वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

43. नीच व्यक्ति को पशु कहना पशुता का अपमान है।
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

44. माँ लड़के को हँसाती है।
(A) विस्मयबोधक (B) प्रेरणार्थक
(C) आज्ञावाचक (D) इच्छावाचक

45. बुराई और बुरे व्यक्ति दोनों से बचो।
(A) विधिवाचक (B) आज्ञावाचक
(C) इच्छावाचक (D) संकेतवाचक

46. या तो तुम सुधर जाओं या विद्यालय से निकाले जाने के लिए तैयार रहो।
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

47. वह जाए चाहे न जाए, मुझे जाना है।
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

48. ऐसा कर्म करो कि लोग तुम्हें याद रखें।
(A) विविवाचक (B) आज्ञावाचक
(C) संकेतवाचक (D) इच्छावाचक

Join WhatsApp Group

49. उस मुहल्ले में वह सबसे ईमानदार व्यक्ति था।
(A) संकेतवाचक (B) मिश्र वाक्य
(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

50. राजनीति अब एक व्यवसाय बनती जा रही है, जो गुण्डागिरी के बल पर चलती है।
(A) संयुक्त वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

51. जो करे सो भरे।
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

52. मैं किसी का बुरा क्यों चाहूँ?
(A) विधिवाचक (B) विषेधवाचक
(C) प्रश्नवाचक (D) संदेहवाचक

53. संजय के आते ही उसका भाई चला जाता है।
(A) संदेहवाचक (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) सरल वाक्य

54. क्या तुम यह कार्य पूरा कर सकते हो?
(A) कर्मवाच्य (B) कर्तृवाच्य
(C) भाववाच्य (D) इनमें से काई नहीं

55. शिकारियों ने दो हिरण मार गिराए।
(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य (D) इनमें से कोई नहीं

56 जब तक वह घर पहुँचा, तब वह उसके पिता जा चुके थे।
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाच्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमे से कोई नहीं

57. जो व्यक्ति महान् हो चुके है, उनके जीवन की दिनचर्या और रहन-सहन से पता चलता है कि उनका जीवन सादगी से व्यतीत होता था।
(A) साधारण वाक्य (B) असाधारण वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) मिश्र वाक्य

58. दुष्ट व्यक्ति की मित्रता स्थायी नहीं होती।
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमे से कोई नहीं

59. नीति कहती है कि तुम गलत के साथ गलत मत करो।
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

60. अल्पज्ञानी व्यक्ति बुद्धिमान की कद्र करना क्या जाने।
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

61. उस भाई के प्रति कृतज्ञ रहो जिने अपना पेट काटकर तुम्हें पढ़ाया लिखाया।
(A) निषेधवाचक (B) आज्ञावाचक
(C) संदेहवाचक (D) सरल वाक्य

62. मैंने उसकी कोई सहायता नहीं की।
(A) संदेहवाचक (B) संकेतवाचक
(C) निषेधवाचक (D) विधिवाचक

63. वह तुम्हारा साथ दे या न दे, मैं दूँगा।
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

64. रमेश और नरेश के लालन-पालन में समानता होते हुए भी दोनों में बड़ा अन्तर है।
(A) मिश्र वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

65. संसार में हर तरह के लोग होते है।
(A) संकेतवाचक (B) विधिवाचक
(C) विस्मयादिबोधक (D) इनमें से कोई नहीं

66. मैंने ऐसी दुर्घटना कदाचित इससे पहले कभी न देखी होगी।
(A) विधिवाचक (B) निषेधवाचक
(C) संकेतवाचक (D) संदेहवाचक

67. वर्ष 1965 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना को भारतीय सेना के सामने मुँह की खानी पड़ी थी।
(A) संयुक्त वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

68. जिधर धुआँ दिखाई दिया, सब लोग उधर ही दौड़ पड़े।
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

69. हम अपने इतिहास के बारे में कितना जानते हैं?
(A) विस्मयादिबोधक (B) प्रश्नवाचक
(C) संदेहवाचक (D) विधिवाचक

70. आपसी बातचीज से विवाद का समाधान निकल आए तो व्यर्थ की मुकदमेबाजी से बचा जा सकता है।
(A) इच्छावाचक (B) संदेहवाचक
(C) विधिवाचक (D) संकेतवाचक

71. ईश्वर करे तुम्हारा जीवन सुखमय हो।
(A) संकेतवाचक (B) संदेहवाचक
(C) इच्छावाचक (D) विधिवाचक

72. जो धन कमाते हो उसमें से थोड़ा जरूर बचाओं।
(A) विधिवाचक (B) संकेतवाचक
(C) इच्छावाचक (D) आज्ञावाचक

73. भारत के पूर्वोत्तर में अनेक जनजातियों के लोग रहते हैं।
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

74. चाहे रात बीत जाए, मुझे यह कार्य पूरा करना है।
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

75. तुलसीदास ने कहा है कि विनाशकाल में मनुष्य की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है।
(A) साधारण वाक्य (B) सरल वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) मिश्र वाक्य

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

76. मान न मान, मैं तेरा मेहमान।

(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य

(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

77. दान करना अच्छी चीज है, दान लेना एक मजबूरी है।

(A) मिश्र वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) सरल वाक्य (D) इनमे से कोई नहीं

78. समर्थ के आगे अकिंचन की क्या बिसात है?

(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य

(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमे से कोई नहीं

79. क्या समय आ गया है कि छोटे बड़ों का आदर करना ही भूल गए हैं।

(A) प्रश्नवाचक (B) संकेतवाचक

(C) विधिवाचक (D) संदेहवाचक

80. धिक्कार है उस व्यक्ति को जो दूसरों को धोखा देकर धन कमाए।

(A) आज्ञावाचक (B) संकेतवाचक

(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

81. मैंने किरायेदार नहीं रखे, मुसीबत मोल ले ली।

(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य

(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

82. अमर के रहते विद्यालय के किसी छात्र को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की पदवीं नहीं मिल सकती।

(A) मिश्र वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

83. कहते हैं कि शक्ति का नाम औरत है।

(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

84. भाग्यवान का हल भूत जोतता है।

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य (D) संकेतवाचक

85. मेरे पास एक क्रिकेट का बल्ला है और उसके पास क्रिकेट की गेंद।

(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

86. संतोष से बढ़कर सुख नहीं।

(A) मिश्र वाक्य (B) सरल वाक्य

(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

87. बुराई सदैव अच्छाई से पराजित होती आई है।

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य (D) इनमें से कोई नहीं

88. हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना मदद मोहन मालवीय ने की थी।

(A) भाववाच्य (B) कर्तृवाच्य

(C) कर्मवाच्य (D) संयुक्त वाक्य

89. उसने कठिन परिश्रम किया, किन्तु अच्छे अंक न पा सका।

(A) मिश्र वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

90. यद्यपि मोहनलाल धनी है, तथापित बहुत दुःखी है।

(A) साधारण वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

91. क्या उसे मालूम है कि कल तुम मेरे घर आ रहे हो?

(A) मिश्र वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

92. हवा के तीव्र झोंके सब कुछ उड़ा ले गए।

(A) संयुक्त वाक्य (B) सरल वाक्य

(C) मिश्र वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

93. न उसने हाँ भरी न उसके भाई ने हाँ भरी।

(A) मिश्र वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

94. समय पर पश्चाताप करना ही बुद्धिमानी की बात है।

(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य

(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

95. न कोई अपने साथ कुछ लाता है न मरते हुए साथ ले जाता है।

(A) सरल वाक्य (B) विधिवाचक

(C) विषेधवाचक (D) इनमें से कोई नहीं

96. अपना काम समय पर करना चाहिए।

(A) विधिवाचक (B) आज्ञावाचक

(C) संदेहवाचक (D) मिश्र वाक्य

97. हजारों लोगों को मौत के घाट उतार कर वह तूफान थमा था।

(A) संयुक्त वाक्य (B) मिश्र वाक्य

(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

98. तु जिसे चाहो चुन लो।

(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य

(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

99. जो परिवार कभी सम्पन्न और वैभवशाली था उसके लोग आज दर-दर की ठोकरें खा रहे है।

(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य

(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

उत्तरमाला

1. (C)	2. (D)	3. (C)	4. (A)	5. (A)	6. (A)	7. (A)	8. (D)
9. (A)	10. (E)	11. (A)	12. (C)	13. (B)	14. (D)	15. (C)	16. (A)
17. (C)	18. (B)	19. (A)	20. (C)	21. (C)	22. (C)	23. (B)	24. (C)
25. (C)	26. (B)	27. (C)	28. (C)	29. (C)	30. (C)	31. (C)	32. (C)
33. (C)	34. (B)	35. (D)	36. (B)	37. (D)	38. (C)	39. (B)	40. (A)
41. (D)	42. (A)	43. (A)	44. (B)	45. (C)	46. (C)	47. (B)	48. (D)
49. (B)	50. (B)	51. (C)	52. (C)	53. (D)	54. (B)	55. (A)	56. (C)
57. (D)	58. (A)	59. (C)	60. (A)	61. (B)	62. (C)	63. (C)	64. (C)
65. (B)	66. (D)	67. (C)	68. (C)	69. (B)	70. (D)	71. (C)	72. (C)
73. (A)	74. (B)	75. (D)	76. (C)	77. (B)	78. (A)	79. (B)	80. (D)
81. (C)	82. (C)	83. (C)	84. (A)	85. (B)	86. (B)	87. (B)	88. (B)
89. (B)	90. (C)	91. (A)	92. (B)	93. (B)	94. (A)	95. (C)	96. (A)
97. (C)	98. (B)	99. (B)					

Join WhatsApp Group

शुद्ध-वर्तनी

शब्दों के शुद्ध-शुद्ध लिखने की रीति को 'वर्तनी' कहते है। अँगरेजी में इसे 'स्पेलिंग' कहते हैं। उर्दू में 'हिज्जे' और बंगला में 'बनान' कहते हैं।

वर्तनी संबंधी अशुद्धियों या समस्याओं के मुख्य दो कारण हैं –

(A) किसी शब्द का अशुद्ध उच्चारण करना या सुनना

(B) मत-भिन्नता के कारण विभिन्न समस्याएँ। जैसे –

■ यदि हम 'श' का उच्चारण 'स' की तरह करते या सुनते हैं, तो निश्चित रूप से 'अशोक' शब्द को लिखते समय 'असोक' लिखेंगे। यह समस्या या अशुद्धि, गलत उच्चारण करने या सुनने के कारण है।

■ कोई 'गये-गयी' लिखता है, तो कोई 'गए-गई'। 'पक्का' शब्द को कोई 'पक्‍का' लिखता है, तो कोई 'पक्का'। इस प्रकार की कई समस्याएँ हैं। ये समस्याएँ मत-भिन्नता के कारण हैं।

वर्तनी संबंधी प्रमुख नियम

1. **'ण' और 'न' की अशुद्धियाँ :** 'ण' और 'न' के प्रयोग में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। 'ण' अधिकतर संस्कृत शब्दों में आता है। जिन तत्सम शब्दों में 'ण' होता है, उसके तद्भव रूप में 'ण' के स्थान पर 'न' प्रयुक्त होता है, जैसे – रण-रन, फण-फन, कण-कन, विष्णु-बिसनु। 'न' का प्रयोग करते समय निम्नांकित नियमों को ध्यान में रखना चाहिए –

   (क) संस्कृत की जिन धातुओं में 'ण' होता है, उससे बने शब्दों में भी 'ण' रहता है। जैसे – क्षण, प्रण, वरुण, निपुण, गण, गुण।

   (ख) किसी एक ही पद में यदि ऋ, र्, और ष् के बाद 'न्' हो तो 'न्' के स्थान पर 'ण्' हो जाता है, भले ही इनके बीच कोई स्वर य्, व्, ह्, कवर्ग, पवर्ग का वर्ण तथा अनुस्वार आया हो। जैसे – ऋण, कृष्ण, विष्णु, भूषण, उष्ण, रामायण, श्रवण आदि।

2. **'श', 'ष' और 'स' की अशुद्धियाँ :** 'श', 'ष' और 'स' भिन्न-भिन्न अक्षर हैं। इन तीनों की उच्चारण-प्रक्रिया भी अलग-अलग है। उच्चारण-दोष के कारण ही वर्तनी-सम्बंधी अशुद्धियाँ होती हैं। इसके उच्चारण में निम्नांकित बातों की सावधानी रखनी चाहिए –

   (क) 'ष' केवल संस्कृत शब्द में आता है, जैसे – कष, सन्तोष, भाषा, गवेषणा, द्वेष, मूषक, कषाय, पौष, चषक, पीयूष, पुरुष, शुश्रूषा, भाषा, षट्।

   (ख) जिन संस्कृत शब्दों की मूल धातु में 'ष' होता है, उनसे बने शब्दों में भी 'ष' रहता है। जैसे – 'शिष्' धातु के शिष्य, शिष्ट, शेष आदि।

   (ग) संधि करने में क, ख, ट, ठ, प, फ के पूर्व आया हुआ विसर्ग (:) हमेशा 'ष' हो जाता है।

   (घ) यदि किसी शब्द में 'स' हो और उसके पूर्व 'अ' या 'आ' के सिवा कोई भिन्न स्वर हो तो 'स' के स्थान पर 'ष' होता है।

   (ङ) टवर्ग के पूर्व केवल 'ष' आता है। जैसे – षोडश, षडानन, कष्ट, नष्ट।

   (च) ऋ के बाद प्राय: 'ष' ही आता है। जैसे – ऋषि, कृषि, वृष्टि, तृषा।

   (छ) संस्कृत शब्दों में च, छ, के पूर्व 'श' ही आता है। जैसे निश्चल, निश्छल।

   (ज) जहाँ 'श' और 'स' एक साथ प्रयुक्त होते हैं वहाँ 'श' पहले आता है। जैसे – शासन, शासक, प्रशंसा, नृशंस।

   (झ) जहाँ 'श' और 'ष' एक साथ आते हैं, वहाँ 'श' के पश्चात 'ष' आता है। जैसे – शोषण, शीर्षक, शेष, विशेष इत्यादि।

   (ञ) उपसर्ग के रूप में नि:, वि आदि आने पर मूल शब्द का 'स' पूर्ववत् बना रहता है। जैसे – नि:संशय, निस्सन्देह, विस्तृत, विस्तार।

   (ट) यदि तत्सम शब्दों में 'श' हो, तो उसके तद्भव में 'स' होता है। जैसे – शूली-सूली, शाक-साग, शूकर-सूअर, श्वसुर-ससुर, श्यामल-साँवला।

3. **जहाँ पंचमाक्षर के बाद उसी के वर्ग के शेष चार वर्णों से कोई वर्ण हो तो वहाँ अनुस्वार का ही प्रयोग किया जाय। जैसे – वंदना, नंद, नंदन, अंत, गंगा, संपादक इत्यादि।**

4. **जहाँ तत्सम शब्द में पंचम वर्ण या अनुस्वार रहता है, उस शब्द के तद्भव रूप में चंद्रबिन्दु लगता है। जैसे – चंद्र – चाँद, कंगन – कँगना, पंख – पाँख, अंगना – आँगन।**

5. **यदि कर्त्ता स्त्रीलिंग बहुवचन है तो अंतिम वर्ण में चंद्रबिंदु लगता है। जैसे – खिड़की – खिड़कियाँ, बेटी – बेटियाँ, लड़की – लड़कियाँ, नदी – नदियाँ।**

वर्तनी की सामान्य अशुद्धियाँ तथा शब्दों के शुद्ध रूप

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
• **अनुकुल**	अनुकूल	• **छि: छि:**	छी छी
• **अध्यन**	अध्ययन	• **उपर**	ऊपर
• **अस्थान**	स्थान	• **उजवल**	उज्ज्वल
• **अद्वितिय**	अद्वितीय	• **उत्कृष्ठ**	उत्कृष्ठ
• **अरमूद**	अमरूद	• **कलस**	कलश
• **आर्शिवाद**	आशीर्वाद	• **कल्यान**	कल्याण
• **ईर्षा**	ईर्ष्या	• **गनित**	गणित
• **उँचाई**	ऊँचाई	• **गृहस्थ्य**	गृहस्थ
• **उन्नती**	उन्नति	• **चिह्न**	चिह्न
• **नमष्कार**	नमस्कार	• **चांद**	चाँद
• **नबाव**	नवाब	• **छमा**	क्षमा
• **नछत्र**	नक्षत्र	• **ज्येष्ट**	ज्येष्ठ
• **नारि**	नारी	• **यथेष्ठ**	यथेष्ट
• **राज्यमहल**	राजमहल	• **रुग्न**	रुग्ण
• **निरोग**	नीरोग	• **शत्रुह्न**	शत्रुघ्न
• **पुष्टी**	पुष्टि	• **रसायण**	रसायन
• **प्रंतु**	परंतु	• **रामायन**	रामायण
• **पूण्य**	पुण्य	• **लछिमन**	लक्ष्मण
• **पुस्प**	पुष्प	• **लिक्खा**	लिखा
• **लच्छन**	लक्षण	• **एकत्रित**	एकत्र
• **बनावास**	वनवास	• **सकुशलपूर्वक**	सकुशल
• **अनाधिकार**	अनधिकार	• **उपरोक्त**	उपर्युक्त
• **पृष्ट**	पृष्ठ	• **उपरीलिखित**	उपरिलिखित
• **प्राप्ती**	प्राप्ति	• **निरस**	नीरस
• **पत्नि**	पत्नी	• **सन्यास**	संन्यास

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

प्रसंशा	प्रशंसा
प्रनाम	प्रणाम
प्रमेश्वर	परमे श्वर
परिक्षा	परीक्षा
पुज्य	पूज्य
पुरष्कार	पुरस्कार
प्रशाद	प्रसाद
प्रतिकुल	प्रतिकूल
प्रान	प्राण
परस्थिति	परिस्थिति
पिचास	पिशाच
ब्रम्ह	ब्रह्म
बुढ़ा	बूढ़ा
ब्राम्हन	ब्राह्मण
भष्म	भस्म
मट्टी	मिट्टी
मुनीगण	मुनिगण
मैथलीशरण	मैथिलीशरण
श्रीयुत्	श्रीयुत
दांत	दाँत
हिंदु	हिंदू
हंसना	हँसना
हिन्दूस्तान	हिन्दुस्तान
मैत्रता	मित्रता, मैत्री
ऐक्यता	एकता, ऐक्य
धैर्यता	धैर्य, धीरता
माधुर्यता	माधुर्य, मधुरता
पैत्रिक	पैतृक
पीसाच	पिशाच
षष्ट	षष्ठ
बुद्धिवान	बुद्धिमान्
भगमान	भगवान्
घनिष्ट	घनिष्ठ
आंख	आँख
बांस	बाँस
अंगना	अँगना
कंगना	कँगना
ऊचा	ऊँचा
जाऊंगा	जाऊँगा
दुंगा	दूँगा
छटांक	छटाँक, छटाक
पांचवा	पाँचवाँ
अकाश	आकाश
अतिथी	अतिथि
अप्राधिक	आपराधिक
अशमय	असमय
अत्योक्ति	अत्युक्ति
अधगति	अधोगति
आनाधिकार	अनाधिकार
मंत्रीमंडल	मंत्रिमंडल
योगीराज	योगिराज
भाग्यमान	भाग्यवान्
विद्वान	विद्वान्
व्यावहार	व्यवहार
धनमान	धनवान्
बिठाया	बैठाया
पहिले	पहले
वीना	वीणा
वानी	वाणी
वास्प	वाष्प
सप्ताहिक	साप्ताहिक
सन्मान	सम्मान
सिंदुर	सिंदूर
सुर्य	सूर्य
समुद्रिक	सामुद्रिक
सूर्पनखाँ	शूर्पणखा
साशन	शासन
सृष्टी	सृष्टि
स्मसान	श्मशान
सम्राज्य	साम्राज्य
संसारिक	सांसारिक
समीति	समिति
सूचिपत्र	सूचीपत्र
स्वास्थ	स्वास्थ्य
स्मर्ण	स्मरण
सृंगार	शृंगार
शक्ती	शक्ति
शिघ्र	शीघ्र
गुंगा	गूँगा
पहुचा	पहुँचा
गांधीजी	गाँधीजी
सूंड	सूँड
बांसुरी	बाँसुरी
महंगा	महँगा
मुंह	मुँह
उंगली	उँगली
जहां	जहाँ
डांट	डाँट
कांच	काँच
भिजवाया	भेजवाया
पछिताना	पछताना
अवन्नति	अवनति
अथार्त	अर्थात्
अधीकार	अधिकार
अवाज	आवाज
अविष्कार	आविष्कार
अर्यावर्त	आर्यावर्त
असोक	अशोक

अनुकुल	अनुकूल
अनिष्ठ	अनिष्ट
अध्ययन	अध्ययन
अभ्यस्थ	अभ्यस्त
अस्थान	स्थान
आमिश	आमिष
अगामी	आगामी
अमावशया	अमावस्या
अकांक्षा	आकांक्षा
अल्हाद	आह्लाद
अंताक्षरी	अंत्याक्षरी
आसा	आशा
आखीर	आखिर
आशीष	आशिष
आर्द	आर्द्र
आहवान	आह्वान
आजीवीका	आजीविका
अरमूद	अमरूद
अद्वितिय	अद्वितीय
आलस्यता	आलस्य
भगीरथी	भागीरथी
इख	ईख
इसाई	ईसाई
इश्वर	ईश्वर
इक्ठ्ठा	इकट्ठा
इर्ष्या	ईर्ष्या
इद	ईद
ईष्ट	इष्ट
ईतिहास	इतिहास
ईसारा	इशारा
उंगली	उँगली
उमीदवार	उम्मीदवार
उपरोक्त	उपर्युक्त
उतपात्	उत्पात
उन्नती	उन्नति
सम्राज्य	साम्राज्य
उपलक्ष	उपलक्ष्य
ऊशा	ऊषा, उषा
ऊभार	उभार
उंघना	ऊँघना
एतीहासिक	ऐतिहासिक
एकत्रित	एकत्र
एकलौता	इकलौता
एकतारा	इकतारा
हिन्दु	हिन्दू
कलस	कलश
कार्यपालीका	कार्यपालिका
चारदीवारी	चहारदीवारी
चर्मोत्कर्ष	चरमोत्कर्ष
अभिसेक	अभिषेक
अविस्कार	आविष्कार
अन्तरयामी	अंतर्यामी
असहनीय	असह्य
अत्याधिक	अत्यधिक
अहोरात्रि	अहोरात्र
अष्टवक्र	अष्टावक्र
आक्रोष	आक्रोश
आपति	आपत्ति
आर्शीवाद	आशीर्वाद
आक्रमक	आक्रामक
कला-कौसल	कला-कौशल
कवियित्री	कवयित्री
कार्यकर्म	कार्यक्रम
कालीदास	कालिदास
कृप्या	कृपया
केन्द्रीयकरण	केंद्रीकरण
कौशलता	कौशल
कंकन	कंकण
कियारी	क्यारी
कोतुहल	कौतूहल
कनिष्ट	कनिष्ठ
कुसाशन	कुशासन
कुटीया	कुटिया
कृतकृत	कृतकृत्य
कृपादृश्टि	कृपादृष्टि
किवार	किवाड़
कांपना	काँपना
खरगोस	खरगोश
खड़बूजा	खरबूजा
खिलारी	खिलाड़ी
गनित	गणित
गरम	गर्म
गरिष्ट	गरिष्ठ
गिरहस्ती	गृहस्थी
गत्यावरोध	गत्यवरोध
गर्धव	गर्द्धव
गृहनी	गृहिणी
गांधी	गाँधी
गोदावरि	गोदावरी
गोपनिय	गोपनीय
गँगा	गंगा
गूंगा	गूँगा
गुंज	गूँज
गुणि	गुणी
घुंघट	घूँघट
चांद	चाँद
दूरजन	दुर्जन
दुख	दु:ख

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- **च्यूत** च्युत
- **छांह** छाँह
- **दण्ड** दण्ड
- **दिपिका** दीपिका

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए।

1. (A) एश्वर्य (B) ऐश्वर्य
(C) ऐस्वर्य (D) एस्वर्य

2. (A) ऐसा (B) अइसा
(C) एसा (D) ऐषा

3. (A) स्वास्थ्य (B) स्वास्थ्य
(C) स्वास्थ्य (D) स्वस्थ्य

4. (A) प्रदूषण (B) प्रदुषण
(C) प्रदूसण (D) प्रदूषड़

5. (A) ओषधि (B) औषधि
(C) ओसधि (D) ओशधि

6. (A) श्रंगार (B) श्रृंगार
(C) शृंगार (D) श्रृगार

7. (A) प्रतिक्षा (B) उज्वल
(C) विस्मय (D) निसाचर

8. (A) ज्योतीषि (B) समूदाय
(C) बुनियाद (D) मुसिबत

9. (A) हर्षतिरेक (B) मिथ्याचार
(C) कृत्कृत्य (D) प्रीयतमा

10. (A) निर्क्षर (B) निरक्षर
(C) नीरक्षर (D) निरच्छर

11. (A) सन्यासी (B) संनयासी
(C) संन्यासी (D) संन्यासि

12. (A) पूर्वाह्न (B) पुर्वाह्न
(C) पूर्वाह्न (D) पूवार्हन

13. (A) सुक्ष्म (B) सूक्ष्म
(C) सुक्षम (D) सूक्षम

14. (A) अनुग्रहीत (B) अनुर्गहीत
(C) अनुग्रहीत (D) अनुगृहीत

15. (A) सपष्ट (B) सूक्षम
(C) बाह्य (D) सात्विक

16. (A) पत्नि (B) संकिर्ण
(C) निमित्त (D) उत्पत्ति

17. (A) पुनरोक्ति (B) पुनरूक्ति
(C) पुनरोक्त (D) पुनरुक्ति

18. (A) अमावस्या (B) अमावश्या
(C) अमावस्या (D) उमाबश्या

19. (A) निरीक्षण (B) नीरिक्षण
(C) नीरीक्षण (D) निरिक्षण

20. (A) अध्येता (B) अधियेता
(C) अध्यता (D) अध्ययेता

21. (A) अपशगुन (B) अपशकुन
(C) अपशकून (D) अपसकुन

22. (A) हंसमूख (B) हँसमुख
(C) हसँमुख (D) हँसमुखी

23. (A) कीर्त्ति (B) कीर्ति
(C) कीर्ती (D) कीति

24. (A) परीवर्तन (B) परिर्वत्तन
(C) परिवर्त्तन (D) परिवर्तन

25. (A) अनुत्तीर्ण (B) परिर्वत्तन
(C) अनूर्त्तिण (D) अनुर्त्तिण

26. (A) नछत्र (B) नक्षत्र
(C) नच्छत्र (D) नछत्तर

27. (A) सांस्कृतिक (B) सांस्कृतिक
(C) सांस्कृतीक (D) सांस्क्रतिक

28. (A) अहिल्या (B) अहल्या
(C) अहलिया (D) अहेल्या

29. (A) अन्तर्ध्यान (B) अन्तर्धान
(C) अन्तरध्यान (D) अन्तः ध्यान

30. (A) शुद्धिकरण (B) शुद्धीकरण
(C) सुद्धीकरण (D) सुद्धकरण

31. (A) दृस्टि (B) दृष्टि
(C) दृष्टी (D) दृस्टि

32. (A) महंगा (B) मंहगा
(C) महँगा (D) मँहगा

33. (A) स्वभाविक (B) स्वाभाविक
(C) स्वाभाविक (D) श्वाभाविक

34. (A) छत्रच्छाया (B) छत्रछाया
(C) छत्छाया (D) छात्रछाया

35. (A) प्रज्जवलित (B) प्रज्वलित
(C) प्रज्वलित (D) प्राज्वलित

36. (A) शूपर्णखा (B) सूपर्णखा
(C) सूर्पणखा (D) शूर्पणखा

37. (A) घवल (B) घबल
(C) धबल (D) धवल

38. (A) सरवावसर (B) सर्वावसर
(C) सर्ववासर (D) सवर्वासर

39. (A) बेक्षण (B) बेछण
(C) बेछन (D) वेक्षण

40. (A) अपकर्ति (B) अपकीर्ति
(C) अपकिर्ति (D) अपकीर्ती

41. (A) तहीसलदारी (B) तहशीलदारी
(C) तहिसीलदारी (D) तहसीलदारी

42. (A) तरुण (B) तरूण
(C) तरुन (D) तरून

43. (A) धानाकी (B) धनाकी
(C) धनकी (D) धानकी

44. (A) दूधपान (B) दूध–पीना
(C) पयपान (D) दुग्ध–पीना

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

45. (A) ब्रतन (B) वरतन
(C) बरतन (D) बर्तन

46. (A) प्रतिष्टा (B) प्रतिष्ठा
(C) परतिष्ठा (D) परतिष्टा

47. (A) दवाइयाँ (B) गुरू
(C) नीती (D) मंयक

48. (A) युधिष्ठिर (B) यूधिष्ठिर
(C) युधीष्ठिर (D) युधिष्ठीर

49. (A) मार्गद्रशक (B) मार्गदशर्क
(C) मार्गदर्षक (D) मार्गदर्शक

50. (A) बुद्धिवान (B) विद्वान
(C) श्रीयुत (D) शूपर्णखा

51. (A) उज्जवल (B) उजज्वल
(C) उज्जवाल (D) उज्ज्वल

52. (A) अनुगृहीत (B) अनुग्रीहीत
(C) अनुग्रहित (D) अनुग्रीहित

53. (A) कवियत्री (B) कवयत्री
(C) कवयित्री (D) कवित्री

54. (A) क्रीपण (B) कृपण
(C) कृपन (D) क्रीपन

55. (A) इतिहासिक (B) ऐतिहासिक
(C) एतिहासिक (D) इतिहासीक

56. (A) फाल्गुन (B) फाल्गुन
(C) फाल्गुण (D) फाल्गुन

57. (A) दवाइया (B) गुरु
(C) नीती (D) मयंक

58. (A) जान्हवी (B) जाहनवी
(C) जाह्नवी (D) जाहन्वी

59. (A) श्रंखला (B) शृंखला
(C) श्रिंखला (D) श्रृंखला

60. (A) अन्वेषण (B) अनवेषण
(C) अन्वेशण (D) कन्वेशन

61. (A) अनयथा (B) अंयथा
(C) अन्यथा (D) आन्यथा

62. (A) माहामहिम (B) महामहीम
(C) माहामहीम (D) महामहिम

63. (A) अन्तोदय (B) अन्त्योदय
(C) अन्तयौदय (D) अन्तयुदय

64. (A) उन्नति (B) उनति
(C) उन्नती (D) उनती

65. (A) कुआँ (B) कूँआ
(C) कूआँ (D) कुँआ

66. (A) स्थायि (B) स्थायी
(C) स्थाई (D) स्थाइ

67. (A) अमरत (B) अमर्त
(C) अम्रत (D) अमृत

68. (A) युधिष्ठिर (B) युद्धष्ठिर
(C) युधष्ठिर (D) युधिष्ठर

69. (A) श्रीयूत (B) श्रीयूत
(C) श्रीयुत (D) श्रीयत

70. (A) कवयत्री (B) कवयित्री
(C) कवित्री (D) कवियित्री

71. (A) इकठ्ठा (B) इखठ्ठा
(C) इकट्ठा (D) इखट्ठा

72. (A) सिंगार (B) सिंगारि
(C) श्रंगार (D) शृंगार

73. (A) भिक्खारी (B) भिखारी
(C) बिखारी (D) भिकारी

74. (A) प्रर्दशनी (B) प्रदर्शनी
(C) प्रदर्शिनी (D) पदर्शिनी

75. (A) अनुशहरण (B) अनोसरण
(C) अनुसरन (D) अनुसरण

76. (A) रचयता (B) रचइता
(C) रचयिता (D) रचैता

77. (A) महत्व (B) महत्व
(C) महत्त्व (D) कोई नहीं

78. (A) कवित्री (B) कवयित्री
(C) कवियत्री (D) कवियित्री

79. (A) उज्जवल (B) उज्ज्वल
(C) उज्वल (D) उज्जल

80. (A) मानवीकरण (B) मानवीयकरण
(C) मानवियकरण (D) मानवियाकरण

81. (A) उच्छिष्ट (B) उच्छिष्ठ
(C) उक्षिष्ठ (D) उक्षिष्टम

82. (A) आर्शीवाद (B) आसीर्वाद
(C) आर्शीवद (D) आशीर्वाद

83. (A) पुजनीय (B) पूज्यनीय
(C) पूज्यनिय (D) पूजनिय

84. (A) सिंगार (B) शृँगार
(C) श्रृंगार (D) श्रृगांर

85. (A) युधिष्ठिर (B) युधिष्टिर
(C) युधीष्ठीर (D) युद्धष्ठिर

उत्तरमाला

1. (B)	2. (A)	3. (C)	4. (A)	5. (B)	6. (C)	7. (A)	8. (C)
9. (B)	10. (B)	11. (C)	12. (C)	13. (B)	14. (D)	15. (D)	16. (D)
17. (D)	18. (C)	19. (A)	20. (A)	21. (B)	22. (B)	23. (A)	24. (C)
25. (A)	26. (B)	27. (B)	28. (A)	29. (C)	30. (A)	31. (B)	32. (C)
33. (C)	34. (B)	35. (B)	36. (D)	37. (D)	38. (C)	39. (D)	40. (B)
41. (D)	42. (A)	43. (C)	44. (C)	45. (C)	46. (B)	47. (A)	48. (A)
49. (D)	50. (B)	51. (A)	52. (A)	53. (C)	54. (B)	55. (B)	56. (A)
57. (B)	58. (C)	59. (B)	60. (A)	61. (C)	62. (D)	63. (B)	64. (A)
65. (A)	66. (B)	67. (D)	68. (A)	69. (C)	70. (B)	71. (C)	72. (D)
73. (B)	74. (B)	75. (D)	76. (C)	77. (B)	78. (B)	79. (A)	80. (A)
81. (A)	82. (D)	83. (A)	84. (C)	85. (A)			

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

वाक्य-रचना की अशुद्धियाँ

वाक्य भाषा की अत्यंत महत्त्वपूर्ण इकाई होता है। अतएव परिष्कृत भाषा के लिए वाक्य शुद्धि का ज्ञान आवश्यक है। वाक्य-रचना में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय से संबंधित या अन्य प्रकार की अशुद्धियाँ हो सकती हैं। इन्हीं को आधार बनाकर परीक्षा में प्रश्न पूछे जाते हैं।

वाक्य-रचना के कुछ नियम

वाक्य-रचना के कुछ सामान्य नियम इस प्रकार है –

1. हिन्दी वाक्य में पहले उद्देश्य (कर्त्ता) और अंत में विधेय (क्रिया) आता है। जैसे – चाँद चमक रहा है।
2. यदि वाक्य में कर्त्ता का विभक्ति-चिह्न नहीं है तो उसकी क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्त्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होंगे। जैसे – मैं रोटी खाता हूँ। लड़की भजन गाती है।
3. यदि भूतकालिक क्रिया के वाक्य में कर्त्ता का 'ने' चिह्न आये और कर्म भी प्रकट रहे, पर कर्म का 'को' चिह्न प्रत्यक्ष न हो, तो क्रिया के लिंग वचन और पुरुष कम के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होंगे। जैसे – मैंने रोटी खाई। मैंने भात खाया।
4. यदि भूतकालिक क्रिया के वाक्य में कर्त्ता का 'ने' चिह्न हो और कर्म की विभक्ति 'को' भी प्रकट हो तो क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्म के अनुसार नहीं होंगे, क्रिया पुँलिंग और एकवचन होगी। जैसे – मैनें उनकी कन्या को देखा। मैंने उनके पुत्र को देखा।
5. यदि एक ही लिंग के अनेक कर्म एकवचन में आयें तो क्रिया एकवचन में होगी। जैसे – हरि ने एक पुस्तक, एक कॉपी और एक पेंसिल खरीदी।
6. यदि वाक्य में भिन्न-भिन्न लिंगों के कर्म आयें तो क्रिया अंतिम कर्म के लिंग और वचन के अनुसार होगी। जैसे – उसने दही-चीनी और पापड़ खाये। तुमने पराठा, साग और मिठाई खायी।
7. यदि वाक्य में कर्त्ता दो भिन्न लिंगों में आये और दोनों को 'और' जोड़े तो क्रिया बहुवचन और पुँलिंग में होगी। जैसे – बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीते हैं। राजा और रानी आते हैं। लड़के और लड़कियाँ पढ़ रहे हैं।
8. वाक्य में यदि पहले मध्यम पुरुष, तब अन्य पुरुष और अंत में उत्तम पुरुष का प्रयोग हो और कर्त्ता तीनों पुरुषों में विभक्तिरहित हो तो क्रिया उत्तम पुरुष के अनुसार, होगी। जैसे – तुम, वह और मैं जाऊँगा। हर हालत में क्रिया अंतिम पुरुषवाचक कर्त्ता के अनुसार होगी। जैसे – वह और तुम खाओंगे। तुम और मैं जाऊँगा।
9. ईश्वर के लिए एकवचन की क्रिया का प्रयोग होता है। जैसे – ईश्वर, तेरी जैसी मर्जी; तू ही हमारा सबकुछ है।
10. क्रियार्थक कर्त्ता की क्रिया सदा एकवचन, पुँलिंग और अन्य पुरुष में आती है। जैसे – टहलना अच्छा है। हर समय का रोना ठीक नहीं।
11. यदि वाक्य में एक ही लिंग और एकवचन के अनेक अप्राणिवाचक विभक्तिरहित कर्म आयें तो क्रिया एकवचन में होगी। जैसे – उसने सूई और कंघी खरीदी।
12. यदि वाक्य में भिन्न-भिन्न लिंगों के अनेक विभक्तिरहित कर्म एकवचन में रहें तो क्रिया पुँलिंग और बहुवचन में होगी। जैसे – मैंने गाय और घोड़े खरीदे।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : TYPE - 1

निर्देश (प्रश्न 1-99) : नीचे दिए गए वाक्यों में त्रुटि वाले वाक्य के जिस भाग में त्रुटि हो, उसका चुनाव कीजिए।

1. गुरूजी ने /(A) कक्षा में कहाँ /(B) कि हमें प्रतिरोज /(C) स्नान करना चाहिए /(D)

2. वह /(A) खाना /(B) खाकर के जाएगा /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

3. राम ने /(A) ये सारी पुस्तकें /(B) पढ़ दी हैं /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

4. वे /(A) चार घण्टे से /(B) आपकी प्रतीक्षा /(C) देख रहे थे /(D)

5. तृष्टिकरण करने की नीति /(A) का अनुसरण /(B) करना ठीक नहीं है /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

6. मुख्य अतिथि आए /(A) और एक फूल की माल पहना कर /(B) उनका स्वागत किया गया /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

7. जब वह /(A) मेरे घर आई /(B) तो आठ बजा था /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

8. नरेश को /(A) एक और /(B) लड़की हुई है /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

9. यथार्थ मनुष्य वही है /(A) जो मानवता का आदर करना जानता हैं /(B) और कर सकता है /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

10. नीचे दिए गए वाक्य में अशुद्ध भाग का चयन कीजिए –
उनका परिचय कराते हुए /(A) मैंने कहा कि वे /(B) मेरे बहुत ही निकट के /(C) आत्मीय रिश्तेदार हैं /(D) कोई त्रुटि नहीं /(E)

11. जो नारी अपने कामकाज /(A) को अपने बच्चों से अधिक महत्त्वाकांक्षी /(B) मानती है, उसे विवाह नहीं करना चाहिए । /(C) सभी उचित हैं। /(D)

12. कार्यालय /(A) के समय में मुझे अवधि नहीं /(B) मिलेगा। /(C) सभी उचित हैं। /(D)

13. पिताजी के पत्र को पढ़कर /(A) मेरी आँखों से टपटप आँसू /(B) बरसने लगे। /(C) सभी उचित हैं। /(D)

14. इस समय /(A) उसकी आयु /(B) लगभग तीस वर्ष है। /(C) सभी उचित हैं। /(D)

15. दोनों युवक /(A) रेलवे स्टेशन में से /(B) लौट आए थे। /(C) सभी उचित हैं। /(D)

16. गांधीजी के /(A) निधन से /(B) देश में दु:ख /(C) छा गया। /(D) कोई गलती नहीं। (E)

17. लड़का /(A) लड़की /(B) बन /(C) गई /(D) कोई गलती नहीं। /(E)

18. मेरे से मित्रता /(A) रखने से /(B) तुम्हें पर्याप्त /(C) लाभ होगा। /(D) इनमें से कोई नहीं /(E)

19. मीठे वचन /(A) उत्तम गुण /(B) बोलना /(C) है। /(D) कोई गलती नहीं। /(E)

20. उसकी /(A) आँखों से /(B) आँसू /(C) बहते हैं। /(D) कोई गलती नहीं। /(E)

21. अरूणाचल प्रदेश में /(A) प्रात:काल /(B) के समय का दृश्य /(C) अत्यंत मनोरम होता है। /(D) त्रुटि रहित। /(E)

22. यह /(A) ऐसी पहेली है /(B) जिसे सुलझाना /(C) सम्भव नहीं हो सकता है। /(D) त्रुटि रहित। /(E)

23. अंधेरी /(A) रात में /(B) उसे सड़क /(C) नहीं लौटता। /(D) त्रुटि रहित। /(E)

Join WhatsApp Group

24. सीता राम की /(A) आज्ञाकारी /(B) पत्नी /(C) थी। /(D) त्रुटि रहित। /(E)

25. दो दिन /(A) की बदली /(B) के बाद /(C) आज सूरज निकला है। /(D) त्रुटि रहित /(E)

26. व्यक्ति के हर प्रकार के कष्टों को /(A) वह पल भर में /(B) दूर करती हैं /(C) कोई त्रुटि नहीं। /(D)

27. इनके गौर वर्ण होने की /(A) दो कहानी /(B) प्रचलित है। /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

28. हिन्दी लिपि /(A) के वर्ण बड़े शुद्ध /(B) तथा स्पष्ट होते हैं। /(C) कोई त्रुटि नहीं /(D)

29. सेठ जी /(A) बड़े /(B) सज्जन पुरुष हैं। /(C) कोई त्रुटि नहीं। /(D)

30. कारगिल /(A) युद्ध में सेना /(B) वीरता के साथ लड़े। /(C) कोई त्रुटि नहीं। /(D)

31. तुमने अपनी /(A) स्वेच्छा से /(B) यह काम /(C) कि है। /(D)

32. हम /(A) टी॰ पी॰ वर्मा महाविद्यालय /(B) में पढ़ रहें हैं। /(C) कोई त्रुटि नहीं। /(D)

33. इन दोनों /(A) में केवल /(B) यही अन्तर है /(C) कोई त्रुटि नहीं।(D)

34. तुम्हारा /(A) यह कहना /(B) मेरे लिए /(C) बड़ी बात होगी /(D)

35. शीर्षक को चयन /(A) करते समय अनुच्छेद में निहित /(B) भावों ओर विचारों की /(C) परख कर लेनी चाहिए। /(D)

36. जिस प्रकार आभूषणों के द्वारा /(A) शरीर की शोभा बढ़ जाता है। /(B) उसी प्रकार अलंकारों से /(C) भाषा में लालित्य आ जाता है। /(D)

37. छायावाद के युग में /(A) राष्ट्रवादी विचारधारा के /(B) उन्नत स्वर /(C) सुनने की मिलता है। /(D)

38. कारगिल /(A) युद्ध में सेना /(B) वीरता के साथ लड़े /(C) इनमें से कोई नहीं। /(D)

39. सेठजी /(A) बड़े /(B) सज्जन पुरुष हैं। /(C) इनमें से कोई नहीं। /(D)

40. हिन्दी लिपि /(A) के वर्ण बड़े शुद्ध /(B) तथा स्पष्ट होते हैं /(C) इनमें से कोई नहीं /(D)

41. इनके गौर वर्ण होने की /(A) दो कहानी /(B) प्रचलित हैं। /(C) इनमें से कोई नहीं। /(D)

42. व्यक्ति के हर प्रकार के कष्टों को /(A) वह पल भर में /(B) दूर करती हैं। /(C) इनमें से कोई नहीं। /(D)

43. देशभर में /(A) तमाम /(B) यह बात /(C) फैल गई। /(D)

44. मनुष्य को /(A) अपनी /(B) इच्छानुसार /(D) कार्य करना चाहिए। /(D)

45. आजकल /(A) हिन्दी में /(B) ग्रन्थों का /(C) अनुवाद हो रहा है। /(D)

46. अध्यापक ने /(A) आज हमारे को /(B) नया पाठ /(C) पढ़ाया। /(D)

47. आपकी /(A) बात /(B) सुनकर /(C) मैं विस्मय हूँ। /(D)

48. वहाँ /(A) अनेकों /(B) लोग आए /(C) हुए थे। /(D)

49. मैत्रैयी /(A) एक /(B) विद्वान /(C) महिला थी। /(D)

50. बुरा से बुरा /(A) आदमी भी /(B) सम्मान /(C) चाहता है। /(D)

51. बन्दूक एक /(A) बहुत ही /(B) उपयोगी /(C) शस्त्र है। /(D)

52. एक-एक /(A) करके /(B) सभी मर /(C) गए। /(D)

53. शिवाजी /(A) की खूब /(B) धाक जमीं /(C) कोई त्रुटि नहीं। /(D)

54. साहित्य और /(A) जीवन का /(B) घोर /(C) सम्बंध है। /(D)

55. ऐसी /(A) एकाध बातें /(B) और देखने /(C) में आती है। /(D)

56. पुलिस ने /(A) अपने अधिकारों का /(B) दुरुपयोग /(C) नहीं किया। /(D)

57. सत्य तो यह है कि उसके सभी षडयंत्र (A)/ और क्रूर हृदयता का मूल कारण (B)/ उसकी धनलिप्सा ही है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

58. उसने (A)/ अनेक प्रकार की (B)/ विद्या सीखीं। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

59. स्टेशन पर उतरते ही (A)/ अखिल ने इस प्रकार देखा (B)/ मानो कोई उसे लेने गया हों। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

60. आजन्म अविवाहित रहने की भीषण प्रतिज्ञा (A)/ कोई शान्तनु-पुत्र देवव्रत (B)/ ही कर सकता है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

61. आपका मित्र (A)/ जिसे आप भेजे थे (B)/ मुझसे मिला था। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

62. आज भ्रष्टाचार हर क्षेत्र में (A)/ शिष्टाचार के रूप में (B)/ जाना जाता है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

63. शीर्षक को चयन (A)/ करते समय अनुच्छेद में निहित (B)/ भावों और विचारों की (C)/ परख कर लेनी चाहिए। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

64. एक गाय, (A)/ दो बकरियाँ और तीन भेड़ें (B)/ मैदान में चर रही थीं। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

65. जिस दिन (A)/ मैं उससे मिला (B)/ उस दिन उसके पास (C)/ केवल पचास रुपया था। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

66. कश्मीर से लगाकर (A)/ कन्याकुमारी तक (B)/ भारत एक है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

67. भारतीय किसान आजीवन (A)/ पूरी मेहनत करता है (B)/ पर साहूकारों के चंगुल से नहीं निकल पाता। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

68. इधर आजकल (A)/ मौसम की वर्षा (B)/ हो रही है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

69. एक व्यक्ति का व्यक्तित्व (A)/ उसके चाल-चनल से (B)/ पूर्ण एवं स्पष्ट रूप से (C)/ मापी जा सकती है। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

70. उसकी चिन्ताजनक मुख-मुद्रा (A)/ उसकी मन: स्थिति (B)/ बता रही थी। (C) / कोई त्रुटि नहीं (D)

71. कक्षा के सभी लड़के (A)/ गुरुजी की (B)/ मन से (C)/ श्रद्धा करते हैं। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

72. वृक्षों पर (A)/ कोयल (B)/ कूक रही है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

73. दुनिया में मनुष्य की आवश्यकताओं के लिए तो (A)/ बहुत कुछ है, परन्तु उसके (B)/ लोभ के लिए कदापि नहीं है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

74. पिताजी मुझको नई कमीज़ (A)/ और माँ के लिए (B)/ एक सुन्दर साड़ी लाए। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

75. इस लड़के पर (A)/ किसी का (B)/ डर नहीं। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

76. सेठ ने (A)/ सारा बोझ (B)/ कुली की पीठ के ऊपर (C)/ लाद दिया। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

77. पुस्तकें ज्ञान का (A) भण्डार होती हैं (B)/ उनको पढ़ना चाहिए। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

78. रेखा ने अमित को आवाज लगाकर कहा (A)/ कि राहुल का दूध (B)/ रसोई में गैस के ऊपर रखा है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

Join WhatsApp Group

79. यह कदम असम्भव-सा प्रतीत होता है कि (A)/ सामने शिकार देखकर भी (B)/ शेर चिंघाड़ना शुरू न करे। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

80. इस बात के लिए (A)/ उस पर (B)/ दोष देना ठीक नहीं है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

81. गाँधी जी (A)/ नित्य चरखा (B)/ चलाते थे। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

82. आप यहाँ से (A)/ इसी वक्त (B)/ अपने घर (C)/ चले जाओ। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

83. उसने खूब परिश्रम किया (A)/ क्योंकि उसे (B)/ अच्छे अंक मिलें। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

84. कॉलेज कार्य से (A)/ फलस्वरूप प्राय: मुझे कभी इस (B)/ ऑफिस में कभी उस ऑफिस में (C)/ जाना पड़ता है। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

85. क्षमा कीजिए (A)/ मैं कल नहीं आ पाऊँगा (B)/ क्योंकि मैनें कानपुर जाना है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

86. मैंने चोर को (A)/ रस्सी द्वारा (B)/ बाँधकर (C)/ कमरे में बंद कर दिया है। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

87. उसे आशा है (A)/ कि वह असफल (B)/ हो जाएगा। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

88. गंगाजी का मंदिर (A)/ तालाब (B)/ के अंदर है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

89. उस दुर्घटना के पश्चात् (A)/ उसे कानों से (B)/ सुनाई नहीं देता है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

90. मैं सुबह घर से निकल पड़ा (A)/ और पैदल ही (B)/ अपने दोस्त के गाँव में पहुँच गया। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

91. एक सहयोगी लिपिक की (A)/ अचानक अवकाश पर चले जाने (B)/ से हम सभी पर (C)/ कार्य का बोझ दुगुना हो गया है। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

92. माता अपने (A)/ बालक को (B)/ रोता देखकर वह (C)/ विकल हो जाती है। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

93. विनय और सुधीर के विवाद के सम्बंध में (A)/ उनके पिता बिल्कुल चुप हैं और कहते हैं कि (B)/ हम इस झगड़े में नहीं पड़ेंगे। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

94. मुझे बहुत ग्लानि है (A)/ कि मैं तुम्हारे (B)/ बुलाने पर भी (C)/ उपस्थित न हो सका। (D)/ कोई त्रुटि नहीं (E)

95. किसी ने भी (A)/ गलत को गलत कहने का (B)/ साहस नहीं किया। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

96. गम्भीर नदियों, विस्तृत सागरों (A)/ एवं उत्तुंग पर्वत श्रृंगों को पार करना भी (B)/ अब कठिन नहीं रहा। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

97. चाहे संन्यास हो या कर्मयोग दोनों का चरम लक्ष्य ब्रह्म-साक्षात्कार ही है (A)/ और ईश्वर की अनन्य भक्ति से बढ़कर (B)/ इसका कोई अन्य उपाय नहीं। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

98. समृद्ध और विविध विरासत की धनी (A)/ कर्नाटक की जनता (B)/ सदैव राष्ट्रीय मुख्यधारा में रही है। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

99. सौभाग्यकांक्षिणी निशा के (A)/ शुभ विवाह की मंगल वेला में (B)/ आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं। (C)/ कोई त्रुटि नहीं (D)

TYPE - 2

निर्देश : निम्नलिखित प्रत्येक वर्ग में दिए गये विकल्पों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए।

1. (A) आप किधर को जा रहे हैं ? (B) आप कहाँ जा रहे हैं ?
(C) आप किधर को जा रहे हो ? (D) आप कहाँ को जा रहे है ?

2. (A) तीन नगरों का नाम बताइए (B) तीन नगरों के नाम बताइए
(C) तीन नगर का नाम बताइए (D) तीन नगर के नाम बताइए

3. (A) भारत में अनेक जाति है (B) भारत में अनेकों जाति है
(C) भारत में अनेक जातियाँ हैं (D) भारत में अनेकों जातियाँ हैं

4. (A) सीटी की आवाज जिधर से आ रही थी बस मैं उधर ही दौड़ पड़ा
(B) बस सीटी की आवाज जिधर से आ रही थी मैं उधर ही दौड़ पड़ा
(C) सीटी की आवाज जिधर से आ रही थी बस उधर ही मैं दौड़ पड़ा
(D) जिधर से सीटी की आवाज आ रही थी मैं उधर ही दौड़ा पड़ा

5. (A) अधिकारियों ने कागजात का निरीक्षण किया
(B) अधिकारियों ने कागजात का परीक्षण किया
(C) अधिकारियों ने कागजात की जाँच की
(D) अधिकारियों ने कागजात का अन्वेषण किया

6. (A) भारत में अनेकों जातियाँ हैं (B) भारत में अनेक जातियाँ हैं
(C) भारत में अनेकों जाति हैं (D) भारत में अनेक जाति हैं

7. (A) कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें
(B) आज का अवकाश कृपया देने की कृपा करें
(C) आज का अवकाश देने की कृपा करें
(D) आज का कृपया अवकाश देने की कृपा करें

8. (A) वन में प्रात:काल की दृश्य बहुत ही सुहावना होता है
(B) वन में प्रात:काल के समय बहुत ही सुहावना दृश्य होता है
(C) वन में प्रात:काल के समय बहुत ही मनोहारी दृश्य होता है
(D) वन में प्रात:काल का दृश्य बहुत ही खूबसूरत होता है

9. (A) बाघ और बकरी एक घाट पानी पीते हैं
(B) साहित्य और जीवन का अभिन्न संबंध है
(C) लड़का मिठाई लेकर भागता हुआ घर आया
(D) वह गीत की दो-चार कड़ियाँ गाती है।

10. (A) लड़की ने मधुर संगीत बनाया (B) मुझे अपनी कलम दे दो
(C) तुलसी ने अनेक ग्रंथ रचे (D) उनकी गाड़ी आ गई

11. (A) आप असफल हो गए तो क्या करोगे ?
(B) शायद आप असफल हो गए तो फिर क्या करोगे ?
(C) मानो शायद आप असफल हो गए तो क्या करोगे ?
(D) मानो आप असफल हो गए तो फिर क्या करोगे ?

12. (A) मैंने तो गलत काम करना ही नहीं है
(B) मुझकों काम आज समापत करना ही पड़ेगा
(C) कृपया दरवाजा बंद दें
(D) धुम्रपान करना निषिद्ध है

Join WhatsApp Group

13. (A) मैं आज प्रात:काल के समय घूमने गया था
(B) उसे एक मोतियों की माला दे दो
(C) खरगोश को काट कर गाजर खिलाओ
(D) मैं रात भर जागता रहा

14. (A) मैंने तो गलत काम करना ही नहीं है
(B) मुझको तो काम आज समाप्त करना ही पड़ेगा
(C) कृपया दरवाजा बंद कर दें
(D) धुम्रपान करना निषिद्ध है।

15. (A) प्रयोगवाद की कविता में समाज की अपेक्षा शिल्प को और कथ्य की अपेक्षा व्यक्ति को अधिक महत्त्व दिया जाता है।
(B) प्रयोगवाद की कविता में समाज की अपेक्षा कथ्य को और कथ्य की अपेक्षा व्यक्ति को अधिक महत्त्व दिया जाता है।
(C) प्रयोगवाद की कविता में समाज और कथ्य की अपेक्षा शिल्प और व्यक्ति को अधिक महत्त्व दिया जाता है।
(D) प्रयोगवाद की कविता में समाज की अपेक्षा व्यक्ति को और कथ्य की अपेक्षा शिल्प को अधिक महत्त्व दिया जाता है।

16. (A) तुलसी और सूर ब्रजभाषा और अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं।
(B) तुलसी और सूर क्रमश: अवधी और ब्रजभाषा के श्रेष्ठ कवि हैं।
(C) तुलसी अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं और ब्रज भाषा के सूर हैं।
(D) सूर और तुलसी ब्रज भाषा और अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं।

17. (A) भाषावार राजबन जाने से उपभाषाएँ विकास नहीं हो पाई
(B) भाषावार राज्य बन जाने के कारण उपभाषाओं की विकसित नहीं हो पाई।
(C) भाषावार राज्य बन जाने से उपभाषाएँ विकसित नहीं हो पाई
(D) भाषावार राज्य बन जाने से उपभाषाएँ का विकास नहीं हो पाया

18. (A) नेताओं का हित इसमें है कि लोग आपस में लड़ाते रहें
(B) नेताओं का हित इसमें है कि लोग आपसी लड़ाई से दूर उलझे रहें।
(C) नेताओं का हित इसमें है कि लोग आपस में लड़ते रहें।
(D) नेताओं का हित इसमें है कि लोग उनसे लड़ते रहें।

19. (A) आप किधर को जा रहे है ? (B) आप कहाँ जा रहे है ?
(C) आप किधर को जा रहे हो ? (D) आप कहाँ को हा रहे हैं ?

20. (A) वाह! कितना घृणित दृश्य है ?
(B) आह! कितना घृणित दृश्य है ?
(C) ओह! कितना घृणित दृश्य है ?
(D) छि:! कितना घृणित दृश्य है ?

21. (A) चाकु से राम को काट कर आम खिला दो।
(B) राम को चाकू से काट कर आम खिला दो।
(C) चाकू से आम काटकर राम को खिला दो।
(D) आम को काट कर चाकू से राम को खिला दो

22. (A) आकाश बहुत विशाल है।
(B) आकश बड़ा विशाल है।
(C) आकश बहुत ऊँचा है ?
(D) आकाश दूर तक बड़ा दिखाई देता है।

23. (A) शत्रु को वीर व्यक्ति ही मार सकता है।
(B) शत्रु को धीर व्यक्ति ही मार सकता है।
(C) शूरवीर व्यक्ति शत्रु मार सकता है।
(D) निपुण व्यक्ति शत्रु का शिकार कर सकता है।

24. (A) श्याम का आचरण अच्छा है।
(B) श्याम का आचरण अच्छा सदाचरण है।
(C) श्याम का सदाचार अच्छा है।
(D) सदाचारी श्याम का सदाचारण अच्छा है।

25. (A) कबीरदास पढ़े-लिखे नहीं थे।
(B) कबीरदास लिखे-पढ़े नहीं थे।
(C) कबीरदास ने लिखाई-पढ़ाई नहीं कर रखी थी।
(D) कबीरदास ने पढ़ाई-लिखाई नहीं कर रखी थी।

26. (A) उसने आवाज देकर अपनी बेटी बुलायी।
(B) उसने आवाज देकर अपनी बेटी को बुलायी।
(C) उसने आवाज देकर अपनी बेटी को बुलाया।
(D) उसने आवाज देकर अपनी बेटी बुलाया।

27. (A) अध्यापक ने हमसे लेख लिखवाया।
(B) अध्यापक हमसे लेख लिखवाया।
(C) अध्यापक ने हमसे लेख लिखाया।
(D) अध्यापक हमसे लेख लिखाया।

28. (A) पिछले सोमवार को स्कूल बन्द है।
(B) पिछले सोमवार को स्कूल बन्द रहेगा।
(C) पिछले सोमवार को स्कूल बन्द होना है।
(D) पिछले सोमवार को स्कूल बन्द था।

29. (A) तुमको खीर बनाना नहीं आती।
(B) तुम्हे खीर बनाना नहीं आता।
(C) तुमको खीर बनाना नहीं आता।
(D) तुमकों खीर बनानी नहीं आती।

30. (A) यहीं नहीं, बल्कि वे वहाँ से चले भी गए।
(B) केवल यही नहीं, बल्कि वे वहाँ से चले भी गए।
(C) यही नहीं, वे वहाँ से चले भी गए।
(D) न केवल यही, बल्कि वे वहाँ से चले भी गए।

31. (A) स्वामी दयानन्द सरस्वती ने हिन्दी के द्वारा जनता को जगाया।
(B) स्वामी दयानन्द सरस्वती ने हिन्दी द्वारा जनता को जगाया।
(C) स्वामी दयानन्द सरस्वती हिन्दी द्वारा जनता को जगाए।
(D) हिन्दी के द्वारा स्वामी दयानन्द सरस्वती ने जनता को जगाया।

32. (A) वह बीमार है, परन्तु काम पर जाता है।
(B) यदि वह बीमार है, फिर भी काम पर जाता है।
(C) यद्यपि वह बीमार है, परन्तु काम पर जाता है।
(D) यद्यपि वह बीमार है, तथापि काम पर जाता है।

Join WhatsApp Group

33. (A) हमारी-तुम्हारी बातों में केवल यही अंतर है।
(B) हमारी-तुम्हारी बातों में मात्र यही अंतर है।
(C) हमारी-तुम्हारी बातों में किंचित यही अंतर है।
(D) हमारी-तुम्हारी बातों में यही अंतर है।

34. (A) भाग्य पर कोई व्यक्ति का वश नहीं चलता।
(B) भाग्य पर प्रत्येक व्यक्ति का वश नहीं चलता।
(C) भाग्य पर कदाचित कोई व्यक्ति का वश नहीं चलता।
(D) भाग्य पर किसी व्यक्ति का वश नहीं चलता।

35. (A) वे अनेक विषय के ज्ञाता थे।
(B) इस समय चार बजे हैं।
(C) सब लोग अपनी राय दें।
(D) आँसू से मेरा रूमाल भीग गया।

36. (A) तुम तुम्हारा काम करो।
(B) तुम तुमका काम करो।
(C) तुम तेरा काम करो।
(D) तुम अपना काम करो।

37. (A) मैंने गुरुजी का दर्शन किया।
(B) मैंने गुरुजी को दर्शन किया।
(C) मैंने गुरुजी को दर्शन किए।
(D) मैंने गुरुजी के दर्शन किए।

38. (A) कृपया मेरे पत्र पर ध्यान देने की कृपा करें।
(B) कृपया मेरे पत्र पर ध्यान दें।
(C) मेरे पत्र पर ध्यान दे कृपया
(D) कृपा करके मेरे पत्र पर भी ध्यान दें।

39. (A) वह सारी रात भर पढ़ता रहा।
(B) वह सारी रात पढ़ता रहा।
(C) रात भर पढ़ता रहा वह।
(D) पढ़ता रहा वह सारी रात भर।

40. (A) घर पर सब ठीक-ठाक होंगे।
(B) घर में सब ठीक-ठाक होंगे।
(C) घर में सब ठीक-ठाक होएँगे।
(D) घर को सब ठीक होंगे।

41. (A) माता-पिता की शुश्रूषा करनी चाहिए।
(B) तुफान आने का संदेह है।
(C) अनेक निरपराध दण्ड के भागी हुए।
(D) इसके मात्र दो कारण हो सकते हैं।

42. (A) भोजन बहुत लजीज है।
(B) मेरा नाम श्रीमती अनु है।
(C) अभंग एक प्रकार का मराठी छंद है।
(D) लगभग दो दर्जन के करीब सेब मैंने उसे दिए।

43. (A) वह भोजन खाता है।
(B) मैं ईमानदारी में विश्वास करता हूँ।
(C) मैं सप्रमाण सहित कहता हूँ
(D) परिवार नियोजन अच्छे कार्यक्रम हैं।

44. (A) कर्म जीवन की कसौटी है।
(B) ललित की दो बेटियाँ हैं।
(C) संगीत के स्वर मधुरता लाता है।
(D) आजकल दिल्ली में चुनाव है।

45. (A) उसकी आयु तीस वर्ष है इस समय।
(B) इस समय उसकी अवस्था तीस वर्ष है।
(C) तीस वर्ष की अवस्था है इस समय उसकी।
(D) इस समय तीस वर्ष की अवस्था है उसकी।

46. (A) लहराते खेत हरे-भरे
(B) हरे-भरे लहराते खेत
(C) खेत हरे-भरे लहराते
(D) हरे लहराते खेत हरे

47. (A) भारत देश का विस्तार हिमालय से कन्याकुमारी तक है।
(B) जेम्स वाट ने इंजन की खोज की।
(C) वह गरीब है तथापि सुखी है।
(D) सुच्चासिंह ने अमेरिका में राजनैतिक शरण माँगी थी।

48. (A) यहाँ शुद्ध गाय का घी बिकता है।
(B) उनका बहुत सम्मान हुआ।
(C) वे हिन्दु कर्म मानते हैं।
(D) उसका पत्नी के लड़का हुआ है।

49. (A) उसने अनेकों बार मुझसे क्षमा माँगी है।
(B) यह लेख अनेक भावों को प्रकट करता है।
(C) कई अनेक बार मैं उससे मिला हूँ।
(D) ईश्वर के अनेक रूप हैं।

50. (A) अध्यापक ने कहा कि कल सभी छात्र पुस्तकें न लाओ।
(B) अध्यापक से कहा गया कि कल सभी छात्र पुस्तकें न लाएँ।
(C) अध्यापक द्वारा कहा गया कि कल सभी छात्र पुस्तकें न लाओ।
(D) अध्यापक द्वारा कहा गया कि कल सभी छात्र पुस्तकें न लाएँ।

51. (A) इस ग्रनथ का निर्माण तुलसीदास ने किया।
(B) समाज की वर्तमान दिशा चिन्ताजनक है।
(C) मैंने तरह-तरह के रेशम के कपड़े पसन्द किए।
(D) तुम्हारी दृष्टि तुम्हारी पुस्तक पर होनी चाहिए।

52. (A) इस बात के कहने में मुझे कोई संकोच नहीं होगा।
(B) मैं अपनी बात सप्रमाण सहित कहूँगा।
(C) मेरे कहने को किसी ने न माना।
(D) मैं जो कहूँ क्या तुम वह मानोंगे?

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

53. (A) वह हँसी में टाल गया।
(B) उन्हें सुनकर मैं विस्मय हूँ।
(C) यहाँ केवल फल मिलते हैं।
(D) हमने अच्छे-अच्छे काम करें।

54. (A) जो धन का भूखा है, वह साधु नहीं है।
(B) मुझे इस अधिवेशन का समाचार नहीं मिला था।
(C) मेरी कविता मुद्रित हो रही है।
(D) वहाँ भारी-भरकम भीड़ जमा थी।

55. (A) क्षमा करने में ही बड़ाईपन है।
(B) बातों के कुलाबे मत उड़ाओं।
(C) वह रुग्ण शय्या पर पड़ा है।
(D) घर में कैसा कलह चल रहा है।

56. (A) मध्यकालीन युग में कलाओं की बहुत उन्नति हुई।
(B) साहब ने किसी को अन्दर न जाने दिया जाए।
(C) इस मोहन की आयु 20 वर्ष है।
(D) वे चाहे भले ही न आएँ पर तुम्हें आना होगा

57. (A) वह दंड देने के योग्य है।
(B) परोपकार करना सज्जनों का धर्म है।
(C) डर के मारे चोर दौड़ गया।
(D) वह उस सुन्दर औरत की बातों में आ गया।

58. (A) ज्ञान अज्ञानता को समाप्त करता है।
(B) जैसे वह आया था मैं भी आ जाऊँगा।
(C) तुम भी घर आइयो।
(D) उन्होंने बार-बार मेरा रास्ता रोके।

59. (A) मेरी केवल एक ही इच्छा है।
(B) मैनें तुमसे यह बार-बार कहा कि ऐसा मत करों
(C) चाहे जैसे भी हो, तुम वहाँ जाओ।
(D) मोहन ने एक पुस्तक और एक कलम खरीदी।

60. (A) यह मेरा पुस्तक है।
(B) श्रीकृष्ण के अनेक नाम है।
(C) बन्दुक एक उपयोगी शस्त्र है।
(D) बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीती है।

61. (A) पुलिस ने अपराधी पर अभियोग चलाया।
(B) ध्रुव तारा स्थित ग्रह है।
(C) उसने अपना घर रवि के हाथ बेच दिया।
(D) आपकी महत्ता कभी कम नहीं हो सकती है।

62. (A) प्रतियोगी परीक्षा में घनघोर परिश्रम द्वारा सफलता प्राप्त होती है।
(B) यह मेरा बालक है।
(C) उसने अथक परिश्रम किया लेकिन फिर भी पास न हो सका।
(D) वह अति कृपण आदमी है।

63. (A) यदि कोई सादरपूर्वक निवेदन करे तो मान लेना चाहिए।
(B) आपका एक-एक शब्द तुला हुआ था।
(C) अपरोक्त गद्यांश की व्याख्या करो।
(D) परिश्रम करने के अतिरिक्त तुम उत्तीर्ण नहीं हो सकते।

64. (A) मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण करने के लिए आया हूँ।
(B) तुम जो मुझसे माँग रहे हो मैं नहीं दे पाऊँगा।
(C) यह कार्य पूर्णत: आप पर निर्भर है।
(D) हमारे गुरुजी ने हम से प्रश्न पूछे।

65. (A) साधनों का विकास करने होंगे।
(B) युद्ध मनुष्य को अमानवीय बनाता है।
(C) छात्र अनुशासन प्रिय होना चाहिए।
(D) नदी के किनारे बहुत पेड़ खड़ा है।

66. (A) आपने सत्यपूर्ण बात कही।
(B) हमारी सौभाग्यशाली कन्या का विवाह होने जा रहा है।
(C) वे दोनों कितने समय तक लड़ते रहे?
(D) वह पत्र लेकर दौड़ता हुआ आया।

67. (A) मैं उनका धन्यवाद करता हूँ।
(B) हमारा सम्पर्क अनेक व्यक्तियों से नित्य होता है।
(C) आपकी सौजन्यता सबको प्रभावित करती है।
(D) विंध्याचल पर्वत मध्य प्रदेश में है।

68. (A) दशरथ का जीवन अपने ज्येष्ठ पुत्र राम पर निर्भर था।
(B) रामायण के पढ़ने से समस्त प्राणिमात्र का कल्याण हो सकता है।
(C) मित्र के पत्र से उसे शक्ति मिली।
(D) मेरे पास किसी और दूसरे व्यक्ति को भेजो।

69. (A) विश्वविद्यालय ने हिन्दी अनिवार्य कर दी है।
(B) उसको अभिनन्दनपत्र प्रदान किया गया।
(C) फिर तो दोनों ओर से गोलियों की बाढ़ हुई।
(D) प्रत्येक स्थान पर एक-एक व्यक्ति बैठें।

70. (A) रामचरितमानस एक दोहा और चौपाई में लिखा गया ग्रन्थ है।
(B) उसके तो भाग्य ही फूटे हैं।
(C) मेरे से मित्रता रखने से तुम्हें पर्याप्त लाभ होगा।
(D) फूल की सौन्दर्यता आकृष्ट करती हैं।

71. (A) इन भाई-बहनों में अदभुत स्नेह है।
(B) माता-पिता का शुश्रूषा कननी चाहिए।
(C) छोड़ो भी, यह सिर्फ तुम्हारा संशय है।
(D) नाटक के सभी पात्रों ने अच्छा अभिनय किया है।

72. (A) वे हर साल समुद्र में सैर करने जाते हैं।
(B) उन्होंने इस बात पर आपत्ति प्रकट की।
(C) कई दिन हो गए, अब मुझे यह काम कर लेना चाहिए।
(D) उसे अपनी जुबान पर नियन्त्रण करना होगा।

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

73. (A) वह हँसी में सब कुछ बोल देता है।
(B) शत्रु को धीर व्यक्ति ही मार सकता है।
(C) तीव्र हवा के झोंकों से सब कागज उड़ गए।
(D) हमें प्रधान से निवेदन करना चाहिए।

74. (A) कृपया हमारी बात भी सुन लें।
(B) सिपाही कमर कसा बैठा है।
(C) बालक छत में खेल रहे हैं।
(D) शरीर पर कई अंग होते हैं।

75. (A) मैंने आपसे प्रमाण किया था।
(B) रामायण एक धार्मिक पुस्तक है।
(C) यह मेरे और मेरे भाइयों का घर है।
(D) आप इस लेख को सरलता से पढ़ सकते हैं।

76. (A) आप आपके घर जाएँ।
(B) आप ही आपके घर जाएँ।
(C) आप अपने घर जाएँ।
(D) आप आपकी घर जाएँ।

77. (A) रागिनी अपने आप चली गई।
(B) रागिनी खुद चली गई।
(C) रागिनी अपने से ही चली गई।
(D) रागिनी आपके आप चली गई।

78. (A) बन्दुक एक उपयोगी अस्त्र है।
(B) यह मेरा पुस्तक है।
(C) इन्हें एक पुत्र है।
(D) भारत में अनेकों जातियाँ हैं।

79. (A) मुझे कमल पर चोर होने का संदेह है।
(B) वह आजीवन भर संघर्ष करता रहा।
(C) उसे अनुत्तीर्ण होने की आशा है।
(D) निम्न गद्यांश का सारांश लिखिए।

80. (A) हम दो अवश्य ही जायेंगे।
(B) वह कौन-से मकान में रहता है?
(C) तुम यहाँ नहीं रहते क्या?
(D) उसके चाचा के लड़की हुई है।

81. (A) एक गीतों की किताब ले आओ।
(B) मैं घबरा गया।
(C) मैं मेरे घर जा रहा हूँ।
(D) लड़का ने पत्र लिखा।

82. (A) राम को अनुत्तीर्ण होने की आशंका है।
(B) राम को अनुत्तीर्ण होने का शक है।
(C) जंगल में प्रात: काल के समय बहुत सुहावना दृश्य होता है।
(D) मेरे से मत पूछो।

83. (A) वह सब लोग भले हैं।
(B) भीड़ में चार जयपुर के व्यक्ति थे।
(C) मनुष्य ईश्वर की उत्कृष्टम कृति है।
(D) वह सारे गुप्त रहस्य प्रकट कर देगा।

84. (A) मैंने तुमसे अनेकों बार कहा कि ऐसा मत करो।
(B) मैंने तुमसे बार-बार कहा कि ऐसा मत करो।
(C) मैंने तुमसे यह बार-बार कहा कि ऐसा मत करो।
(D) मैंने तुम्हें यह बार-बार कहा कि ऐसा मत करो।

85. (A) उसने हमारे यहाँ मिठाई और दही खाया।
(B) उसने हमारे यहाँ मिठाई और दही खाई।
(C) उसने हमारे यहाँ मिठाई और दही खाये।
(D) उसने हमारे यहाँ मिठाई खाई और दही खाया।

86. (A) चाहे जैसे हो, तुम्हें वहाँ जाना है।
(B) चाहे जैसे भी हो, तुम्हें वहाँ जाना है।
(C) चाहे जैसे हो, तुमकों वहाँ जाना है।
(D) चाहे जैसे भी हो, तुमकों वहाँ जाना है।

87. (A) दोनों चोटियों में कौन-सी उच्च है?
(B) दोनों चोटियों में कौन-सी उच्चतर है?
(C) दोनों चोटियों में कौन-सी अधिक उच्चतर है?
(D) दोनों चोटियों में कौन-सी उच्चतम है?

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

उत्तरमाला : TYPE - 1

1. (C)	2. (C)	3. (C)	4. (D)	5. (A)	6. (B)	7. (C)	8. (A)
9. (A)	10. (D)	11. (B)	12. (B)	13. (C)	14. (B)	15. (B)	16. (C)
17. (D)	18. (A)	19. (E)	20. (E)	21. (C)	22. (D)	23. (D)	24. (B)
25. (A)	26. (A)	27. (B)	28. (B)	29. (B)	30. (C)	31. (A)	32. (C)
33. (B)	34. (D)	35. (B)	36. (C)	37. (A)	38. (C)	39. (D)	40. (A)
41. (B)	42. (C)	43. (B)	44. (B)	45. (C)	46. (B)	47. (D)	48. (B)
49. (C)	50. (A)	51. (D)	52. (B)	53. (B)	54. (C)	55. (B)	56. (C)
57. (A)	58. (C)	59. (C)	60. (B)	61. (B)	62. (C)	63. (A)	64. (D)
65. (D)	66. (A)	67. (D)	68. (A)	69. (D)	70. (A)	71. (D)	72. (A)
73. (C)	74. (A)	75. (A)	76. (C)	77. (C)	78. (B)	79. (C)	80. (B)
81. (C)	82. (D)	83. (B)	84. (B)	85. (C)	86. (B)	87. (A)	88. (C)
89. (B)	90. (B)	91. (A)	92. (C)	93. (A)	94. (A)	95. (A)	96. (A)
97. (D)	98. (A)	99. (B)					

उत्तरमाला : TYPE - 2

1. (B)	2. (B)	3. (C)	4. (D)	5. (C)	6. (B)	7. (C)	8. (A)
9. (A)	10. (A)	11. (A)	12. (A)	13. (D)	14. (A)	15. (D)	16. (B)
17. (C)	18. (C)	19. (B)	20. (D)	21. (C)	22. (A)	23. (A)	24. (A)
25. (A)	26. (C)	27. (A)	28. (C)	29. (B)	30. (C)	31. (B)	32. (D)
33. (D)	34. (D)	35. (B)	36. (D)	37. (B)	38. (B)	39. (B)	40. (B)
41. (A)	42. (A)	43. (A)	44. (A)	45. (B)	46. (B)	47. (A)	48. (D)
49. (D)	50. (D)	51. (B)	52. (D)	53. (C)	54. (C)	55. (D)	56. (D)
57. (B)	58. (A)	59. (D)	60. (B)	61. (C)	62. (D)	63. (B)	64. (C)
65. (B)	66. (D)	67. (B)	68. (A)	69. (A)	70. (B)	71. (D)	72. (C)
73. (D)	74. (A)	75. (D)	76. (C)	77. (A)	78. (A)	79. (A)	80. (D)
81. (B)	82. (A)	83. (D)	84. (B)	85. (A)	86. (A)	87. (B)	

Join WhatsApp Group

वाक्य-क्रम

इस तरह के प्रश्नों में अव्यवस्थित वाक्यों/वाक्यांशो से एक सही क्रमबद्ध वाक्य बनाना होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश (प्रश्न 1-12) : नीचे गये अनुच्छेदों के पहले और अंतिम वाक्यों को क्रमशः 1 और 6 की संज्ञा दी गई है। इनके मध्यवर्ती वाक्यों को चार भागों में बाँटकर य, र, ल, व की संज्ञा दी गई है। ये चारों वाक्य व्यवस्थित क्रम में नहीं है। इन्हें ध्यान से पढ़कर दिये गये विकल्पों में से उचित क्रम चुनिये, जिससे सही अनुच्छेद का निर्माण हो।

1. **(1) आकाश में जिस प्रकार**
(य) कोमल स्निग्ध किरणों से प्रकाशित होता है, उसी प्रकार
(र) ज्योतिपुंज का आविर्भाव होना
(ल) मानव-चित्त में भी किसी शुभ्रोज्वल, प्रसन्न
(व) षोडश कला से पूर्ण चन्द्रमा अपनी सुधासिक्त
(6) सहज स्वाभाविक है।
(A) र, य, व, ल (B) व, य, ल, र
(C) र, ल, य, व (D) व, ल, र, य

2. **(1) बोलचाल की भाषा को**
(य) अपने शब्दों के आधार पर अपने भाव वाच्यार्थ में
(र) सरस और सजीव बनाने के लिए कतिपय ऐसे
(ल) प्रकट नहीं करते वरन् उनके लक्ष्यार्थ में ही
(व) वाक्यांशों के प्रयोग किये जाते हैं जो
(6) उनका सारा भाव गर्भित रहता है
(A) र, व, ल, य (B) ल, र, व, य
(C) र, व, य, ल (D) य, र, व, ल

3. **(1) प्रसाद जी औपचारिक शिक्षा अधिक प्राप्त नहीं कर सके**
(य) इन भाषाओं में सुलभ साहित्य, दर्शन आदि का गम्भीर ज्ञान प्राप्त किया
(र) आठवीं कक्षा के बाद ही उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी
(ल) स्वाध्याय से उन्होंने हिन्दी, संस्कृत, पाली, उर्दू और फारसी भाषाएँ सीखीं
(व) लेकिन उन्होंने औपचारिक शिक्षा की कमी को स्वाध्याय से पूरा किया
(6) उनका भाषा और साहित्य का ज्ञान अप्रतिम था
(A) व, ल, र, य (B) ल, र, व, य
(C) र, व, ल, य (D) य, ल, व, र

4. **(1) जिस प्रकार**
(य) दहकना है उसी प्रकार
(र) उसके स्वभाव का
(ल) मनुष्य का धर्म
(व) अग्नि का धर्म
(6) पर्याय होना चाहिए
(A) व, य, ल, र (B) ल, य, व, र
(C) व, य, र, ल (D) र, ल, य, व

5. **(1) यह नीजी प्रशासन की अपेक्षा सरकारी प्रशासन पर अधिक ध्यान के लिए एक स्पष्ट अनुरोध है**
(य) इस प्रकार की समझदारी से सरकार के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि उसके द्वारा लिए गए/लिए जाने वाले सभी निर्णयों के रिकॉर्ड को तैयार स्थिति में रखें
(र) यह एक सरकारी प्रशासन के राजनीतिक वातावरण से उत्पन्न विशेषता है
(ल) यह रिकॉर्ड रखने तथा बढ़े हुए कागज-कार्य के विषय में सरकारी निर्णय की देरी को स्पष्ट करता है
(व) जैसे सरकार को आवश्यक रूप से अनेक कार्यों के औचित्य को संसदीय समिति के समक्ष सिद्ध करना होता है, यह सरकारी कार्यकताओं को लक्ष्य प्राप्ति के स्थान पर नियमबद्धता को अधिक ध्यान में रखने पर जोर देता है
(6) दूसरी ओर निजी प्रशासन इस प्रकार के दबावों से मुक्त होता है।
(A) य, ल, व, र (B) र, य, व, ल
(C) य, र, व, ल (D) ल, य, व, र

6. **(1) भारत की भुगतान समतुल्यता अच्छी हो गई**
(य) मूल रूप में ऐसा लगा कि सरकार इन अस्तव्यस्तताओं में सुधार करने के लिए विविध घातकी व्यूह का सहारा लेगी
(र) वास्तव में यह इनके अंतिम के साथ सर्वाधिक उल्टे-सीधे (ऊबड़-खाबड़) मार्गों से गुजरा है
(ल) इन असमतुलाओं को सुधारने का कार्य उस सरकार का था, जिसके पास कार्य को हाथ में लेने के लिए सहमति नहीं है
(व) इसने बजटीय खाद को घटाने के लए कहा, जो आवश्यक सामग्री में वृद्धि तथा अनावश्यक आयात पर रोक लगाने का आश्वासन प्रदान कर सके
(6) नियंत्रित आयात के लिए निर्धारित नि:शुल्क (मुक्त) विदेशी मुद्रा घटाने के सूचित निर्णय में परिणित हुआ।
(A) ल, य, व, र (B) ल, व, य, र
(C) य, ल, व, र (D) य, व, र, ल

7. **(1) धनिया ने नाक सिकोड़कर कहा**
(य) उसका नाम सुनकर
(र) मैंने तुमसे सौ बार
(ल) मेरे मुँह पर भाइयों का बखान न किया करो
(व) हजार बार कह दिया कि
(6) मेरी देह में आग लग जाती है।
(A) य, व, र, ल (B) व, य, ल, र
(C) र, व, ल, य (D) ल, य, र, व

8. **(1) सामाजिक जीवन में**
(य) क्रोध की जरूरत बराबर पड़ती है
(र) मनुष्य दूसरों के द्वारा पहुँचाए जाने वाले बहुत से
(ल) यदि क्रोध न हो तो
(व) कष्टों की चिर निवृत्ति का
(6) उपाय ही न कर सके
(A) र, य, ल, व (B) य, ल, र, व
(C) ल, र, व, य (D) व, य, र, ल

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

9. (1) वह भाषा जो सार्वजनिक हो
(य) अर्थात् सारे राष्ट्र के निवासियों द्वारा
(र) और राजनैतिक कार्यों में जिसका प्रयोग किया जाये
(ल) बोली और समझी जा सके
(व) साथ ही साथ उसे संविधान द्वारा स्वीकृति प्राप्त हो
(6) ऐसे भाषा को हम राष्ट्र भाषा कहेंगे
(A) व, र, य, ल (B) ल, य, र, व
(C) र, ल, व, य (D) य, ल, र, व

10. (1) मरुभूमि राजस्थान की प्रत्येक स्थली पर
(य) यहाँ पद्मिनी और लक्ष्मीबाई ने देश के हतार्थ तलवार धारण की
(र) जहाँ की देवियों ने अपने अस्तीत्व की
(ल) रक्षा के लिये अपने प्राण अग्निदेव को समर्पित कर दिए
(व) वहाँ के वीरों का रक्त प्रवाहित हुआ
(6) और शत्रुओं का मान दर्शन किया
(A) व, र, ल, य (B) य, र, ल, व
(C) र, व, य, ल (D) ल, व, य, र

11. (1) धूप में चमकता
(य) हरा-भरा बगीचा
(र) वे पेड़ अब बहुत
(ल) दीख रहा है, सामने
(व) बड़े हो गए हैं
(6) जिन्हें बाबा ने लगाया था।
(A) ल, र, व, य (B) र, ल, व, य
(C) य, ल, र, व (D) व, य, र, ल

12. (1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल गंभीर विचारक थे।
(य) परिणामत: उन्होंने अपने संबंधों में जिस भाषा विषय को उठाया, उसके नए आयामों का उद्घाटन किया।
(र) उन्होंने अपने निबंधों में इन तीनों का समंजित रूप में उपयोग किया
(ल) उनका अध्ययन गहन और विस्तृत था।
(व) उनका जीवन का अनुभव और निरीक्षण भी ठोस था।
(6) 'भाव या मनोविकार' निबंध इसका स्पष्ट प्रमाण है।
(A) ल, व, र, य (B) व, ल, र, य
(C) य, व, ल, र (D) य, ल, व, र

13. (1) अनुभूति के द्वंद्व ही से प्राणी के जीवन का आरंभ होता है।
(य) पेट का भरा या खाली रहना ही ऐसी अनुभूति के लिए पर्याप्त होता है।
(र) बच्चे के छोटे से हृदय में पहले सुखय और दु:ख की सामान्य अनुभूति भरने के लिए जगह होती है।
(ल) जीवन के आरंभ में इन्हीं दोनों के चिह्न हँसना और रोना देखे जाते हैं।
(व) उच्च प्राणी मनुष्य भी केवल एक जोड़ी अनुभूति लेकर इस संसार में आता है।
(6) पर ये अनुभूतियाँ बिल्कुल सामान्य रूप से रहती है, विशेष-विशेष विषयों की ओर विशेष-विशेष रूपों में ज्ञानपूर्वक उन्मुख नहीं होती।
(A) ल, र, य, व (B) व, र, य, ल
(C) ल, य, र, व (D) य, ल, र, व

14. (1) सांस्कृतिक वैविध्य के बारे में सोचना होगा।
(य) इसे चिन्तन के स्तर पर देखा जा सकता है।
(र) संस्कृति के अन्तर्तम में अनेक समानाताएँ हैं।
(ल) यही विविधता में एकता है।
(व) यह हमें अलग-अलग नहीं बनाती।
(6) यह हमारी एक बड़ी शक्ति है।
(A) व, र, य, ल (B) व, ल, र, य
(C) र, व, ल, य (D) य, व, र, ल

15. (1) फिर मैं सोचने लगा-अतीत क्या चला ही गया ?
(य) मैं किसी तरह विश्वास नहीं कर सका कि अतीत एकदम उठ गया है।
(र) अपने पीछे क्या हम एक विशाल शून्य मरुभूमि छोड़ते जा रहे हैं ?
(ल) कहाँ जाएगा वह ?
(व) आज जो कुछ हम कर रहे हैं, कल क्या यह सब लोप हो जाएगा ?
(6) मुझे क्षिप्रा की लोल तरंगों पर बैठे कालिदास स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं; अतीत कहीं गया नहीं है, वह मेरी रग-रग में सुप्त है।
(A) य, ल, व, र (B) ल, य, व, र
(C) र, व, ल, य (D) य, र, व, ल

16. (1) महात्मा जी द्वारा की गई
(य) शान्तिमय शब्दों की व्याख्या को
(र) उसके सामने ईमानदारी का यही उपाय है कि
(ल) वह अपनी सम्मति स्पष्ट शब्दों में
(व) जो व्यक्ति न मानता हो
(6) प्रकट कर दे
(A) य, व, र, ल (B) ल, र, ल, य
(C) ल, र, व, य (D) र, व, य, ल

17. (1) यह सत्य है कि
(य) साहित्य का उपजीव्य
(र) बँधकर ही बौद्धिकता
(ल) सार्वभौमिक मनुष्य है
(व) परन्तु वह देशकाल और परम्परा में
(6) प्राप्त करता है
(A) व, र, ल, य (B) य, र, ल, व
(C) य, ल, व, र (D) ल, व, र, य

18. (1) एक वर्ग ऐसा है जो इतिहास बनाता है और दूसरा वर्ग इतिहास को भोगता है
(य) वह उनकी मुक्ति और स्वतंत्रता के लिए संघर्षशील होगा
(र) मानवीय अस्तित्व को मिटाने वाली शक्तियों का विरोध करेगा
(ल) सच्चा लेखक सदा सताए हुए लोगों का पक्षधर होगा
(व) मगर हर लेखक ऐसा करता ही है यह स्वीकार करना लेखन-कार्य को अनावश्यक गौरव देना है
(6) ऐसे भी लेखकों के उदाहरण हैं जिन्होंने मनुष्य-विरोधी हरकतें की हैं।
(A) य व र ल (B) ल य र व
(C) र व य ल (D) व र य ल

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

19. (1) पराधीनता अकर्मण्यता को जन्म देती है
(य) इसलिए बुद्धिजीवियों की स्वतंत्रता पर बल दिया जाता है
(र) उसमें बौद्धिक शक्ति का ह्रास होता है
(ल) जब बुद्धिजीवी सो जाता है, तो देश सो जाता है
(व) देश को जगाने वाले बुद्धिजीवी ही हुआ करते है
(6) जाग्रत बुद्धिजीवी ही देश को जगाने की शक्ति रखता है।
(A) व र य ल (B) र व य ल
(C) ल य व र (D) र व ल य

20. (1) प्रतिभा और परिश्रम
(य) अन्य होता है, जो श्रवण, अथवा
(र) दोनों के सामंजस्य के एक श्रेष्ठ
(ल) पठन-मात्र से सहृदय के मन
(व) गरिमामयी और प्रभामयी कृति का
(6) को वशीभूंत कर लेती है।
(A) र व य ल (B) य र व ल
(C) ल व य र (D) व य र ल

21. (1) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चरित्र
(य) करता रहेगा जो अपने कर्मों पर विश्वास कर
(र) उन उत्साही व्यक्तियों के लिए मार्गदर्शन का कार्य
(ल) और समाज का अपने अनुसार चलने के लिए
(व) आत्मशक्ति से समाज में अपना स्थान बनाते है
(6) बाध्य करते है।
(A) य ल व र (B) व य ल र
(C) र य व ल (D) य व र ल

22. (1) गोस्वामी तुलसीदास ने
(य) कामना करने वाले कपिमुख
(र) अवधारणा कर सोने में सुगंध
(ल) नारद के शिष्ट हास्य की
(व) मानस में विश्व सुन्दरी की
(6) का समावेश किया गया है।
(A) य ल र व (B) व य ल र
(C) ल र य व (D) व ल य र

23. (1) उस सुहावने वातावरण में
(य) मधुर ने पूछा
(र) जिसकी प्रशंसा कई मित्रों ने की है
(ल) कि आपका यह मकान दिल्ली में किस जगह
(व) वेदजी यह बताइए
(6) मैं भी उसे देखना चाहता हूँ।
(A) र य ल व (B) ल य र व
(C) य व ल र (D) ल र य व

24. (1) अगर कोई छोटा-सा बच्चा
(य) उसके सिर के बाल खींचे, तो क्या
(र) उस सिर के बाल खींचे, तो क्या
(ल) नेपोलियन इसको अपनी बेइज्जती समझ कर
(व) नेपोलियन के कंधे पर चढ़कर
(6) लोग उसको बड़ा वीर कहें ?
(A) य र व ल (B) ल व र य
(C) व र य ल (D) व य ल र

25. (1) हर घटना समाचार नहीं है
(य) अस्पतालों में लोग भर्ती होते है
(र) प्रत्येक अनहोनी होकर समाचार बनती है
(ल) लेकिन कोई मरीज उपेक्षित होकर मर जाए, तभी समाचार बनता है
(व) सिर्फ वही घटना समाचार बन सकती है, जिसका सार्वजनिक महत्व हो
(6) जो नित्य होता रहता है, वह आकर्षक समाचार नहीं बनता।
(A) र व ल य (B) ल व य र
(C) र ल व य (D) व य ल र

26. (1) कैसे कहूँ कि
(य) उन शहरों का नहीं हूँ, जहाँ पढ़ा;
(र) और उस व्यापक देश का नहीं हूँ, जिसने विदेश यात्रा के पूर्व
(ल) उन जगहों का नहीं हूँ, जिन्होनें मुझे स्थान दिया
(व) उस गाँव का नहीं हूँ जहाँ जन्मा
(6) रूमाल में गाँठ लगाई।
(A) य ल व र (B) य र ल व
(C) व य ल र (D) र ल य व

27. (1) मैं जीवन भर विद्या का अर्जन और वितरण करता रहा
(य) चापलूस आगे बढ़ते गए
(र) किन्तु इससे मुझे क्या मिला
(ल) किसी ने यह तब न कहा
(व) ओर मैं जीवन पर्यन्त एक स्थान पर खड़ा-खड़ा उनका मुँह ताकता रहा।
(6) कि तुम सरस्वती के एकनिष्ठ उपासक हो।
(A) ल र य व (B) र य व ल
(C) व य र ल (D) य ल र व

28. (1) संसार एक युद्धस्थल है
(य) दूसरे व्यक्ति या समाज से,
(र) एक व्यवस्था का दूसरी व्यवस्था से,
(ल) यहाँ एक व्यक्ति या समाज का,
(व) तथा एक संस्कृति का दूसरी संस्कृति से
(6) युद्ध होता रहता है।
(A) ल य र व (B) र य व ल
(C) य व ल र (D) र ल य व

29. (1) जीवन संघर्षमय अवश्य है, पर
(य) मनुष्य का यह जीवन-संघर्ष प्रकृति के साथ है
(र) उसके सजातीय के साथ नहीं, क्योंकि समस्त मानव-जाति
(ल) यह संघर्ष नहीं, जो पशु में था,
(व) परिस्थिति के साथ है, परिवेश के साथ है
(6) एक शरीर के सदृश है।
(A) य व र ल (B) य ल व र
(C) ल य व र (D) ल व य र

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

30. (1) देश में अनुशासन की पुनः स्थापना हेतु
(य) का थोड़ा-बहुत समावेश
(र) यह आवश्यक है कि हमारी शिक्षा-व्यवस्था में
(ल) अवश्य किया जाए
(व) नैतिक और चारित्रिक शिक्षा
(6) ताकि छात्रों को कर्तव्य-अकर्तव्य का ज्ञान हो सके।
(A) य र ल व (B) र व य ल
(C) ल व य र (D) व ल र य

31. (1) जिस समाज में ब्याहिता को
(य) अकारण ही अग्नि की भेंट चढ़ा दिया जाता हो
(र) वह समाज निश्चित रूप से
(ल) प्यार के स्थान पर यातना दी जाती हो
(व) सभ्यों का समाज नहीं
(6) अपितु नितान्त असभ्यों का समाज है।
(A) य व र ल (B) र ल व य
(C) ल य र व (D) व र य ल

32. (1) हमकों समझ लेना चाहिए कि जब तक हम
(य) और धर्म को अपनी उचित मर्यादा में सीमित रखकर
(र) अलग करने वाली छोटी-छोटी दीवारों को
(ल) सच्ची राष्ट्रीयता और जनतन्त्र की ओर अग्रसर नहीं होते तब तक
(व) गिरा नहीं देते, जाति-पाँति के तारतम्य को हटाकर
(6) हमारा भविष्य तमाच्छन्न है।
(A) र व य ल (B) ल र व य
(C) ल य र व (D) र व ल य

33. (1) सिर्फ एक धुँधला-सा
(य) संघर्ष, अन्तर्द्वन्द्व और ताप जैसे
(र) संवेदन इतना अवश्य था कि जैसे बर्फ की सिल के
(ल) वेसे ही हिमालय की शीतलता माथे को छू रही है और सारे
(व) सामने खड़े होने पर मुँह पर ठण्डी-ठण्डी भाप लगती है।
(6) नष्ट हो रहे है।
(A) व ल र य (B) य व ल र
(C) र य ल व (D) र व ल य

34. (1) अन्य शासन-प्रणालियों
(य) अधिक अच्छी
(र) की अपेक्षा संसदात्मक पद्धति
(ल) में दलों के
(व) संगठन द्वारा आम जनता को
(6) राजनीतिक शिक्षा प्रापत होती है।
(A) र ल य व (B) ल व य र
(C) व य र ल (D) र ल व य

35. (1) पुत्र न केवल परिवार की
(य) सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा
(र) आय में वृद्धि करते हैं।
(ल) परम्परा को आगे बढ़ाते हैं अपितु उसकी
(व) तथा बुढ़ापे में माता-पिता की
(6) का साधन बनते हैं।
(A) ल व र य (B) र व ल य
(C) ल र व य (D) ल व य र

36. (1) ईश्वर, आत्मा और धर्म
(य) के आदेशानुसार जीवन में लोकहित के कार्य
(र) को मन, वचन और कर्म से मानने वाले
(ल) तथा अपनी आत्मा में मिले हुए ईश्वर
(व) करने वाले जन ही आस्तिक जन हैं और वे
(6) ही प्रभु को प्यारे हैं।
(A) ल र व य (B) र ल य व
(C) व ल र य (D) य व र ल

37. (1) हमारी कसौटी पर वह साहित्य
(य) जीवन की सच्चाईयों का प्रकाश हो, जो हम में
(र) खरा उतरेगा, जिसमें उच्च चिन्तन हो,
(ल) गति, संघर्ष और बेचैनी पैदा करे, सुलाए नहीं, क्योंकि
(व) स्वाधीनता का भाव हो, सौन्दर्य का सार हो,
(6) सोना मृत्यु का लक्षण है।
(A) र ल य व (B) र व य ल
(C) य व र ल (D) र य व ल

38. (1) यह हमारा परम सौभाग्य रहा है कि
(य) हँसते-रोते भी देखा है, जिसने अमरत्व की याद दिलाकर
(र) हमने ऐसे ही एक मूर्त रूप को अपने बीच चलते-फिरते,
(ल) हमारे मृतप्रायः शरीर में नए प्राण फूँके, और मुरझाए हुए
(व) हमारी सूखी हड्डियों में नई मज्जा डाल,
(6) दिलों को फिर से खिला दिया।
(A) ल व य र (B) र य ल व
(C) व ल र य (D) र य व ल

39. (1) कुमुदनी
(य) उसका प्रेमी चन्द्रमा आकाश में रहता है
(र) तो जल में रहती है
(ल) के दर्शन मात्र से कुमुदनी
(व) लेकिन चन्द्रमा की किरणों
(6) खिल जाती है।
(A) र य व ल (B) य व ल र
(C) र व ल य (D) य व र ल

40. (1) प्रश्न पूछने तथा काम रोको प्रस्ताव के अतिरिक्त
(य) आधे घंटे की बहस के लिए
(र) सार्वजनिक महत्त्व के मामले पर
(ल) लोकसभा का कोई भी सदस्य
(व) अध्यक्ष की अनुमति से किसी भी
(6) प्रस्ताव रख सकता है।
(A) ल व र य (B) य र ल व
(C) र व य ल (D) व ल य र

Join WhatsApp Group

41. (1) संयोग से यह निराशावादी

(य) किंतु प्राय: सभी ज्ञानवान लोगों का भी है

(र) यहाँ तक कि

(ल) उन लोगों का भी जो कुछ कारणवश

(व) किंतु अति संभाव्य दृष्टिकोण केवल मेरा ही नहीं है

(6) आशावादी प्रचार करना पसंद करते हैं।

(A) ल व र य (B) व य र ल

(C) व र य ल (D) य र व ल

42. (1) 'साक्षात्कार'

(य) बहुमूल्य पक्षों को

(र) साहित्य की एक ऐसी विधा है

(ल) साक्षात्कार करके उसके जीवन के

(व) जीसमें किस चर्चित और प्रेरक व्यक्ति का

(6) प्रेरणादायक रूप से प्रस्तुत किया जाता है।

(A) य ल र व (B) व ल र य

(C) य व ल र (D) र व ल य

43. (1) एक

(य) एक राष्ट्रीय चेतना

(र) की समष्टि ही

(ल) लेकर रहने वाले व्यक्तियों

(व) भौगोलिक सीमा में

(6) देश है।

(A) य र ल व (B) य ल व र

(C) व य ल र (D) व र ल य

44. (1) भारत में विवाह

(य) लोगों के लिए एक धार्मिक

(र) प्रथा ही नहीं है

(ल) अपितु बहुत से

(व) एक आवश्यक सामाजिक

(6) कर्त्तव्य भी है।

(A) र ल य व (B) व र ल य

(C) य र ल व (D) य व र ल

45. (1) शिक्षा का आदर्श

(य) मानसिक शक्तियों को

(र) सीमित नहीं होना चाहिए, अपितु इसे

(ल) दृढ़ करने तक ही

(व) केवल शारीरिक व

(6) और आगे तक ले जाया जाना चाहिए।

(A) य व ल र (B) र ल य व

(C) ल य व र (D) व य ल र

46. (1) जंगल में जिस प्रकार

(य) अपनी संस्कृतियों के द्वारा एक-दूसरे के साथ मिलकर

(र) अनेक लता, वृक्ष और वनस्पति अपने

(ल) अविरोधी स्थिति प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार राष्ट्रीय जन

(व) अदम्य भाव से उठते हुए पारस्परिक सम्मिलन से

(6) राष्ट्र में रहते है।

(A) य र व ल (B) र व ल य

(C) व य र ल (D) व र य ल

47. (1) मनुष्य की संगति

(य) वह उसके पैरों में बंधी चक्की के समान होगी

(र) और यदि अच्छी होगी

(ल) यदि बुरी होगी तो

(व) जो उसे दिन रात अवनति के गड्ढ़े में गिराती जाएगी

(6) तो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जाएगी।

(A) य र ल व (B) य ल व र

(C) ल य व र (D) व र ल य

48. (1) अपने

(य) सर्वप्रथम कदम

(र) वांछित उद्देश्य

(ल) को उपलब्ध करने का

(व) अपने अध्ययन के लिए

(6) समय को नियोजित करना है।

(A) र ल य व (B) व र य ल

(C) य ल र व (D) ल र व य

49. (1) सूर्य भगवान की

(य) अविश्राम तप्त किरणें, लू की सन्नाटा

(र) शुष्क होते हुए मंद प्रवाह धरणी-तल पर की अविरल

(ल) निदाध कुसुमावतीपूरित वृक्षों का मुरझाना, नदी का

(व) मारते हुए झपट, तेजपूरित उष्ण

(6) शून्यता, विचित्र प्रभाव उत्पन्न करती है।

(A) य व र ल (B) य व ल र

(C) ल र य व (D) ल र व य

50. (1) नाममात्र कार्यपालिका प्रधान

(य) आनुवांशिक राजा अथवा रानी

(र) या तो इंग्लैंड के

(ल) भारत की तरह एक निश्चित अवधि के लिए

(व) के समान हो सकता है अथवा

(6) चुना हुआ राष्ट्रपति हो सकता है।

(A) य व ल र (B) ल य व र

(C) ल र य व (D) र य व ल

51. (1) श्रीकृष्ण का त्रिभुवनमोहन

(य) चित्राकन करती-सी

(र) और चित्र-विचित्र है, कि उनकी हर लीला

(ल) व्यक्तित्व ऐसा नारंगी, इन्द्रधनुषी

(व) हर भंगिमा, अनायास ही एक अमिट

(6) प्रतीत होती है।

(A) ल व य र (B) ल र व य

(C) ल य व र (D) य ल र व

52. (1) अगर पत्थर की मूर्ति

(य) क्योंकि पहाड़ का आकार-प्रदान मूर्ति से

(र) तो पहाड़ की पूजा अवश्य करनी चाहिए।

Join WhatsApp Group

(ल) कहीं बहुत अधिक है जिससे
(व) की पूजा करने से ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है,
(6) अधिक रूप में ईश्वर का दर्शन भी होगा।
(A) र य ल व (B) ल व र य
(C) व र य ल (D) इनमें से कोई नहीं

53. (1) जब मेरे अंदर
(य) जब मैं ईश्वर से बहुत दूर था
(र) तनिक भी बोध
(ल) अहंकार का प्रवेश था
(व) अर्थात् मुझे ईश्वर का
(6) नहीं होता था।
(A) ल य व र (B) र ल य व
(C) ल य र व (D) इनमें से कोई नहीं

54. (1) किसी भी पद्यांश अथवा गद्यांश
(य) बिना छोड़े
(र) या विचार को
(ल) संक्षेप में लिखना
(व) के मुख्य भाव
(6) सार लेखन कहा जाता है।
(A) र ल य व (B) व य र ल
(C) र व य ल (D) व र य ल

55. (1) इससे समाज में
(य) तथा प्रत्येक वर्ग अभिवृद्धि के
(र) शान्ति और स्पर्धाहीन वातारण का
(ल) मार्ग पर निर्विरोध अग्रसर
(व) निर्माण होता है।
(6) होता है।
(A) य व र ल (B) र व य ल
(C) ल य र व (D) व य र ल

56. (1) मैं मानता हूँ कि
(य) खुले मैदान की ताजी हवा है,
(र) भाषा चिड़ियों के कंठ से निकला
(ल) भाषा बहता नीर है,
(व) 'राम नाम के पहर' में सवेरे का
(6) कलरोर है।
(A) य ल र व (B) ल य र व
(C) ल य वर (D) ल र व य

57. (1) मीराबाई के विष्य में
(य) हृदय से लगातार उनको
(र) भगवान कृष्ण की पूर्ति को
(ल) इन्होंने बचपन में एक बार खेल-खेल में ही
(व) यह जनश्रुति है कि
(6) अपना दूल्हा मान लिया।
(A) व र ल य (B) व र य ल
(C) व ल र य (D) व ल य र

58. (1) जब तक
(य) और निःसंकोच
(र) भगवान को निडर
(ल) शरीर मे प्राण है
(व) तब तक निर्भय होकर
(6) मन से स्मरण कर लो।
(A) ल व र य (B) र य ल व
(C) ल व य र (D) ल य व र

59. (1) वास्तव में हम
(य) विकासशील देशों में से है।
(र) सुदृढ़ बनाने के लिए इन नई प्रौद्योगिकियों
(ल) उन गिन-चुने अग्रणी
(व) जिन्होंने अपनी अर्थ-व्यवस्था को
(6) का सार्थक उपयोग किया है।
(A) ल य व र (B) य व र ल
(C) र व ल य (D) ल व र य

60. (1) आप मेरी इस विवशता को
(य) स्वीकार कीजिए क्योंकि
(र) मुझ भिक्षुक की आर्त्त भरी प्रार्थना को
(ल) हृदय से समझते हुए
(व) आप तो एक महान सज्जन और दानी के
(6) रूप में प्रतिष्ठित है।
(A) य व ल र (B) ल र य व
(C) र ल य व (D) इनमें से कोई नहीं

61. (1) जैसे वाष्प, बादल, कुहरा, बुंद
(य) सम्पूर्ण चराचर विश्व में
(र) इस प्रकार जानना और प्रत्यक्ष देखना ही
(ल) एक भगवान ही परिपूर्ण है।
(व) बर्फ आदि में सर्वत्र जल भरा है, वैसे ही
(6) सब प्राणियों में स्थित भगवान का भजन करना है।
(A) य ल र व (B) व य ल र
(C) व ल य र (D) य ल व र

उत्तरमाला

1. (B)	2. (C)	3. (C)	4. (A)	5. (A)	6. (B)	7. (C)	8. (B)
9. (D)	10. (A)	11. (C)	12. (A)	13. (B)	14. (A)	15. (C)	16. (A)
17. (C)	18. (B)	19. (D)	20. (A)	21. (C)	22. (B)	23. (C)	24. (D)
25. (D)	26. (C)	27. (B)	28. (A)	29. (C)	30. (B)	31. (C)	32. (A)
33. (D)	34. (D)	35. (C)	36. (B)	37. (B)	38. (D)	39. (A)	40. (A)
41. (B)	42. (D)	43. (C)	44. (A)	45. (B)	46. (C)	47. (C)	48. (A)
49. (B)	50. (D)	51. (B)	52. (C)	53. (A)	54. (D)	55. (B)	56. (B)
57. (A)	58. (A)	59. (A)	60. (B)	61. (B)			

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

रिक्त स्थानों की पूर्ति

रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए आवश्यक है कि परीक्षार्थियों को शब्दों की सही पहचान हो। शब्दों की सही पहचान होने पर ही परीक्षार्थीगण वाक्य में दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए उपयुक्त शब्द चुन सकते हैं। शब्दों की सही पहचान के लिए परीक्षार्थियों को एकार्थी, अनेकार्थी, समानार्थी/पर्यायवाची, विपरीतार्थी/विलोम, श्रुतिसम भिन्नार्थक आदि शब्दों का समुचित ज्ञान होना चाहिए। शब्दों से पहचान बढ़ाने का सर्वोत्तम तरीका है कि स्तरीय रचनाकारों की रचनाएँ पढ़ें तथा वाक्य की बनावट एवं शब्दों के प्रयोग को समझने की कोशिश करें।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : TYPE - 1

निर्देश (प्रश्न 1-99) : निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिये।

1. न मैं किसी की उपेक्षा करता हूँ न किसी प्रकार की ....।

(A) उम्मीद (B) इच्छा
(C) अपेक्षा (D) लालसा

2. ब्रह्म सत् चित् .... स्वरूप है।

(A) ज्ञान (B) सुख
(C) शिव (D) आनन्द

3. वेद आर्यों के .... ग्रंथ हैं।

(A) आधि (B) आदि
(C) आदी (D) अनादि

4. युवकों को .... बनाना शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है।

(A) मतावलम्बी (B) परावलम्बी
(C) निरावलम्बी (D) स्वावलम्बी

5. आज भी भारत की .... सम्पदा अनेक विदेशियों को आकर्षित करती है।

(A) ऐतिहासिक (B) सांस्कृतिक
(C) पौराणिक (D) धार्मिक

6. कलाकार में जन्मजात .... अनिवार्य है।

(A) शक्ति (B) रुचि
(C) विभा (D) प्रतिभा

7. राम ने अपने पुत्र के नाम बैंक में दस वर्ष के लिए .... जमा खाता खुलवाया है।

(A) अनुवर्ती (B) आवर्ती
(C) समवर्ती (D) प्रत्यावर्ती

8. वर्तमान .... में भी महात्मा गांधी के विचारों का महत्व कम नहीं होता।

(A) संदर्भ (B) क्षेत्र
(C) घटनाओं (D) कार्यकलापों

9. कोई व्यक्ति किसी का मार्गदर्शन कैसे कर सकता है, जब वह स्वयं ही मार्ग से .... है।

(A) अज्ञात (B) अभिज्ञ
(C) अनभिज्ञ (D) अवगत

10. मैंने इस कार्य के लिए अधिकारियों से .... स्वीकृति प्राप्त कर ली है, ताकि हमें बाद में कोई अड़चन न हो।

(A) निहित (B) वांछित
(C) वास्तविक (D) स्पष्ट

11. तुम मेरा अपमान मत करो, मुझे स्वयं अपने कर्मों पर .... हो रहा है।

(A) परितोष (B) प्रताप
(C) परिपाक (D) परिताप

12. संविधान में हिन्दी को .... कहा गया है।

(A) आर्यभाषा (B) सम्पर्क भाषा
(C) राष्ट्र भाषा (D) राज भाषा

13. अष्टछाप के सर्वश्रेष्ठ भक्तकवि के रूप में .... का नाम लिया जाता है।

(A) कुंभनदास (B) सूरदास
(C) कृष्णदास (D) परमानन्ददास

14. भारत एक स्वतंत्रत .... देश है।

(A) सहिष्णु (B) प्रिय
(C) भक्त (D) पुजारी

15. संगीत का प्रभाव व्यक्ति के .... पर पड़ता है।

(A) आचरण (B) कर्त्तव्य
(C) मस्तिष्क (D) बुद्धि

16. सारनाथ की गौतम बुद्ध की मूर्ति के चारों ओर एक .... आभा नृत्य करती दिखाई देती है।

(A) अपवर्गीय (B) आलौकिक
(C) इहलौकिक (D) लौकिक
(E) इनमें से कोई नहीं

17. हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक काल को आचार्य शुक्ल ने ...... कहा है।

(A) आदिकाल (B) चारण-काल
(C) वीरगाथा काल (D) सिद्ध-सामंत काल

18. .... को 'उग्र' कहते हैं।

(A) अज्ञेय (B) नरेश मेहता
(C) बेचन शर्मा (D) रामेश्वर लाल दुबे

19. पर्वत की चोटी पर पहुँचने में असफल रमेश ने अपनी ओर से ... . प्रयास किया।

(A) यथासंभव (B) यथाशीघ्र
(C) यथामान्य (D) यथायोग्य

20. हरिजन बस्ती में भाषण करते हुए गांधीजी ने बताया कि मानव गुणों में .... एक महान् गुण है।

(A) उदारतापन (B) उदारतावान
(C) उदारता (D) उदारनिष्ठ

21. कार चलाने से पूर्व सौरभ के पिताजी ने उसे सावधानी बरतने का .... दिया।

Join WhatsApp Group

(A) परामर्श (B) दीक्षा
(C) शिक्षा (D) प्रशिक्षण

22. जो लोग सेवारत् हैं उन्हें अपना आवेदन-पत्र उचित .... से भेजना होगा।
(A) प्रकार (B) माध्यम
(C) अधिकारी (D) विचार

23. मानसी के पाँचवें जन्मदिवस पर उसके बाबा ने उसे .... दिया।
(A) धन्यवाद (B) आशीर्वाद
(C) साधुवाद (D) मुबारकवाद

24. योग साधना में .... और शाकाहार का विशेष महत्त्व होता है।
(A) अल्पाहार (B) फलाहार
(C) मिताहार (D) आहार

25. कलाकार की कलाकृति में जनता की आकांक्षाओं का .... होना चाहिए।
(A) प्रतिवेदन (B) प्रतिफलन
(C) दर्पण (D) प्रतिपालन

26. इस मूर्ति में मानो स्वयं ईश्वर ही .... हो गए हैं।
(A) आकार (B) निराकार
(C) साकार (D) विकार

27. सभ्यता की दौड़ में संवेदनशीलता जैसे मनोवेगों का साथ .... छूट जाता है।
(A) आप (B) ही
(C) सर्वथा (D) स्वत:

28. आपसे सादर .... है कि आप हमारे यहाँ मुख्य अतिथि बनकर पधारें।
(A) अनुरोध (B) अनुग्रह
(C) अभिलाषा (D) विनय

29. महात्मा बुद्ध ने लोगों को अहिंसा का .... दिया।
(A) संदेश (B) पाठ
(C) शिक्षा (D) उपदेश

30. निर्धनता से पीड़ित बेचारे मोहन के प्राण निकल .... ।
(A) गए (B) गया
(C) आया (D) सका

31. पवन .... है।
(A) चलता (B) बहता
(C) चलती (D) आती

32. इस .... परिस्थिति में आपकी सहायता करना कठिन है।
(A) विषम (B) गम्भीर
(C) कठिन (D) तीक्ष्ण

33. रामानन्दजी .... है।
(A) बड़े सज्जान (B) सज्जन पुरुष
(C) बड़े सज्जन (D) सज्जान पुरुष

34. मंदिर में .... मिलता रहा है।
(A) परसाद (B) प्रसाद
(C) प्रशाद (D) पार्साद

35. लखा डाकू को .... कराने में जनता ने सहयोग दिया।
(A) कारावास (B) कारादंड
(C) कैद (D) गिरफ्तार

36. रानी युद्ध .... वीरतापूर्वक लड़ी।
(A) को (B) बीच
(C) से (D) में

37. आप सुबह .... क्यों बैठे हैं ?
(A) के (B) को
(C) से (D) ने

38. आप .... दिनचर्या क्या है ?
(A) का (B) नी
(C) की (D) से

39. एक पन्थ .... काज।
(A) कई (B) दो
(C) तीन (D) हजार

40. खोदा पहाड़ निकली .... ।
(A) गाय (B) चुहिया
(C) हाथी (D) कुतिया

41. आसमान से गिरा .... में अटका।
(A) खजूर (B) आम
(C) छत (D) पाताल

42. हमारे रीति-रिवाजों में हमारी .... झलकती है।
(A) पहचान (B) संस्कृति
(C) एकता (D) योग्यता

43. अपने जीवन के उद्देश्य की पूर्ति के लिए तुम्हें .... परिश्रम करना पड़ेगा।
(A) बहुत (B) अथाह
(C) अथक (D) अधिक

44. विकास अपने गुरु .... श्रद्धा रखता है।
(A) पर (B) में
(C) को (D) से

45. जल में रहकर .... से बैर।
(A) मछली (B) पानी
(C) मगर (D) मेंढक

46. आँख के अंधे .... नयन सुख।
(A) नाम (B) काम
(C) कान (D) नाक

47. रमेश सदा मनोज के प्रति .... रहेगा।
(A) कर्मठ (B) उपकृत
(C) कृतज्ञ (D) कृपा

48. वे जितना तटस्थ होने की चेष्टा करते उतना ही .... होने का आरोप उनके सिर मढ़ दिया जाता।
(A) संयमी (B) पक्षपाती
(C) क्रूर (D) निर्भय

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

49. गांधीजी के अनुसार अत्याचार का उत्तर .... से देना ही मनुष्यता है।
(A) नमस्कार (B) आचार
(C) शिष्टाचार (D) सदाचार

50. विदूषक को देखकर दर्शकों ने .... किया।
(A) अतिहास (B) अट्टहास
(C) हास (D) परिहास

51. यदि हमें आगे बढ़ना है, तो उसके लिए .... तो करने ही पड़ेगा।
(A) कार्य (B) अनुभव
(C) चक्कर (D) प्रयास

52. मोहन ने .... देशभक्ति का संकल्प किया।
(A) प्रयत्न से (B) दृढ़ता से
(C) तत्परता से (D) उत्सुकता से

53. मुझे इस कार्यालय .... सभी जानकारियाँ अतिशीघ्र चाहिए।
(A) सम्बंधी (B) की
(C) में (D) द्वारा

54. व्यक्ति की पहचान उसके अभिजात अथवा .... कुल में उत्पन्न हाने से नहीं, उसके गुणों से होती है।
(A) अभिहार (B) अवजात
(C) अवज्ञात (D) अभिज्ञात

55. स्वयं हलाहल का घूँट पीकर वे दूसरों को .... ही पिलाते रहे।
(A) मदिरा (B) सलिल
(C) अमृत (D) गरल

56. चन्द्रोदय होते ही चंद्रिका .... तन गया।
(A) विहान (B) विहार
(C) उतान (D) वितान

57. अन्तर्राष्ट्रीय उत्तरदायित्व हमारे .... पर है।
(A) स्वत्वों (B) स्कन्धों
(C) अनुयायियों (D) स्पन्दनों

58. आपके भय से .... सुमन ने इस ओर आना ही बंद कर दिया है।
(A) आक्रांत (B) अतिक्रांत
(C) विक्रांत (D) क्रांत

59. समाचार-वाचन में .... प्राप्त करने के लिए छात्रों को रेडियो और दूरदर्शन से प्रसारित समाचारों को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए।
(A) विशेषता (B) दक्षता
(C) वक्ता (D) सरसता

60. कबीरदास जिस काल में हुए थे उसको .... कहा जाता है।
(A) आदिकाल (B) उत्तरवैदिक काल
(C) पूर्व मध्यकाल (D) वीरगाथा काल

61. उद्योगी और .... व्यक्ति ही जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं।
(A) व्यवसायी (B) अभ्यास
(B) अध्यवसायी (D) आध्यात्मिक

62. उल्लू .... करना।
(A) टेढ़ा (B) उल्टा
(C) सीधा (D) ऊपर

63. फूँक-फूँककर .... रखना।
(A) हाथ (B) पैर
(C) नाक (D) पैसा

64. .... की दाढ़ी में तिनका।
(A) पंडित (B) राजा
(C) साधु (D) चोर

65. अधजल गगरी .... जाय।
(A) फैलत (B) लुढ़कत
(C) उछलत (D) छलकत

66. .... धतूरे सों कहत गहनों गढ़ों न जात।
(A) रजत (B) कनक
(C) स्वर्ण (D) कंचन

67. अन्धों में .... राजा।
(A) अंधा (B) कन्या
(C) मूर्ख (D) काना

68. अधजल .... छलकत जाए।
(A) गड्ढा (B) गगरी
(C) गिलास (D) गागर

69. कहाँ .... भोज कहाँ गँगू तैली।
(A) सम्राट (B) दानी
(C) राजा (D) राही

70. तन पर नहीं लत्ता .... खाये अलबत्ता।
(A) आम (B) पान
(C) माँस (D) दाल

71. आम के आम .... के दाम।
(A) गुठलियाँ (B) पत्ता
(C) पेड़ (D) खेत

72. .... एक योगरूढ़ शब्द है।
(A) प्रभाकर (B) पंकज
(C) विद्यालय (D) राजापुत्र

73. 'क्रिया' के मूल रूप को .... कहते है।
(A) पद (B) योजक
(C) सकर्मक (D) धातु

74. हिन्दी में 89 अंक को शब्दों में .... कहते है।
(A) उन्यासी (B) उनासी
(C) नवासी (D) उनहत्तर

75. 'श्रीमान' का स्त्रीलिंग .... है।
(A) श्रीमति (B) श्रीमती
(C) श्रिमति (D) श्रिमती

76. आगरा का .... बहुत प्रसिद्ध है।
(A) किला (B) बाजार
(C) पेठा (D) ताजमहल

77. दिल्ली की .... एशिया में विशेष स्थान रखती हैं/है।
(A) गलियाँ (B) धोखाधड़ी
(C) कुतुबमीनार (D) नफासत

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

78. आदमी को .... से काम करना चाहिए।
(A) ईमानदारी (B) इत्मीनान
(C) बुद्धिमानी (D) मेहनत

79. सीमा पर .... तैनात है।
(A) सेना (B) दुश्मन
(C) डाकू (D) पुलिस

80. गन्ने में .... होती है।
(A) छिलका (B) रस
(C) पत्तियाँ (D) मिठास

81. तुम डाल-डाल .... पात-पात।
(A) वह (B) हम
(C) सब (D) एक

82. .... मुँह मियाँ मिट्ठु।
(A) सबके (B) हर
(C) अपने (D) कोई

83. कर .... तो हो भला।
(A) बला (B) बुरा
(C) भला (D) सेवा

84. .... के अंधे को हरा ही हरा नजर आता है।
(A) आँख (B) बात
(C) सावन (D) बचपन

85. भगवान के घर .... है, अंधेर नहीं।
(A) प्रसाद (B) दीपक
(C) मूर्ति (C) देर

86. .... बुरी बला है।
(A) लड़ाई (B) अज्ञानता
(C) लालच (D) मूर्खता

87. बिल्ली के गले में .... बाँधना।
(A) घंटी (B) पट्टा
(C) रस्सी (D) धागा

88. ऊँची दुकान फीका .... ।
(A) पकवान (B) मेजबान
(C) जलपान (D) सामान

89. स्वयंसेवकों ने .... व्रत रखा।
(A) आजीवन (B) आमरण
(C) आजन्म (D) आपात

90. राष्ट्र की .... के लिए शहीदों ने अपना बलिदान दिया।
(A) आन (B) बान
(C) शान (D) दान

91. मुंशी प्रेमचन्दजी का .... देर तक गुंजता रहा।
(A) धमाका (B) ठहाका
(C) चटाका (D) लिफाफा

92. ताजमहल .... का अद्भुत नमूना है।
(A) शिल्पकला (B) स्थापत्यकला
(C) चित्रकला (D) मूर्तिकला

93. मैया मोहि .... बहुत खिजायो।
(A) सखा (B) श्रीदामा
(C) दाऊ (D) राधा

94. उदयशंकर भट्ट हिन्दी सात्यि के प्रमुख .... है।
(A) नाटककार (B) उपन्यासकार
(C) निबन्धकार (D) कहानीकार

95. मधुर वचन है औषधि .... वचन हैं तीर।
(A) कठोर (B) कटुक
(C) असत् (D) कछुक

96. मन के हारे हार है, मन के जीते ....।
(A) गीत (B) प्रीत
(C) मीत (D) जीत

97. एक बाण प्राण ले सकता है, तो अंगुलियों का कोमल स्पर्श .... भी दे सकता है।
(A) संजीदगी (B) वन्दगी
(C) जिन्दगी (D) मर्दानगी

98. सागर ने स्वतंत्रतापूर्वक राम के चरणों की पूजा कर उनकी .... ग्रहण की।
(A) दासता (B) धन्यता
(C) मान्यता (D) भव्यता

99. वेद गुरु .... परम्परा के कारण सुरक्षित रह सके।
(A) अनुचर (B) दीर्घ
(C) शिष्य (D) लघ

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

TYPE - 2

निर्देश (प्रश्न 1-99) : निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिये।

1. समाचार-वाचन में .... प्राप्त करने के लिए छात्रों को रेडियो और दूरदर्शन से प्रसारित समाचारों को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए।
(A) सरसता (B) विशेषता
(C) दक्षता (D) वक्रता

2. आर्थिक सुधारों की सफलता की सबसे बड़ी कसौटी जनता की .... है।
(A) उन्नति (B) खुशहाली
(C) प्रसन्नता (D) सदाशयता

3. तुम्हारे विषय में मैने तुम्हारे .... से सम्पर्क किया।
(A) रक्षक (B) संरक्षक
(C) भर्ता (D) पालनहार

4. सारनाथ की गौतम बुद्ध की मूर्ति के चारों ओर एक .... आभा नृत्य करती दिखाई देती है।
(A) लौकिक (B) इहलौकिक
(C) अलौकिक (D) अपवर्गीय

Join WhatsApp Group

5. अपने जीवन के उद्देश्य की पूर्ति के लिए तुम्हें .... परिश्रम करना पड़ेगा।

(A) अथाह (B) अक्षुण्ण

(C) अथक (D) अपार

6. निराला की कविताओं में .... और क्रान्ति का स्वर तेज है।

(A) विद्रोह (B) विपक्ष

(C) शत्रुता (D) दमन

7. .... सम्पन्न शीतल समीर मंद गतिसे प्रकृति के कोने-कोने में उन्माद भर देता है।

(A) सीकर (B) सौरभ

(C) मकरंद (D) रसाल

8. बसि कुसंग चाहत, कुसल, यह रहीम अपसोस .... घटना समुद्र की, रावन बस्यो परोस।

(A) लघिमा (B) महिमा

(C) गरिमा (D) जड़िया

9. वेद आर्यो के .... ग्रन्थ हैं।

(A) आदी (B) आदि

(C) अनादि (D) आधि

10. चलचित्र समाज को .... करते हैं।

(A) हानि (B) उपेक्षित

(C) गुमराह (D) पतनोन्मुख

11. आज में अपने मित्र के आने की .... कर रहा हूँ।

(A) इच्छा (B) प्रतीक्षा

(B) कामना (D) अभिलाषा

12. मेरी समझ में नहीं आता कि यह बात तुम्हें जानना क्यों .... है?

(A) श्रेष्ठ (B) उद्देश्यपूर्ण

(C) आवश्यक (D) विशिष्ट

13. प्रकृति में वायु-प्रदूषण को कम करने वाली .... स्वत: होती रहती है।

(A) क्रिया (B) विक्रिया

(C) प्रक्रिया (D) प्रतिक्रिया

14. मैं रवि के प्रस्ताव का .... करता हूँ और चाहता हूँ कि इसे सदन में विचारार्थ प्रस्तुत किया जाए।

(A) समर्थन (B) प्रतिवाद

(C) अनुमोदन (D) अभिनंदन

15. इस घटना में किसी .... उपद्रव के बीज निहित है।

(A) भावी (B) वर्तमान

(C) अचानक (D) विगत

16. मेरी .... से उसे गहरा मानिसक आघात पहुँचा।

(A) प्रतीक्षा (B) उपेक्षा

(C) अपेक्षा (D) समीक्षा

17. गंगा नदी सबसे .... नदी है।

(A) पवित्र (B) अच्छी

(C) बड़ी (D) उत्तम

18. .... में रहने से मनुष्य का चरित्र गिरने लगता है।

(A) प्रताड़ना (B) किंकर्त्तव्यविमूढ़ता

(C) दुविधा (D) दुष्चरित्रता

19. वैज्ञानिक केवल सत्य की खोज के उद्देश्य से ही अपने विषय की .... करते है।

(A) समीक्षा (B) विवेचना

(C) आलोचना (D) अध्ययन

20. उत्साह वास्तव में कर्म और फल की मिली-जुली .... है, जिसकी प्रेरणा से तत्परता आती है।

(A) चेष्टा (B) चेतना

(C) अनुभूति (D) संवेदना

21. नाग .... है।

(A) गरजता (B) दहाड़ता

(C) टिटकारता (D) फुफकारता

22. सीमा .... दृष्टि से अनिता की मुख ताक रही थी।

(A) निर्मित (B) निष्पक्ष

(C) निर्निमेष (D) निर्वाक्

23. चरण कमल बन्दौ हरिराई। जाकी कृपा .... गिरि लांघै, अंधे को सब कुछ दरसाई।

(A) अपंग (B) बधिर

(C) पंगु (D) विकलांग

24. जर्मन विद्वानों ने .... के साथ संस्कृत भाषा का अध्ययन विधिवत् किया था।

(A) मनोचिन्तन (B) अध्यवसाय

(C) कठोरता (D) निष्ठा

25. हिन्दी के प्रथम समाचार-पत्र का .... उदन्त मार्तण्ड को दिया जाता है।

(A) स्थान (B) योगदान

(C) श्रेय (D) आदर

26. रामचरितमानस के .... महात्मा तुलसीदास के समान व्यक्तित्व वाला मध्ययुग में अन्य कोई पुरुष नहीं हुआ।

(A) अनुवादक (B) व्याख्याता

(C) रचयिता (D) लेखक

27. गम्भीर साहित्य में भी हास्य की .... से आकर्षण पैदा हो जाता है।

(A) अवतारणा (B) विचारणा

(C) विधारणा (D) अवधारणा

28. श्रेष्ठ निबन्ध में जहाँ-तहाँ .... का भी पुट रहता है।

(A) परिहास (B) ठिठोली

(C) व्यंग्य (D) हँसी

29. जन-चेतना का अर्थ है; जनतंत्र को .... आधार देना।

(A) व्यापक (B) भ्रामक

(C) भयानक (D) आक्रामक

30. उसने .... किया, इसी कारण पुलिस द्वारा पकड़ा गया।

(A) पाप (B) अपयश

(C) कलंक (D) अपराध

rajbhashahindi
Join WhatsApp Group

31. अहिंसा के .... पर बल देने के कारण बौद्ध धर्म ने पशुधन में महत्त्वपूर्ण वृद्धि की।

(A) नियम (B) धर्माचरण

(C) सिद्धांत (D) उसूल

32. आशा है प्रगति के मार्ग में आई सभी .... शीघ्र दूर हो जाएँगी।

(A) योजनाएँ (B) कार्यक्रम

(C) बाधाएँ (D) घटनाएँ

33. कश्मीर की सुषमा इस लोक में तो .... है।

(A) अप्रतिभ (B) अप्रतिम

(C) प्रांतिभ (D) आलौकिक

34. पश्चिमी एशिया के निवासियों को मिट्टी की पक्की ईंटों के उपयोग में हड़प्पावासियों जैसी .... प्राप्त नहीं थी।

(A) हस्तसिद्धता (B) कुशलता

(C) कौशल (D) निपुणता

35. वर्तमान .... में भी महात्मा गांधी के विचारों का महत्त्व कम नहीं होता।

(A) क्षेत्र (B) संदर्भ

(C) घटनाओं (D) कार्यकलापों

36. गाय .... है।

(A) रेंकती (B) रँभाती

(C) मिमियाती (D) चुकरती

37. हिन्दी किसी विशेष प्रदेश की भाषा न होकर ...... देश की भाषा है।

(A) समस्त (B) सम्पूर्ण

(C) संभ्रांत (D) संगृहीत

38. वह धरती के .... क्षमाशील और पालन करने वाली है।

(A) सापेक्ष (B) समक्ष

(C) समकालीन (D) समान

39. दीपावली के त्यौहार पर माँ ने .... प्रकार के व्यंजन तैयार किए।

(A) विविध (B) भिन्न

(C) अलग (D) अनेक

40. जिस व्यक्ति में .... नहीं, वह कभी महान नेता नहीं बन सकता।

(A) धीर (B) शक्ति

(C) धीरज (D) सामर्थ्य

41. तुम्हारे पिता की अचानक मृत्यु का समाचार सुनकर मैं .... रह गया।

(A) आश्चर्यचकित (B) भौंचक्का

(C) स्तब्ध (D) चेतनाहीन

42. काव्य के .... में कवि अपने इष्टदेव की स्तुति करता है।

(A) शुभाचरण (B) मंगलाचरण

(C) शिष्टाचरण (D) अलंकरण

43. कर्फ्यू लगने से सारे शहर में .... सन्नाटा छा गया।

(A) निस्तब्ध (B) शाश्वत

(C) प्रकम्पित (D) भयावह

44. सरकार ने गीरबी हटाने का .... प्रयास किया।

(A) भरपूर (B) यथासंभव

(C) अनायास (D) घनघोर

45. सुभाष ने .... भाव से ईश्वर की प्रतिमा के सम्मुख सिर झुका लिया।

(A) नवजीत (B) प्रणीत

(C) विनीत (D) प्रणयी

46. यह दुष्कृत्य आपकी .... मानसिकता का ही परिचायक है।

(A) परिष्कृत (B) कुंठित

(C) तिरस्कृत (D) विकृत

47. आप हमें इस विषय में कोई .... न दें।

(A) प्रस्ताव (B) विचार

(C) सुझाव (D) अनुभव

48. अहिल्या मुनि के शाप से .... हो गई।

(A) मिट्टी (B) निष्प्राण

(C) पत्थर (D) निर्जीव

49. सहज और .... जीवन जीने वाला व्यक्ति ही सुखी हो सकता है।

(A) आदर्श (B) परिश्रमी

(C) नैसर्गिक (D) अनैसर्गिक

50. यहाँ की जलवायु आपके .... नहीं है।

(A) अनुरूप (B) अनुसार

(C) योग्य (D) अनुकूल

51. युवा नेता के .... निधन पर सभी देशवासी शोक-सन्तप्त थे।

(A) तत्सामयिक (B) समसामयिक

(C) असामयिक (D) सामयिक

52. देव-प्रतिमाओं की जीवन्तता एवं कलात्मक .... देखकर सभी निमुग्ध रह गए।

(A) धनश्री (B) इतिश्री

(C) जयश्री (D) शुभश्री

53. जीवन कोशिकाओं की कार्यप्रणाली में एक .... रहती है।

(A) क्रमबद्धता (B) संख्यात्मकता

(C) शृंखला (D) गणना

54. उसकी मोहक हँसी के कारण ही उसे .... नाम दिया गया है।

(A) सौदामिनी (B) सुवासिनी

(C) सुहासिनी (D) सुभाषिनी

55. करुणा किसी की .... की अपेक्षा नहीं करती।

(A) प्रतिशोध (B) प्रतिकार

(C) पुरस्कार (D) प्रतिघात

56. पिता के पुत्र के प्रमाण का उत्तर .... में दिया।

(A) अभिवादन (B) अवनीश

(C) बख्शीश (D) स्नेहाशीष

57. भावों को .... अभिव्यक्ति देने में सक्षम होना कवि होने की पहली शर्त है।

(A) आर्थिक (B) अनर्गल

(C) सात्विक (D) शाब्दिक

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

58. अपनी .... को शोर मचाकर कम नहीं किया जा सकता।
(A) पीड़ा (B) हृदयविदारकता
(C) टीस (D) त्रासदी

59. वह .... भाव से सब कुछ सहता रहा।
(A) निर्वात (B) निर्वाण
(C) निर्विकार (D) निर्विघ्न

60. प्रेमचन्द की तुलना में प्रसाद जी की कहानियों में यथार्थ .... होता है।
(A) नाममात्र (B) नगण्य
(C) नाचीज (D) नहीं

61. जीवन की सबसे बड़ी .... यह है कि उपयुक्त पात्र को उपयुक्त वस्तु नहीं मिलती।
(A) नियत (B) विडम्बना
(C) निधि (D) नियति

62. 'नाट्यशास्त्र' नाटक और उसके अभिनय से सम्बंधित .... ग्रंथ माना जाता है।
(A) मानक (B) मापक
(C) प्रस्तावक (D) भावक

63. ग्यारह बजते-बजते सारे गाँव में चहल-पहल शुरू हो गई और दूर-दूर से लोग वहाँ तमाशा देने के लिए .... लगे।
(A) भागने (B) सिमटने
(C) प्रस्ताव (D) भावक

64. कल्याणकारी भावों से .... बच्ची शिक्षा मनुष्य के उत्कर्ष का मूल है।
(A) प्रसारित (B) आविर्भूत
(C) रहित (D) प्रभृत

65. ताजमहल .... का अद्भुत नमूना है।
(A) शिल्पकला (B) मूर्तिकला
(C) चित्रकला (D) स्थापत्यकला

66. .... समाज श्रेष्ठ साहित्यिक कृतियों से दूर होता चला जा रहा है।
(A) आधुनिकतम (B) आधुनिक
(C) नवीनतम (D) नवीन

67. इस कविता में भक्ति श्रृंगार का सुन्दर .... है।
(A) समन्वय (B) प्रयोग
(C) द्रष्टव्य (D) दृष्टान्त

68. जैस-जैसे अंधेरा .... हमें आगे बढ़ने में कठिनाई होने लगी।
(A) निकलता गया (B) चढ़ता गया
(C) फैलता गया (D) आता गया

69. उसने कर्त्तव्य और भावना दोनों का .... किया हैं
(A) समावेश (B) विचार
(C) निर्वाह (D) भोग

70. शत्रु सेना के बीच खड़ा वह नवयुक अद्भुत वीरता का ..... कर रहा था।
(A) दर्शन (B) प्रदर्शन
(C) दिखावा (D) दृश्य

71. जीवन के ठूंठ पर आत्मा रूपी पक्षी बैठा अतीत की .... में खो जाता है।
(A) झलकियों (B) भावानुभूतियों
(C) स्मृतियों (D) भावनाओं

72. भारत एक स्वतन्त्रता .... देश है।
(A) भक्त (B) पुजारी
(C) सहिष्णु (D) प्रिय

73. भाषा के .... से विचार प्रकट किए जाते हैं।
(A) साधन (B) द्वारा
(C) माध्यम (D) अस्तित्व

74. आपके भय से .... राहुल ने इस ओर आना ही बंद कर दिया है।
(A) क्रांत (B) अक्रांत
(C) विक्रांत (D) अतिक्रांत

75. बुजुर्ग यदि अपने .... पर कायम रहें तो छोटे अवश्य ही उनका आदर करें।
(A) नियमों (B) परम्पराओं
(C) कड़प्पन (D) हठ

76. मुझे इस कार्यालय .... सभी जानकारियाँ अतिशीघ्र चाहिएँ।
(A) द्वारा (B) में
(C) की (D) सम्बन्धी

77. व्यक्तित्व पर .... का बड़ा असर पड़ता है
(A) ड्रेस (B) पोशाक
(C) परिधान (D) लिबास

78. मूर्ख को विद्वान कहना .... का अपमान है।
(A) पाण्डित्य (B) मोर्ख्य
(C) स्नातक (D) अभिव्यक्ति

79. सत्य और अहिंसा का .... सम्बंध है।
(A) निकट (B) घनिष्ठ
(C) आपसी (D) इनमें से कोई नहीं

80. किसी तथ्य की गहराई समझने वाला व्यक्ति .... कहा जाता है।
(A) जिज्ञासु (B) अन्यक्ष
(C) मर्मज्ञ (D) सर्वज्ञ

81. संविधान के .... में ऐसी व्यवस्था की गई है ताकि राष्ट्रपति वास्तविक शक्तियों का प्रयोग न करें।
(A) कानूनों (B) नियमों
(C) प्रावधानों (D) योजनाओं

82. प्रातः काल सूर्य-किरणों के कारण पर्वत-शिखर स्वर्ण-रेखा .... प्रतीत होते हैं।
(A) रचित (B) संचित
(C) खचित (D) लक्षित

83. हिन्दी देश की एकता की ऐसी .... है, जिसे मजबूत करना प्रत्येक भारतीय का कर्त्तव्य है।
(A) धारा (B) दिशा
(C) गति (D) कड़ी

Join WhatsApp Group

84. जन्म और मृत्यु के कष्टों को सहना प्रत्येक जीवधारी की .... है।

(A) सुगति (B) विभूति
(C) नियति (D) प्रतीति

85. पाश्चात्य देशों में फैशन की .... बहुत तीव्र है।

(A) मान्यता (B) होड़
(C) प्रतियोगिता (D) दौड़

86. अगर तुम अपने व्यवहार से इतने .... हो तो फिर तुम्हें चिन्ता किस बात की।

(A) उचित (B) संलग्न
(C) व्यावहारिक (D) सन्तुष्ट

87. नैतिक गुण मानव की वासना को .... कर जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं।

(A) परिवर्तित (B) चमत्कृत
(C) आविष्कृत (D) परिष्कृत

88. यह एक .... कथानक है।

(A) पुराणिक (B) पौराणिक
(C) पौराणक (D) पुराणकीय

89. परमाणु अस्त्रों पर अंकुश लगाने की संधि पर .... हो गई है।

(A) विसंगति (B) दुर्गति
(C) अनुमति (D) सहमति

90. लम्बे समय के लम्बित पड़े मुकदमों को .... के लिए न्यायपालिका को विशेष प्रयत्न करना चाहिए।

(A) निपटाने (B) निभाने
(C) पूरा करने (D) सुलझाने

91. जीवन के हर क्षेत्र में .... किसी देश की स्वतंत्रता की सबसे बड़ी पहचान है।

(A) उन्नति (B) पूर्णता
(C) स्वायत्तता (D) आत्मनिर्भरता

92. मनुष्य एक .... प्राणी है।

(A) धार्मिक (B) राजनीतिक
(C) सामाजिक (B) ऐतिहासिक

93. विधि का यही .... है कि जो जन्मा है उसकी मृत्यु अवश्य होगी।

(A) अध्यादेश (B) विधान
(C) प्रावधान (D) अनुदेश

94. नायक और नायिका एक-दूसरे के .... तड़पते है।

(A) दु:ख (B) प्रेम
(C) संयोग (D) वियोग

95. नौकरी के लिए प्रत्याशियों द्वारा .... सादे कागज पर आमंत्रित है।

(A) निवेदन (B) अनुग्रह
(C) आवेदन (D) आग्रह

96. शैम्पू तथा डाई का प्रयोग केशों के स्वभाविक .... को नष्ट कर देता है।

(A) शौर्य (B) विन्यास
(C) सौन्दर्य (D) आभा

97. छात्रों को तैराकी की सुविधा प्रदान करने के लिए विद्यालय के प्रबंन्धकों ने एक .... ताल बनवाया।

(A) तरण (B) तारण
(C) तरणि (D) आभा

98. जहाँ पहले ऊँचे-ऊँचे राजप्रासाद थे, वहा आज .... दिखाई देते हैं।

(A) भस्मावशेष (B) अस्थिशेष
(C) पुरावशेष (D) भग्नावशेष

99. आज भी भारत की .... सम्पदा अनेक विदेशियों को आकर्षित करती है।

(A) धार्मिक (B) पौराणिक
(C) ऐतिहासिक (D) सांस्कृतिक

उत्तरमाला : TYPE - 1

1. (C)	2. (D)	3. (B)	4. (D)	5. (B)	6. (D)	7. (B)	8. (A)
9. (C)	10. (B)	11. (D)	12. (D)	13. (B)	14. (B)	15. (C)	16. (E)
17. (C)	18. (C)	19. (A)	20. (C)	21. (D)	22. (B)	23. (B)	24. (C)
25. (B)	26. (C)	27. (D)	28. (A)	29. (D)	30. (A)	31. (B)	32. (A)
33. (B)	34. (B)	35. (D)	36. (D)	37. (C)	38. (C)	39. (B)	40. (B)
41. (A)	42. (B)	43. (C)	44. (D)	45. (C)	46. (A)	47. (C)	48. (D)
49. (D)	50. (B)	51. (D)	52. (D)	53. (A)	54. (D)	55. (C)	56. (D)
57. (B)	58. (A)	59. (B)	60. (C)	61. (B)	62. (C)	63. (B)	64. (D)
65. (D)	66. (B)	67. (D)	68. (B)	69. (C)	70. (B)	71. (A)	72. (B)
73. (D)	74. (C)	75. (B)	76. (D)	77. (C)	78. (A)	79. (A)	80. (D)
81. (B)	82. (C)	83. (A)	84. (C)	85. (C)	86. (C)	87. (A)	88. (A)
89. (A)	90. (A)	91. (B)	92. (B)	93. (C)	94. (A)	95. (B)	96. (D)
97. (C)	98. (A)	99. (C)					

उत्तरमाला : TYPE - 2

1. (C)	2. (B)	3. (B)	4. (C)	5. (C)	6. (A)	7. (B)	8. (B)
9. (B)	10. (C)	11. (B)	12. (C)	13. (C)	14. (C)	15. (A)	16. (B)
17. (A)	18. (C)	19. (B)	20. (C)	21. (D)	22. (D)	23. (C)	24. (B)
25. (C)	26. (C)	27. (A)	28. (C)	29. (A)	30. (D)	31. (C)	32. (C)
33. (B)	34. (D)	35. (B)	36. (B)	37. (B)	38. (D)	39. (A)	40. (C)
41. (C)	42. (B)	43. (D)	44. (B)	45. (C)	46. (D)	47. (C)	48. (C)
49. (C)	50. (D)	51. (C)	52. (D)	53. (A)	54. (C)	55. (B)	56. (D)
57. (D)	58. (A)	59. (C)	60. (A)	61. (B)	62. (A)	63. (D)	64. (B)
65. (D)	66. (B)	67. (B)	68. (C)	69. (C)	70. (B)	71. (C)	72. (D)
73. (C)	74. (B)	75. (C)	76. (D)	77. (D)	78. (A)	79. (B)	80. (C)
81. (C)	82. (C)	83. (D)	84. (C)	85. (B)	86. (D)	87. (D)	88. (B)
89. (D)	90. (A)	91. (D)	92. (C)	93. (B)	94. (D)	95. (C)	96. (C)
97. (A)	98. (D)	99. (D)					

Join WhatsApp Group

पर्यायवाची शब्द

पर्यायवाची शब्दों से तात्पर्य है – समान अर्थ, एक ही अर्थ अथवा विकल्प; किन्तु ध्यान रखना चाहिए कि पर्यायवाची शब्द कभी भी समानार्थक अथवा एक-दूसरे के पूर्णत: विकल्प नहीं होते है। उनमें सूक्ष्म अर्थ भेद सदैव बना रहता है; क्योंकि बिल्कुल समानार्थी शब्द तो हो ही नहीं सकते। उदाहरण के लिए 'कमल' के पर्यायवाची शब्द हैं – पंकज, इंदीवर, अरविंद, नलिन, पुंडरीक आदि। 'कंज' नीलकमल के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है, 'इंदीवर' भी नील कमल के लिए प्रयुक्त होता है, नलिन भी नीलकमल के लिए आता है, 'पुंडरीक' श्वेत कमल के लिए प्रयुक्त होता है और अरविंद 'अरूण आभा' लिए श्वेत कमल के लिए आता है। जल, अम्बु, नीर, सलिल और वारि में भी अर्थगत अन्तर है। 'जल' सामान्य पानी नहीं है, पवित्र और पीने योग्य साफ पानी को 'जल' कहते हैं। 'जल' नाली में बहने वाला गंदा पानी नहीं है। 'अम्बु' मीठा पानी है, 'नीर' निर्मल और पारदर्शक है, 'वारि' ऊपर से नीचे की ओर बहने वाला पानी है। 'पुष्प' सफेद फूल है, 'कुसुम' पीले रंग का फूल है। 'प्रसून' खिला हुआ फूल है और 'मकुल' अधखिला फूल हैं। महिला, नारी, स्त्री, रमणी, ललना, भामिनी आदि स्त्री के पर्यायवाची शब्दों में भी भेद है। 'महिला' किसी असभ्य और असंस्कृत स्त्री के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द न होकर सभ्य, सुसंस्कृत और संभ्रांत स्त्री के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है। हम किसी 'लड़की' को 'नारी' नहीं कह सकते। 'रमणी' सुंदर और आकृष्ट करने वाली स्त्री है तथा 'ललना' लालन-पालन करने वाली है। 'भामिनी' वह स्त्री है जो क्रोध करने पर भी अच्छी लगती हो। इस प्रकार 'पर्यायवाची' पढ़ते समय हमें हर पर्यायवाची के सूक्ष्म अन्तर पर विचार करना चाहिए।

पर्यायवाची शब्द सूची

- **अग्नि** – आग, अनल, पावक, दाहक, हुताशान, कृशानु
- **तलवार** – खड्ग, असि, करवाल, शमशीर, चंद्रहास
- **तालाब** – सरोवर, सर, तड़ाग, जलाशय, पुष्कर, पद्माकर, हृद
- **दु:ख** – पीड़ा, व्यथा, कष्ट, शोक, क्लेश, वेदना, खेद
- **देवता** – सुर, देव, अजर, अमर, विबुध, निर्जर, गीर्वाण
- **नदी** – सरिता, तरिणी, आपगा, निम्नगा, निर्झरिणी, तरंगिणी
- **नौका** – नाव, तरिणी, तरी, बेड़ा, डेंगी, पतंग
- **पति** – स्वामी, नाथ, भर्ता, कांत, वर, बल्लभ
- **पत्नी** – भार्या, दारा, सहधमिणी, अर्धांगिनी, प्राणप्रिय, बहू
- **पक्षी** – विगह, पतंग, द्विग, अंडज, खग, नभचर, पखेरू
- **पर्वत** – अचल, भूधर, पहाड़, महीधर, नग, शैल, गिरि
- **पुत्र** – तनय, सुत, आत्मज, तनुज, बेटा, पूज
- **वायु** – हवा, अनिल, समीर, मारूत, वात, श्वसन
- **पृथ्वी** – भू, भूमि, धरा, धरती, धरणी, बसुधा, वसुन्धरा
- **पुष्प** – फूल, सुमन, कुसुम, प्रसून, पुहुप
- **वृक्ष** – तरू, पेड़, द्रुम, विटप, पादप
- **समुद्र** – सागर, जलधि, पयोधि, रत्नाकर, अर्णव, सिन्धु
- **सूर्य** – रवि, भास्कर, दिनकर, प्रभाकर, दिवाकर, भानु, आदित्य
- **सरस्वती** – ब्राह्मणी, भारती, भाषा, वाक, शारदा, वीणापाणि, वाणीशा
- **सर्प** – अहि, भुजंग, विषधर, ब्याल, नाग, साँप
- **मुनि** – साधु, संत, वैरागी, अवधूत, संन्यासी, महात्मा
- **यमुना** – सूर्यसुता, सूर्यपुत्री, सूर्यतनया, कालिंदी, कृष्णा, अर्कजा
- **रात** – रात्रि, निशा, रजनी, दामिनी, विभावरी, शर्वरी, त्रियामा
- **राजा** – नृप, भूप, महीप, महीपति, नरेश, भूपति, सम्राट
- **असुर** – दनुज, दानव, राक्षस, दैत्य, निशिचर, निशाचर, तमीचर
- **अनुपम** – अतुल, अद्वितीय, अनूठा, अनोखा
- **अमृत** – सुधा, पीयूष, अमिय, जीवनोदक, सोम
- **अश्व** – घोटक, घोड़ा, तुरंग, बाजि, हय, सैन्धव
- **आँख** – नेत्र, नयन, चक्षु, लोचन, विलोचन, दृग, अक्षि, अम्बक
- **आकाश** – गगन, व्योम, अम्बर, शून्य, आसमान, अंतरिक्ष, अभ्र
- **आम** – आम्र, रसाल, सहकार, अमृतफल, अतिसौरभ
- **आनन्द** – मोद, प्रमोद, आमोद, हर्ष, आह्लाद, प्रसन्नता
- **आश्रम** – मठ, विहार, कुटी, स्तर, अखाड़ा, संघ
- **इच्छा** – आकांक्षा, ईप्सा, अभिलाषा, चाह, कामना, मनोरथ, स्पृहा
- **इन्द्र** – देवेश, देवेन्द्र, सुरपति, सुरेन्द्र, सुरेश, देवराज, शचीपति
- **समूह** – समुदाय, बृंद, गण, संघ, दल, झुंड, टोली
- **सुन्दर** – रूचिर, मनोहर, रमणीक, ललित, रम्य
- **सिंह** – शार्दूल, ब्याघ्र, पंचमुख, पंचानन, मृगराज, मृगेन्द्र, केशरी
- **स्त्री** – नारी, महिला, औरत, कांता, वामा, कामिनी, अबला, रमणी
- **सेना** – अनि, कटक, दल, चमू, वाहिनी, फौज
- **सोना** – स्वर्ण, हेम, कचन, कनक, हिरण्य, सुवर्ण, घटक, जातरूप
- **ब्रह्मा** – आत्मभू, स्वयम्भू, चतुरानन, लोकेश, पितामह, विधि, विधाता
- **बिजली** – चंचला, चपला, विद्युत, दामिनी, तड़ित, बिजुरी
- **बाण** – तीर, शर, विशिख, इशु, नाराच
- **भौंरा** – भ्रमर, मधुप, मधुकर, षट्पद
- **विष्णु** – नारायण, गोविंद, माधव, चक्रपाणि, केशव, दामोदर
- **महादेव** – शिव, शंभु, शंकर, महेश, त्रिलोचन, त्रिनेत्र, चंद्रशेखर
- **मेघ** – बादल, नीरद, अंबुद, जलद, वारिद, घन, जलधर
- **ईश्वर** – भगवान, ईश, परमात्मा, परमेश्वर, जगदीश, जगन्नाथ, प्रभु
- **कपड़ा** – वस्त्र, अम्बर, पट, वयन, चीर
- **कमल** – जलज, पंकज, नीरज, वारिज, पद्मम, राजीव, पुण्डरीक
- **कामदेव** – अनंग, मदन, मनोज, काम, मनसिज, रतिपति
- **किरण** – अंशु, कर, रश्मि, मरीचि, मयूख, प्रभा
- **कृष्ण** – मोहन, केशव, माधव, वासुदेव, गोपाल, गिरिधर, मुरारी
- **कुबेर** – किन्नरेश, यक्षराज, धनद, धनाधिप, राजराज
- **गणेश** – गजानन, गणपति, लम्बोदर, गजवदन, विनायक, भवानीनंदन
- **गंगा** – जाह्नवी, देवनदी, सुरपति, सुरसरिता, भागीरथी, मन्दाकिनी
- **गधा** – खर, गर्दभ, धूसर, चक्रीवान, वैशाखनंदन
- **घर** – गृह, आलय, सदन, निकेतन, भवन, धाम, आगार, गेह
- **चन्द्र** – चाँद, सन्द्रमा, शशि, हिमांशु, सुधांशु, सुधाकर, सुधाधर
- **चोर** – तस्कर, दस्यु, रजनीचर, कुम्मिल, साहसिक
- **जल** – पानी, अंबु, नीर, वारि, सलिल, तोय, पय
- **कसम** – शपन, शपथ, सौगंध, प्रतिज्ञा, प्रण
- **कोमल** – मृदु, मसृण, नरम, मुलायम, रुक्ष, अकठोर, अपरुष
- **गरुड़** – तार्क्ष्य, वैनतेय, खगेश्वर, नागन्तक, विष्णुरथ, सुपर्ण, पन्नगाशन
- **गेह** – गृह, सदन, भवन, निकेतन, अगार, निलय, आलय, वेश्म
- **गणेश** – विनायक, द्वैमातुर, गणाधिप, लंबोदर, एकदन्त, गजानन
- **कोयल** – काकलीक, कोकिल, काकली, पिक, वनप्रिय, परभृत्
- **चतुर** – विज्ञ, योग्य, नागर, दक्ष, होशियार, प्रवीण, निपुण, सयाना
- **नरक** – निरय, दुर्गति, यमलोक, यमपुर, जहन्नुम, नारक, नर्क

Join WhatsApp Group

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : TYPE - 1

निर्देश : निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द बतायें ?

1. कृष्णा –
(A) राधा (B) रुक्मिणी
(C) द्रौपदी (D) यशोदा

2. शैलजा –
(A) पार्वती (B) हिमालय
(C) लक्ष्मी (D) शची

3. पार्थ –
(A) पर्वत (B) श्रीकृष्ण
(C) अर्जुन (D) युधिष्ठिर

4. प्रपात –
(A) पर्वत (B) सरोवर
(C) समुद्र (D) झरना

5. आँख –
(A) सहकार (B) कुटज
(C) पिक (D) दृग

6. तस्कर –
(A) चोर (B) यमुना
(C) सूर्य (D) चतुर

7. इन्द्र –
(A) देवेश (B) गणेश
(C) श्याम (D) इनमें से कोई नहीं

8. नागर –
(A) नगर (B) ढोल
(C) चतुर (D) नगरवासी

9. 'सूर्य' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) दिनकर (B) दिवाकर
(C) सूरज (D) महेन्द्र

10. 'नग' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) पर्वत (B) तरी
(C) किंकर (D) स्तर

11. 'रात्रि' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) यामिनी (B) रजनी
(C) सजनी (D) निशा

12. 'फूल' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) सुमन (B) कुसुम
(C) पुष्प (D) तनुजा

13. 'होंठ' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) ओष्ठ (B) रद-पट
(C) अष्ट (D) अधर

14. 'अनुचर' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) भृत्य (B) चाकर
(C) सेवक (D) निर्झर

15. 'वीणापाणि' का पर्यायवाची कौन है –
(A) रंभा (B) सरस्वती
(C) लक्ष्मी (D) कमला

16. 'कंचन' का पर्यायवाची कौन है –
(A) हीरा (B) कनक
(C) ताँबा (D) चाँदी

17. 'निशाकर' का पर्यायवाची कौन है –
(A) नभचर (B) रात्रिचर
(C) चन्द्रमा (D) निरहंकार

18. 'कामदेव' का पर्यायवाची कौन है –
(A) केशव (B) अनंग
(C) कौमुदी (D) भवानी

19. 'तुरंग' का पर्यायवाची कौन है –
(A) गदहा (B) घोड़ा
(C) सर्प (D) सिंह

20. 'केसरी' का पर्यायवाची कौन है –
(A) सुन्दर (B) हाथी
(C) सिंह (D) पक्षी

21. 'रमा' का पर्यायवाची कौन है –
(A) इंदिरा (B) कामाक्षी
(C) दामिनी (D) कामिना

22. 'मेघ' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) जलज (B) कोकनद
(C) पयोद (D) ये सभी हैं

23. 'केदार' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) ब्रह्मा (B) विष्णु
(C) महेश (D) इन्द्र

24. 'स्वर्ण' का पर्यायवाची कौन नहीं है –
(A) कंचन (B) कनक
(C) हेम (D) किंकिन

25. 'नेशर' का पर्यायवाची कौन है –
(A) गणेश (B) गदहा
(C) कुबेर (D) गरीब

26. 'परमृत' का पर्यायवाची कौन है –
(A) किताब (B) कामदेव
(C) कौआ (D) कोयल

27. 'कुसुमेबु' का पर्यायवाची कौन है –
(A) कबूतर (B) काला
(C) कामदेव (D) आकाश

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

28. 'शांभवी' का पर्यायवाची कौन है -
(A) दुर्गा (B) दासी
(C) पत्नि (D) पार्वती

29. 'मर्कट' का पर्यायवाची कौन है -
(A) पानी (B) पुत्र
(C) बन्दर (D) मित्र

30. 'पृथ्वी' का पर्यायवाची कौन है -
(A) दिनकर (B) वसुन्धरा
(C) आत्मजा (D) गिरि

31. 'घोड़ा' का पर्यायवाची कौन है -
(A) एरावत (B) वाजि
(C) तड़ित (D) मघवा

32. 'पवन' का पर्यायवाची कौन है -
(A) अनिल (B) ध्वनि
(C) श्रवण (D) कवन

33. 'निरंकुशता' का पर्यायवाची कौन है -
(A) स्वेच्छाचारिता (B) स्वतंत्रता
(C) आत्मनिर्भरता (D) वीरता

34. 'सेना' का पर्यायवाची कौन है -
(A) अनी (B) सैनिक
(C) अरि (D) अतनु

35. 'मृगेन्द्र' का पर्यायवाची कौन है -
(A) कुरंग (B) अहि
(C) कुंजर (D) शार्दूल

36. 'अनिल' का पर्यायवाची कौन है -
(A) अनल (B) पवन
(C) पावस (D) चक्रवात

37. 'अग्नि' का पर्यायवाची कौन है -
(A) हुताशन (B) पावक
(C) अनल (D) अनिल

38. 'पृथ्वी' का पर्यायवाची कौन है -
(A) दामिनी (B) मेदिनी
(C) यामिनी (D) तटिनी

39. 'हवा' का पर्यायवाची कौन नहीं है -
(A) समीर (B) अनिल
(C) अनल (D) पवन

40. 'कबूतर' का पर्यायवाची कौन है -
(A) पारावात (B) हारिल
(C) कोर (D) कुक्कुट

41. 'आग' का पर्यायवाची कौन है -
(A) अनिल (B) अनल
(C) आनल (D) आनिल

निर्देश (42-46) : प्रत्येक समूह में तीन पर्यायवाची एक ही शब्द के हैं और एक भिन्न अर्थ वाला शब्द है। भिन्न अर्थ वाले शब्द चुनिए -

42. (A) व्योम (B) अम्बक
(C) नभ (C) अनन्त

43. (A) भास्कर (B) रवि
(C) दिवाकर (D) सुधाकर

44. (A) उषा (B) दिन
(C) प्रभात (D) सवेरा

45. (A) परलोक (B) स्वर्गादि
(C) अन्यलोक (D) अन्य आदमी

46. (A) कन्दर्प (B) हलवाहा
(C) अनंग (D) मनसिज

47. 'नीरस' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) स्वादवाला (B) रसीला
(C) मीठा (D) सरस

48. 'जड़' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) प्राण (B) चेतन
(C) जीव (D) ज्ञानी

49. 'अरूण' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) कुक्कुट (B) प्रात:काल
(C) कमल (D) सूर्य

50. 'नाग' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) सिंह (B) पर्वत
(C) व्याल (D) कन्या

51. 'पर्वत' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) धारणीधर (B) महीधर
(C) शिखारी (D) पेरू

52. 'नीर' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) आकाश (B) जल
(C) पृथ्वी (D) वायु

53. 'अम्बर' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) बादल (B) कुंठित
(C) आकाश (D) मेघ

54. 'ज्येष्ठ' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) पूज्य (B) बड़ा
(C) आगामी (D) गुरू

55. 'जलधि' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) पद्माकर (B) ताल
(C) कासार (D) सागर

56. 'पार्वती' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) शिवानी (B) पर्वत कन्या
(C) महादेवी (D) गंगा

Join WhatsApp Group

57. 'प्रसून' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) रूप्य (B) पुष्प
(C) धातु (D) गिलहरी

58. 'चन्द्र' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) मयंक (B) रेखा
(C) सूर्य (D) रजत

59. 'दिन' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) निशा (B) वासर
(C) दिवाकर (D) सूर्य

60. 'रति' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) रसज्ञा (B) स्वाद
(C) वाणी (D) प्रेम

61. 'खग' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) विहंग (B) मन
(C) मयूर (D) चन्द्रमा

62. 'अवनत' का पर्यायवाची शब्द है -
(A) बढ़ना (B) अन्नत
(C) उन्नत (D) अवनति

निर्देश : निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द बतायें ?

63. **चन्द्रमा**
(A) दिवाकर (B) निशि
(C) मार्तंड (D) शशि

64. **जातरूप**
(A) किरण (B) चाँदी
(C) सुवर्ण (D) ललित

65. **भूतेश**
(A) पिशाच (B) महादेव
(C) इन्द्र (D) आत्मा

66. **घर**
(A) विहार (B) इला
(C) निकेतन (D) नग

67. **आत्मज**
(A) सहोदर (B) पति
(C) प्रेमी (D) तनुज

68. **सेना**
(A) अनीक (B) सैनिक
(C) अरि (D) अतनु

69. **कार्मुक**
(A) बाण (B) धनुष
(C) पक्षी (D) निन्दा

70. **विहग**
(A) खड्ग (B) अंडज
(C) बयार (D) मधुप

71. **अनन्त**
(A) निस्सीम (B) भगवान
(C) शेषनाग (D) बन्धन

72. **तनय**
(A)रात (B) सागर
(C) पुत्र (D) पत्नी

73. **कमल**
(A) जलज (B) पीयूष
(C) जलद (D) जलधि

74. **आगार**
(A) अंगार (B) भण्डार
(C) किनारा (D) आगामी

75. **अम्ब**
(A) देवी (B) जल
(C) माता (D) द्वार

76. **कूल**
(A) किनारा (B) वंश
(C) कुँआ (D) किरण

77. **काम (पीड़ित)**
(A) मदन (B) मतंग
(C) समर (D) सदन

78. **भ्रान्ति (दो वस्तुओं के सादृश्य के कारण)**
(A) सन्देह (B) भ्रम
(C) धोखा (D) संभ्रम

79. **बादल (गर्जन वाला)**
(A) मेघ (B) जलधि
(C) मघवा (D) अम्बर

80. **वृक्ष (लताओं से आलिंगित)**
(A) गुल्म (B) निकुंज
(C) विटप (D) कानन

81. **किनारा (नदी का)**
(A) शर (B) तीर
(C) तुरंग (D) तरंग

82. **ईर्ष्या**
(A) डाह (B) स्पर्धा
(C) प्रतिस्पर्धा (D) आह

83. **कमल**
(A) मनसिज (B) सरसिज
(C) अन्त्यज (D) स्वदेज

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

84. वायु
(A) अनल (B) अनिल
(C) अलिन्द (D) अलिनी

85. विपिन
(A) वन (B) असुर
(C) शिव (D) अमृत

86. घोड़ा
(A) एरावत (B) मधवा
(C) तड़ाग (D) वाजि

87. मृगेन्द्र
(A) शार्दूल (B) अहि
(C) हिरन (D) कुरंग

88. खनक
(A) कामदेव (B) चोर
(C) हितैषी (D) अभिमानी

89. धरती
(A) चंचला (B) विपुला
(C) सरसी (D) अचला

90. अम्बक
(A) लोचन (B) चुम्बक
(C) आम (D) अनुचर

91. विद्युत
(A) गर्जन (B) दामिनी
(C) चमक (D) पयोद

92. कगार
(A) कूल (B) कृपाण
(C) किरण (D) अम्बर

93. गजवदन
(A) गर्जन (B) मेघनाद
(C) गणपति (D) विष्णु

94. जाह्नवी
(A) संसार (B) जानने वाली
(C) सुरसरि (D) जहन्नुम

95. भृंग
(A) मतंग (B) मधुप
(C) श्यामल (D) मुनि

96. अंज
(A) गुलाब (B) पद्म
(C) अंदाज (D) काजल

97. हाटक
(A) पुत्र (B) मृत्यु
(C) सोना (D) घोड़ा

98. धाता
(A) विष्णु (B) धाय
(C) पक्ष (D) हार

99. सिंह
(A) शावक (B) नृप
(C) पंचानन (D) मृग

TYPE - 2

निर्देश (1-32) : निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में दिए गए शब्द के पर्यायवाची स्वरूप के चार शब्द दिए गए है। इनमें से वह शब्द चुनिए जो दिए गए शब्द का पर्यायवाची नहीं है।

1. बिजली
(A) तड़ित (B) चपला
(C) सिन्धुजा (D) विद्युत

2. तीर
(A) तार (B) बाण
(C) शर (D) नाराच

3. कपीश्वर
(A) अंजनीपुत्र (B) केशव
(C) पवनसुत (D) केशरीनंदन

4. क्षणप्रभा
(A) चपला (B) सुता
(C) सौदामनी (D) दामिनी

5. नौका
(A) तरिणी (B) डोंगी
(C) निम्नगा (D) तरी

6. रसाल
(A) अमृतफल (B) सहकार
(C) अम्बक (D) अतिसौरभ

7. यमुना
(A) जाह्नवी (B) सूर्यतनया
(C) अर्कजा (D) कृष्णा

8. सम्पदा
(A) द्रव्य (B) वित्त
(C) विभूति (D) अद्रि

9. घोड़ा
(A) अश्व (B) घोटक
(C) हय (D) कटक

10. अन्न
(A) धान्य (B) अनाज
(C) भोजन (D) शस्य

Join WhatsApp Group

11. आँख
(A) चक्षु (B) लोचन
(C) अक्षि (D) दृष्टि

12. कुबेर
(A) किन्नरेश (B) कोविद
(C) धनाधिप (D) राजराज

13. अटवी
(A) उद्यान (B) विपिन
(C) कानन (D) कान्तर

14. कलाधर
(A) सुधांशु (B) कलाकार
(C) चन्द्रमा (D) निशापति

15. मुनि
(A) तापस (B) महीप
(c) मुक्तपुरुष (D) यती

16. विपिन
(A) उद्यान (B) अरण्य
(C) अटवी (D) कान्ता

17. पक्षी
(A) अण्डज (B) शकुन्त
(C) द्विज (D) विहग

18. नृप
(A) भूपति (B) नरपति
(C) भूतेश (D) महीपति

19. हृदय
(A) उर (B) मन
(C) अन्तर (D) वक्ष

20. सरस्वती
(A) शारदा (B) कमला
(C) वाणी (D) वीणापाणि

21. सेना
(A) अनि (B) कटक
(C) चमू (D) हाटक

22. जगत्
(A) अवनी (B) जग
(C) विश्व (D) भव

23. कमल
(A) वारिद (B) पंकज
(C) सरसिज (D) अम्बुज

24. भौंरा
(A) भृंग (B) आलि
(C) चंचरीक (D) मिलिन्द

25. चाँदी
(A) रजत (B) रूप्य
(C) जातस (D) हेम

26. ब्रह्मा
(A) आत्मभू (B) चतुरानन
(C) मुक्तपुरुष (D) लोकेश

27. पवन
(A) वात (B) अनल
(C) वायु (D) समीर

28. दिन
(A) दिवस (B) दीन
(C) वार (D) बासर

29. ईश्वर
(A) देवात्मा (B) परमात्मा
(C) ईश (D) अकृत

30. पर्वत
(A) भूधर (B) महीधर
(C) पयोधर (D) भूमिधर

31. दूध
(A) गौम्य (B) पय
(C) दुग्ध (D) नीर

32. कान्ता
(A) कृष्णा (B) वनिता
(C) रमणी (D) कामिनी

उत्तरमाला

1. (C)	2. (A)	3. (C)	4. (D)	5. (D)	6. (A)	7. (A)	8. (C)
9. (D)	10. (B)	11. (C)	12. (D)	13. (C)	14. (D)	15. (B)	16. (B)
17. (C)	18. (B)	19. (B)	20. (C)	21. (A)	22. (C)	23. (C)	24. (D)
25. (B)	26. (D)	27. (C)	28. (A)	29. (C)	30. (B)	31. (B)	32. (A)
33. (A)	34. (A)	35. (D)	36. (B)	37. (C)	38. (B)	39. (C)	40. (A)
41. (B)	42. (B)	43. (D)	44. (B)	45. (D)	46. (B)	47. (D)	48. (B)
49. (B)	50. (C)	51. (B)	52. (B)	53. (C)	54. (B)	55. (D)	56. (B)
57. (B)	58. (A)	59. (B)	60. (D)	61. (A)	62. (C)	63. (D)	64. (C)
65. (B)	66. (C)	67. (D)	68. (A)	69. (B)	70. (B)	71. (C)	72. (C)
73. (A)	74. (B)	75. (C)	76. (A)	77. (A)	78. (A)	79. (A)	80. (A)
81. (B)	82. (B)	83. (B)	84. (B)	85. (A)	86. (D)	87. (A)	88. (B)
89. (D)	90. (A)	91. (B)	92. (A)	93. (C)	94. (C)	95. (B)	96. (D)
97. (C)	98. (A)	99. (C)					

उत्तरमाला

1. (C)	2. (A)	3. (B)	4. (B)	5. (C)	6. (C)	7. (A)	8. (D)
9. (D)	10. (D)	11. (D)	12. (B)	13. (A)	14. (B)	15. (B)	16. (A)
17. (B)	18. (C)	19. (B)	20. (C)	21. (D)	22. (A)	23. (A)	24. (B)
25. (D)	26. (C)	27. (B)	28. (B)	29. (A)	30. (C)	31. (D)	32. (A)

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

विलोम शब्द

विलोम अथवा विपरीतार्थक शब्द अर्थ की दृष्टि से एक-दूसरे के विपरीत होने चाहिए। इसके लिए यह बात सदैव ध्यान में रखनी चाहिए कि तत्सम शब्द का विलोम सदैव तत्सम और तद्भव का विलोम तद्भव होता है। 'अंधकार' का विलोम 'प्रकाश' है, 'रोशनी' नहीं। कुछ लोग 'राजा' का विलोम 'रानी', भाई का विलोम 'बहन' कर देते हैं। ये विलोम शब्द नहीं हैं। 'राजा' का विलोम रंक होता है। 'भाई' का कोई विलोम शब्द नहीं है।

विलोम शब्द बनाने की विधियाँ

1. **लिंग-परिवर्तन के द्वारा :** जैसे – भाई-बहन, राजा-रानी, वर-वधू, लड़का-लड़की, गाय-बैल, कुत्ता-कुतिया, इत्यादि।
2. **भिन्न जातीय शब्द के द्वारा :** जैसे – अधम-उत्तम, अधिकत्तम-न्यूनत्तम, अनुराग-विराग, आजाद-गुलाम, आगे-पीछे, कड़वा-मीठा, इत्यादि।
3. **उपसर्ग की सहायता से :** जैसे – ईश्वर-अनीश्वर, आस्था-अनास्था, स्वस्थ-अस्वस्थ, मान-अपमान, अल्पायु-दीर्घायु, अंतर्द्वंद्व-बहिर्द्वंद्व, अंतमुखी-बहिर्मुखी, इत्यादि।
4. **उपसर्ग के समान प्रयुक्त होनेवाले शब्दों के परिवर्तन से :** जैसे – गणतंत्र-राजतंत्र, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक, उत्तरायण-दक्षिणायण, एकतंत्र-बहुतंत्र, उदयाचल-अस्ताचल, विशालकाय-लघुकाय इत्यादि।
5. **नञ् समास के पद बनाकर :** जैसे – नश्वर-अनश्वर, आदि-अनादि, संभव-असंभव, आस्तिक-नास्तिक, अनाथ-सनाथ, सार्थक-निरर्थक, इत्यादि

विपरीतार्थक या विलोम शब्द सुची

शब्द	विलोम शब्द	शब्द	विलोम शब्द
अंधकार	प्रकाश	**ऊँचा**	नीचा
अच्छा	बुरा	**एकता**	अनेकता
आधुनिक	प्राचीन	**एड़ी**	चोटी
आयात	निर्यात	**कड़ुआ**	मीठा
आकाश	पाताल	**कठोर**	कोमल
आगे	पीछे	**कठिन**	सरल
आत्मा	अनात्मा	**कृतज्ञ**	कृतघ्न
अग्रज	अनुज	**उपसर्ग**	प्रत्यय
अनुकूल	प्रतिकूल	**उदय**	अस्त
अनुराग	विराग	**उजला**	काला
अर्थ	अनर्थ	**उन्नति**	अवनति
अमावस्या	पूर्णिमा	**उदार**	अनुदार
अपना	पराया	**उचित**	अनुचित
अग्नि	जल	**उत्तम**	निम्न, अधम
अधिक	कम	**उत्थान**	पतन
अपमान	सम्मान	**उधार**	नकद
अमृत	विष, गरल	**उजाला**	अंधेरा
आदर	अनादर	**कटु**	मधु
आसान	मुश्किल	**कृपण**	दानी, उदार
आदि	अंत	**कायर**	निडर
आशा	निराशा	**कुटिल**	सरल
आस्तिक	नास्तिक	**कुसुम**	वज्र, कंटक
आजादी	गुलामी	**कोप**	कृपा

शब्द	विलोम शब्द
आय	व्यय
आवश्यक	अनावश्यक
इहलोक	परलोक
इच्छा	अनिच्छा
झूठ	सच
झोपड़ी	महल
तरुण	वृद्ध
तीव्र	मंद
तुच्छ	महान
तेज	सुस्त, मंद
थोक	खुदरा, फुटकर
थोड़ा	बहुत
दूर	नजदीक
धनी	निर्धन
गरीब	अमीर
गरल	सुधा, अमृत
गीला	सूखा
गुप्त	प्रकट
गुण	अवगुण, दोष
गौर	श्याम
घर	बाहर
चढ़ाव	उतार
चटकीला	फीका
चोर	साधु
छाँह	धूप
जन्म	मृत्यु, मरण
जय	पराजय
जड़	चेतन
जल	स्थल
ज्येष्ठ	कनिष्ठ
जाड़ा	गर्मी
जीत	हार
जीवन	मरण
जोड़	घटाव
नया	पुराना
नर	नारी
नख	शिख
नगर	ग्राम
नकली	असली
विस्तार	संक्षेप
विजय	पराजय
विष	अमृत
विधवा	सधवा
विशाल	लघु
वृष्टि	अनावृष्टि
शत्रु	मित्र
अच्छा	बुरा

शब्द	विलोम शब्द
क्रोध	अक्रोध
खरीद	बिक्री
गहरा	छिछला, समतल
गरम	ठंडा
भारी	हल्का
भूत	भविष्य, वर्तमान
भोगी	योगी
महान	साधारण, क्षुद्र
मालिक	नौकर
मानव	दानव
माता	पिता
मिलन	विरह
राम	रावण
राजा	रंक, प्रजा
नवीन	प्राचीन
न्याय	अन्याय
नित्य	अनित्य
निर्दय	सदय
नुकसान	फायदा
पंडित	मूर्ख
प्रशंसा	निंदा
प्रसन्न	खिन्न
पाप	पुण्य
प्रेम	घृणा
पुरस्कार	दंड
पुरुष	नारी
प्रारंभ	अंत
प्रातः	सायं
पक्ष	विपक्ष
बढ़िया	घटिया
बहादुर	डरपोक
बाढ़	सूखा
भय	निर्भय
भला	बुरा
लघु	गुरु
लाभ	हानि
भींगा	सूखा
वृद्ध	बालक
वसंत	पतझड़
स्वामी	सेवक
स्वतंत्र	परतंत्र
समर्थन	विरोध
सपूत	कपूत
सबल	दुर्बल, निर्बल
सच्चा	झूठा
सम्मान	अपमान
अनुरक्ति	विरक्ति

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- **अज्ञ** विज्ञ, प्रज्ञ
- **अनुलोम** विलोम, प्रतिलोम
- **अग्नि** जल
- **अंगीकार** इनकार
- **अघ** अनघ
- **अचल** चल
- **अर्जन** वर्जन
- **अतल** वितल
- **अति** अल्प
- **अर्थ** अनर्थ
- **शांत** चंचल
- **शांति** अशांति, क्रांति
- **शीतल** उष्ण
- **सुलभ** दुर्लभ
- **सौभाग्य** दुर्भाग्य
- **सर्दी** गर्मी
- **सुख** दु:ख
- **सुंदर** असुंदर
- **सजीव** निर्जीव
- **सस्ता** महँगा
- **सनाथ** अनाथ
- **सफाई** गंदगी
- **स्वर्ग** नरक
- **स्वदेश** परदेश, विदेश
- **स्तुति** निंदा
- **अनेक** एक
- **अपचय** उपचय
- **अंडज** पिंडज
- **असंतुष्ट** संतुष्ट
- **असंतोष** संतोष
- **आधार** गिराधार, अनाधार
- **आधुनिक** प्राचीन
- **रचना** ध्वंस
- **आगामी** विगत
- **आचार** अनाचार
- **आत्मा** अनात्मा, परमात्मा
- **आदान** प्रदान
- **आयात** निर्यात
- **आकाश** पाताल
- **एकत्र** विकीर्ण
- **अंतर्मुखी** बहिर्मुखी
- **अंतरंग** बहिरंग
- **अंधकार** प्रकाश
- **अंदर** बाहर
- **अंदरूनी** बाहरी
- **रूग्न** निरोग
- **अक्षम** सक्षम
- **अकाम** सुकाम
- **अगला** पिछला
- **अनुराग** विराग
- **दिवा** रात्रि
- **आकर्षण** विकर्षण
- **अमर** मर्त्य
- **गुप्त** प्रकट
- **अमृत** विष
- **एड़ी** चोटी
- **अल्पसंख्यक** बहुसंख्यक
- **अल्प** बहु
- **अलभ्य** लभ्य
- **सृष्टि** प्रलय
- **संधि** विग्रह
- **सार्थक** निरर्थक
- **सुबह** शाम
- **सुविधा** असुविधा
- **सुगंध** दुर्गंध
- **हिंसा** अहिंसा
- **हानि** लाभ
- **चिरंतन** नश्वर
- **हार** जीत
- **हर्ष** विषाद
- **क्षमा** दंड
- **क्षम्य** अक्षम्य
- **क्षर** अक्षर
- **क्षणिक** शाश्वत
- **आवक** जावक
- **आगत** अनागत
- **आतप** छाया, अनातप
- **आदृत** अनादृत
- **अकेला** साथ
- **अगला** पिछला
- **अनृत** ऋत, तथ्य
- **अनुरक्त** विरक्त
- **अपकार** उपकार
- **अभिमुख** विमुख
- **अबला** सबला
- **अचेत** सचेत
- **अत्र** तत्र
- **अकाम** सकाम
- **अतिवृष्टि** अनावृष्टि
- **अत्यधिक** स्वल्प, अत्यल्प
- **अथ** इति
- **अधिकत्तम** न्यूनत्तम
- **अधम** उत्तम
- **अधित्यका** उपत्यका
- **अगम** सुगम
- **अनभिज्ञ** अभिज्ञ
- **ज्योति** तम
- **गमन** आगमन
- **छाया** धूप
- **अर्थी** प्रत्यर्थी
- **अदोष** सदोष
- **अध:** उपरि
- **अधिक** अल्प
- **अधिकारी** अनाधिकारी
- **अधुनातन** पुरातन
- **अध्यवसाय** अनध्यवसाय
- **अध्याय** अनध्याय
- **महात्मा** दुरात्मा
- **तरल** ठोस
- **रिक्त** पूर्ण
- **अनय** नय
- **अंत** आदि
- **हस्त** पाद
- **अपमान** सम्मान
- **अर्पण** ग्रहण
- **अपेक्षा** उपेक्षा
- **अपेक्षित** उपेक्षित
- **अकर्मण्य** कर्मण्य
- **अरुचि** रूचि
- **अल्पज्ञ** बहुज्ञ
- **अल्पायु** दीर्घायु, चिरायु
- **अवकाश** अनवकाश
- **पूर्ववर्ती** उत्तरवर्ती
- **अवनि** अंबर
- **अवरोध** अनवरोध
- **अश्रु** हास
- **अस्त** उदय
- **अभीष्ट** अनभीष्ट
- **अनुपस्थित** उपस्थित
- **आकीर्ण** विकीर्ण
- **आकर्षण** विकर्षण
- **आसक्त** अनासक्त
- **आभ्यंतर** बाह्य
- **शोषक** पोषक
- **आरोह** अवरोह
- **आर्य** अनार्य
- **आरोही** अवरोही
- **आगमन** गमन
- **आवश्यक** अनावश्यक
- **आवाहन** विजर्सन
- **आवृत्त** अनावृत्त
- **आध्यात्मिक** आधिभौतिक
- **सुख** दु:ख
- **मान** अपमान
- **आदर** निरादर
- **अमीर** गरीब
- **मोटा** पतला
- **प्रारंभिक** अंतिम
- **अग्नि** जल
- **आग** पानी
- **अधिकांश** अल्पांश
- **अपराह्न** पूर्वाह्न
- **अखाद्य** खाद्य
- **अचर** चर
- **अजेय** जेय
- **अज्ञान** ज्ञान
- **अज्ञानी** ज्ञानी
- **अकर्मण्य** कर्मण्य
- **अयश** सुयश, यश
- **अपकीर्त्ति** सुकीर्त्ति
- **अनित्य** नित्य
- **अलौकिक** लौकिक
- **अप्रिय** प्रिय
- **असाधारण** साधारण
- **असभ्य** सभ्य
- **अमंगल** मंगल
- **अशिव** शिव
- **अशुभ** शुभ
- **अमोघ** मोघ
- **अनिच्छा** इच्छा
- **अनुचित** उचित
- **असमय** सुसमय
- **अवसर** सुअवसर
- **अनावरण** आवरण
- **अशिष्ट** शिष्ट
- **अशिष्टता** शिष्टता
- **आज्ञा** अवज्ञा
- **अतिरिक्त** अनतिरिक्त
- **अर्जन** वर्जन
- **अर्पित** गृहीत
- **अकर्त्तव्य** कर्त्तव्य
- **अधुनातन** पुरातन
- **अपराधी** निर्दोष, निरपराध
- **अभिमान** निरभिमान
- **अप्रत्यक्ष** प्रत्यक्ष
- **अपकर्ष** प्रकर्ष, उत्कर्ष
- **अप्रसन्न** प्रसन्न
- **अपव्यय** मितव्यय
- **अनुर्वरा** उर्वरा
- **अपूर्ण** पूर्ण
- **अधर्म** धर्म
- **आशा** निराशा
- **आज्ञा** अवज्ञा
- **उचित** अनुचित
- **धर्म** अधर्म
- **न्याय** अन्याय

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- **साफ** मैला
- **पास** दूर
- **वीर** कायर
- **धनी** निर्धन
- **प्रमुख** सामान्य, गौण
- **गुरु** चेला
- **खट्टा** मीठा
- **क्षणिक** शाश्वत
- **आस्तिक** नास्तिक
- **आरंभ** समाप्त
- **आम** खास
- **आकुंचन** प्रसारण
- **आलस्य** स्फूर्ति
- **आराम** काम, परिश्रम
- **विधवा** सधवा
- **इंसाफ** गैर-इंसाफ
- **इकहरा** दुहरा
- **ईद** मुहर्रम
- **ईश** अनीश
- **ईश्वर** अनीश्वर, जीव
- **ईमानदार** बेईमान
- **उचित** अनुचित
- **उच्च** निम्न
- **स्वामी** सेवक
- **उत्तीर्ण** अनुत्तीर्ण
- **उत्कृष्ट** निकृष्ट
- **उत्थान** पतन
- **उत्साह** निरुत्साह, अनुत्साह
- **हर्ष** शोक
- **उदयाचल** अस्ताचल
- **उदात्त** अनुदात्त
- **उदार** अनुदार, संकीर्ण
- **उद्यम** निरुद्यम
- **उधार** नकद
- **उद्धत** विनीत
- **त्रास्दी** कामदी
- **उन्मीलन** निमीलन
- **उन्मुख** विमुख
- **उन्मूलन** मूलन
- **उपकार** अपकार
- **उपयोग** दुरुपयोग
- **उपर्सग** प्रत्यय
- **अच्छा** बुरा
- **ऊपर** नीचे
- **प्रशंसा** निन्दा
- **बाएँ** दाएँ
- **रात** दिन
- **आदत्त** प्रदत्त
- **आरूढ़** अनारूढ़
- **दैव** दैत्य
- **क्रय** विक्रय
- **हंसना** रोना
- **उठना** बैठना
- **लेन** देन
- **जागना** सोना
- **उचित** अनुचित
- **उपस्थित** अनुपस्थित
- **विद्वान** मूर्ख
- **हानि** लाभ
- **नवीन** प्राचीन
- **आलोक** अंधकार
- **आय** व्यय
- **आमिष** निरामिष
- **आस्तिक** नास्तिक
- **उपयुक्त** अनुपयुक्त
- **उग्र** सौम्य
- **उपयोगी** अनुपयोगी
- **उष्ण** शीत, शीतल
- **उगना** डूबना
- **उदास** प्रसन्न, प्रफुल्ल
- **उदित** अस्त
- **उषा** संध्या
- **उपजीव्य** उपजीवी
- **उपकारक** अपकारक
- **उतार** चढ़ाव
- **उदीची** प्रतीची
- **उपजाऊ** बंजर
- **उत्थान** पतन
- **एकाधिकार** सर्वाधिकार
- **खेद** प्रसन्नता
- **ऊँच** नीच
- **दण्ड** पुरस्कार
- **ऊसर** उपजाऊ
- **ऊर्ध्वमुख** अधोमुख
- **तुच्छ** महान
- **ऋण** उऋण
- **ऋणात्मक** घनात्मक
- **एक** अनेक
- **एकता** अनेकता
- **एड़ी** चोटी
- **एकमुखी** बहुमुखी
- **ऋण** उऋण
- **क्रय** विक्रय
- **अभिमान** नम्रता
- **आय** व्यय
- **आयात** निर्यात
- **असली** नकली
- **असल** नकल
- **आस्था** अनास्था
- **इधर** उधर
- **दूषित** स्वच्छ
- **इकट्ठा** अलग
- **इच्छा** अनिच्छा
- **इति** अथ
- **इष्ट** अनिष्ट
- **उत्तरायण** दक्षिणायन
- **उत्तम** अधम
- **उपचार** अपचार
- **उर्वर** ऊसर
- **उन्नयन** अवनयन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश (1-97) : निम्नलिखित शब्द के विपरीतार्थक शब्द के विकल्प दिए गए हैं, सटीक विपरीत शब्द का चयन कीजिए।

1. यथार्थ
(A) आदर्श (B) कृत्रिम
(C) उचित (D) अनुचित

2. शाश्वत
(A) अशाश्वत (B) क्षणिक
(C) नाशवान् (D) अचिर

3. अग्र
(A) उग्र (B) पश्च
(C) पीछे (D) पूर्व

4. उत्कृष्ट
(A) उत्कर्ष (B) अकृष्ट
(C) निकृष्ट (D) आकृष्ट

5. आशा
(A) प्रत्याशा (B) निराशा
(C) अभिलाषा (D) दुराशा

6. आरोही
(A) अवरोही (B) अवरोहण
(C) उतार (D) ऊर्ध्व

7. उत्तम
(A) अधम (B) निकृष्ट
(C) उदार (D) उद्यमी

8. सृष्टि
(A) मरण (B) प्रलय
(C) वृष्टि (D) मोक्ष

9. मधुर
(A) लवण (B) ललित
(C) कूट (D) कटु
(E) इनमें से कोई नहीं

10. अल्पज्ञ
(A) अवज्ञ (B) सर्वज्ञ
(C) अभिज्ञ (D) कृतज्ञ
(E) इनमें से कोई नहीं

11. भीषण
(A) सौम्य (B) मधुर
(C) सरल (D) साधारण

12. कोप
(A) कृपा (B) विषाद
(C) हर्ष (D) क्षोभ

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

13. मानव
(A) आतंक (B) दानव
(C) मनुष्य (D) दैत्य

14. उत्कर्ष
(A) आकर्ष (B) निष्कर्ष
(C) अपकर्ष (D) मध्याकर्ष
(E) इनमें से कोई नहीं

15. रंगीन
(A) रंगहीन (B) बेरंग
(C) रंगहिन (D) सफेद
(E) इनमें से कोई नहीं

16. तिमिर
(A) प्रकाश (B) शीतल
(C) सात्विक (D) रश्मि
(E) साधक

17. अर्जन
(A) वर्जन (B) बर्जन
(C) व्यय (D) त्याग
(D) इनमें से कोई नहीं

18. कृतज्ञ
(A) अकृतज्ञ (B) क्रुतध्न
(C) कृतज्ञहीन (D) कृतघ्न
(E) इनमें से कोई नहीं

19. आग्रह
(A) दुराग्रह (B) अनाग्रह
(C) आग्रह रहित (D) दूराग्रह
(E) इनमें से कोई नहीं

20. विरक्त
(A) अनुरक्त (B) अनूरक्त
(C) विरत (D) अनुरत
(E) अभिरत

21. सज्जन
(A) क्रुर (B) निरक्षर
(C) दुर्जन (D) साक्षर

22. जरा
(A) थोड़ा (B) यौवन
(C) जला (D) अल्प

23. स्थूल
(A) स्थल (B) सापेक्ष
(C) कृश (D) निर्गुण

24. छाया
(A) नीच (B) गत
(C) धूल (D) सरल

25. जड़
(A) पेड़ (B) पहाड़
(C) चेतन (D) संसार

26. आधुनिक
(A) नवीन (B) नवोदय
(C) प्राचीन (D) अर्वाचीन

27. कृपण
(A) परोपकारी (B) दानी
(C) भिखारी (D) स्वार्थी

28. लघिमा
(A) लघुत्व (B) गुरूत्व
(C) महिमा (D) गरिमा

29. परोक्ष
(A) विपक्ष (B) प्रत्यक्ष
(C) उत्कर्ष (D) अपकर्ष

30. निकृष्ट
(A) कृतघ्न (B) कृतज्ञ
(C) उत्कृष्ट (D) निष्पक्ष

31. गुप्त
(A) आगत (B) ज्ञात
(C) चिरंतन (D) सुप्त

32. जंगम
(A) स्थूल (B) विस्तृत
(C) दुर्गम (D) स्थावर

33. कल्पना
(A) अवास्तव (B) विरत
(C) यथार्थ (D) व्यक्त

34. उद्धत
(A) नम्र (B) चालाक
(C) कृपण (D) बेईमान

35. एकदेशीय
(A) बहुदेशीय (B) विदेशी
(C) स्वदेशी (D) सर्वदेशीय

36. शाश्वत
(A) नाशवान (B) नश्वर
(C) क्षणिक (D) अनश्वर

37. मौखिक
(A) लिखित (B) कथित
(C) पठित (D) अलिखित

38. आलोक
(A) अनुलोम (B) अवनति
(C) अंधकार (D) प्राचीन

39. आस्तिक
(A) स्वास्तिक (B) नास्तिक
(C) कर्मयोगी (D) धर्मवीर

40. आयात
(A) कायनात (B) वाहियात
(C) निर्यात (D) यातायात

41. विस्तार
(A) छोटा (B) सूक्ष्म
(C) संक्षेप (D) इनमें से कोई नहीं

42. गरिमा
(A) नीचता (B) घृणा
(C) लघिमा (D) अंधकार

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

43. अनुकूल
(A) परिकूल (B) कूल
(C) विकूल (D) प्रतिकूल

44. उन्नति
(A) अगति (B) अवन्नति
(C) अवनति (D) प्रतिगति

45. साकार
(A) आकार (B) विकार
(C) प्रकार (D) निराकार

46. जड़
(A) पेड़ (B) पहाड़
(C) चेतन (D) संसार

47. उन्मीलान
(A) अन्मीलन (B) निमीलन
(C) मीलन (D) विमीलन

48. स्थावर
(A) जंगम (B) मंगल
(C) दंगल (D) दीवान

49. अवनति
(A) जनति (B) खनति
(C) उन्नति (D) गर्जति

50. सुबोध
(A) कुबोध (B) दुर्बोध
(C) दलित (D) पतित

51. गमन
(A) जाना (B) उतरना
(C) आगमन (D) चढ़ना

52. भग्न
(A) खंडित (B) नष्ट
(C) अक्षत (D) ध्वंस

53. शांत
(A) उद्विग्न (B) निश्चल
(C) गम्भीर (D) स्थिर

54. दिवस
(A) विभावरी (B) अरविन्द
(C) प्रवाहिणी (D) विचक्षण

55. निर्मल
(A) पवित्र (B) शुद्ध
(C) मलिन (D) मृदु

56. नैसर्गिक
(A) पुरातन (B) कृत्रिम
(C) कल्पित (D) प्राकृतिक

57. रंक
(A) बलवान (B) धनवान
(C) किसान (D) मजदूर

58. निकट
(A) दूर (B) समीपवर्ती
(C) पासवर्ती (D) दूरदर्शी

59. शुष्क
(A) सरस (B) पानी
(C) तरल (D) गीला

60. संक्षेपन
(A) स्फीति (B) विस्तारण
(C) विस्तीर्ण (D) विस्तारीकरण

61. सच
(A) आडम्बर (B) झूठ
(C) असत्य (D) दिखावा

62. उद्यम
(A) प्रवीण (B) आलस्य
(C) नीरज (D) नृप

63. महान
(A) मरण (B) चेतन
(C) क्षुद्र (D) मूढ़

64. द्युति
(A) छवि (B) प्रथा
(C) ज्योति (D) अंधकार

65. सामिष
(A) निरामिष (B) वैष्णव
(C) शाकाहारी (D) मांसरहित

66. व्यय
(A) धनागम (B) आमदनी
(C) धनोपार्जन (D) आय

67. संयोग
(A) विप्रलम्भ (B) विरह
(C) वियोग (D) पार्थक्य

68. रूक्ष
(A) पिच्छल (B) चिक्कण
(C) स्निग्ध (D) सरस

69. राग
(A) कलंक (B) द्वेष
(C) अभिमान (D) स्पर्धा

70. सबल
(A) निर्बल (B) बलशाली
(C) निबल (D) बलवान

71. क्षणिक
(A) शाश्वती (B) शाश्वत
(C) अचिर (D) विशद

72. शिष्ट
(A) निकृष्ट (B) विशिष्ट
(C) अशिष्ट (D) अवशिष्ट

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

73. अपयश
(A) विरज (B) विरल
(C) विरत (D) विरद

74. अभिमान
(A) अविमान (B) गर्व
(C) स्पर्धा (D) द्वेष

75. श्रेष्ठ
(A) गौण (B) निकृष्ट
(C) निम्न (D) नीच

76. आलोक
(A) अद्‌भुत (B) अज्ञात
(C) अधंकार (D) रात्रि

77. प्रशंसनीय
(A) वंध्य (B) वन्द्य
(C) निन्द्य (D) अनिन्द्य

78. शीघ्रता
(A) अवलम्ब (B) अविलम्ब
(C) आलस्य (D) विलम्ब

79. सम्मान
(A) अवमान (B) अभिमान
(C) अभिधान (D) अवधान

80. वार्धक्य
(A) किशोरावस्था (B) यौवन
(C) बुढ़ापा (D) बचपन

81. ज्ञानी
(A) मूर्ख (B) विद्वान
(C) विदूषक (D) अल्पज्ञ

82. शान्त
(A) उद्विग्न (B) उल्लसित
(C) आनन्दित (D) परेशान

83. प्रधान
(A) प्रमुख (B) गौण
(C) सामान्य (D) विशिष्ट

84. प्रतिक्रिया
(A) क्रिया (B) प्रक्रिया
(C) विरोध (D) रोष

85. इहलोक
(A) स्वर्गलोक (B) परलोक
(C) सम्मान (D) अपमान

86. आध्यात्मिक
(A) वैज्ञानिक (B) मानसिक
(C) भौतिक (D) शारीरिक

87. अंतरंग
(A) बाहरी (B) गहन
(C) गोपनीय (D) बहिरंग

88. साहचर्य
(A) वैमनस्य (B) असहयोग
(C) विनयोग (D) अलगाव

89. आकाश
(A) अंतरिक्ष (B) सागर
(C) पृथ्वी (D) पाताल

90. शुक्ल पक्ष
(A) कृष्ण पक्ष (B) उज्ज्वल
(C) श्याम (D) अंधकार

91. निवृत्ति
(A) वैराग्य (B) निर्वेद
(C) अप्रवृत्ति (D) अवृत्ति

92. शकुन
(A) अशोभन (B) विलक्षण
(C) अपशकुन (D) विचक्षण

93. रद्द
(A) ग्रहण (B) स्वीकार
(C) प्रस्तुत (D) बहिष्कार

94. ऋषि
(A) मुनि (B) भोगी
(C) आसक्त (D) संसारी

95. गृहीत
(A) विनीत (B) कर्कश
(C) अर्पित (D) वरुण

96. बुद्धिमान
(A) दुर्बुद्धि (B) निर्बुद्धि
(C) विबुध (D) प्रबुद्ध

97. सैद्धान्तिक
(A) वास्तविक (B) व्यावहारिक
(C) वैयक्तिक (D) सामूहिक

उत्तरमाला

1. (B)	2. (B)	3. (B)	4. (C)	5. (B)	6. (A)	7. (B)	8. (B)
9. (D)	10. (B)	11. (A)	12. (A)	13. (B)	14. (C)	15. (A)	16. (A)
17. (C)	18. (D)	19. (A)	20. (A)	21. (C)	22. (B)	23. (C)	24. (C)
25. (C)	26. (C)	27. (D)	28. (B)	29. (B)	30. (C)	31. (B)	32. (D)
33. (C)	34. (A)	35. (D)	36. (C)	37. (C)	38. (C)	39. (B)	40. (C)
41. (B)	42. (C)	43. (D)	44. (C)	45. (D)	46. (C)	47. (D)	48. (A)
49. (C)	50. (A)	51. (C)	52. (B)	53. (A)	54. (A)	55. (C)	56. (B)
57. (B)	58. (A)	59. (A)	60. (B)	61. (B)	62. (B)	63. (C)	64. (D)
65. (A)	66. (D)	67. (C)	68. (C)	69. (B)	70. (C)	71. (B)	72. (C)
73. (D)	74. (A)	75. (B)	76. (C)	77. (C)	78. (D)	79. (A)	80. (B)
81. (A)	82. (A)	83. (B)	84. (B)	85. (B)	86. (C)	87. (D)	88. (A)
89. (D)	90. (A)	91. (D)	92. (C)	93. (B)	94. (D)	95. (C)	96. (B)
97. (B)							

Join WhatsApp Group

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

कम-से-कम शब्दों में अधिक-से-अधिक भावों को व्यक्त करना भाषा या वाणी का सर्वश्रेष्ठ गुण माना जाता है, क्योंकि ऐसी भाषा प्रभावशाली होती है। भाषा के सुगठित और संयत रूप का अपना आकर्षण होता है। इसके विपरीत विस्तृत कथन के अन्तर्गत भाषा में ढ़ीलापन और बिखराव सा रहता है। जो पाठक या श्रोता के लिए उबाऊ होता है, जबकि संक्षिप्त चुस्त और सारगर्भित भाषा पाठक या श्रोता को आकर्षित किए रहती है। अतएव कम शब्दों से अधिक अभिव्यक्ति प्रतिभा का प्रतीक मानी जाती है।

एकार्थक शब्दों की सूची

वाक्यखंड — **एक शब्द**

- जो परदा में रहे - **परदानशीन**
- जो उद्धार करता है - **उद्धारक**
- जो युग का निर्माण करता है - **युगनिर्माता**
- जीने की इच्छा - **जिजीविषा**
- जो युद्ध करने की इच्छा रखता है - **युयुत्सु**
- नीली है आभा जिसकी - **नीलाभ**
- बढ़ा-चढ़ाकर कही गयी बात - **अत्यक्ति, अतिशयोक्ति**
- जिसका अर्थ न हो - **निरर्थक**
- जिसमें खूब उपज होती हो - **उर्वर, उपजाऊ**
- जो कथन (वक्तव्य) पुस्तक के आरंभ में लिखा जाता है - **प्राक्कथन**
- जो यान जल में चलता है - **जलयान**
- जो यान वायु में चलता है - **वायुयान**
- जो सब कुछ जानता है - **सर्वज्ञ**
- जो बहुत जानता है - **बहुज्ञ**
- बीता हुआ - **अतीत**
- जो किये गये उपकारों को जानता (मानता) है - **कृतज्ञ**
- जो किये गये उपकारों को नहीं मानता है - **कृतघ्न**
- नहीं मरनेवाला - **अमर**
- जो किसी की ओर से है - **प्रतिनिधि**
- गिरा हुआ - **पतित**
- जो बहुत बोलता है - **वाचाल**
- जिसे चार भुजाएँ हैं - **चतुर्भुज**
- जिसे दस आनन (मुख) हैं - **दशानन (रावण)**
- जिसके समान द्वितीय (दूसरा) न हो - **अद्वितीय**
- जिसके हृदय में दया न हो - **निर्दय**
- जिसके दो पद (पैर) हैं - **द्विपद**
- जिसका कोई नाथ न हो - **अनाथ**
- जिसे ईश्वर या वेद में विश्वास न हो - **नास्तिक**
- जिसे ईश्वर या वेद में विश्वास हो - **आस्तिक**
- जिस स्त्री का धव (पति) मर गया है - **विधवा**
- जिसका जन्म अनु (पीछे) हुआ हो - **अनुज**
- यशवाला - **यशस्वी**
- तेजवाला - **तेजस्वी**
- कठिनाई से समझने योग्य - **दुर्बोध**
- आगे होनेवाला - **भावी**
- सब कुछ भक्षण करनेवाला - **सर्वभक्षी**
- जिसकी उपमा न हो - **अनुपम**
- जो नहीं हो सकता - **असंभव**
- जो आमिष (मांस) नहीं खाता - **निरामिष**
- जो स्त्री कविता लिखती है - **कवयित्री**
- जो शत्रु की हत्या करता है - **शत्रुघ्न**
- जो मांस का आहार करता है - **मांसाहारी**
- जो शाक का आहार करता है - **शाकाहारी**
- जो फल का आहार करता है - **फलाहारी**
- गृह (घर) बसाकर स्थित (रहनेवाला) - **गृहस्थ**
- जो विज्ञान जानता है - **वैज्ञानिक**
- जो व्याकरण जानता है - **वैयाकरण**
- जो अक्षर (पढ़ना-लिखना) जानता है - **साक्षर**
- जो पहरा देता है - **प्रहरी**
- जो स्वार्थ (अपनी ही भलाई) चाहता है - **स्वार्थी**
- जो परमार्थ (दूसरों की भलाई) चाहता है - **परमार्थी**
- आशा से अधिक - **आशातीत**
- जो पर (दूसरों) के अधीन है - **पराधीन**
- जो देखने में प्रिय लगता है - **प्रियदर्शी**
- बेचनेवाला - **विक्रेता**
- आकाश को चुमनेवाला - **आकशचुंबी**
- वह स्थान जहाँ मुर्दे जलाये जाते हैं - **श्मशान**
- जो लोक में संभव न हो - **अलौकिक**
- जो मन को हर ले - **मनोहर**
- शक्ति के अनुसार - **यथाशक्ति**
- ग्राम का रहनेवाला - **ग्रामीण**
- नगर का रहनेवाला - **नागरिक, नागर**
- नया (तुरंत का) जन्मा हुआ - **नवजात**
- पुत्र की वधू - **पुत्रवधू**
- पुत्र का पुत्र - **पौत्र**
- जो धर्म करता है - **धर्मात्मा**
- जो जन्म से अंधा है - **जन्मांध**
- जो नष्ट होनेवाला है - **नश्वर**
- जो आसानी से लब्ध (प्राप्य) है - **सुलभ**
- आँखों के सामने - **प्रत्यक्ष**
- आँखों से परे - **परोक्ष**
- अपने परिवार के साथ - **सपरिवार**
- जो साँप पकड़ता है - **सपेरा**
- यात्रा करनेवाला - **यात्री**
- जहाँ लोगों का मिलन हो - **सम्मेलन**
- जहाँ नदियों का मिलन हो - **संगम**
- सुख देनेवाला - **सुखद**
- दु:ख देनेवाला - **दु:खद**
- जिसका उदर लंबा हो - **लंबोदर**
- जिस पुरुष की स्त्री मर गयी है - **विधुर**
- जो पीने योग्य हो - **पेय**
- मरण तक - **आमरण**
- जन्म भर - **आजन्म**

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

- समान उदर से जन्म लेनेवाला - **सहोदर**
- कम बोलनेवाला - **मितभाषी**
- जो अल्प (कम) जानता है - **अल्पज्ञ**
- जो बहुत जानता है - **बहुज्ञ**
- जो कुछ नहीं जानता है - **अज्ञ**
- जो शास्त्र जानता है - **शास्त्रज्ञ**
- जो जानने योग्य है - **ज्ञातव्य**
- जो पूछने योग्य है - **प्रष्टव्य**
- जो देखने योग्य है - **द्रष्टव्य, दर्शनीय**
- जो सुनने योग्य है - **श्रवणीय, श्रोतव्य**
- जो कहने योग्य है - **कथ्य, कथनीय**
- जो राजनीति जानता है - **राजनीतिज्ञ**
- जो व्याकरण जानता है - **वैयाकरण**
- जो संगीत जानता है - **संगीतज्ञ**
- जो विज्ञान जानता है - **वैज्ञानिक**
- जो कला जानता है - **कलाविद्, कलाकार**
- जो वेद जानता है - **वेदज्ञ, वैदिक**
- जो बहुत भाषा जानता है - **बहुभाषाविद्**
- जो न्याय जानता है - **नैयायिक, न्यायविद्**
- जो भू के गर्भ (अंदर) की बात जानता हो- **भुगर्भवेत्ता, भूगर्भशास्त्री**
- जो ईश्वर में विश्वास रखता है - **आस्तिक**
- जो ईश्वर में विश्वास नहीं रखता है - **नास्तिक**
- जो नाचता है - **नर्तक, नृत्यकार**
- जो अभिनय करता है - **अभिनेता**
- पढ़ने योग्य - **पठनीय**
- दर्शन के योग्य - **दर्शनीय**
- जो स्मरण रखने योग्य है - **स्मरणीय**
- जो देने योग्य है - **देय**
- जो मोक्ष चाहता है - **मुमुक्षु**
- जिसकी ग्रीवा सुंदर हो - **सुग्रीव**
- जो उपकार करता है - **उपकारी**
- जो जानना चाहता है (जानने को इच्छु) - **जिज्ञासु**
- जो स्त्री के वशीभुत या स्त्री-जैसे स्वभाव का है - **स्त्रैण**
- जो धीरज धारण करता है - **धीर, धैर्यवान**
- जो भेदा न जा सके - **अभेद्य**
- शिव का उपासक - **शैव**
- अनुचित बात के लिए आग्रह - **दुराग्रह**
- जो सब कुछ जानता है - **सर्वज्ञ**
- जो पहले कभी नहीं हुआ - **अभूतपूर्व**
- जो पहले कभी नहीं सुना गया - **अश्रुतपूर्व**
- जे पहले कभी नहीं देखा गया - **अदृष्टपूर्व**
- जो देखा नहीं जा सकता है - **अदृश्य**
- जो स्मरण (याद) करने योग्य है - **स्मरणीय**
- जो किये हुए उपकार को मानता है - **कृतज्ञ**
- जो मधुर बोलता है - **मधुरभाषी**
- जो अल्प (थोड़ा) बोलता है - **अल्पभाषी**
- जो नहीं आया हो - **अनागत**
- जो कल्पना से परे (अतीत) हो - **कल्पनातीत**
- जो प्रवास में रहता है - **प्रवासी**
- जो आसानी से उपलब्ध हो जाय (जिसे पाना आसान हो) - **सुलभ**
- जो आसानी से उपलब्ध न हो - **दुर्लभ**
- जो दूसरे का श्री-सौभाग्य देखकर दु:खी होता - **परश्रीकातर**
- जो अपने ही अवलंब (सहारे) पर रहता है - **स्वावलंबी**
- जो द्वार की रक्षा करता है - **द्वारपाल**
- जो बिना वेतन के काम करता है - **अवैतनिक**
- जो स्त्री अभिनय करती है - **अभिनेत्री**
- जो पुरुष अभिनय करता है - **अभिनेता**
- जिसे वशवर्ती बनाना (वश में करना) कठित हो - **दुर्धर्ष**
- जो कानों को सुनने में मधुर लगे - **श्रुतिमधुर**
- जो कानों को सुनने में कटु लगे - **कर्णकटु**
- जो इतिहास के पहले का है - **प्रागैतिहासिक**
- जो नपा-तुला व्यय (कम खर्च) करता हो - **मितव्ययी**
- जो स्त्री प्रिय बोलती है - **प्रियंवदा**
- जो बहुत और व्यर्थ बोलता है - **वाचाल**
- जो मित (कम) बोलता है - **मितभाषी**
- दो बार जन्म देनेवाला - **द्वित**
- जो मापा न जा सके - **अपरिमित**
- जो उक्ति पुन:-पुन: कही जाय - **पुनरुक्ति**
- जो शीघ्र समझ (बोध) में न आये - **दुर्बोध**
- जो इच्छा के अधीन हो - **इच्छाधीन**
- जो तीनों गुणों से परे (अतीत) हो - **निर्गुण, त्रिगुणातीत**
- जो पीने योग्य हो - **पेय**
- जो खाने योग्य हो - **खाद्य**
- जो खाने योग्य नहीं हो - **अखाद्य**
- जो गाने योग्य हो - **गेय**
- जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर बदला गया हो - **स्थानांतरित**
- जो सर्वसाधारण जन के लिए है - **सार्वजनिक**
- जो आया हो - **आगत**
- जो लौट आया हो - **प्रत्यागत**
- जो सर्वत्र (सब जगह) व्याप्त है- **सर्वव्यापक, सर्वव्यापी, स्र्वव्याप्त**
- जो परिवार के साथ है - **सपरिवार**
- जो भू (पृथ्वी) पर चलनेवाला है - **भूचर**
- जो जल में चलने-फिरनेवाला (रहनेवाला) है - **जलचर**
- जो आकाश में विचरण करता है - **नभचर, खेचर, खग**
- जो अपना है - **आत्मीय**
- जो किसी के बदल में बोलता या कुछ करता है - **प्रतिनिधि**
- जो मरना चाहता है - **मुमुर्षु**
- जो पीना चाहता है - **पिपासु**
- जो जीना चाहता है - **जिजीविषु**
- जो जन्म नहीं लेता - **अज, अजन्मा**
- जो जन्म नहीं लेती - **अजा**
- जो हो सकता है - **संभव**
- जो होकर रहेगा या होनेवाला है - **भावी, होनहार**
- जो अवश्य होनेवाला है - **अवश्यंभावी**
- जो नया आया हुआ हो - **नवागत, नवागंतुक**
- जो इंद्रियों के ज्ञान से परे (अतीत) है - **गोतीत, इंद्रियाजीत**
- जो सब में व्याप्त है - **सर्वव्याप्त, सर्वव्यापी**
- जो सब कुछ भक्षण करनेवाला (खानेवाला) है - **सर्वभक्षी**

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- जो कर्तव्य से च्युत हो गया है - **कर्तव्याप्त**
- जो सब कुछ भक्षण करनेवाला (खानेवाला) है - **सर्वभक्षी**
- जो कर्तव्य से च्युत हो गया है - **कर्तव्यच्युत**
- जो कठिनाई से पचता है - **दुष्पाच्य**
- जो शोक करने योग्य नहीं है - **अशोक्य**
- जो विषयों में आसक्त है - **विषयासक्त**
- जो वर्णन से परे (बाहर या अतीत) है - **वर्णनातीत**
- जो स्त्री सूर्य को भी न देख सके - **असूर्यम्पश्या**
- जो बड़े कष्ट से निवारित किया (टाला) जा सके - **दुर्निवार**
- जो दिन में एक बार भोजन करता है - **एकाहारी**
- जो वचन से परे (अतीत) हो - **वचनातीत**
- जो मुकदमा लड़ता रहता है - **मुकदमेबाज**
- जो (अक्षर) पढ़ना-लिखना जानता है - **साक्षर**
- जो (अक्षर) पढ़ना-लिखना नहीं जानता है - **निरक्षर**
- जो सबकुछ सह (बर्दाश्त कर) लेता है - **सर्वसहिष्णु**
- जो पहले हुआ था - **भूतपूर्व**
- नदी से खींचा जानेवाला प्रदेश - **नदीमातृक**
- जो विश्व का हित (भलाई) चाहता है - **विश्वहितैषी**
- जिसकी बाहुएँ लंबी हों - **प्रलंबबाहु, दीर्घबाहु**
- जो आग्रह सत्य के साथ किया जाय - **सत्याग्रह**
- निद्रा पर विजय पानेवाला - **निद्राजयी**
- जो अंडा से जन्म लेता है - **अंडज**
- जो एक के अतिरिक्त किसी अन्य का नहीं है - **अनन्य**
- जो दया के साथ (दयालु) है - **सदय, दयालु**
- जिस पुरुष की पत्नी मर चुकी हो - **विधुर**
- जो साधा न जा सके या ठीक न किया जा सके - **असाध्य**
- जो तुरंत (नव) जनमा हो - **नवजात**
- जो रंग (नाटक या अभिनय) का मंच है - **रंगमंच**
- जो वचन (वाणी) से प्रकट करने योग्य न हो - **अनिर्वचनीय**
- जो भू को धारण करता है - **भूधर**
- जो सर्वशक्तिसंपन्न है - **सर्वशक्तिमान**
- जो यश से युक्त है - **यशस्वी**
- जो हमेशा रहनेवाला है - **शाश्वत**
- जो बिल्कुल बहरा है - **वज्रवधिर**
- जो दूसरों के अधीन है - **पराधीन**
- जो देखने में प्रिय लगता है - **सुदर्शन, प्रियदर्शी**
- जो देखने में प्रिय लगती है - **सुदर्शना, प्रियदर्शिनी**
- जो हाथ से मुक्त (खूब देनेवाला) है - **मुक्तहस्त**
- जो हमेशा खड्ग (तलवार) हाथ में लिये रहता है - **खड्गहस्त**
- जो जन्म से ही अंधा है - **जन्मांध**
- जो रथ पर सवार है - **रथी**
- जो नष्ट होनेवाला है - **नश्वर**
- जो पिंड से जन्म लेता है - **पिंडज**
- जो धरती फोड़कर जनमता है - **उद्भिज**
- जो स्वेद (पसीना) से जनमता है - **स्वेदज**
- जो जरायु (गर्भ की थैली) से जन्म लेता है - **जरायुज**
- जो स्वयं उत्पन्न हुआ हो - **स्वयंभू**
- जो चलता नहीं - **अचल**
- जो केवल स्वयं का हित (अर्थ) चाहता है - **स्वार्थी**
- जो पराये (दूसरे) का हित (अर्थ) चाहता है - **परार्थी, परमार्थी**
- जो इतिहास से संबंध रखता है - **ऐतिहासिक**
- जो बाँयें हाथ (सव्य) से हथियार चलाने में दक्ष हो - **सव्यसाची**
- जो जीता न जा सके - **अजेय**
- जो विलंब से काम करे - **दीर्घसूत्री**
- जो युद्ध में स्थिर रहता है - **युधिष्ठिर**
- जो पूरे विश्व का बंधु हो - **विश्वबंधु**
- जो बहुत (अति) छोटा (लघु) नहीं है - **नातिलघु**
- जो बहुत (अति) बड़ा (दीर्घ) नहीं है - **नातिदीर्घ**
- जो नाटक का सूत्र धारण (संचालन) करता है - **सूत्रधार**
- जो पुरुष कविता लिखता है - **कवि**
- जो स्त्री कविता लिखती है - **कवयित्री**
- जो कष्ट सहन कर सके - **कष्टसहिष्णु**
- जो अपनी हत्या करता है - **आत्महत्या**
- जो दूसरे की हत्या करता है - **हत्यारा**
- जो उद्धार करता है - **उद्धारक**
- दौड़नेवाला - **धावक**
- बोलनेवाल - **वक्ता**
- खाली करनेवाला - **रेचक**
- पूजा करनेवाला - **पुजारी, पूजक**
- जो केवल दूध पीता हो - **दुग्धाहारी**
- जो किसी पर अभियोग लाता है - **वादी**
- जो अभियोग का विरोध करता है - **प्रतिवादी**
- जो याचना करता है - **याचक**
- जो समय के अनुकूल न हो - **असामयिक**
- जो देखनेवाला है - **दर्शक**
- जो कभी च्युत न हुआ हो - **अच्युत**
- जो स्मृति को मानता हो - **स्मार्त**
- जो सहने का शील रखता है - **सहनशील**
- जो एक जगह से दूसरी जगह आता-जाता है - **यायावर, घुमक्कड़**
- जो एक ही का भक्त है - **अनन्यभक्त**
- जो शरीर से दुर्बल (क्षीण) है - **क्षीणकाय**
- जो शरीर से स्थूल (भारी) है - **स्थूलकाय**
- जो पुरुष कायर का कुत्सित है - **कापुरुष**
- जो स्त्री अपने पति द्वारा त्यक्त (त्यागी गयी) हो - **पतित्यक्ता**
- जो कोई सामान ले जाता है - **वाहक**
- जो तर्कशास्त्र जानता है - **तार्किक, तर्कशास्त्री**
- जो शिक्षा प्रदान करता है - **शिक्षक**
- जो शिक्षा प्राप्त करता है - **शिक्षार्थी**
- जो सबको मान्य (स्वीकार) है - **सर्वमान्य**
- जिसके पास कुछ भी नहीं हो - **अकिंचन**
- जिसके हृदय में दया नहीं है - **निर्दय**
- जिसके लोचन (आँखें) सुन्दर हों - **सुलोचना**
- जिसके कुल का पता न हो - **अज्ञातकुल**
- जिसके हाथ में शूल है - **शूलपाणि (शिव)**
- जिसके आने की तिथि मालूम न हो - **अतिथि**
- जिसमें शक्ति नहीं है - **अशक्त**
- जिसमें सामर्थ्य नहीं है - **असमर्थ**
- जिसमें तेज नहीं है - **निस्तेज**

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- जिसमें प्रतिभा है - **प्रतिभावान्**
- जिसमें मल (मैल, गंदगी) न हो - **निर्मल**
- जिसमें पाप नहीं है - **निष्पाप**
- जिसका जन्म पहले (अग्र) हुआ हो - **अग्रज**
- जिसका जन्म पीछे (अनु) हुआ हो - **अनुज**
- जो सदा शुभदायक रहता है - **सदाशिव**
- जो मरण की ओर उन्मुख है - **मरणोन्मुख**
- जो विकल्प में हो, जिसका कोई विकल्प हो - **वैकल्पिक**
- जो इच्छा के अधीन है - **ऐच्छिक, इच्छाधीन**
- जो नृत्य करता है (नाचता है) - **नर्तक**
- जो विधि (कानून) के विरुद्ध है - **अवैध, गैरकानूनी**
- जो इस लोक में संभव नहीं है - **अलौकिक**
- जो अनुकरण करने योग्य है - **अनुकरणीय**
- जो सबसे आगे (पहले) गिनाने योग्य हो - **अग्रगण्य**
- जो धर्माचरण करता है - **धर्मात्मा**
- जहाँ खाना सदैव मुफ्त में दिया जाता है - **सदाव्रत, लंगर**
- जो पंचाल देश की रहनेवाली हो - **पांचाली**
- जो पुरुष लोहे जैसा मजबूत (बलिष्ट) है - **लौहपुरुष**
- जो विषय विचार में आ सकता है - **विचारगम्य**
- जो प्रमाण द्वारा सिद्ध न हो सके - **अप्रमेय**
- जिसके पाणि (हाथ) में वीणा हो - **वीणापाणि**
- जिसके पाणि (हाथ) में चक्र हो - **चक्रपाणि**
- चक्र को धारण करनेवाला - **चक्रधारी**
- गांडीव (धनुष) को धारण करनेवाला - **गांडीवधारी**
- सुदर्शन (चक्र) को धारण करनेवाला - **सुदर्शनधारी**
- जिसके पार देखा जा सके - **पारदर्शक**
- जिसके पार न देखा जा सके - **अपारदर्शक**
- जिसके नख सूप के समान हो - **शूर्पणखा**
- जिसके सिर (शेखर) पर चंद्रमा हो - **चंद्रशेखर**
- जिसके दस आनन (मुख) हैं - **दशानन (रावण)**
- जिसके चार पद (पैर) हैं - **चतुष्पद**
- जिसके समान दूसरा नहीं है - **अद्वितीय, अनन्य**

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश : नीचे दिए गए वाक्य के लिए एक शब्द का चयन कीजिए -

1. जो बात परम्परा से कही-सुनी जा रही हो, के लिए सही शब्द को चुनें -
(A) अफवाह (B) लोकवार्ता
(C) लोक कथा (D) किंवदन्ती

2. विदेश से देश में सामान क्रय करना, के लिए सही शब्द क्या होगा ?
(A) निर्यात (B) विक्रय
(C) आयात (D) क्रय

3. प्रारम्भ से लेकर अन्त तक, के लिए सही शब्द क्या होगा ?
(A) अर्वाचीन (B) आद्योपान्त
(C) समसामयिक (D) तत्कालीन

4. जिस जमीन में कुछ पैदा न होता हो के लिए सही शब्द है ?
(A) ऊसर (B) वन्ध्या
(C) निर्झर (D) भूसर

5. रंगमंच पर पर्दे के पीछे का स्थान, के लिए सही शब्द क्या है ?
(A) नेपथ्य (B) पृष्ठमंच
(C) कलाकार दीर्घा (D) दर्शकदीर्घा

6. फेंक कर चलाया जाने वाला हथियार, के लिए सही शब्द है -
(A) शस्त्र (B) अस्त्र
(C) भाला (D) त्रिशूल

7. जिसका मन कहीं और लगा हो, के लिए सही शब्द है -
(A) अन्यमनस्क (B) अनिच्छुक
(C) असमंजस (D) किंकर्त्तव्यमूढ़

8. जो आँखों के सामने न हो
(A) प्रत्यक्ष (B) अप्रत्यक्ष
(C) दूरस्थ (D) परोक्ष

9. जिसकी आशा न की गई हो
(A) निराशा (B) अचानक
(C) अप्रत्याशित (D) गलत

10. जो किए गए उपकारो को मानता है
(A) कृतघ्न (B) कृतज्ञ
(C) सर्वज्ञ (D) बहुज्ञ

11. जो अधिक बोलता है
(A) बाचाल (B) प्रवक्ता
(C) नेता (D) सम्मेलन

12. पुरुष एवं स्त्री का जोड़ा
(A) युगल (B) दम्पत्ति
(C) पति-पत्नी (D) युग्म

13. थोड़ा जानने वाला
(A) अल्पज्ञ (B) बहुज्ञ
(C) मूर्ख (D) अज्ञ

14. वह स्थान जो पृथ्वी, चन्द्रमा, सूर्य आदि लोकों के मध्य में हो
(A) क्षितिज (B) अन्तरिक्ष
(C) द्युलोक (D) आकाश
(E) अनवसेय

15. जिसके पास कुछ न हो
(A) अकिंचन (B) निर्धन
(C) नंगा (D) दरिद्र

16. मोक्ष की इच्छा करने वाला
(A) जिज्ञासु (B) योगी
(C) आस्तिक (D) मुमुक्षु
(E) मनुष्योचित

17. परस्पर एक-दूसरे पर आश्रित
(A) अन्योन्याश्रित (B) उत्तराधिकारी
(C) भोगी (D) असंदिग्ध

18. प्रतीक्षायुक्त प्राप्ति की तीव्र इच्छा
(A) उत्कण्ठा (B) इच्छा
(C) आशा (D) स्पृहा

Join WhatsApp Group

(E) इनमें से कोई नहीं

19. अपनी बात को विनम्रता पूर्वक कहना
(A) अनुनय (B) विनय
(C) निवेदन (D) आवेदन
(E) इनमें से कोई नहीं

20. क्षणिक एवं तीव्र आनन्द
(A) आनन्द (B) आह्लाद
(C) अल्लास (D) प्रसन्नता
(E) इनमें से कोई नहीं

21. मन को लुभाने वाली वस्तु
(A) सुन्दर (B) चारू
(C) रुचिर (D) मनोहर
(E) इनमें से कोई नहीं

22. जो सब कुछ जानने का दावा करे
(A) पण्डितोचित (B) ज्ञानयुक्त चतुर
(C) लोकपाल (D) सर्वज्ञानी

23. पिता की मृत्यु के बाद पैदा होने वाला बच्चा
(A) पोस्थ्युमस (B) पोस्टिलीयन
(C) प्रवेशार्थी (D) अनाथ

24. जिसका अनुभव किया गया हो
(A) अनुभूत (B) अद्भुत
(C) आचार (D) विचार
(E) कोई नहीं

25. जिसने ऋण लिया हो
(A) ऋणदाता (B) आदाता
(C) कर्जदाता (D) कर्जदार
(E) कोई नहीं

26. जिसे पार करना कठिन हो
(A) निगम (B) दुर्गम
(C) आगम (D) अगम्य
(E) कोई नहीं

27. उचित से कम मूल्य लगाना
(A) मूल्यवान (B) मुल्यांकन
(C) अधिमूल्यन (D) निर्मूल्य
(E) अवमूल्यन

28. जो दूसरे का श्री-सौभाग्य देखकर दुःखी होता है
(A) श्रुतिमधुर (B) श्रीकातर
(C) परश्रीकातर (D) परसुख दुःखी

29. जो व्याकरण जानता हो
(A) व्याकरणाचार्य (B) व्याकरणी
(C) वैयाकरण (D) व्याकरणविद्

30. जिसे वश में करना मुश्किल है
(A) प्रियवंदा (B) दुधुर्षु
(C) दुर्धर्ष (D) प्रष्टव्य

31. जो बहुत बड़ा नहीं है
(A) नातिलघु (B) नातिदीर्घ
(C) सत्यसाची (D) अदीर्घ

32. जो गर्भ की थैली से जन्म लेता है
(A) अंडन (B) पिंडज
(C) उद्भिज (D) जरायुज

33. यह समाचार तो वास्तव में शोक करने योग्य है
(A) शोच्य (B) शोकाकुल
(C) करुणाजनक (D) दर्दनाक

34. सब लोग जानते थे कि वह हमेशा घुमता रहता है
(A) पर्यटक (B) अविचल
(C) यायावर (D) परिव्राजक

35. जो बिना वेतन कार्य करता हो
(A) निःशुल्क (B) अवैतनिक
(C) वैतनिक (D) इनमें से कोई नहीं

36. जो दूसरों के सहारे जीता हो
(A) पालतू (B) अनाथ
(C) परजीवी (D) निराधार

37. किए हुए को न मानने वाला
(A) चालाक (B) अविश्वसनीय
(C) दुराचारी (D) कृतघ्न

38. बलवान के अन्याय से उत्पन्न भय
(A) त्रास (B) दण्ड
(C) आतंक (D) अत्याचार

39. जिसे वशवर्ती बनाना कठिन हो
(A) स्वावलम्बी (B) दुर्लभ
(C) दुर्धर्ष (D) होनहार

40. जो किसी पर अभियोग लगाता हो
(A) अभियन्ता (B) प्रतिवादी
(C) वादी (D) चाचक

41. तैरने की इच्छा
(A) पिपासा (B) बुभुक्षा
(C) जिगीषा (D) तितीर्षा

42. सांझ और रात के बीच का समय
(A) मार्तंड (B) पूर्वाह्न
(C) गोधूलि (D) ऊष्मा

43. जो व्याकरण जानता है
(A) वैयाकरण (B) आचार्य
(C) व्याकरणीय (D) वैज्ञानिक

44. किसी के गुण-दोषों का सम्यक् रूप से विवेचन
(A) अनुवाद (B) समालोचना
(C) आलोचना (D) प्रत्यालोचन

45. जिसका विभाजन न किया जा सके
(A) अखण्डित (B) अविभाज्य
(C) अविभक्त (D) अखण्ड

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

46. जहाँ पहुँचना कठिन हो
(A) दुर्गम (B) अगम
(C) सुगम (D) अगेय

47. जो स्मरण रखने योग्य है
(A) साक्षर (B) द्रष्टव्य
(C) स्मरणीय (D) पठनीय

48. जिसे जीता नहीं जा सके
(A) अजीत (B) अजेय
(C) सर्वव्यापी (D) जितेन्द्रिय

49. जो विज्ञान जानता है
(A) वैज्ञानिक (B) विशेषज्ञ
(C) जिज्ञासु (D) विज्ञानवेत्ता

50. जो अनुकरण करने योग्य हो
(A) आलोचक (B) अनुपम
(C) करणी (D) अनुकरणीय

51. जो मुकदमा दायर करता है
(A) मुकदमेबाज (B) मुद्दई
(C) वकील (D) जज

52. जो शब्दों द्वारा व्यक्त न किया जा सके
(A) अनुपम (B) अद्वितीय
(C) अनिर्वचनीय (D) जितेन्द्रिय

53. जिसका जन्म अच्छे कुल में हुआ हो
(A) अमीर (B) कुलीन
(C) राजपरिवार (D) पढ़ा-लिखा परिवार

54. शरीर धारण करने वालों द्वारा प्रदत्त यातनाएँ
(A) शारीरिक (B) दु:खी
(C) कष्टपूर्ण (D) आधिभौतिक

55. जिसे सूँघा जा सके
(A) सूँघनीय (B) आध्नेय
(C) घ्राणीय (D) अच्छा

56. जिसे इन्द्रियों से अनुभव न किया जा सके
(A) अतीन्द्रिय (B) अनुभवविहीन
(C) इन्द्रियपरे (D) अक्षुण्ण

57. आदि से लेकर अंत तक
(A) तदुपरान्त (B) आद्योपान्त
(C) अनंत (D) आविर्भाव

58. वह वस्तु जो नाशवान हो
(A) नश्वर (B) शाश्वत
(C) अमर (D) अलौकिक

59. जो शत्रु की हत्या करता हो
(A) शत्रुध्न (B) नश्वर
(C) अन्मांध (D) निर्दय

60. लाभ के लिए व्यापार का शेयर खरीदने में पूँजी लगाना
(A) निवेश (B) परिवेश
(C) अनुवेश (D) उपनिवेश

61. बिना अधिकार के परायी वस्तु को काम में लाना
(A) परिभोक्ता (B) परिभोग
(C) अनाधिकारी (D) अनधिकृत

62. शिव का उपासक
(A) स्वेदज (B) शैव
(C) शाक्त (D) निर्गुणी

63. किसी कथा के अन्तर्गत आने वाली दूसरी कथा
(A) अंत:कथा (B) अन्य कथा
(C) दिग्गज (D) द्विअर्थी

64. शराब बनाने वाला
(A) मधप (B) उन्मत
(C) कलवार (D) दुर्निवार

65. जिसका कोई शत्रु न जन्मा हो, वह है
(A) अजातशत्रु (B) अशत्रु
(C) विशत्रु (D) प्रसूत

66. जीने की इच्छा कहलाती है
(A) जिजीविषा (B) जिज्ञासा
(C) जिघांसी (D) जिगीषा

67. जिसकी गर्दन सुन्दर है, कहलाता है
(A) सुदर्शन (B) सुगत
(C) सुगर्दन (D) सुग्रीन

68. जिसके पास कुछ न हो, कहलाता है
(A) अकिंचन (B) निरामिष
(C) उऋण (D) कर्जदार

69. जिसकी काया बहुत बड़ी हो, कहलाता है
(A) विशालकाय (B) दीर्घकाय
(C) भीमकाय (D) बृहत्काय

70. स्त्री जो अभिनय करती हो
(A) नायिका (B) नटी
(C) नर्त्तकी (D) अभिनेत्री

71. जो लोक में संभव न हो
(A) मनोहर (B) परामर्थी
(C) अलौकिक (D) अतीत

72. जो मन को हर ले
(A) मनोहर (B) मनमोहक
(C) मृदुल (D) मृण्मय

73. जो स्त्री कविता रचती हो
(A) कवि (B) लेखिका
(C) कवयित्री (D) रचयिता

74. जिसकी मृत्यु न हो
(A) अजर (B) अमर
(C) मृत्युंजय (D) कालातीत

75. जिसे वश में करना मुश्किल है

Join WhatsApp Group

(A) प्रियवंदा (B) दुधुर्षु
(C) दुर्धर्ष (D) प्रष्टव्य

76. जो दिखाई दे
(A) अप्रत्यक्ष (B) परोक्ष
(C) दूरस्थ (D) अदृश्य

77. जो बहुत बड़ा नहीं है
(A) नातिलघु (B) नातिदीर्घ
(C) सत्यसाची (D) अदीर्घ

78. जानने की इच्छा रखने वाला
(A) विज्ञ (B) जिज्ञासु
(C) ज्ञानी (D) ऋषि

79. मछली के समान आँखें वाली
(A) मयूराक्षी (B) मीनाक्षी
(C) मृगनयनी (D) महिषी

80. जो कुछ भी करने के लिए निर्णय न ले सकता हो
(A) किंकर्त्तव्यविमूढ़ (B) अनिर्वचनीय
(C) पार्थिव (D) अतिवादी

81. जिसकी नाप-तोल न हो सके
(A) अतुलनीय (B) अगणितीय
(C) अपरिमेय (D) इनमें से कोई नहीं

82. जो सब कुछ जानता है
(A) अज्ञ (B) सर्वज्ञ
(C) विशेषज्ञ (D) कृतज्ञ

83. पति को छोड़कर दूसरों से प्रेम करने वाली स्त्री
(A) विधवा (B) भामिनी
(C) वन्ध्या (D) परकीया

84. हिलोरें उत्पनन करने वाला
(A) मंथक (B) आलोड़क
(C) हिलोरक (D) विलोड़क

85. सुन्दर हृदय वाला
(A) सहृदय (B) सहोदर
(C) सुहृद (D) सुमन

86. दूसरों से आगे बढ़ने की इच्छा
(A) ईर्ष्या (B) स्पर्धा
(C) द्वेष (D) हस्तक्षेप

87. जिसका जन्म न हुआ हो
(A) जन्महीन (B) जन्म रहित
(C) अजर (D) अजन्मा

88. रात को न दिखाई देने का रोग
(A) रतौंधी (B) रति
(C) निशीथ (D) प्रदोष

89. जो बहुत बातें करता हो
(A) बधिर (B) बहुभाषी
(C) वचनीय (D) वाचाल

90. जो सबसे नजदीक हो
(A) निकटतम (B) न्यूनतम
(C) सूक्ष्म (D) अल्प

91. रात्रि के पूर्वभाग का समय
(A) प्रदोष (B) निशीथ
(C) संध्या (D) मध्याह्न

92. जो कहा गया हो
(A) कथन (B) कथनीय
(C) कथित (D) अकथन

93. दो पर्वतों के बीच की भूमि
(A) उपत्यका (B) घाटी
(C) द्रोण (D) बेसिन

94. किसी पक्ष का समर्थन करने वाला
(A) पाक्षिक (B) समर्थक
(C) पक्षपाती (D) अधिवक्ता

95. किसी ग्रन्थ के आरम्भ का वक्तव्य
(A) उपकथन (B) उत्कथन
(C) प्राक्कथन (D) संबोधन

96. जिसकी आशा या अपेक्षा पहले से की गई हो
(A) प्रत्याशित (B) अप्रत्याशित
(C) अनपेक्षित (D) अनुमानित

97. जो देखने में विशाल एवं सुन्दर हो
(A) दीर्घकाय (B) दिव्य
(C) परमेष्ठ (D) भव्य

98. जिस शब्द के दो अर्थ हो
(A) दुष्कर (B) अक्षर
(C) अजर (D) श्लिष्ट

99. जो आँखों के सामने घटित न हो
(A) अभिज्ञात (B) अज्ञात
(C) परोक्ष (D) अपरोक्ष

उत्तरमाला

1. (D)	2. (C)	3. (B)	4. (A)	5. (A)	6. (B)	7. (A)	8. (B)
9. (C)	10. (B)	11. (A)	12. (B)	13. (A)	14. (B)	15. (A)	16. (D)
17. (A)	18. (A)	19. (C)	20. (B)	21. (D)	22. (D)	23. (A)	24. (A)
25. (D)	26. (B)	27. (E)	28. (C)	29. (C)	30. (C)	31. (B)	32. (D)
33. (A)	34. (C)	35. (B)	36. (C)	37. (D)	38. (C)	39. (C)	40. (C)
41. (D)	42. (C)	43. (A)	44. (B)	45. (B)	46. (A)	47. (C)	48. (B)
49. (A)	50. (D)	51. (B)	52. (C)	53. (B)	54. (A)	55. (C)	56. (A)
57. (B)	58. (A)	59. (A)	60. (A)	61. (B)	62. (B)	63. (A)	64. (C)
65. (A)	66. (A)	67. (D)	68. (A)	69. (B)	70. (D)	71. (C)	72. (A)
73. (C)	74. (B)	75. (C)	76. (D)	77. (D)	78. (B)	79. (B)	80. (A)
81. (C)	82. (B)	83. (D)	84. (B)	85. (C)	86. (B)	87. (D)	88. (A)
89. (D)	90. (A)	91. (A)	92. (C)	93. (A)	94. (B)	95. (C)	96. (A)
97. (D)	98. (D)	99. (C)					

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

मुहावरे

मुहावरा एक ऐसा वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विलक्षण अर्थ को प्रतीत कराता है। वाक्यांश शब्द से स्पष्ट है कि मुहावरा संक्षिप्त होता है परन्तु अपने इस संक्षिप्त रूप में ही बड़े विचार या भाव को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करता है। जैसे – 'नौ दो ग्यारह होना' एक मुहावरा है जिसका अर्थ है – 'भाग जाना' और यह अर्थ व्यंजन द्वारा ही जाना जा सकता है क्योंकि इस वाक्यांश का वाच्यार्थ होता है – नौ और दो मिलकर ग्यारह होते हैं। यहाँ वाच्यार्थ नहीं ग्रहण किया जाएगा, यहाँ यह भी जान लेना आवश्यक है कि न तो मुहावरे के शब्द स्थान को परिवर्तित किया जा सकता है और न ही उसके किसी शब्द विशेष के स्थान पर उसका पर्यायवाची शब्द ही रखा जा सकता है। उदाहरणार्थ 'आग बबूला होना' के स्थान पर बबूला आग होना' या 'पावक बबूला होना' कहने से मुहावरा अशुद्ध हो जाएगा और उसकी सौम्यता नष्ट हो जाएगी। 'अरबी' भाषा का 'मुहावरा' : शब्द हिन्दी में 'मुहावरा' और उर्दू में 'मुहाविरा' नाम से अभिहित किया जाता है। इसका अर्थ है – 'अभ्यास' या 'बातचीत'। कुछ लोग मुहावरा को 'राजमर्रा' या 'वाग्धारा' भी कहते हैं। मुहावरों के प्रयोग से भाषा में सजीवता, गतिशीलता, सौन्दर्य और लालित्य आ जाता है।

मुहावरों की सूची

- ठोकर लगना – **हानि उठाना**
- डकार जाना – **हड़प लेना**
- डोरे डालना – **प्रेम में फंसाना**
- अंगूठा दिखाना – **मना कर देना**
- अक्ल का दुश्मन होना – **मूर्ख होना**
- अक्ल सठियाना – **बुद्धि भ्रष्ट होना**
- अंगूठे पर रखना – **परवाह न करना**
- टेढ़ी खीर होना – **कठिन कार्य**
- टांग अड़ाना – **दखल देना**
- टें बोल जाना – **मर जाना**
- टोपी उछालना – **बेइज्जती करना**
- टस-से-मस न होना – **विचलित न होना, दृढ़ रहना**
- ठकुर सुहाती कहना – **खुशामद करना**
- अंधे की लकड़ी होना – **एकमात्र सहारा**
- अंगारे बरसना – **तीव्र गर्मी पड़ना**
- आँखें बिछाना – **स्वागत करना, प्रतीक्षा करना**
- आँखों में धूल झोंकना – **धोखा देना**
- अक्ल पर पत्थर पड़ना – **बुद्धि का काम न करना, मूर्ख बनना**
- आग बबूला होना – **अत्यधिक क्रोध करना**
- आस्तीन का साँप होना – **कपटी मित्र**
- आड़े हाथों लेना – **खरी खोटी सुनाना**
- हाथ-पांव फूलना – **घबरा जाना**
- आँखें दिखाना – **धमकाना**
- आटा-दाल का भाव मालूम पड़ना – **कठिनाइयों का अनुभव होना**
- आग में घी डालना – **क्रोध को भड़का देना**
- आसमान टूट पड़ना – **अचानक मुसीबत आ जाना**
- आसमान पर दिमाग होना – **अहंकारी होना**
- ईंट का जवाब पत्थर से देना – **करारा जवाब**
- ईद का चाँद होना – **बहुत कम दिखाई देना**
- ईंट से ईंट बजाना – **ध्वस्त कर देना**
- कलेजे पर पत्थर रखना – **दिल मजबूत करना**
- कलेजे पर साँप लोटना – **अन्तर्दाह होना**
- कलेजा मुँह को आना – **घबरा जाना**
- काठ का उल्लू होना – **मूर्ख होना**
- कान काटना – **चतुर होना**
- कान खड़े होना – **सावधान एवं सतर्क हो जाना**
- कान में तेल डालकर बैठना – **सुनी-अनसुनी कर देना**
- कान का कच्चा होना – **सुनी बात पर तुरन्त विश्वास कर लेना**
- काम तमाम करना – **मार डालना**
- काला अक्षर भैंस बराबर होना – **निरक्षर होना**
- कुएँ में बाँस डालना – **बहुत खोजबीन करना**
- कलई खुलना – **पोल खुलना**
- कलेजा फटना – **दु:ख होना**
- उंगली पर नचाना – **पुरी तरह नियंत्रण में रखना**
- उल्लू सीधा करना – **अपना काम बनाना**
- उल्टे छुरे से मूंढ़ना – **ठग लेना**
- उड़ती चिड़िया के पंख गिनना – **अत्यन्त चतुर होना**
- ऊँट के मुँह में जीरा होना – **अधिक खुराक वाले को कम देना**
- एक और एक ग्यारह होना – **संगठन से शक्ति बढ़ जाना**
- एड़ी चोटी का जोर लगाना – **बहुत प्रयास करना**
- एक थैली के चट्टे-बट्टे होना – **समान प्रवृत्ति का होना**
- ओखली में सिर देना – **जान बुझकर मुसीबत मोल लेना**
- औंधी खोपड़ी का होना – **बेवकूफ होना**
- कलेजा ठण्डा होना – **संतुष्ट एवं शांत होना**
- कीचड़ उछालना – **बदनाम करना**
- खून खौलना – **क्रोध आना**
- खून का प्यासा होना – **प्राण लेने को तत्पर**
- खाक छानना – **भटकना**
- खून का घूंट पीना – **क्रोध को दबाना**
- खटाई में पड़ना – **व्यवधान आ जाना**
- अपना उल्लू सीधा करना – **अपना काम बना लेना**
- अपने पैरों पर खड़ा होना – **खुद कमाने लगना (स्वावलम्बी होना)**
- अपने मुँह मियां मिट्ठू बनना – **अत्यन्त प्रशंसा करना**
- अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना – **अपना ही अहित करना**
- अपनी खिचड़ी अलग पकाना – **सबसे अलग रहना**
- अपना-सा मुँह लेकर रह जाना – **लज्जित होना**
- आँखों का तारा होना – **अत्यधिक प्रिय होना**
- आँखें चुराना – **संकोच के कारण सामना करने से हिचकना**
- आँखें लाल-पीली करना – **क्रोध करना**
- गाल बजाना – **डींग हाँकना**
- गड़े मुर्दे उखाड़ना – **पुरानी एवं अप्रिय बातों का स्मरण करना**
- गूलर का फूल होना – **दुर्लभ होना**
- गाँठ बाँधना – **याद करना**

rajbhashahindi

Join WhatsApp Group

- गले पड़ना - जबरदस्ती सम्बन्ध का इच्छु होना
- गुड़ गोबर कर देना - काम बिगाड़ देना
- घाट-घाट का पानी पीना - अनुभवी होना
- घी के दिये जलाना - प्रसन्न होना
- नमक हराम होना - कृतघ्न होना
- नौ दो ग्यारह होना - भाग जाना
- नाक में नकेल पड़ना - उत्तरदायित्व का अनुभव होना
- नाकों चने चबाना - बहुत सताना
- नाक-भौं सिकोड़ना - अप्रसन्नता व्यक्त करना
- नाक कटाना - प्रतिष्ठा को धूल में मिला देना
- पत्थर की लकीर होना - अमिट होना
- पांचों उंगली घी में होना - लाभ ही लाभ होना
- पीठ दिखाना - हार जाना
- पेट में दाढ़ी होना - कम उम्र में अधिक जानना
- छप्पर फाड़कर देना - अनायास लाभ होना
- छट्ठी का दूध याद आना - अत्यधिक कठिन या कष्टप्रद होना
- छाती पर मूंग दलना - पास रहकर दिल दु:खाना
- छूमन्तर होना - गायब हो जाना
- छाती पर साँप लोटना - ईर्ष्या करना
- जबान को लगाम देना - सोच समझकर बोलना
- जान के लाले पड़ना - प्राण संकट में पड़ना
- जी खट्टा होना - मन फिर जाना
- जमीन पर पैर न रखना - अहंकार होना
- जहर उगलना - बुराई करना
- जान पर खेलना - प्राणों की बाजी लगाना
- जी का गुबार निकालना - मन के असन्तोष को व्यक्त करना
- डंके की चोट पर रहना - खुले आम रहना
- ढ़ोल की पोल होना - खोखला होना
- ढ़िंढोरा पीटना - सबको बता देना
- तलवे चाटना - खुशामद करना
- तीन-तेरह होना - बिखर जाना
- तीन-पाँच करना - टालमटोल करना
- मुट्ठी गरम करना - रिश्वत देना
- म्यान से बाहर होना - अत्यधिक क्रोध करना
- रंग में भंग पड़ना - आनन्द में व्यवधान करना
- रंगा सियार होना - कपटी मनुष्य
- हाथ का मैल होना - अत्यन्त तुच्छ होना
- हवाइयाँ उड़ना - घबरा जाना
- तलवार की धार पर चलना - कठिन कार्य करना
- तिल का ताड़ करना - छोटी बात को बढ़ा देना
- तलवार के घाट उतारना - मार डालना
- दाँतों तले उँगली दबाना - आश्चर्य करना
- दाल में काला होना - आशंका होना
- दो-दो हाथ करना - युद्ध करना, लड़ना
- दिन में तारे दिखना - बुद्धि चकरा जाना
- धूप में बाल सफेद होना - अनुभव न होना
- धूल में मिला देना - नष्ट कर देना
- धाक जमाना - प्रभावित करना
- नाक रगड़ना - विनती करना
- नाक में दम करना - परेशान करना
- पानी-पानी होना - लज्जित होना
- पेंच ढ़ीला होना - कुछ पागल होना
- घाव पर नमक छिड़कना - दु:खी व्यक्ति को और दु:खी करना
- घुटने टेकना - हार मानना
- घड़ों पानी पड़ना - लज्जित होना
- चाँद का टुकड़ा होना - बहुत सुन्दर होना
- चिकना घड़ा होना - बात का असर न होना
- चाँदी काटना - अधिक लाभ कमाना
- चाँदी का जूता मारना - रिश्वत देना
- छक्का छुड़ाना - परास्त कर देना
- पीठ में छुरा भोकना - धोखा देना
- पौ बारह होना - खूब लाभ होना
- पांचों उंगली बराबर न होना - एक समान न होना
- फूलकर कुप्पा होना - प्रसन्न होना
- फूला न समाना - अत्यंत प्रसन्न होना
- रंगे हाथ पकड़ना - मौके पर पकड़ लेना
- लोहे के चने चबाना - कठिन कार्य करना
- लीपा पोती करना - छिपाने का प्रयास करना
- श्री गणेश करना - प्रारंभ करना
- सफेद हाथी बाँधना - अलाभकारी कार्य करना
- सफेद झूठ होना - पूर्णत: असत्य होना
- सिर धुनना - पछतावा करना
- सोने की चिड़ियाँ होना - अति समृद्ध होना
- साँप-छछूंदर की गति होना - किंकर्तव्यविमूढ़ होना
- सिर से कफन बाँधना - प्राणों की परवाह न करना
- बन्दर घुड़की देना - डराना
- बाल बांका न होना - कुछ भी हानि न होना
- बीड़ा उठाना - प्रण करना
- बगुला भगत होना - पाखण्डी होना
- थूक कर चाटना - कही बात से मुकर जाना
- थाली का बैगन होना - सिद्धान्तहीन होना
- दाँत खट्टे करना - पराजित कर देना
- दाल न गलना - काम न बनना
- दाँत काटी रोटी होना - गहरी मित्रता
- दाग लगना - कलंक लगना
- बाल की खाल निकालना - सुक्ष्म विवेचन करना
- बगलें झांकना - निरुत्तर होना
- भीगी बिल्ली बनना - डर जाना
- भूत सवार होना - पूरी तरह कार्य में जुट जाना
- भैंस के आगे बीन बजाना - प्रभावित न कर पाना
- भेड़ चाल होना - बिना विचार के अनुगामी होना
- मुँह में पानी आना - ललचना
- मिली भगत होना - षड्यंत्र में शामिल होना
- माथा ठनकना - आशंका होना
- मुँह की खाना - पराजित होना

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **'छुमन्तर हो जाना' मुहावरा का अर्थ क्या है ?**
(A) सम्मोहित होना (B) गायब हो जाना
(C) लाभ होना (D) मन्त्रबद्ध होना

2. **'डोरे डालना' मुहावरा का अर्थ क्या है ?**
(A) प्रेम में फँसाना (B) दु:खी करना
(C) बाँधना (D) फन्दे में डालना

3. **'पत्थर की लकीर होना' के मुहावरे का तात्पर्य क्या है ?**
(A) कठोर होना (B) कठिन होना
(C) मिट जाना (D) अमिट होना

4. **इनमें से किस मुहावरे का अर्थ 'क्रोध' से जुड़ा नहीं है ?**
(A) खून खौलना (B) आँखें लाल-पीली करना
(C) आग बबूला होना (D) नाक रगड़ना

5. **'कीचड़ उछालना' मुहावरे का अर्थ क्या है ?**
(A) बदनाम करना (B) गन्दा करना
(C) सहायता करना (D) पोल खोलना

निर्देश (प्रश्न 6-69) : निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बतायें ?

6. **माथ ठनकना -**
(A) भयभीत हो जाना (B) हिम्मत आ जाना
(C) क्रोध आना (D) अनिष्ट की आशंका होना

7. **लाल-पीला होना -**
(A) क्रोध करना (B) तेवर बदलना
(C) मुद्राएँ बदलना (D) रंग बदलना

8. **अंधी खोपड़ी -**
(A) कम दिखाई देना (B) मूर्ख
(C) कमजोर (D) बीमार

9. **ठीकरा फूटना -**
(A) जोर-जोर से हँसना (B) दु:खी होना
(C) किसी के सिर झूठा दोष लगाना
(D) बर्तन तोड़ना

10. **कोयले की दलाली में मुँह काला -**
(A) कोयले का व्यापार करना (B) बुरे काम में बुराई मिलना
(C) झूठ बोलना (D) व्यापार में घाटा होना

11. **कपटी मित्र -**
(A) गुदड़ी का लाल (B) आस्तीन का साँप
(C) अगले जमाने का आदमी (D) आँख का तारा

12. **उल्लू सीधा करना -**
(A) धूर्तता करना (B) खुशामद करना
(C) उल्लू पालना (D) अपना काम निकालना

13. **खून पानी होना -**
(A) पानी का खून में प्रवेश करना (B) कोई असर न होना
(C) भाई का खून करना (D) पानी पीते ही खून की उल्टी होना

14. **गाल बजाना -**
(A) डींग हांकना (B) गाल से आवाज निकालना
(C) घबरा जाना (D) धमकाना

15. **उल्टी गंगा बहाना -**
(A) अपनी बात से स्वयं को ही नुकसान पहुँचाना
(B) परम्पराओं के विपरीत कार्य करना
(C) निश्चित चाल के विपरीत कार्य करना
(D) बिना सोचे-विचारे कार्य करना

16. **आम के आम गुठलियों के दाम -**
(A) आम खाकर गुठली बेच देना (B) दोहरा लाभ
(C) नकली वस्तु देना (D) मनमानी करना

17. **टका-सा जवाब देना -**
(A) भला बुरा कहना (B) बेइज्जत करना
(C) साफ इन्कार कर देना (D) निरुत्तर देना

18. **कलेजा ठण्डा होना -**
(A) बहुत खुश होना (B) मर जाना
(C) किसी को कष्ट देना (D) सन्तोष होना

19. **आँखें चार होना -**
(A) प्रेम होना (B) इशारा करना
(C) आँखों से बातें करना (D) देखा देखी होना

20. **कमर कसना -**
(A) दृढ़ निश्चय कर लेना
(B) खूब करकर कपड़े पहनना
(C) दंडित करना
(D) कमर कसकर युद्ध पर निकल जाना

21. **घाट-घाट का पानी पीना -**
(A) शिक्षा ग्रहण करना (B) मारा मारा फिरना
(C) तीर्थ यात्रा करना (D) अनुभवी होना

22. **अंगारों पर लोटना -**
(A) दु:ख सहना (B) आग पर लेटना
(C) दूसरों को दु:खी करना (D) आग से खेलना

23. **बात का धनी -**
(A) हार न मानना (B) गुणी व्यक्ति
(C) वायदे का पक्का (D) अमीर व्यक्ति

24. **आँखों का तारा होना -**
(A) दुश्मन होना (B) प्रिय होना
(C) मित्र होना (D) मित्र नहीं होना

25. **घी के दिये जलाना -**
(A) दु:खी होना (B) समृद्ध होना
(C) प्रसन्नता व्यक्त करना (D) भयभीत होना

26. **छाती पर साँप लोटना -**
(A) कष्ट पहुँचना (B) दु:खी होना
(C) छाती जलना (D) ईर्ष्या होना

27. **कपटी लोग मित्र के निर्धन होने पर मन फेर लेते है -**
(A) पीठ दिखाना (B) आँखें बदलना
(C) हालत पतला होना (D) अंगूठा दिखाना

28. **अपने पिता के प्रति अपशब्द सुनकर कौन ऐसा बेटा होगा, जो क्रोध से, लाल न हो जाए -**
(A) अंगारों पर लेटना (B) आँखों से खून उतर जाना
(C) जान हथेली पर रखना (D) लोहा बजाना

29. **थाली में बैंगन होना -**
(A) उदार होना (B) जिसका अपना कोई विचार न हो
(C) व्यंग वचन बोलना (D) कष्ट देना

30. **गत बनाना -**
(A) दुर्दशा करना (B) मूर्ख बनाना

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

(C) बेचैन करना (D) मुक्ति दिलाना

31. पासा पलटना –
(A) अनैतिक कार्य करना (B) बदनामी मोल लेना
(C) अकारण बदनामी होना (D) अतिशीघ्र बदनामी होना

32. गागर में सागर भरना –
(A) थोड़े कार्य को बहुत बड़ा बताकर करना
(B) जरूरत से ज्यादा खाना
(C) छोटे पात्र में अधिक जल संग्रह करना
(D) थोड़े शब्दों में बड़े भाव या विचार प्रकट करना

33. पाप काटना –
(A) पीछा छूटना (B) प्रायश्चित करना
(C) निपटारा होना (D) सुख मिलना

34. रोटियाँ तोड़ना –
(A) बिना मेहनत किए पड़े-पड़े खाना
(B) असन्तुष्ट करना
(C) भरपेट खाना (D) कौर छोटा करना

35. सिट्टी-पिट्टी गुम होना –
(A) बटुआ गुम हो जाना (B) भय से होश-हवाश उड़ जाना
(C) विपत्ति आना (D) घिर जाना

36. चलता-पुरजा होना –
(A) प्रसिद्ध होना (B) निश्चित होना
(C) चालाकी से काम लेना (D) बेवकूफ होना

37. काठ की हाँडी –
(A) बहुत सस्ता (B) अस्थायी चीज
(C) कमजोर आदमी (D) बहुत मजबूत हँडिया

38. दम खींचना –
(A) जी घबड़ाना (B) साँस रोकना
(C) ठिठक जाना (D) बड़ी दुर्दशा करना

39. दिल पक जाना –
(A) कष्ट पहुँचना (B) अत्यन्त पीड़ित होना
(C) प्रेम न होना (D) अच्छा लगना

40. नौ दो ग्यारह होना –
(A) रफू चक्कर होना (B) निशाने पर लगना
(C) निशाना बन जाना (D) धोखे में पड़ना

41. ढ़पोर शंख –
(A) बेवकूफ (B) विख्यात होना
(C) काँपने लगना (D) सब सम्बंध छोड़ देना

42. जौहर खुलना –
(A) भेद का पता लगना (B) जौहर टूट जाना
(C) परीक्षा होना (D) क्रुद्ध होना

43. डोरे पर लगाना –
(A) डोरी से बाँधना (B) डोरी पर कसना
(C) डोरी से खींचना (D) सीधी राह पर लगाना

44. अंगारों पर पैर रखना –
(A) अग्नि परीक्षा देना
(B) नखरे करना
(C) जानबूझ कर खतरे का काम करना
(D) असम्भव कार्य करना

45. पौ बारह होना –
(A) सुबह हो जाना
(B) जीत होना
(C) चौपड़ के खेल का एक दाव
(D) बहुत लाभ होना

46. छक्के छुड़ाना –
(A) क्रिकेट के खेल का एक नियम (B) घायल करना
(C) हराना (D) परेशान करना

47. गूलर का फूल होना –
(A) खूब लाभ होना (B) अधिक प्यारा होना
(C) भाग जाना (D) लापता होना

48. समुद्र मंथन करना –
(A) उद्देश्य को प्राप्त करना (B) दृढ़ प्रतिज्ञा करना
(C) घोर तप करना (D) कठोर परिश्रम करना

49. लूट में चर्खा नफा –
(A) कुछ भी नहीं मिलने की स्थिति में कुछ मिल जाना
(B) हानि के बिना कार्य का सम्पादन
(C) घोर परिश्रम के बाद अल्प लाभ
(D) दुविधापूर्ण स्थिति

50. नाक का बाल होना –
(A) सुरक्षित होना (B) अत्यंत प्यारा होना
(C) नाक का रोग होना (D) सर्दी होना

51. कलेजे पर साँप लोटना –
(A) दूसरे को मूर्ख बनाना (B) ईर्ष्या या दु:ख से मन बेचैन होना
(C) बहुत प्रशंसा करना (D) लज्जित होना

52. अनेक पाप करके पुण्य करने का ढोंग रचना –
(A) रस्सी जल गई पर बल न गया
(B) नौ सौ चूहे खा के बिल्ली हज को चली
(C) हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और
(D) वा सोने को जारिए, जासों टूटे कान

53. अंग-अंग ढ़ीला होना –
(A) कमजोर होना (B) अंगों का बीमार पड़ना
(C) बुढ़ापा आना (D) बहुत थक जाना

54. अंगारे उगलना –
(A) आग लगाना (B) क्रोध में कठोर वचन कहना
(C) जले हुए कोयले इकट्ठा करना (D) आग बुझाना

55. ईंट से ईंट बजा देना –
(A) दो ईंटों से बाजा बजाना (B) ईंट तोड़ना
(C) नष्ट कर देना (D) प्रत्येक ईंट को संभाल कर रखना

56. कलई खुलना –
(A) भेद खुल जाना (B) अच्छी सफेद आना
(C) चूने में चमक आना (D) पुताई के बाद चूना झड़ना

57. कान भरना –
(A) कान में तेल डालना (B) कान में रुई डालना
(C) कान में बात कहना (D) चुगली करना या चुगली खाना

58. सीधे मुँह बात न करना –
(A) बातें न करना (B) बात बात में झगड़ना
(C) नाराजगी प्रकट करना (D) सीधे बात करने को तैयार न होना

59. तीर मारना –
(A) शिकार करना (B) बड़ा काम करना
(C) तीर चलाना (D) तीर चलाने में निपुण होना

Join WhatsApp Group

60. छाती पर मूँग दलना –
(A) मूँग की दाल बनाना (B) अधिक परेशान करना
(C) दाल में मूँग डालना (D) मूँग साफ करना

61. मिट्टी पलीद होना –
(A) घोड़ों के दौड़ने से खेत की मिट्टी खराब होना
(B) मिट्टी में खाद देना
(C) हालत या इज्जत खराब होना
(D) धन बर्वाद होना

62. बगलें झाँकना –
(A) इधर-उधर की बातें करना (B) व्यर्थ में समय नष्ट करना
(C) उत्तर न दे सकना (D) इनमें से कोई नहीं

63. पानी-पानी होना –
(A) लज्जित होना (B) भीग जाना
(C) डूब जाना (D) सुखी होना

64. अंगूठी का नग होना –
(A) बहुत कीमती होना (B) कीमत का अन्दाज लगाना
(C) सौन्दर्य से लगा हुआ (D) अंगूठी अन्दर होना

65. कदम लड़खड़ाना –
(A) टिक न पाना (B) बहुत थकान होना
(C) गिर पड़ना (D) असमर्थ हो जाना

66. दो नावों पर पैर रखना –
(A) दो जगह रहना (B) दो विरोधी बातें करना
(C) डूब जाना (D) इनमें से कोई नहीं

67. चोर पर मोर –
(A) चोर के पास मोर (B) एक-दूसरे से ज्यादा धूर्त
(C) सोने की मुहरें (D) इनमें से कोई नहीं

68. जी जान पर खेलना –
(A) सब कुछ बलिदान करना (B) कुपित हो जाना
(C) पीछे पड़ जाना (D) इनमें से कोई नहीं

69. आस्तीन का साँप होना –
(A) विषाक्त होना (B) चंचल होना
(C) विश्वासघाती होना (D) मूर्खतापूर्ण कार्य करना

निर्देश (प्रश्न 70-79) : निम्नलिखित प्रश्नों के दिए गए वाक्यों के बोल्ड भाग में कुछ न कुछ त्रुटि है उसके शुद्ध रूप में नीचे के विकल्प से ज्ञात कीजिए। यदि बोल्ड भाग में कोई गलती न हो तो अपने उत्तर के रूप में (D) अर्थात् कोई सुधार आवश्यक नहीं है, को इंगित कीजिए –

70. माली **तुरन्त पके और मीठे फल** वृक्षों से तोड़ लेता है –
(A) जल्द ही पके और मीठे फल (B) आधे पके और आधे अनपके
(C) पके और मीठे फल (D) कोई सुधार आवश्यक नहीं है

71. समाज एवं देश के बहुमुखी विकास के लिए तन, मन, धन से प्रयत्न करना होगा। **केवल मात्र कागजी योजनाओं** से कोई लाभ नहीं होगा –
(A) केवल सिर्फ कागजी योजनाओं (B) सिर्फ मात्र कागजी योजनाओं
(C) मात्र कागजी योजनाओं (D) कोई सुधार आवश्यक नहीं है

72. बढ़ती महँगाई के कारण **देशी घी खरीदने** की सार्थकता लोगों में नहीं रह गई –
(A) देशी घी खरीद सकने (B) देशी घी खरीद करने
(C) देशी सामान खरीद सकने (D) कोई सुधार आवश्यक नहीं है।

73. बैठक कक्ष **केवल महिलाओं के उपयोग** के लिए है –
(A) केवल महिलाओं द्वारा इसका उपयोग होना चाहिए
(B) केवल महिलाओं के उपयोग में लाना चाहिए
(C) इसका उपयोग केवल महिलाओं द्वारा हो
(D) कोई सुधार आवश्यक नहीं

74. सभी घायल **भर्ती किए गए तथा ध्यान रखा गया** –
(A) अन्दर दाखिल हुए और ध्यान दिया गया
(B) दाखिल हुए और ध्यान दिया गया
(C) भर्ती किए गए और ध्यान रखा गया
(D) कोई सुधार आवश्यक नहीं

75. वह वकील हमारा मुकदमा सही ढंग से लड़ने की अपेक्षा हमें **खेल खिला रहा है** –
(A) परेशान कर रहा है (B) धोखा देना
(C) बहकाना (D) समय नष्ट करना

76. जो व्यक्ति **गिरगिट की तरह रंग बदलता** हो वह किसी का सच्चा मित्र नहीं हो सकता –
(A) अविश्वसनीय होना (B) पाशविक होना
(C) निराधार बातें करना (D) सिद्धान्तहीन होना

77. जब अपने ऊपर पड़ी तो अद्भुत वीरता का प्रदर्शन करते हुए उसने **कालियदमन** कर डाला –
(A) अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठाना
(B) शत्रु को मार डालना
(C) अत्याचारी का विनाश करना
(D) भ्रष्ट नेताओं का विरोध करना

78. राम अपने पिता की आर्थिक स्थिति से बेपरवाह था किन्तु जब उसे अपने कर्तव्य का बोध हुआ तो उस पर **घड़ों पानी पड़ गया** –
(A) अपमानित होना (B) निर्लज्ज होना
(C) हास्य-पात्र बनना (D) बहुत शर्मिन्दा होना

79. मैंने एक बार उन्हें अपना अतिथि बनाकर **टक्कर खाई है** किन्तु फिर यह गलती मैं नहीं करुँगा –
(A) नुकसान उठाना (B) सेवा करना
(C) कष्ट उठाना (D) अत्यधिक व्यय करना

80. 'भीष्म प्रतिज्ञा' का अर्थ है –
(A) दिखने मात्र की प्रतिज्ञा (B) कठोर प्रतिज्ञा
(C) दृढ़ प्रतिज्ञा (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला

1. (B)	2. (A)	3. (D)	4. (D)	5. (A)	6. (D)	7. (A)	8. (B)
9. (C)	10. (B)	11. (B)	12. (D)	13. (B)	14. (A)	15. (B)	16. (B)
17. (C)	18. (D)	19. (D)	20. (A)	21. (B)	22. (A)	23. (C)	24. (B)
25. (C)	26. (D)	27. (B)	28. (B)	29. (B)	30. (A)	31. (D)	32. (D)
33. (A)	34. (A)	35. (B)	36. (C)	37. (B)	38. (B)	39. (B)	40. (A)
41. (A)	42. (A)	43. (D)	44. (C)	45. (D)	46. (C)	47. (D)	48. (D)
49. (C)	50. (B)	51. (B)	52. (B)	53. (D)	54. (B)	55. (C)	56. (A)
57. (D)	58. (C)	59. (B)	60. (B)	61. (C)	62. (C)	63. (A)	64. (A)
65. (A)	66. (D)	67. (B)	68. (A)	69. (C)	70. (C)	71. (C)	72. (D)
73. (D)	74. (D)	75. (A)	76. (A)	77. (C)	78. (D)	79. (A)	80. (C)

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

लोकोक्तियाँ

कहावत का अर्थ है – 'ऐसी कही हुई बात जिसमें जीवन के अनुभवों को संक्षिप्त एवं विलक्षण ढंग से व्यक्त किया गया हो और वह समय की कसौटी पर खरी उतरती हो। कहावत को सूक्ति, सुभाषित और लोकोक्ति भी कहते है। कहावतें हमारी सांस्कृतिक विरासत है। ये इतिहास में किन्हीं विशिष्ट घटनाओं एवं परिसिथतियों से उपज कर भाषा के माध्यम से देश और काल में दी जाती है। कहावतें समाज का भाषाई इतिहास होती हैं अतएव इनका प्रयोग प्रयोक्ता की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक सजगता का द्योतक होता है। कहावतें ढली–ढलाई वक्रताएँ हैं जो अपने स्थिर अर्थ के बावजूद भी वक्ता के मनोभाव को चमक के साथ प्रस्तुत करती है।

इस प्रकार लोकोक्ति के पीछे कोई घटना या कथा होती है और उससे निकली बात लोगों की जुबान पर चढ़कर 'कहावत' बन जाती है। मुहावरे वाक्यांश होते हैं, पर लोकोक्तियाँ वाक्य होती है। 'मुहावरे' सामान्य अर्थ छोड़कर विशेष अर्थ देते हैं, पर लोकोक्तियों में मूल अर्थ संकेतात्मक हो जाता है एवं निष्कर्ष स्वरूप अनुभव में, जीवन से जुड़ा अर्थ सामने आता है।

प्रमुख लोकोक्तियाँ एवं उनके अर्थ

लोकोक्ति	अर्थ
• **आ बैल मुझे मार**	– जान बूझकर झगड़ा मोल लेना
• **आगे नाथ न पीछे पगहा**	– पूर्ण स्वतंत्र होना
• **अपना हाथ जगन्नाथ**	– अपना किया हुआ काम लाभदायक होता है
• **अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत**	– पहले सावधानी न बरतना बाद में व्यर्थ पछताना
• **आगे कुआँ पीछे खाई**	– सभी ओर से विपत्ति आना
• **ऊँची दुकान फीका पकवान**	– मात्र दिखावा
• **उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे**	– अपना दोष दूसरे के मत्थे मढ़ना
• **उंगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना**	– धीरे-धीरे साहस बढ़ जाना
• **अक्ल बड़ी या भैंस**	– शारीरिक शक्ति की तुलना में बौद्धिक शक्ति की श्रेष्ठता होना
• **आम के आम गुठलियों के दाम**	– दुहरा लाभ होना
• **अपने मुंह मियाँ मिट्ठु बनना**	– आत्म प्रशंसा करना
• **आँख का अन्धा गाँठ का पूरा**	– धनी मूर्ख
• **अन्धेर नगरी चौपट राजा**	– मूर्ख राजा के राज्य में अन्याय होना
• **उल्टे बाँस बरेली को**	– विपरीत कार्य करना
• **उतर गई लोई क्या करेगा कोई**	– इज्जत जाने पर भय कैसा
• **ऊधौ का लेना न माधो का देना**	– किसी से कोई सम्बन्ध न रखना
• **ऊँट की चोरी निहुरे-निहुरे**	– बड़ा काम लुक-छिपकर नहीं होता
• **एक पंथ दो काज**	– एक काम से दूसरा काम
• **एक थैली के चट्टे-बट्टे**	– समान प्रकृति वाले
• **एक म्यान में दो तलवार**	– एक स्थान पर दो समान वस्तुएँ या व्यक्ति एक साथ नहीं रह सकते
• **अपनी करनी पार उतरनी**	– जैसा करना वैसा भरना
• **आधा तीतर आधा बटेर**	– बेतुका मेल
• **अधजल गगरी छलकत जाय**	– थोड़ी विद्या या थोड़े धन को पाकर वाचाल जो जाना
• **अन्धों में काना राजा**	– अज्ञानियों में अल्पज्ञ की मान्यता होना
• **अपनी-अपनी ढ़फली अपना-अपना राग**	– वैचारिक भिन्नता होना
• **एक मछली सौ तालाब को गन्दा करती है**	– एक खराब व्यक्ति सारे समाज को बदनाम कर देता है
• **एक हाथ से ताली नहीं बजती**	– झगड़ा दोंनों ओर से होता है।
• **एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा**	– दुष्ट व्यक्ति में और भी दुष्टता का समावेश होना
• **नाम बड़े दर्शन छोटे**	– प्रसिद्धि के अनुरूप गुण न होना
• **भागते भूत की लंगोटी सही**	– जो मिल जाय वही काफी है
• **मान न मान मैं तेरा मेहमान**	– जबरदस्ती गले पड़ना
• **सिर मुंड़ाते ही ओले पड़े**	– कार्य प्रारंभ होते ही विघ्न आना
• **हाथ कंगन को आरसी क्या**	– प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या जरूरत
• **होनहार बिरवान के होत चीकते पात**	– होनहार व्यक्ति बचपन में ही पता चल जाता है
• **बद से अच्छा बदनाम बुरा**	– बदनामी बुरी चीज है
• **मन चंगा तो कठौती में गंगा**	– शुद्ध मन से भगवान प्राप्त होते हैं
• **एक अनार सौ बीमार**	– कम वस्तु, चाहने वाले अधिक
• **एक बूढ़े बैल को कौन बांध भुस देय**	– अकर्मण्य (या वृद्ध) को कोई नहीं रखना चाहता
• **कभी नाव गाड़ी पर कभी गाड़ी नाव पर**	– समय पड़ने पर एक-दूसरे की मदद करना
• **खोदा पहाड़ निकला चुहिया**	– कठिन परिश्रम का तुच्छ परिणाम
• **खिसियानी बिल्ली खम्भा नोंचे**	– अपनी शर्म छिपाने के लिए व्यर्थ का काम करना
• **खग जाने खग ही की भाषा**	– समान प्रवृति वाले लोग एक-दूसरे को समझ पाते हैं
• **गंजेड़ी यार किसके, दम लगा खिसके**	– मतलबी यार स्वार्थ साधने के बाद साथ छोड़ देते हैं
• **गुड़ खाए गुलगुलों से परहेज**	– ढोंग रचना
• **घर की मुर्गी दाल बराबर**	– अपनी वस्तु का कोई महत्व नहीं
• **घर का भेदी लंका ढावें**	– घर का शत्रु अधिक खतरनाक होता है
• **घर खीर तो बाहर भी खीर**	– अपना घर सम्पन्न हो तो बाहर भी सम्मान मिलता है
• **ओखली में सिर दिया तो मूसलों से क्या डरना**	– जान-बूझकर प्राणों को संकट में डालने वाले प्राणों की चिन्ता नहीं करते
• **अंगूर खट्टे हैं**	– वस्तु न मिलने पर उसमें दोष निकालना
• **कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली**	– बेमेल एकीकरण
• **काला अक्षर भैंस बराबर**	– निरक्षर या अनपढ़
• **कोयले की दलाली में मुँह काला**	– बुरे काम से बुराई मिलना
• **काम का न काज का दुश्मन अनाज का**	– बिना काम बैठे-बैठे खाना
• **काठ की हण्डिया बार-बार नहीं चढ़ती**	– कपटी व्यवहार हमेशा नहीं किया जा सकता
• **का बरखा जब कृषि सुखाने**	– काम बिगड़ने पर सहायता व्यर्थ होती है
• **चिराग तले अंधेरा**	– अपना दोष स्वयं दिखाई नहीं देता
• **चोर की दाढ़ी में तिनका**	– अपराधी व्यक्ति सदैव सशंकित रहता है

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- **चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए** - कंजूस होना
- **नीम हकीम खतरे जान** - अल्पज्ञान खतरनाक होता है
- **दूध का दूध पानी का पानी** - ठीक-ठीक न्याय करना
- **बन्दर क्या जाने अदरख का स्वाद** - गुणहीन गुण को नहीं पहचानता
- **पर उपदेश कुशल बहुतेरे** - दूसरों को उपदेश देना सरल है
- **चोर-चोर मौसेरे भाई** - एक से स्वभाव वाले
- **जल में रहकर मगर से बैर** - स्वामी से शत्रुता नहीं करनी चाहिए
- **जाके पांव न फटी बिवाई सो का जाने पीर पराई** - भुक्तभोगी ही दूसरों का दु:ख जान पाता है
- **थोथा चना बाजे घना** - ओछा आदमी अपने महत्व का अधिक प्रदर्शन करता है
- **छाती पर मूंग दलना** - कोई ऐसा काम होना जिससे आपको व दूसरों को कष्ट पहुँचे
- **दाल भात में मूसलचन्द** - व्यर्थ में दखल देना
- **धोबी का कुत्ता घर का न घाट का** - कहीं का न रहना
- **नेकी और पूछ-पूछ** - बिना कहे ही भलाई करना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'नाई की बारात में ठाकुर ही ठाकुर' लोकोक्ति का अर्थ क्या है ?
(A) ऊँच-नीच का भेद न मानना (B) संगठन में ही शक्ति होना
(C) संगठन में नेतृत्व की कमी (D) नेता के बिना संगठन

2. 'घोड़ा घास से यारी करे तो खाये क्या' लोकोक्ति का तात्पर्य क्या है?
(A) अपने काम से काम करना (B) रोजगार में दोस्ती नहीं चलती
(C) अत्यन्त कंजूस होना (D) किसी की सहायता न करना

3. 'काला अक्षर भैंस बराबर' का अर्थ है -
(A) पढ़ा लिखा होना (B) मूर्ख बनना
(C) निरक्षर होना (D) बुद्धिमान होना

4. 'कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली' लोकोक्ति का सही अर्थ है ?
(A) अमीर-गरीब का एक साथ रहना
(B) अमीर-गरीब की तुलना करना
(C) असमान व्यक्ति की तुलना नहीं करनी चाहिए
(D) ऊँच-नीच न मानना

5. 'एक तो करेला उस पर नीम चढ़ा' का सही अर्थ होगा -
(A) कुसंग में पड़ना (B) बुरी संगत से और बुरा बन जाना
(C) अत्यन्त कड़वा बोलना (D) करेला और नीम का साथ होना

6. हथेली पर सरसों नहीं जमती -
(A) सरसों के लिए जमीन चाहिए हथेली नहीं
(B) हर काम में मनमानी नहीं चल सकती
(C) काम के लिए समय चाहिए, जब चाहों तभी काम नहीं हो
(D) सफलता समय पर आती है

7. आधा तीतर आधा बटेर -
(A) तीतर और बटेर का मिश्रण
(B) दो कामों में एक का भी न होना
(C) गुण के विरूद्ध नाम होना
(D) एक काम से दूसरा काम हो जाना

8. अन्धी पीसे कुत्ता खाए -
(A) सब ओर विपत्ति (B) कमाए कोई खाए कोई
(C) दिखावा कम, काम ज्यादा (D) मूर्ख, लेकिन न्यारा

9. घर का जोगी जोगना आन गाँव का सिद्ध -
(A) घर के ज्ञानी को सम्मान नहीं (B) घर-घर में मिट्टी के चूल्हे
(C) घर की मुर्गी दाल बराबर (D) घर का भेदी लंका ढाहे

10. तेली का तेल जले, मसालची का दिल जले -
(A) तेली तेल देता है और मसालची अपने दिल में उसे जलाता है।
(B) मन में ईर्ष्या का भाव उत्पन्न होना
(C) एक को खर्च करते हुए देख दूसरा परेशान होना
(D) मसालची बड़े आनन्द के साथ तेल जलाता है

11. पैर फैला कर सोना -
(A) निश्चिंत होकर सोना (B) दूसरों की उपेक्षा करना
(C) सुविधापूर्वक सोना (D) गहरी निद्रा में सोना

12. अन्धे के हाथ बटेर लगना -
(A) अचानक कोई लाभ होना
(B) अंधा भी अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है
(C) बिना परिश्रम के सफलता मिल जाना
(D) भाग्य से कोई वस्तु मिल जाना

13. ढाक के वही तीन पात होना -
(A) सदा एक-सा (B) यत्नपूर्वक करना
(C) ऊटपटाँग काम करना (D) निर्धन होना

14. मेंढ़क को जुकाम होना -
(A) नाम हासिल करना (B) मरने को होना
(C) मनचाही वस्तु पाना (D) अनहोनी होना

15. तबेले की बला बन्दर के सिर -
(A) अपना दोष दूसरों के सिर मढ़ना
(B) किसी का अपराध दूसरे के सिर
(C) एक-दूसरे से लड़वाना
(D) किसी की शिकायत दूसरों से करना

16. कुम्हार अपना ही घड़ा सराहता है -
(A) अपनी ही बड़ाई करना
(B) अपनी बनाई हुई वस्तु सबको अच्छी लगती है
(C) किसी को बोलने नहीं देना
(D) दूसरों के वस्तु को तुच्छ समझना

17. गए थे रोजा छुड़ाने, नमाज पड़ी गले -
(A) मुश्किल में पड़ जाना
(B) कष्ट पहुँचना
(C) गरीब हो जाना
(D) उपकार करने के बदले स्वयं को दु:ख भोगना पड़ा

18. गंगा गए गंगादास, जुना गए जमुनादास -
(A) जिसका कोई दृढ़ सिद्धांत नहीं होता
(B) किसी की नहीं सुनना

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

(C) अपना-अपना काम करना
(D) अपने-अपने घर जाना

19. धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का -
(A) अतिशय लाभ की स्थिति में होना
(B) कठिन कार्य को सम्पन्न करने वाला
(C) निकृष्ट व्यक्ति को कहीं भी आदर नहीं मिलता
(D) विपरीत स्थिति को झेलने वाला

20. काठ का हाँडी चढ़े न दूजो बार -
(A) एक का दूसरे पर निर्भर होना
(B) किसी तरह के दायित्व का न होना
(C) असामान्य की तुलना सामान्य से नहीं होती
(D) कपट का फल अच्छा नहीं होता

21. काला अक्षर भैंस बराबर -
(A) अनपढ़ व अशिक्षित व्यक्ति
(B) काले अक्षर को महत्त्व देना
(C) काला अक्षर लाभदायक मानना
(D) नासमझ होना

22. हँसुए के ब्याह में खुरपी का गीत -
(A) बाजा बजाना (B) खुशी का मौसम
(C) असंगत बातें करना (D) शादी का गीत गाना

23. जाके पांव न फटे बिवाई सो क्या जाने पीर पराई -
(A) दयालू होना
(B) दूसरे के कष्ट को अनुभव करना
(C) कठोर होना
(D) जिसके ऊपर बीतती है वह जानता है

24. अशर्फी की लूट और कोयले पर छाप -
(A) विद्वान और मूर्ख के अन्तर का अभाव
(B) बहुमूल्य वस्तु को नष्ट होने देना और तुच्छ की सुरक्षा करना
(C) कंजूस होना
(D) दूसरे का धन लूटकर अपनी सम्पत्ति को बढ़ाना

25. जस दूल्हा तस बनी बराता -
(A) संगठन से ही कार्य सिद्ध होता है
(B) सुन्दर वस्तु के साथ ही सुन्दर वस्तु का मेल होना
(C) सभी साथी एक ही जैसे (D) बेढ़ंगा होना

26. अपनी डफली अपना राग -
(A) सबका अपने-अपने मन के अनुसार चलना
(B) संगठन का अभाव
(C) अपना दुखड़ा रोना (D) स्वतंत्र होना

27. चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात -
(A) थोड़े दिनों का सुख होना (B) चाँदनी रात अच्छी लगती है
(C) आसमान में चाँद खिला है (D) तारे रात में टिमटिमाते है

28. कोई ईर घाट तो कोई बीर घाट -
(A) घरो में भीड़ होना (B) एक घाट से दूसरे घाट दौड़ना
(C) तालमेल न होना (D) घाटों पर वीरता दिखाना

29. भीगी बिल्ली बनना -
(A) चूहों से डर जाना (B) गुस्से में कांपने लगना
(C) दीन-हीन होकर सहम जाना (D) भूखा रह जाना

30. समुद्र मन्थन करना -
(A) दृढ़ प्रतिज्ञा करना (B) कठोर परिश्रम करना
(C) उद्देश्य को प्राप्त करना (D) घोर तप करना

31. विश्वास सबसे बड़ी चीज है - यह किस कहावत का अर्थ है ?
(A) अँधेर नगरी चौपट राजा (B) आँख के अंधे गाँठ के पूरे
(C) मानो तो देव, नहीं तो पत्थर (D) आम के आम, गुठली के दाम

32. दाँत काटी रोटी - कहावत का अर्थ है ?
(A) क्रुद्ध होना (B) घनिष्ठ मित्रता
(C) चकित होना (D) संकट में होना

33. लोकोक्ति का अर्थ बताइए - 'आये थे हरिभजन को ओटन लगे कपास'
(A) हरिभजन से विमुख होना (B) कपास ओटने लगना
(C) तुच्छ कार्य करना (D) इनमें से कोई नहीं

34. भैंस के आगे बीन बजाए भैंस रही पगुराय - कहावत का अर्थ है?
(A) भैंस को प्रसन्न करने के लिए बाजा बजाना
(B) भैंस को पागुर करने के लिए घास देना
(C) भैंस को संगीत सुनाना
(D) मूर्ख के सामने गुणों का बखान करना

35. आग लगने पर कुआँ खोदना
(A) विपत्ति आ जाने पर उसका निराकरण करना
(B) तसल्ली से कोई काम करना
(C) व्यर्थ भाग-दौड़ करना
(D) विपत्ति आ जाने पर तुरन्त समाधान खोजना

36. हथेली पर सरसों नहीं जमती
(A) कोई कार्य झटपट नहीं हो सकता
(B) हर काम समय से होता है
(C) हर काम के लिए उचित स्थान चाहिए
(D) इनमें से कोई नहीं

37. तेल देखो तेल की धार देखों
(A) तेल की धार देखकर तेल का परीक्षण करना
(B) रूख पहचानना
(C) लापरवाही से नुकसान होता है
(D) काम करते समय उसकी पहचान करना

38. तन पर नहीं लत्ता पान खाए अलबत्ता
(A) बुरी आदत का शिकार (B) एक साथ दो लाभ
(C) बहुत गरीब होना (D) झूठा दिखावा करना

39. गुड़ चखाए गुलगुला से परहेज
(A) किसी व्यक्ति से प्यार करके उसके व्यवहार से घृणा
(B) अच्छी चीजें स्वीकारना, बुरी चीजें नकारना
(C) किसी वस्तु पर नाक-भौं सिकोड़ना
(D) इनमें से कोई नहीं

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

40. कोई ईर घाट तो कोई वीर घाट
(A) ताल-मेल न होना
(B) बहुत चालाक होना
(C) बार-बार कथन बदलना
(D) तितर-बितर होना

41. जहाँ न पहुँचे रवि वहाँ पहुँचे कवि
(A) कवि निरंकुश होता है
(B) कवि के लिए कुछ भी अगम्य नहीं
(C) कवि भाव प्रवण होता है
(D) कवि कल्पनाशील होता है

42. अपना हाथ जगन्नाथ
(A) अपने सामर्थ्य पर दृढ़ विश्वास होना
(B) ईश्वर का ही सहारा होना
(C) हस्त रेखाओं में भविष्य बाँचना
(D) जगन्नाथ से सहायता की याचना करना

43. फटे में पाँव दफ्तर में नाव
(A) गलत झमेले में पड़ना
(B) बिना सोचे समझे कार्य करके मुसीबत झेलनी पड़ती है
(C) दूसरों के झगड़े में पड़कर गवाही देने की गठिनाई झेलनी पड़ती है
(D) दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप करके कठिनाई झेलनी पड़ती है।

44. जहाँ न पहुँचे रवि वहाँ पहुँचे कवि
(A) कवि के लिए कुछ भी अगम्य नहीं
(B) कवि निरंकुश होता है
(C) कवि कल्पनाशील होता है
(D) कवि भावप्रवण होता है।

45. आसमान से गिरा खजूर में अटका
(A) मृत्यु से रक्षा हो जाना
(B) बड़ी मुसीबत की जगह छोटी मुसीबत में पड़ जाना
(C) किसी काम के बनने में अनेक बाधाएँ उपस्थित हो जाना
(D) सफलता से थोड़ी दूर रह जाना

46. दुविधा में दोनों गए माया मिली न राम
(A) अनिश्चिय की स्थिति में व्यक्ति दोनों ओर से हानि उठाता है।
(B) अनिश्चय की स्थिति में व्यक्ति न ऐश्वर्य पा सकता है और न भक्ति
(C) एक चीज के पीछे पड़कर दूसरी को भी खो देना
(D) धन के लालच में भक्ति भी खो दी और धन भी न प्राप्त हुआ।

47. अंधा पावै आँखें तो पतियाय
(A) सबसे मूल्यवान वस्तु प्राप्त करके प्रसन्न होना
(B) अभीष्ट की प्राप्ति होने पर विश्वास का जमना
(C) असम्भव की चाह होना
(D) असम्भव को सम्भव कर दिखाना

48. उत्तर गई लोई तो क्या करेगा कोई
(A) बेशर्म का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है
(B) साधनहीन व्यक्ति विवश हो जाता है
(C) सब नष्ट हो जाने के बाद सहायता का क्या लाभ
(D) बदनाम व्यक्ति को बुराई से क्या डर

49. कमावै धोती वाला, उड़ावै टोपी वाला
(A) सीधे व्यक्ति कमाते हैं और दिखावटी उसे खर्च करते हैं
(B) परिश्रमी लोग कमाते हैं और शौकीन उसे खर्च करते हैं
(C) पिता कमाता है और बच्चे उसे खर्च करते हैं
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

50. अरहर की टट्टी गुजराती ताला
(A) व्यर्थ धन व्यय करना
(B) अनमोल साधन जुटाना
(C) बेमतलब रईसी दिखाना
(D) आवश्यकता से अधिक सावधान होना

51. काल अक्षर भैंस बराबर
(A) छिद्रान्वेषी होना
(B) समदर्शी होना
(C) अनपढ़ होना
(D) अदूरदर्शी होना

52. एक तवे की रोटी, क्या छोटी क्या मोटी
(A) भोजन की सामग्री में दोष निकालना ठीक नहीं
(B) सब लगभग एकसमान होना
(C) व्यकित को उसके गुण और दोष दोनों के साथ परखना चाहिए
(D) एक परिवार के सभी सदस्य एकसमान होते है

53. चोर की दाढ़ी में तिनका
(A) चोर आडम्बर दिखाता है
(B) चोर साधारण जन से अधिक दान करता है
(C) अपराधी सदा शंका से घिरा रहता है
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

54. कहने से कुम्हार गधे पर नहीं चढ़ता
(A) जो कहो उससे विपरीत कार्य करने वाला
(B) हठी मनुष्य किसी का कहना नहीं मानता
(C) किसी के कहने से गलत काम करना बुद्धिमानी नहीं है
(D) अपने काम के प्रति लज्जा करना

55. आँख का अंधा नाम नयनसुख
(A) एक ही व्यक्ति में कई अवगुण होना
(B) केवल नाम अच्छा होने से ही कोई व्यक्ति अच्छा नहीं होता
(C) गुण के विपरीत नाम
(D) आँख न होने पर भी सुखी

56. काठ की हाँड़ी बार-बार नहीं चढ़ती
(A) बुरे दिन हमेशा नहीं रहते
(B) लकड़ी का बर्तन अग्नि से जल सकता है
(C) छल-कपट का व्यवहार हमेशा नहीं चलता
(D) दुर्भाग्य की मार बार-बार नहीं होती

57. एक तो चोरी दूसरे सीना जोरी
(A) अपराध करके छिपाना
(B) अपराधी होकर उल्टे अकड़ दिखाना
(C) अपराध करके साफ मुकर जाना
(D) अपराध करके उसे गलत न मानना

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

58. ऊँट को निगल लिया और दुम को हिचके
(A) बड़ा पाप करके छोटे पाप को करने में संकोच करना
(B) बड़ी विपत्ति को स्वीकार करना और साधारण बात पर संकोच करना
(C) कई पाप करके पवित्र होने का नाटक करना
(D) बड़ा कार्य सम्पन्न कर देना और छोटे से काम को मना कर देना

59. घड़ी में तोला घड़ी में माशा
(A) बहुत ही नाजुक मिजाज
(B) डण्डी मारने में कुशल व्यापारी
(C) ऐसा व्यापार जिसमें एक पल मुनाफा हो तो दूसरे ही पल नुकसान
(D) जरा-सी बात पर खुश और नाराज होना

60. का बरखा जब कृषि सुखाने
(A) फसल अच्छी हो तो वर्षा की क्या आवश्यकता
(B) फसल सूख जाने पर वर्षा व्यर्थ है
(C) काम बिगड़ने पर सहायता व्यर्थ है
(D) सहायता मिलने पर भी यदि काम बिगड़ जाए तो वह सहायता व्यर्थ है

61. टूट चाप नहीं जुरै रिसाने
(A) टूटा धनुष क्रोध करने से नही जुड़ता
(B) चिन्ता छोड़ो, सुख से जिओ
(C) नुकसान के लिए परेशान नहीं होना चाहिए
(D) नुकसान हो जाने पर क्रोध करना व्यर्थ होता है

62. डूबते का तिनके का सहारा
(A) आपत्ति के समय थोड़ी सहायता भी बड़ी होती है
(B) थोड़े से उपकार से व्यक्ति का भाग्य बदला जा सकता है
(C) थोड़ी-सी सहायता से व्यक्ति की दरिद्रता दूर हो सकती है
(D) परेशान व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना चाहिए

63. एक तो करेला दूजा नीम चढ़ा
(A) एक बुरा तो दूसरा उससे भी बुरा
(B) बुरे व्यक्ति की बुरी संतान
(C) एक बुराई पर दूसरी बुराई
(D) एक गुण के साथ दूसरा गुण

64. अपना घर दूर से सूझता है
(A) अपना घर-परिवार सबसे प्यारा होता है
(B) अपने मतलब की बात कोई नहीं भूलता
(C) अपने कार्य में प्रत्येक निपुण होता है
(D) स्वार्थ-सिद्धि के लिए व्यक्ति किसी भी बाधा को झेलता है

65. कोयले की दलाली में हाथ काला
(A) कोयले के व्यापार में कोई लाभ नहीं
(B) बुरे कार्य का बुरा फल
(C) काले धंधे से काला धन प्राप्त होता है
(D) बुरी संगति से बदनामी मिलती है

66. नई नाइन बाँस का नैहन्ना
(A) नये-नये चाव पूरे करने हेतु अपव्यय करना
(B) नये शौक को पूरा करने के लिए अजीब काम करना
(C) नये व्यक्ति को मूर्ख बनाना
(D) नई दुल्हन गुहस्थी के विषय में बहुत कम जानती है।

67. जर का जोर पूरा है और अब अधूरा है
(A) जिसकी सत्त है वही सर्वशक्तिमान है
(B) धन में सब कार्य सिद्ध करने की शक्ति है
(C) ईश्वर की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति है, उसके बिना सब अधूरा है
(D) बुद्धि ही सबसे बड़ी शक्ति है

68. बिल्ली को पहले ही दिन मारना चाहिए
(A) भय का शमन शुरू में ही कर देना चाहिए
(B) दुश्मन पर पहले ही वार कर देना चाहिए
(C) रौब पहले ही दिन पड़ता है, फिर नहीं
(D) बुरा समय आते ही सचेत हो जाना चाहिए

69. एक हाथ से ताली नहीं बजती
(A) एक हाथ में शक्ति नहीं होती
(B) एक ओर से झगड़ा कभी नहीं हो सकता
(C) मित्रता दोनों ओर से होती है
(D) कोई एक व्यक्ति कोई बड़ा कार्य नहीं कर सकता

70. एक अनार सौ बीमार
(A) एक वैद्य अनेक बीमार
(B) किसी वस्तु की पूर्ति कम किन्तु माँग अधिक होना
(C) महामारी के दिनों में दवाओं की कमी
(D) किसी वस्तु की आपूर्ति समाप्त हो जाना

71. जल में रहकर मगर से बैर
(A) पड़ोसियों से शत्रुता
(B) वीरता दिखाना
(C) आश्रयदाता को शत्रु नहीं बनाया जा सकता
(D) दूसरों से डरना

72. भागते भूत की लंगोटी भली
(A) जो मिल गया वही बहुत
(B) नष्ट होते सामान को जितना बचा लिया जाए वही बहुत
(C) चोर को चाहे जैसे भी पकड़ों वही सही है
(D) कंजूस व्यक्ति जितना व्यय करदे वही अधिक है

उत्तरमाला

1. (D)	2. (B)	3. (C)	4. (C)	5. (B)	6. (C)	7. (B)	8. (B)
9. (A)	10. (C)	11. (A)	12. (D)	13. (A)	14. (D)	15. (B)	16. (B)
17. (D)	18. (A)	19. (C)	20. (D)	21. (A)	22. (C)	23. (D)	24. (B)
25. (A)	26. (C)	27. (A)	28. (C)	29. (C)	30. (B)	31. (C)	32. (B)
33. (C)	34. (D)	35. (A)	36. (A)	37. (B)	38. (D)	39. (A)	40. (A)
41. (B)	42. (A)	43. (C)	44. (A)	45. (C)	46. (A)	47. (B)	48. (A)
49. (B)	50. (B)	51. (C)	52. (B)	53. (C)	54. (B)	55. (C)	56. (C)
57. (B)	58. (B)	59. (D)	60. (C)	61. (D)	62. (A)	63. (C)	64. (B)
65. (D)	66. (B)	67. (B)	68. (A)	69. (B)	70. (B)	71. (C)	72. (A)

Join WhatsApp Group

युग्म शब्द एवं अनेकार्थक शब्द

युग्म शब्द

हिन्दी के अनेक शब्द ऐसे हैं, जिनका उच्चारण प्रायः समान होता है। किन्तु, उसके अर्थ भिन्न होते हैं। इन्हें 'युग्म शब्द' कहते हैं। यहाँ ऐसे युग्म शब्दों की सूची उनके अर्थों के साथ दी जा रही है –

	शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
1.	**सूत**	धागा	**सुत**	बेटा
2.	**सन्**	साल	**सन**	पटुआ
3.	**समान**	तरह, बराबर	**सामान**	सामग्री
4.	**स्वर**	आवाज	**स्वर्ण**	सोना
5.	**शुल्क**	फीस, टैक्स	**शुक्ल**	उजला
6.	**हरि**	विष्णु	**हरी**	हरे रंग की
7.	**अथक**	बिना थके हुए	**अकथ**	जो कहा न जाय
8.	**अध्ययन**	पढ़ना	**अध्यापन**	पढ़ाना
9.	**अधम**	नीच	**अधर्म**	पाप
10.	**अली**	सखी	**अलि**	भौंरा
11.	**आवास**	रहने का स्थान	**आभास**	झलक, संकेत
12.	**जगत्**	संसार	**जगत**	कुँए का चबूतरा
13.	**नारी**	स्त्री	**नाड़ी**	नब्ज
14.	**निसान**	झंडा	**निशान**	चिह्न
15.	**पानी**	जल	**पाणि**	हाथ
16.	**प्रणाम**	नमस्कार	**प्रमाण**	सबूत
17.	**पवन**	हवा	**पावन**	पवित्र
18.	**पथ**	रास्ता	**पथ्य**	आहार (रोगी के लिए)
19.	**पौत्र**	पोता	**पोत**	जहाज
20.	**प्रण**	प्रतिज्ञा	**प्राण**	जान
21.	**बलि**	बलिदान	**बली**	वीर
22.	**आकर**	खान	**आकार**	रूप, सूरत
23.	**इत्र**	सुगंधि चीज	**इतर**	दूसरा
24.	**उपल**	पत्थर	**उत्पल**	कमल
25.	**उपकार**	भलाई	**अपकार**	बुराई
26.	**कुल**	वंश, सब	**कूल**	किनारा
27.	**कंगाल**	भिखारी	**कंकाल**	ठठरी
28.	**कर्म**	काम	**क्रम**	सिलसिला
29.	**भवन**	महल	**भुवन**	संसार
30.	**भारतीय**	भारत का	**भारती**	सरस्वती
31.	**मूल**	जड़	**मूल्य**	कीमत, दाम
32.	**मद**	आनंद	**मद्य**	शराब
33.	**मणि**	एक रत्न	**मणी**	साँप
34.	**रंक**	गरीब	**रंग**	वर्ण
35.	**रग**	नस	**राग**	लय
36.	**कृपण**	कंजूस	**कृपाण**	कटार
37.	**कर**	हाथ, टैक्स	**कारा**	जेल
38.	**पवन**	हवा	**पावन**	पवित्र
39.	**किला**	गढ़	**कीला**	खूँटा, गड़ा हुआ
40.	**क्षत्र**	क्षत्रिय	**छत्र**	छाता
41.	**क्षात्र**	क्षत्रिय-संबंधी	**छात्र**	विद्यार्थी
42.	**ग्रह**	नक्षत्र	**गृह**	घर
43.	**चिर**	पुराना	**चीर**	कपड़ा
44.	**द्वीप**	टापू	**द्विप**	हाथी
45.	**तरंग**	लहर	**तुरंग**	घोड़ा
46.	**लक्ष्य**	उद्देश्य	**लक्ष**	लाख
47.	**वसन**	कपड़ा	**व्यसन**	बुरी आदत
48.	**शब**	रात	**शव**	लाश
49.	**अली**	सखी	**अलि**	भौरा
50.	**अंस**	कंधा	**अंश**	हिस्सा
51.	**अँगना**	घर का आँगन	**अंगना**	स्त्री
52.	**अन्न**	अनाज	**अन्य**	दूसरा
53.	**अनिल**	हवा	**अनल**	आग
54.	**अम्बु**	जल	**अम्ब**	माता, आम
55.	**दार**	पत्नी, भार्या	**द्वार**	दरवाजा
56.	**दिन**	दिवस	**दीन**	गरीब
57.	**दायी**	देनेवाला, जवाबदेह	**दाई**	नौकरानी
58.	**देव**	देवता	**दैव**	भाग्य
59.	**द्रव**	रस, पिघला हुआ	**द्रव्य**	पदार्थ
60.	**नीड़**	घोंसला, खोंता	**नीर**	पानी
61.	**नगर**	शहर	**नागर**	चतुर व्यक्ति
62.	**नशा**	मद	**निशा**	रात
63.	**सर**	तालाब	**शर**	तीर
64.	**सूर**	अन्धा	**सुर**	देवता

राजभाषा हिंदी
rajbhashahindi.com

अनेकार्थक शब्द

जब एक शब्द से अनेक अर्थ निकले, तब उसे 'अनेकार्थक' शब्द कहते है। विशेष स्थिति, प्रसंग, पात्र स्थान इत्यादि के कारण एक ही शब्द के अर्थ बदल जाते हैं। ऐसे अनेकार्थक शब्दों के उदाहरण नीचे दिये जा रहे हैं –

1. **जलज** – कमल, मोती, मछली
2. **अज** – बकरा, दशरथ का पिता
3. **ईश्वर** – परमात्मा, स्वामी
4. **भूत** – प्रेत, बीता हुआ काल
5. **पतंग** – पक्षी, गुड्डी, सूर्य
6. **फल** – मेवा, नतीजा
7. **बाल** – बालक, केश
8. **मधु** – शहद, मदिरा, बसंत ऋतु
9. **लक्ष्य** – निशाना, उद्देश्य
10. **पयोधर** – बादल, स्तन
11. **अर्थ** – मतलब, धन
12. **तात** – पिता, भ्राता, मित्र
13. **कृष्ण** – काला, देवकी का पुत्र
14. **नव** – नया, नौ
15. **निशाचर** – राक्षस, उल्लू
16. **द्विज** – ब्राह्मण, दाँत, पक्षी
17. **कर्ण** – कान, कुंती का पुत्र
18. **काम** – कार्य, वासना

Join WhatsApp Group

19. **ग्रहण** - लेना, पकड़ना
20. **घन** - घना, बादल
21. **वर्ण** - अक्षर, रंग, चार वर्ण-ब्राह्मण
22. **अर्क** - आक, सूर्य
23. **काल** - समय, मृत्यु
24. **अन्तर** - भेद, मध्य
25. **जलधर** - सागर, बादल
26. **अम्बर** - आकाश, वस्त्र
27. **अर्थ** - मतलब, पैसा
28. **उत्तर** - जवाब, उत्तर दिशा
29. **और** - दूसरा, अधिक
30. **कल** - मशीन, बीता हुआ कल, आने वाला कल
31. **कर** - हाथ, टैक्स, किरण
32. **हरि** - विष्णु, बन्दर, सूर्य
33. **गुरु** - भारी, अध्यापक, श्रेष्ठ
34. **सारंग** - साँप, मोर, हरिण, घोड़ा
35. **वाम** - बायाँ, स्त्री, उलटा
36. **वर** - दूल्हा, श्रेष्ठ
37. **रस** - जल, स्वाद, आनन्द
38. **अरुण** - लाल रंग, सूर्य का सारथी
39. **दण्ड** - डण्डा, सजा
40. **दल** - समूह, सेना
41. **कनक** - सोना, धतूरा
42. **पत्र** - चिट्ठी, पत्ता
43. **तीर** - बाण, नदी का किनारा
44. **गुण** - रस्सी, विशेषता
45. **पद** - पैर, स्थान, पदवी
46. **अंक** - गोद, नम्बर
47. **अंग** - भाग, शरीर का हिस्सा
48. **नग** - पहाड़, सूर्य, रत्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश (1-4) : निम्नलिखित शब्द-युग्म के सही अर्थ-भेद का चयन कीजिए -

1. अंस-अंश -
(A) हिस्सा-कुल (B) कंधा-हिस्सा
(C) किनारा-भाग (D) परिवार-भाग

2. अभय-उभय -
(A) भयभीत-मोटा (B) दोनों-निर्भय
(C) निर्भय-दोनों (D) भयाक्रान्त-ऊँचा

3. अनिल-अनल -
(A) आग-हवा (B) हवा-पानी
(C) जंगल-आग (D) हवा-आग

4. अन्न-अन्य -
(A) अनाज-अतिरिक्त (B) दूसरा-धान
(C) अनाज-दूसरा (D) अनाज-तीसरा

5. 'हर' शब्द का क्या अर्थ है ?
(A) विष्णु (B) शिव
(C) इन्द्र (D) ब्रह्मा

6. 'सैन्धव' का सही अर्थ इनमें से छाँटिए -
(A) घोड़ा (B) सिन्धु
(C) सागर (D) चन्द्रमा

7. इनमें से 'सारंग' किस अर्थ को व्यक्त नहीं करता है ?
(A) धनुष (B) बाण
(C) हिरन (D) भ्रमर

8. 'सैंधव' का अर्थ है -
(A) नमक (B) सोना
(C) घोड़ा (D) समुद्र

9. 'मुद्रा' शब्द का कौन-सा अर्थ इनमें नहीं है ?
(A) भावमुद्रा (B) अंगूठी
(C) क्रोध (D) सिक्का

10. इनमें से कौन-सा शब्द 'हरि' का अर्थ नहीं है ?
(A) बन्दर (B) विष्णु
(C) सिंह (D) भ्रमर

11. 'अवधी' शब्द का अर्थ है -
(A) अवध की भाषा (B) काल
(C) अवधवासी (D) अंधा

12. नीचे दिए गए विकल्पों में से 'क्षेपक' शब्द का सही तात्पर्य चयन कीजिए -
(A) दूसरों को क्षमा कर देने वाला
(B) शत्रु पर घातक बार करने वाला
(C) किसी ग्रंथ में अन्य व्यक्ति द्वारा जोड़ा गया भाग
(D) किसी व्यक्ति द्वारा छोड़े गए शेष कार्य को पूरा करने वाला
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13. नीचे दिए गए विकल्पों में से 'चीवर' शब्द का सही तात्पर्य चयन कीजिए -
(A) चीरने वाला हथियार (B) बौद्ध भिक्षु का वस्त्र
(C) चीरा जाने वाला वस्त्र (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. नीचे एक वाक्य दिया गया है। उसमें एक काला शब्द है। काले छपे शब्द का अर्थ बताओ -
'वह मनुष्य **कृतघ्न** है' -
(A) पापी (B) दुराचारी
(C) कामचोर (D) अहसानफरामोश

15. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही युग्म धर्म का चयन कीजिए -
अलि - अली
(A) कली - भौरा (B) सखी - भौरा
(C) भौरा - सखी (D) भौरा - कली

16. 'फिजूल खर्ची' शब्द का समानार्थी शब्द चुनिए -
(A) अव्वय (B) मितव्यय
(C) परिव्यय (D) अपव्यय
(E) इनमें से कोई नहीं

17. 'कुंजर' का अर्थ होता है -
(A) मूर्ख (B) हाथी
(C) बंजारा (D) गंवार

18. निम्नलिखित शब्द का सही अर्थ पाँच वैकल्पिक अर्थ में से चुनिए -
'अनुशीलन'
(A) संयम (B) आज्ञा

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

(C) सतत् अभ्यास (D) शिक्षा
(E) अहंकार

19. निम्नलिखित शब्द का सही अर्थ पाँच वैकल्पिक अर्थ में से चुनिए -
(A) तनय (B) तन्वी
(C) दत्तचित (D) सदृश
(E) स्वजन

20. निम्नलिखित शब्द में पाँच अर्थ दिए गए हैं। उस शब्द को चिह्नित कीजिए जो मूल शब्द के अर्थ का बोधक हो -
(A) कंचन (B) यामिनी
(C) कान्ता (D) मुक्ति
(E) अवनि

21. 'व्यापक' शब्द का समानार्थ शब्द चुनिए -
(A) विपुल (B) विशद
(C) विविध (D) विरल
(E) कोई नहीं

22. 'तूणीर' शब्द का समानार्थ शब्द चुनिए -
(A) असंग (B) निषंग
(C) उत्संग (D) नि:संग
(E) कोई नहीं

23. 'अनुज्ञा' शब्द का समानार्थ शब्द चुनिए -
(A) अजा (B) अवज्ञा
(C) प्रज्ञा (D) अनुमति

24. 'आन्दोलन' का शब्द समानार्थ शब्द चुनिए -
(A) आरोहण (B) उद्वेलन
(C) अभियान (D) उच्छलन

निर्देश (प्रश्न 25-35) : निम्नलिखित प्रत्येक शब्दों के चार वैकल्पिक अर्थ दिए गए हैं। सही अर्थ का चयन करें '

25. आज्ञा -
(A) नियोग (B) आदेश
(C) विधि (D) स्वीकार

26. उपकूल -
(A) कूलसमीप (B) तीर
(C) नदी (D) जलाधार

27. ऐहिक -
(A) पार्थिक (B) जागतिक
(C) दुनिया (D) इहलोकस्थ

28. अलघु -
(A) दीर्घ (B) धीर
(C) भारी (D) प्रबल

29. आश्रय -
(A) स्वीकरण (B) सम्बंध
(C) आश्रम (D) निवास

30. केतु -
(A) झंडा (B) आचार्य
(C) किरण (D) दिशा

31. पिशुन -
(A) पिशाच (B) चुगलखोर
(C) पीसना (D) बेईमान

32. तनु -
(A) शरीर (B) झील
(C) चन्द्रमा (D) खटिया

33. धाता -
(A) विष्णु (B) धाय
(C) पक्ष (D) हार

34. सारंग -
(A) नमक (B) सारथी
(C) मोर (D) घोड़ा

35. धरती -
(A) चंचला (B) विपुला
(C) सरसी (D) अचला

निर्देश (प्रश्न 36-37) : निम्नलिखित शब्दों का उपयुक्त अर्थ होगा ।

36. विस्मित -
(A) हैरान (B) भूला हुआ
(C) परेशान (D) बिछुड़ा हुआ

37. द्रव्य -
(A) तरल पदार्थ (B) पेय पदार्थ
(C) खाद्य पदार्थ (D) धन

निर्देश (प्रश्न 38-41) : निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए टेड़े छपे शब्द के समानार्थी शब्द का चयन करना है। इसके लिए चार-चार विकल्प प्रस्तावित हैं। उचित विकल्प का चयन कीजिए ।

38. ईश्वर मानव का *सृजन* करके वन्दनीय हो गया।
(A) जन्म (B) पैदावार
(C) निर्माण (D) उत्पत्ति

39. जीवन के निर्माण में *नियति* का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है।
(A) चरित्र (B) कर्म
(C) स्वभाव (D) भाग्य

40. जीवन में *उन्नति* चाहते हो, तो परिश्रम करो।
(A) उच्चता (B) अग्रगण्य
(C) विकास (D) अग्रसर

41. *ग्यान* का भण्डान अथाह होता है -
(A) ज्यान (B) गिआन
(C) ज्ञान (D) ग्यान

42. अनुस्वार क्या है ?
(A) अनुनासिक (B) निरनुनासिक
(C) स्पर्श वर्ण (D) महाप्राण

निर्देश (प्रश्न 43-45) : निम्नलिखित शब्दों के सही अर्थ वाले विकल्प का चयन करें।

43. अतिवृष्टि -
(A) अत्यधिक सूखा पड़ना (B) अत्यधिक विचार करना
(C) अत्यधिक संतुष्ट होना (D) अत्यधिक वर्षा होना

44. अनुमति -
(A) किसी कार्य के लिए सहमति देना
(B) किसी कार्य के लिए आदेश देना
(C) किसी कार्य के लिए निर्देश देना
(D) किसी कार्य की आज्ञा देना

45. अन्योन्याश्रित -
(A) किसी पर आश्रित होना (B) किसी पर आश्रित न होना
(C) एक-दूसरे पर आश्रित होना (D) किसी को आश्रित बना देना

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

निर्देश (प्रश्न 46-48) : किस शब्द का अर्थ अन्य तीन के अर्थ से भिन्न है ?

46. (A) मानव (B) मनुज
(C) अनुज (D) आदमी

47. (A) विटप (B) विपदा
(C) द्रुम (D) तरु

48. (A) समीर (B) बयार
(C) अनिल (D) अनल

निर्देश (प्रश्न 49-53) : निम्नलिखित प्रश्नों में प्रश्न-स्थान पर एक-एक शब्द दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के नीचे चार विकल्प दिये गये हैं। उन विकल्पों में से उस एक विकल्प का चयन करें, जो प्रश्न स्थान पर दिये गये शब्द का समानार्थी हो ।

49. कुंदन –
(A) गोद (B) केला
(C) सोना (D) धतूरा

50. मनोज –
(A) कामदेव (B) सूर्यदेव
(C) आग (D) कमल

51. कर –
(A) शत्रुता (B) जीभ
(C) आकाश (D) हाथ

52. अरि –
(A) शत्रु (B) प्यासा
(C) सैनिक (D) प्रेम

53. हुताशन –
(A) हवा (B) बर्फ
(C) नदी (D) अग्नि

निर्देश (प्रश्न 54-55) : निम्नलिखित शब्दों का सही अर्थ क्या है –

54. 'प्रेषण' –
(A) भेजने योग्य (B) भेजने वाला
(C) प्रेषित करना या भेजना (D) भेजा हुआ या नियोजित

55. 'उच्छश्रृंखल' –
(A) क्रमरहित, बंधन न मानने वाला, स्वेच्छाचारी
(B) काटना या जड़ से उखाड़ना, नाश करना
(C) कटा, उख्खाड़ा या पूर्णत: नष्ट हुआ
(D) गले में कुछ अटकने वाला, खाँसी

निर्देश (प्रश्न 56-60) : निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में जो शब्द दिया गया है, उसी आशय के शब्द या शब्द समूह का चयन करें।

56. हिताकांक्षी –
(A) कल्याणकारी (B) प्रिय
(C) सहायक (D) भलाई चाहने वाला

57. वर्ज्य –
(A) डॉटने योग्य (B) परित्यक्त
(C) निषिद्ध (D) अनुचित

58. रसास्वादन –
(A) किसी बात में रुचि लेना (B) किसी रस का उपयोग करना
(C) किसी विषय में मस्त रहना (D) किसी रस में भरा होना

59. रमणीय –
(A) दिलचस्प (B) मनोहर
(C) दर्शनीय (D) प्रसन्नतापूर्ण

60. अतुलनीय –
(A) अनोखा (B) अवर्णनीय
(C) असीम (D) जिसकी तुलना न हो सके

निर्देश (61-62) : किस शब्द का अर्थ अन्य तीन शब्दों से बिल्कुल भिन्न है ?

61. (A) अबला (B) नारी
(C) महिला (D) बला

62. (A) गृह (B) गेह
(C) घर (D) भुवन

निर्देश (प्रश्न 63-67) : में दिए गए वाक्यों में बोल्ड छपे शब्दों के पर्याय के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं, उचित विकल्प चुनिए।

63. दूसरों में दोष देखने से अपना **अभिमान** पुष्ट होता है –
(A) स्वाभिमान (B) सन्तोष
(C) मन:सुख (D) गर्व

64. संसार में **तरने** का एक सुन्दर उपाय श्री राम की शरण होना है –
(A) लाँघने (B) तैरने
(C) ठहरने (D) उद्धार

65. कर्कशवाणी से **कलह** का जन्म होता है –
(A) अशांति (B) विद्रोह
(C) द्वेष (D) झगड़ा

66. **हवा** का ऐसा झोंका आया कि शाख-शाख चरमरा उठी।
(A) अनल (B) अनिल
(C) आपगा (D) अतल

67. घर पर **मिट्टी** के चूल्हें होते हैं –
(A) मट्टी (B) धूल
(C) मृत्तिका (D) जमीन

निर्देश (प्रश्न 68-69) : नीचे कुछ शब्द दिये गये हैं, प्रत्येक के चार वैकल्पिक अर्थ दिये गये हैं। उपयुक्त अर्थ का चयन कीजिये।

68. तन्मय –
(A) शारीरिक (B) लवलीन
(C) भौतिक (D) चालक

69. मनोज –
(A) मन:स्थिति (B) मानसिक
(C) मनोरम (D) कामदेव

उत्तरमाला

1. (B)	2. (C)	3. (D)	4. (C)	5. (B)	6. (A)	7. (B)	8. (C)
9. (C)	10. (D)	11. (A)	12. (C)	13. (B)	14. (D)	15. (C)	16. (D)
17. (B)	18. (C)	19. (C)	20. (A)	21. (A)	22. (B)	23. (D)	24. (B)
25. (B)	26. (A)	27. (D)	28. (A)	29. (A)	30. (A)	31. (B)	32. (A)
33. (A)	34. (C)	35. (D)	36. (A)	37. (D)	38. (D)	39. (D)	40. (D)
41. (C)	42. (A)	43. (D)	44. (D)	45. (C)	46. (C)	47. (B)	48. (D)
49. (C)	50. (A)	51. (D)	52. (A)	53. (D)	54. (C)	55. (A)	56. (D)
57. (C)	58. (B)	59. (B)	60. (D)	61. (D)	62. (D)	63. (D)	64. (D)
65. (D)	66. (B)	67. (C)	68. (B)	69. (D)			

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

अपठित गद्यांश

किसी अनुच्छेद अवतरण या पाठ को पढ़कर परीक्षार्थी ने उसे कितना समझा है, यह जानने के लिए जो परीक्षण किया जाता है उसे 'पाठ बोधन' या 'अपठित गद्यांश' कहते है। ऐसे प्रश्नों में एक अवतरण होता है, अवतरण के नीचे उससे सम्बंधित प्रश्न दिए जाते है। आरंभिक परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठपरक प्रश्न होते हैं और मुख्य परीक्षा में व्याख्यात्मक प्रश्न होते हैं। पाठबोधक सम्बंधी जो प्रश्न पूछे जाते हैं उनके उत्तर मूल अवतरण में ही विद्यमान रहते हैं।

पाठ बोधन के लिए सामान्य अनुदेश :-

- सर्वप्रथम मूल अवतरण को कई बार एकाग्रतापूर्वक पढ़कर उसके मूलभाव को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए।
- अवतरण के मूलभावों, महत्त्वपूर्ण विचारों और विशिष्ट शब्दों को रेखांकित कर लेना चाहिए इससे सही उत्तर खोजने में सुगमता रहेगी।
- ध्यातव्य है कि प्रश्नों के उत्तर मूल अवतरण में ही विद्यमान हैं, अतएव उनके उत्तर अवतरण में ही खोजें, बाहर नहीं।
- सामान्यत: प्रश्नों के क्रम में ही अवतरण में उनके उत्तर विद्यमान रहते हैं, अत: प्रश्नों के क्रम में ही उत्तर खोजना सुविधाजनक रहेगा।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर के लिए चार-चार विकल्प दिए होते है, इनमें एक ही विकल्प सही होता है, शेष विकल्प उत्तर के निकट अथवा भ्रमात्मक होते हैं। प्रत्येक विकल्प पर विचार करके देखें कि उनमें से किसके अर्थ की संगति सम्बंधित प्रश्न के साथ बैठती है। इस प्रकार सही विकल्प ही आपका सही उत्तर होगा, ध्यान रहे कि आपका चयनित उत्तर अवतरण पर ही आधारित होना चाहिए।
- किसी भी प्रश्न के उत्तर में अपनी ओर से कुछ भी न जोड़ें।
- शीर्षक सदैव केन्द्रीय भाव के आधार पर निर्धारित करना चाहिए। शीर्षक यथासम्भव सरल, संक्षिप्त और मूलभाव को व्यक्त करने वाला होना चाहिए।

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पाठ-बोधन के उदाहरण प्रस्तुत हैं -

निर्देश : नीचे लिखे अवतरणों को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

गद्यांश - 1

शिक्षा जीवन के लिए अमूल्य औषधि है जो उसे विभिन्न विकारों से मुक्त कर स्वस्थ्य बनाती है। वर्तमान में शिक्षा के समक्ष विभिन्न चुनौतियाँ आयी है। छात्र व शिक्षकों के सम्बंध उनमें से एक हैं। छात्र और शिक्षा के सम्बंध परस्पर प्रेम, विश्वास और श्रद्धा पर अवलम्बित होने चाहिएँ, लेकिन आज ऐसा कम देखने को मिल रहा है। अधिकांश छात्र बिना परिश्रम ही अच्छी सफलता की आकांक्षा रख रहे हैं, यह अनुचित प्रवृत्ति उनमें कैसे पल्लवित हो रही है।

शिक्षक से छात्रों में एक आदर्श प्रस्तुत करने की भाषा की जाती है जिस प्रकार कुम्हार मिट्टी के घड़े को आकर देता है या मूर्तिकार मूर्ति को बनाता है या चित्रकार अपनी तूलिका से चित्रों में रंग भरता है, उसी प्रकार शिक्षक का दायित्व है कि वह अपने श्रेष्ठ आचरण से छात्रों को अनुशासित, कर्त्तव्य-परायण और मानवीय संवेदनाओं से युक्त बनने की प्रेरणा दे।

वहीं समाज का दायित्व भी शिक्षकों के प्रति है। शिक्षा की मूलभूत आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए उसे समुचित धन दिया जाना चाहिए। वर्तमान **'मेरा पेट हाऊ मैं न देऊ काऊ'** व्यवस्था में ऐसा नहीं हो रहा है। राज्याधीन सेवाओं में भले ही शिक्षकों को उचित वेतन मिल रहा हो, लेकिन निजी क्षेत्र में संचालित स्कूलों में उनका जमकर शोषण हो रहा है। इन स्कूलों में निम्न वर्ग के ही शिक्षक शिक्षा नहीं देते वरन् मध्यम वर्ग के शिक्षक भी शिक्षा देने को बाध्य हैं। कौड़ियों में शिक्षकों को धन देने वाली शिक्षण संस्थाओं से कैसे आशा की जा सकती है कि उनके शिक्षक छात्रों को हृदय से एकाग्रचित हो शिक्षित कर पायेंगे।

निजी क्षेत्र में संचालित स्कूलों में शिक्षिकाओं को व्यापक पैमाने पर भर्ती किया जाता है। अधिकांश निजी स्कूलों के संचालक इन शिक्षिकाओं को 500 से 1000 रुपये पारिश्रमिक देते हैं। इसके साथ-साथ उनका शारीरिक व मानसिक शोषण करते हैं। शिक्षा के मंदिर में ऐसा व्यवहार निन्दनीय है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **शिक्षा का उद्देश्य क्या है ?**
   (A) विकारों का दूर करना (B) विवेक जागृत करना
   (C) जीविका दिलाना (D) ये सभी
2. **छात्रों को एक सुयोग्य मानव बनाने का दायित्व किसका है ?**
   (A) फिल्मों का (B) टी॰ वी॰ का
   (C) शिक्षक का (D) समाचार-पत्रों का
3. **'मेरा पेट हाऊ मैं न देऊ काऊ' व्यवस्था से क्या आशय है ?**
   (A) स्वार्थी व्यवस्था (B) लोभी व्यवस्था
   (C) नि:स्वार्थी व्यवस्था (D) इनमें से कोई नहीं
4. **शिक्षकों का जमकर शोषण कहाँ हो रहा है ?**
   (A) निजी क्षेत्र में (B) सार्वजनिक क्षेत्र में
   (C) दोनों क्षेत्रों में (D) कहीं पर नहीं
5. **उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ?**
   (A) शिक्षा एवं शिक्षक (B) शिक्षकों का दायित्व
   (C) शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ (D) शिक्षा एवं समस्याएँ

गद्यांश - 2

किसी भी राष्ट्र की संस्कृति तब तक गूंगी रहती है, जब तक उस राष्ट्र की अपनी वाणी नहीं होती है। राजनीतिक पराधीनता की हमारी बेड़ियाँ जरूर कट गई हैं, किन्तु अंग्रेजी आज भी अंग्रेजी दासता के रूप में हमारे मनोजगत में विद्यमान है। ध्यान देने योग्य बात है कि भाषा परिधान मात्र नहीं वरन् राष्ट्र का व्यक्तित्व है। हमारे बहु भाषा-भाषी देश के ही समान रूस भी बहुत-सी भाषाओं वाला देश है, जहाँ 66 भाषाएँ बोली और लिखी जाती हैं, किन्तु उनकी राष्ट्र भाषा 'रूसी' है। **हमारी संस्कृति के 'गोमुख' से निकली हुई सब भारतीय भाषाएँ हमारी अपनी हैं,** किन्तु उनमें हिन्दी को अपनी व्यापकता एवं आरंभिक काल से ही जन-विद्रोह और जन-संघर्ष की भाषा होने के कारण राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। केवल संविधान में लिख देने मात्र से यह बात पूरी नहीं हो पाती, इसे राष्ट्र के जीवन में प्रतिष्ठित करना होगा, अन्यथा इस स्वतंत्रता का क्या मूल्य है ? विश्व चेतना जगाने से पहले हमें अपने देश में राष्ट्रभाषा की चेतना जागृत करनी होगी।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

6. **'किसी भी राष्ट्र की संस्कृति तब तक गूँगी रहती है, जब तक उस राष्ट्र की अपनी वाणी नहीं होती।' इस कथन से क्या आशय है ?**

Join WhatsApp Group

(A) वाणी के बिना राष्ट्र मूक व्यक्ति के समान है
(B) राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र की संस्कृति का प्रचार नहीं होता
(C) राष्ट्रभाषा के बिना देशवासी भावाभिव्यक्ति नहीं कर पाते
(D) राष्ट्रभाषा, संस्कृति के महत्त्व का प्रवर्तन करती है

7. भाषा को राष्ट्र का व्यक्तित्व क्यों कहाँ गया है ?
(A) भाषा राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करती है
(B) भाषा देशवासियों की मन: स्थिति प्रकट करती है
(C) भाषा राष्ट्र की संस्कृति और उसके सम्पूर्ण चरित्र की संवाहक है
(D) भाषा सभी देशवासियों को एक सूत्र में पिरोती है

8. 'हमारी संस्कृति के गोमुख से निकली हुई सब भारतीय भाषाएँ हमारी अपनी हैं' से निकटस्थ कथन है -
(A) हमारी सभी भाषाएँ उत्पत्ति में समान हैं
(B) हमारी गोमुख रूपी संस्कृति भाषाओं की प्रसारक है
(C) भारतीय संस्कृति अनेक भाषाओं की प्रसारक है
(D) हमारी निर्मल संस्कृति अनेक भाषाओं की सज्जा है

9. हिन्दी को राष्ट्रभाषा स्वीकार किया गया क्योंकि -
(A) यह सर्वाधिक वृहत क्षेत्र में प्रचलित है
(B) यह संविधान में राष्ट्र भाषा के रूप में प्रतिष्ठित है
(C) राजकाज के प्रयोगार्थ यह सरल भाषा है
(D) यह आरंभ से ही जन विद्रोह एवं संघर्ष की भाषा रही है

10. उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है -
(A) राष्ट्रभाषा (B) भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभाषा
(C) राष्ट्रभाषा संस्कृति की संवाहक (D) राष्ट्रभाषा की महत्ता

गद्यांश - 3

महासागर का पानी जीवन में अति-आवश्यक भूमिका निभाता है। बड़े महासागर के संग्रहण क्षेत्र में लगभग 30 करोड़ घन मील पानी होता है। इस बड़ी मात्रा के पानी में से लगभग 80,000 घन मील पानी प्रति वर्ष वातावरण में वाष्पित होकर चला जाता है और वर्षा के रूप में नालों द्वारा सागर में वापस मिल जाता है। प्रति वर्ष 24,000 घन मील से अधिक वर्षा का पानी महाद्वीप पर गिरता है। पानी का यह बड़ा हिस्सा झील और झरनों, जलस्रोत के पानी का स्तर भरने में लग जाता है, जिस पर वनस्पति और प्राणी जगत का जीवन टिका है। अत: जल संग्रहण पर जैव-जीवन निर्भर करता है।

जलमंडल के विशेष लक्षण होते हैं, क्योंकि अन्य द्रव्यों की तुलना में पानी में विशेष गुण पाए जाते हैं। पानी का एक अद्भुत गुण यह है कि जमने पर उसकी सतह में 9% की वृद्धि होती है, जबकि अन्य द्रव्य ठंडे होने पर सिकुड़ जाते हैं। इसी कारण बर्फ पानी में डूब जाए, तो जलमंडल जल्दी ही ठोस बन जाएगा, गर्मी के ऋतु में केवल एक पतली परत पिघल कर पानी हो जायेगा। इस तरह पूर्ण जल-जीवन नष्ट हो जायेगा तथा गर्म और ठण्डे पानी के प्रवाहों का आपस में बदलकर वातावरण को सामान्य बनाए रखना सम्भव न होगा।

जल का एक और विशेष गुण यह है कि पानी की ऊष्मा क्षमता, जो सभी द्रव्यों और ठोस पदार्थ (केवल अमोनिया को छोड़कर) से अधिक होती है। जल के इस गुण के कारण महासागर ऊष्मा की ज्यादा मात्रा को शोषित कर पाता है और वातावरण के तीव्र परिवर्तन को रोकता है। इसके अतिरिक्त पानी दूसरे द्रव्यों की तुलना में अधिक पदार्थो को अपने में घोल लेता है। इसी कारण महासागर बहुत से लवणों का संग्रह-घर है, जो महाद्वीपों से बहकर महासागर में मिल जाते हैं। विश्व के बहुत से हिस्सों में इन लवणों का व्यापारिक दृष्टि से शोषण होता है। सौर अवशोषण द्वारा समुद्री जल से नमक का उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है। मृत समुद्र से पोटाश निकाला जाता है और अमेरिकन गल्फ के किनारों पर समुद्री पानी से मैग्नीशियम का उत्पादन किया जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

11. निम्न में से कौन-से कथन से ऊपरी अवतरण के तुरंत आगे वाले परिच्छेद का आरंभ अधिक उचित हो सकता है ?
(A) मैग्नीशियम का उपयोग बड़े पैमाने पर धातुकर्मीय के निर्माण में होता है
(B) अब बड़े भू-खण्ड पर विचार किया जाए
(C) पानी में भूमि को क्षय करने की क्षमता होती है
(D) अकाल तथा बाढ़ ये दो प्रकार के विनाश जल से सम्बंधित है।

12. अवतरण में लेखक ने पानी के निम्नलिखित में से कौन-से लक्षण बताए हैं ?
I. पानी जमने पर फैलता है
II. पानी एक उत्तम विलायम है
III. पानी ऊष्मा शोषित करता है
(A) केवल I (B) केवल II और I
(C) केवल II और III (D) I, II और III

13. लेखक का इस अवतरण में मुख्य उद्देश्य है -
(A) पानी के गुण और उपयोग बताना
(B) पानी की बचत के महत्त्व को दर्शाना
(C) पानी का व्यापारिक और औद्योगिक उपयोग स्पष्ट करना
(D) भूमि पर महासागर का फैलाव दर्शाना

14. अवतरण के अनुसार जलमंडल .... नहीं है।
(A) सभी प्रकार के जीवन के लिए जिम्मेदार
(B) वातावरण में सुधार कर सकता
(C) प्राकृतिक साधनों का स्रोत (D) जम जाने के खतरे में

15. अवतरण के अनुसार मछली महासागर में जीवित रहती है, क्योंकि -
(A) उसे ऑक्सीजन की जरूरत नहीं होती
(B) बर्फ पानी पर तैरती है
(C) वाष्पीकरण और जमने द्वारा जलचक्र का निर्माण होता है
(D) महासागर में पानी के प्रवाह होते हैं

गद्यांश - 4

आज हम इस असमंजस में पड़े हैं और यह निश्चय नहीं कर पाये हैं कि हम किस ओर चलेंगे और हमारा ध्येय क्या है ? स्वभावत: ऐसी अवस्था में हमारे पैर लड़खड़ाते हैं हमारे विचार में भारत के लिए और सारे संसार के लिए सुख और शांति का एक ही रास्ता है और वह है अहिंसा और आत्मवाद का। अपनी दुर्बलता के कारण हम उसे ग्रहण न कर सके, पर उसके सिद्धांतों को तो हमें स्वीकार कर ही लेना चाहिए और उसके प्रवर्तन का इंतजार करना चाहिए। यदि हम सिद्धांत ही न मानेंगे तो उसके प्रवर्तन की आशा कैसे की जा सकती है? जहाँ तक मैंने महात्मा गांधी जी के सिद्धांत को समझा है, वह इसी आत्मवाद और अहिंसा के, जिसे वे सत्य भी कहा करते थे, मानने वाले और प्रवर्तक थे। उसे ही कुछ लोग आज गांधीवाद का नाम भी दे रहे हैं। यद्यपि महात्मा गांधी ने बार-बार यह कहा था कि वे किसी नये सिद्धांत या वाद के प्रवर्तक नहीं हैं और उन्होंने अपने जीवन में प्राचीन सिद्धांतों को अमल कर दिखाने का यत्न किया। विचार कर देखा जाए तो जितने सिद्धांत अन्य देशों, अन्य-अन्य काल और स्थितियों में भिन्न-भिन्न नामों और धर्मों से प्रचलित हुए हैं, सभी अंतिम और मार्मिक अन्वेषण के बाद इसी तत्व अथवा सिद्धांत में

Join WhatsApp Group

समाविष्ट पाये जाते हैं केवल भौतिकवाद इनसे अलग है। हमें असमंजस की स्थिति से बाहर निकलकर निश्चय कर लेना है कि हम अहिंसावाद, आत्मवाद और गांधीवाद के अनुयायी और समर्थक हैं न कि भौतिकवाद के। प्रेय और श्रेय में से हमें श्रेय को चुनना है। श्रेय ही हितकर है, भले ही वह कठिन और श्रमसाध्य हो। इसके विपरीत प्रेय आरंभ में भले ही आकर्षक दिखाई दे, उसका अंतिम परिणाम अहितकर होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

16. लेखक के मत में विश्व में सुख-समृद्धि और शांति स्थापित हो सकती है -
(A) अहिंसा और अनात्मवाद द्वारा (B) अहिंसा और आत्मवाद द्वारा
(C) भौतिकवाद और आत्मवाद के समन्वय द्वारा
(D) अनिश्चिय और असमंजस की स्थिति से उबर कर

17. हमारे पैर लड़खड़ाते हैं, क्योंकि हम -
(A) अशक्त एवं दुर्बल है (B) भौतिकवाद में आस्था रखते हैं
(C) आत्मशक्ति में विश्वास नहीं रखते
(D) लक्ष्यहीन और दिशाहीन हैं

18. अहिंसा एवं सत्य के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है ?
(A) हिंसा का दुर्दस्य होना (B) असत्य-मार्ग का सरल होना
(C) मनुष्य की अपनी दुर्बलता (D) सत्य-मार्ग की दुर्गमता

19. किसी सिद्धांत को न मानने का सबसे बड़ा कुपरिणाम यह है कि -
(A) उस सिद्धांत का कभी कार्यान्वयन न होना
(B) मनुष्य का सदैव असमंजस में पड़े रहना
(C) किसी ध्येय का निर्धारण न कर पाना
(D) सुख और समृद्धि से संचित रह जाना

20. महात्मा गांधी जिस सिद्धांत के प्रवर्तक थे, वह सिद्धांत है -
(A) श्रेय और प्रेय (B) भौतिकवाद एवं अनात्मवाद
(C) विज्ञान एवं अध्यात्मवाद (D) अहिंसा और आत्मवाद

21. विश्व के प्रमुख वाद और विचारधाराएँ इस सिद्धांत में समाहित हो जाती हैं ?
(A) करुणा में (B) अहिंसा में
(C) सत्य में (D) विश्व शांति में

22. हमें किस दुविधा से सत्य को मुक्त करना चाहिए ?
(A) हिंसा और अहिंसा की (B) गांधीवाद और भौतिकवाद की
(C) युद्ध और शांति की (D) आत्मवाद और अनात्मवाद की

गद्यांश - 5

इनमें आश्चर्य नहीं है कि ताज शाश्वत् प्रेम के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसमें भारत और इस्लाम की वास्तुकला का सम्मिश्रण है। ऐसा विश्वास है कि इस स्मारक को पूरा होने में लगभग बाईस वर्ष लगे और नौ करोड़ रुपए के लगभग धनराशि खर्च हुए। लगभग 20,000 लोगों को इसमें रोजगार मिला।

ताजमहल के निर्माण का कार्य 1632 ई॰ में प्रारंभ होकर 1653 ई॰ में पूर्ण हुआ। यह 'आदर्श स्मारक' मुगल काल की सबसे सुन्दर इमारत मानी जाती है। पूर्णता के शीर्ष बिन्दु की प्रतिच्छवि के रूप में इसे माना जाता है जिसे मुगल शिल्पियों ने वास्तुकला और प्रस्तरकला में प्राप्त किया। ताज का सूक्ष्म निरीक्षण करने पर ज्ञात होता है इसमें मकबरे के प्रत्येक पक्ष को पूरी जागरूकता के साथ प्रकल्पित और निर्मित किया गया है। प्रत्येक छोटे-से-छोटे भाग का शेष भागों के साथ पूर्ण सामंजस्य है।

इसका प्रवेश द्वार ऊँची तीन आर्च का बना हुआ है। मकबरे पर पहली दृष्टि ही चकित कर देती है। सुसज्जित लम्बे बगीचे के अन्त में मोती जैसा सफेद संगमरमर का मकबरा बना हुआ है। मकबरे के दोनों ओर एक जैसी समान संरचनाएँ बनी हुई हैं। जबकि पूर्वी ओर इसी मस्जिद की आभासी आकृति स्थित है। इस इमारत को 'जवाब' भी कहा जाता है। इसका कोई धार्मिक महत्त्व नहीं है। इसे मात्र परिसर में एकरूपता स्थापित करने के लिए बनाया गया है।

ताजमहल भारत का गौरव है। आज 350 वर्ष बाद भी विश्व भर के सभी कोनों से लोग आकर ताज के सौन्दर्य को निहारते हैं और उससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

23. ताजमहल किस पूर्णता का द्योतक है ?
(A) भारत और इस्लाम की वास्तुकला का सम्मिश्रण
(B) मुगल शिल्पियों की वास्तुकला और प्रस्तरकला में दक्षता
(C) प्रत्येक छोटे से छोटे भाग का शेष भागों के साथ सामंजस्य
(D) इमारत का अपना सौन्दर्य और वैभव

24. 'जवाब' किस इमारत के लिए प्रयुक्त हुआ है ?
(A) मकबरा (B) ताजमहल
(C) प्रवेश द्वार (D) मकबरे की आभासी आकृति

25. ताजमहल के निर्माण में पूर्ण जागरूकता किस पक्ष से दृष्टिगत होती है ?
(A) ताजमहल के निर्माण में लगे कारीगरों की बड़ी संख्या तथा लम्बा समय
(B) ताजमहल के निर्माण में व्यय धनराशि
(C) इमारत के छोटे-से-छोटे भाग का शेष भागों के साथ पूर्ण सामंजस्य
(D) परिसर में एकरूपता स्थापित करने के लिए किए गए आवश्यक निर्माण

26. मस्जिद के परिसर में एकरूपता स्थापित करने के लिए कौन-से निर्माण किए गए हैं ?
(A) मकबरे से पूर्व सुसज्जित लम्बा बगीचा
(B) मकबरे के दोनों ओर की समान संरचनाएँ
(C) मकबरे के पूर्वी ओर मस्जिद की आभासी आकृति
(D) उपर्युक्त सभी

27. ताजमहल किसका प्रतीक है ?
(A) स्थायी प्रेम का (B) मुगल वास्तुकला की श्रेष्ठता का
(C) भारत और इस्लाम की वास्तुकला के सम्मिश्रण का
(D) मुगल कारीगरों के जागरूक निर्माण का

गद्यांश - 6

जब आप कार खरीदें, तो जिस मॉडल पर विचार कर रहे हैं उसकी महत्त्वपूर्ण विशेषताओं को ध्यानपूर्वक परख कर लिया करें। नवीनतम मॉडल खरीदने वालों से बहुतों को यह परेशानी होती है कि उनकी गैराज के लिए कार अधिक चौड़ी या अधिक लम्बी निकलती है। इसके अतिरिक्त बड़ी कार को यातायात में मोड़ने-माड़ने में अधिक कठिनाई आती है और उन्हें 'पार्क' करना (बनी जगह पर रखना) अधिक कठिन होता है। अन्य विचारणीय विषय है उस कार में दी सुविधाएँ - क्या सीटें अच्छी हैं और उन पर चढ़ा कवर

Join WhatsApp Group

टिकाऊ? क्या पर्याप्त शीशे का क्षेत्र है जिससे चालक को सभी दिशाओं में अच्छा दिखाई पड़ सके विशेषत: पीछे के दृश्य को। यह याद रखें कि कार जितनी भारी और अधिक शक्तिशाली होगी, उसका संचालन उतना ही खर्चीला होगा। उच्च शक्ति वाली मोटरों को महँगे उच्च-ओक्टेन वाले पेट्रोल की आवश्यकता पड़ती है। कार जितनी भारी होगी उतना ही टायर में घिसने-घिसाने का भय होगा और ब्रेकों को अधिक लम्बे होने की आवश्कता होगी। पुरानी कहावत अब भी सही है, ''आरंभिक मूल्य उतना प्रभावी नहीं होता है जितना कि वस्तु का रखरखाव।''

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

28. लेखक उस कार के पक्ष में है जिसका चौड़ा शीशे का क्षेत्र हो ताकि चालक (ड्राइवर) -
(A) ड्राइव करते समय बाहर के दृश्यों का आनन्द ले सके
(B) पीछे का दृश्य उसे अच्छा मिले
(C) शीशों को वह नीचे कर सके ताकि ताजी हवा आ सके
(D) लोगों को गर्व के साथ कुर्सी आदि की साज-सज्जा दिखा सके

29. एक बड़ी कार का रखरखाव बहुत खर्चीला होता है, क्योंकि -
(A) बड़ी कार भारी होगी
(B) बड़ी कार को पार्किंग के लिए अधिक जगह चाहिए
(C) बड़ी कार के टायरों को बार-बार बदलना होता है
(D) उसके लिए अधिक टिकाऊ सीट-कवर आदि चाहिए

30. कार खरीदते समय क्रेता को विशेषतया ध्यान देना चाहिए -
(A) उसकी कीमत पर (B) उसके रखरखाव लागत पर
(C) उसके सीट-कवर आदि की साज-सज्जा पर
(D) उसके ब्रेकों पर

31. इस गद्यांश के अनुसार, एक नई कार के खरीददार को जो दो बातें ध्यान में रखनी चाहिए, निम्नलिखित है -
(A) उसकी कीमत और आकार
(B) उसका मॉडल और कुर्सी आदि की साज-सज्जा
(C) उसका आकार और प्रदत्त सुविधाएँ
(D) कुर्सी आदि की साज-सज्जा और शीशे का क्षेत्रफल

32. कार का आकार निम्नलिखित के परिप्रेक्ष्य में होना चाहिए -
(A) वह धनराशि जोकि क्रेता देने में समर्थ है
(B) क्रेता के पास पहले से स्थित गैराज
(C) क्रेता जहाँ रहता है वहाँ की सड़कों की चौड़ाई
(D) सड़क पर यातायात की मात्रा

गद्यांश - 7

मानवता का परम शत्रु, जैसा कि लोगों ने खोज निकाला, विज्ञान नहीं, अपितु युद्ध है। विज्ञान केवल उन सामाजिक बलों को प्रतिनिधित्व करता है जिससे वह घिरा हुआ है। यह पाया गया है कि जब शांति का काल है, तो विज्ञान सृजनात्मक है, जब युद्ध का काल है तब विज्ञान विनाशकारी परिणामों की ओर गलत दिशा में मुड़ जाता है। अस्त्र-शस्त्र जो विज्ञान हमें देता है, अश्वमेघ युद्ध की सर्जना करें, ऐसा नहीं है वे युद्ध को और अधिक भयंकर बनाते हैं। अभी हाल तक उसने हमें कयामत को दहलीज तक पहुँचा दिया है। अतएव हमारी प्रमुख समस्या विज्ञान को प्रतिनिधित्व करना नहीं है, बल्कि युद्ध को रोकना है। यह एक कार्य है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को सहभागी बनना है और उसमें वैज्ञानिक भी शामिल है, किन्तु हिरोशिमा पर गिराए बम ने अचानक इस तथ्य की ओर आकर्षित कर लिया कि हमारे पास बहुत थोड़ा-सा समय है। समय हेतु विलम्ब हो चुका है और हमारा कार्य लगभग शुरू भी नहीं हुआ है। अब हम इस महत्वपूर्ण प्रश्न के आमने-सामने खड़े हैं - क्यों शिक्षा और सहिष्णुता आपसी समझ और सृजनात्मक प्रज्ञा इसी तेजी से दौड़ रही है कि हम अपोनिज की निरन्तर बढ़ती हुई विनाश समर्थता के साथ-साथ रह सकें ? यह प्रश्न है कि जिसका हमें इस पीढ़ी में एक ओर या दूसरी ओर उत्तर देना है। विज्ञान को इस उत्तर की खोज निकालने में हमें अवश्य सहायता देनी चाहिए। किन्तु अन्ततोगत्वा प्रमुख निर्णय हमारे स्वयं के भीतर स्थित हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

33. लेखक के अनुसार मानवता का वास्तविक शत्रु विज्ञान नहीं, बल्कि युद्ध है, क्योंकि -
(A) युद्ध के समय विज्ञान अत्यन्त विनाशक है
(B) विज्ञान केवल शस्त्रास्त्र का आविष्कार करता है जिससे युद्ध लड़ा जाता है
(C) शस्त्रास्त्र जोकि विज्ञान आविष्कार करता है आवश्यक रूप से हमें युद्ध की ओर ले जाते हैं
(D) विज्ञान के द्वारा बनाए शस्त्रास्त्र युद्ध पैदा नहीं कर सकते हैं कुछ तथ्य युद्ध को अधिक विनाशकारी बनाते हैं।

34. लेखक के अनुसार समाधान स्थित है -
(A) वैज्ञानिकों के विनाशक आग्नेयास्त्रों के बनाने में सहभागिता रोकने में
(B) युद्ध को पूरी तरह से रोकने में
(C) सभी वैज्ञानिक गतिविधियों को रोकने में
(D) विज्ञान को सामाजिक बलों के प्रतिबिम्ब से रोकने में

35. कथन 'कयामत की दहलीज तक पहुँचा देने' का तात्पर्य है -
(A) नए प्रारब्ध की दहलीज की ओर ले जाना
(B) अ-पूर्व कथनीय भविष्य से हमें परिचित करना
(C) मृत्यु और विनाश के बहुत समीपता को बतलाना
(D) एक-एक कदम बर्बादी की ओर ले जाना

36. वाक्यांश, 'हमारा कार्य लगभग शुरू भी नहीं हुआ है' का तात्पर्य है कि हमारा कार्य -
(A) अभी-अभी शुरू हुआ है (B) अभी आरम्भ नहीं
(C) वह आरंभ हो चुका है, किन्तु समाप्त नहीं हुआ
(D) उसके आरंभ होने की सम्भावना कम है

37. हमारी निरन्तर बढ़ती विनाश समर्थता को नियंत्रण रखा जा सकता है -
(A) सामाजिक बलों को प्रोत्साहन देकर
(B) सभी को शिक्षा देकर
(C) सृजनशीलता एवं प्रज्ञा द्वारा
(D) शिक्षा, उदार, चिन्तन और सृजनशीलता द्वारा

गद्यांश - 8

निकम्मे रहकर मनुष्यों की चिन्तनशक्ति थक गई है। बिस्तरों और आसनों पर सोते-सोते मन के घोड़े हार गए हैं। सारा जीवन निचुड़ चुका है। स्वप्न पुराने हो चुके हैं। आजकल कविता में नयापन नहीं, उसमें पुराने जमाने की पुनरावृत्ति मात्र है। इस नकल में असल की पवित्रता का अभाव है। अब तो

Join WhatsApp Group

एक नए प्रकार का कलाकौशलपूर्ण संगीत साहित्य संसार में प्रचलित होने वाला है। यदि वह न प्रचलित हुआ तो मशीनों के पहियों के नीचे दबकर हमें मरा समझिए। यह नया साहित्य मजदुरों के हृदय से निकलेगा। उन मजदूरों के कंठ से यह नई कविता निकलेगी जो अपने जीवन आनन्द के साथ खेत की मेड़ों का कपड़े के धागों का, जूता के टांकों का, लकड़ी के रंगो का भेदभाव दूर करेंगे। नंगे सिर और नंगे पाँव, धूल से लिपटे और कीचड़ से रंगे हुए वे बेजुबान कवि जब जंगल में लकड़ी काटेंगे तब लकड़ी काटने का शब्द इनके असभ्य स्वरों से मिश्रित होकर वायुयान पर चढ़ दसों दिशाओं में ऐसा अद्‌भुत गान करेगा कि भविष्य के कलावन्तों के लिए वही ध्रुपद और मलार का काम देगा। कला रूपी धर्म की तभी वृद्धि होगी, तभी नए कवि पैदा होंगे, तभी नए औलियों का उद्‌भव होगा, परन्तु ये सब के सब मजदूरी के दूध से पलेंगे। शुद्धाचरण, सभ्यता और कविता आदि के फूल इन्हीं मजदूर ऋषियों के उद्यान में प्रफुल्लित होंगे।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

38. कविता में नवीन विषयों के अभाव का मुख्य कारण यह है कि –
(A) मनुष्य का सारा जीवन-रस निचुड़ चुका है, स्वप्न पुराने हो चुके हैं
(B) श्रमहीनता की स्थिति ने मनुष्य की चिन्तन शक्ति क्षीण कर दी है
(C) मनुष्य ने नवीन विषयों पर विचार करना बंद कर दिया है
(D) मनुष्य ने नवीन कल्पनाएँ करनी बंद कर दी है

39. यदि नवीन साहित्य प्रचलित हुआ, तो मनुष्य –
(A) नवीन कला-कौशलपूर्ण संगीत से वंचित रह जाएगा
(B) भौतिकता के आधिक्य के कारण भावहीन हो जाएगा
(C) भविष्य में कभी साहित्यिक प्रगति न कर पाएगा
(D) मशीनों का गुलाम बनकर रह जाएगा

40. नवीन साहित्य का प्रमुख विषय होगा –
(A) श्रमजीवियों के कण्ठ से निकला कोई राग
(B) मजदूरों के जीवन में बिखरा आनन्द
(C) आम आदमी का श्रमपूर्ण जीवन
(D) खेत की मेड़, कपड़े के धागे, जूते के टाँके और लकड़ी के रंग

41. मजदूर बेजुबान रहकर भी कविता कर सकता है –
(A) औजारों से निकलने वाले संगीत के माध्यम से
(B) भविष्य के कलावंतों को नवीन दृष्टि प्रदान करके
(C) नवीन साहित्य के विषय-रूप में प्रतिष्ठित होकर
(D) अपनी भावनाओं की लिखित अभिव्यक्ति के माध्यम से

42. आधुनिक युग में लिखी जा रही कविता में नयापन नहीं, क्योंकि इसमें –
(A) असली काव्य की पवित्रता का अभाव है
(B) नई कला-कौशलपूर्ण अभिव्यक्ति को स्थान नहीं मिला है
(C) परम्परागत मूल्यों की अवधारणा नहीं है
(D) नवीन भावों की अभिव्यक्ति नहीं मिल रही है।

गद्यांश - 9

''अध्यापक, किसी भी अन्य स्तर से अधिक, सभ्यता के संरक्षक हैं, उन्हें सद्‌भावपूर्ण ज्ञान होना चाहिए कि सभ्यता क्या है ? और शिष्यों में सभ्य विचार भावना भरने की इच्छा होनी चाहिए। इस प्रकार हमारे सामने यह एक प्रश्न है कि सभ्य समुदाय का गठन किसके द्वारा होता है ?''

इस प्रश्न का उत्तर केवल पदार्थ परीक्षण को ध्यान में रखते हुए बड़ी सरलता से दिया जाएगा। एक देश सभ्य होता है जब – उसके पास अधिक मशीनरी, अनेक मोटरकारों, बहुत्तर स्नानगृह एवं एक स्थान से अन्य स्थान तक आने-जाने के अनेक साधन होते हैं। ऐसी बातों को, मेरी राय में अत्यधिक आधुनिक मानव, अत्यधिक महत्त्व देते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण अर्थ में सभ्यता एक विचार वस्तु है, जीवित रहने के लिए शारीरिक पहलू से संलग्न सामग्री से सम्बंधित नहीं है। यह आंशिक रूप में ज्ञान और भावना दोनों से सम्बद्ध है। जहाँ तक ज्ञान का सम्बंध है मनुष्य को वैश्विक समयबद्धता एवं स्थानीयता के संदर्भ में तत्कालीन वातावरण एवं स्वयं की सूक्ष्मता का ज्ञान होना चाहिए।

उसको चाहिए कि वह अपने देश को केवल अपना घर न समझकर विश्व के देशों में से एक समझे, जहाँ सभी को जीवित रहने, सोचने एवं अनुभव के समान अधिकार हैं, भूत एवं भविष्य के सन्दर्भ में उसे अपना वर्तमान देखना चाहिए और समझना चाहिए कि उसकी अपनी उलझनें/परेशानियाँ भविष्य के दिनों में अनजानी बन जायेंगी जैसे कि भूतकाल की घटनाएँ आज हमें जान पड़ती हैं। विस्तृत दृष्टिकोण से देखने पर उसे भू-गर्भीय कालों की एवं खगोलीय अन्तरहीन छिद्रों (गड्ढ़ों) की विशालता के प्रति सजग होना चाहिए तथा सभी कुछ समझाना चाहिए। यह न समझना चाहिए कि यह अलग-अलग मानव भावना को कुचलने का यह एक भार है, परन्तु यह एक विशाल दृश्य है, जो यह सब सोचने वाले मस्तिष्क का विकास करता है। भावनाओं के पक्ष में यदि मनुष्य वास्तव में सभ्य है तो शुद्ध व्यक्तित्व की ओर से एक अति समान वृद्धि/विकास आवश्यक है।

मनुष्य जन्म से मृत्यु तक का मार्ग पार करता है। कभी उदार, कभी छीनने वाला और हीन, कभी वीरतापूर्ण, कभी कायरतापूर्ण तथा अधीनग्रस्त। जो व्यक्ति सम्पूर्ण प्रक्रिया को ध्यान में लेता है उसके लिए अमुक बातें प्रशंसापात्र सिद्ध होती हैं। कुछ व्यक्ति मनुष्य जाति के प्रेम द्वारा प्रेरित हुए हैं। कुछ व्यक्तियों ने अद्‌भुत बुद्धिमत्ता द्वारा हम जिस संसार में जीवित हैं उसे समझने में हमारी सहायता की है और कुछ ने अनन्य समानता द्वारा सुन्दरता को जन्म दिया।

इन लोगों ने निर्दयता, क्रूरता तथा मूढ़वादिता के लम्बे इतिहास को प्रकाश में लाने जैसे कुछ सकारात्मक भव्य कार्य का सूत्रपात किया। इन्होंने असभ्यता के छोटे-मोटे उपद्रवों के स्थान पर अपनी शक्ति से मानव जीवन की अच्छाई के लिए कार्य किए। सभ्य व्यक्ति जहाँ प्रशंसा नहीं कर सकता वहाँ धिक्कारने के स्थान पर समझने की ओर अधिक ध्यान देना। वह बुरे कार्यों में लगे लोगों को धिक्कारने या उसके घृणा करने के बजाए अमानुषी कारणों के उन्मूलन की खोज में अधिक ध्यान देगा। यह सब कुछ अपने अधीन युवकों तक अपने अध्यापन द्वारा पहुँचाएगा/सिखाएगा।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

43. अध्यापक का कार्य क्या है ?
(A) क्रूर एवं नृशंस लोगों के आक्रमण से सभ्यता की रक्षा
(B) सभ्यता के आवश्यक मूल्यों को बनाए रखना और विद्यार्थियों को उसकी शिक्षा देना
(C) सभ्यता का रूप (स्वभाव) परिवर्तित करना
(D) बुराई के अमानुषी कारणों की पुनः खोज करना

44. आधुनिक लोग, जिन्हें महत्व प्रदान करना चाहिए उन्हें छोड़कर किन बातों को अधिक महत्त्व देते हैं ?
(A) मकान एवं स्वच्छता (B) ज्ञान
(C) भौतिक वस्तुएँ (D) अंधविश्वास

rajbhashahindi
Join WhatsApp Group

45. किसी को स्वयं के जीवन काल को क्या समझना चाहिए ?
(A) मानव इतिहास का एक छोटा-सा भाग
(B) भूतकालीन भ्रष्टाचार
(C) विश्व जीवन का सुनहरा काल (D) प्रशंसा का विषय

46. जिसे अच्छा नहीं मान सकता, उसके प्रति सभ्य व्यक्ति की प्रतिक्रिया क्या होगी ?
(A) हल्के रूप में इसे स्वीकार करना चाहिए
(B) इसे अस्वीकार करना चाहिए
(C) इसे समझने का प्रयास करना चाहिए
(D) इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए

47. सभ्य समाज का निर्माण कौन करता है ?
(A) मोटरकार, जहाज, रेलगाड़ियाँ और बस
(B) विश्व का ज्ञान तथा औरों के लिए सहानुभूति
(C) बुरे लोगों के प्रति घृणा
(D) धिक्कारने के बजाए समझने पर अधिक ध्यान केन्द्रित करना

48. व्यक्ति की अपने देश के प्रति क्या भावना होनी चाहिए ?
(A) देशभक्ति (B) उदासीनता
(C) संवेदनशीलता
(D) विश्व के समान अधिकारों वाले देशों में से एक

49. किसने मानव जीवन की गुणवता का विकास किया ?
(A) बुद्धिशालियों ने (B) कलाकारों ने
(C) कलाकारों, विद्वानों तथा मानव-जाति के प्रेमियों ने
(D) मानव जाति के प्रेमियों ने

50. बुराईयों के प्रति सभ्य लोगों की क्या मान्यता है ?
(A) वह समझने का प्रयास करते हैं और बुराई के कारणों को दूर करते हैं
(B) वह बुराई के प्रति उदासीन होते हैं
(C) वह बुराई करने वालों से घृणा करते हैं
(D) वह उनका शिकार बनते हैं

गद्यांश - 10

लंदन शहर टेम्स नदी के किनारों पर बसा हुआ है जिसका पाट चौड़ा है और पानी गहरा। समुद्र तट के निकट होने और टेम्स नदी में काफी पानी रहने के कारण, लंदन एक विशाल बंदरगाह भी है। वहाँ रोज सैकड़ों जहाज आते-जाते हैं और दूर देखने पर टेम्स नदी के ऊपर मस्तूलों का जंगल मालूम होता है। यहाँ से पृथ्वी की सभी दिशाओं को माल जाता है और वहाँ से आता है। लंदन तथा इंगलिस्तान की भोजन सामग्री का बहुत भाग इसी बंदरगाह पर पहुँचता है। यदि एक सप्ताह के लिए जहाजों का आना-जाना बंद हो जाए, तो इस देश में त्राहि-त्राहि मच जाए। इसलिए ब्रिटिश साम्राज्य ने अपनी नवीन शक्ति इतनी प्रबल कर ली है कि उससे दुनिया में कोई भी राजशक्ति समुद्र युद्ध में टक्कर नहीं ले सकती।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

51. ब्रिटिश साम्राज्य ने अपनी नाविक शक्ति क्यों इतनी प्रबल बना ली ?
(A) कोई शत्रु इसे हरा न सके
(B) कोई लंदन पर आक्रमण न कर सके
(C) कोई इसके जहाजों का आना-जाना न रोक सके
(D) लंदन शहर को कोई क्षति न पहुँचा सके

52. 'मस्तूलों का जंगल' कहने से लेखक का क्या अभिप्राय है ?
(A) मस्तूलों की पत्तियाँ (B) असंख्य मस्तूल
(C) मस्तूलों का आकर्षण दृश्य (D) मस्तूलों की बहार

53. 'त्राहि-त्राहि मच जाने' का क्या अर्थ है ?
(A) हल्ला मच जाना (B) हल्ला गुल्ला आरंभ होना
(C) शोर-शराबा होना (D) हाहाकार मच जाना

54. 'टक्कर लेने' का अर्थ है -
(A) तुलना करना (B) मुकाबला करना
(C) टकराना (D) लोहा मानना

55. लंदन बंदरगाह कहाँ पर स्थित है ?
(A) समुद्र तट पर (B) काफी गहरे पानी पर
(C) जहाजों के जंगल में (D) नदी के तट पर

गद्यांश - 11

इस संसार की यही रीति है। सत्यवादी मारा जाता है। आज से सहस्रों वर्ष पूर्व ग्रीस देश में एक दार्शनिक रहा करता था। उसका नाम सुकरात था। उसकी बातें सीधी-सच्ची पर तीखी होती थी। समाज उन्हें सह नहीं सका और उसे कानूनी आज्ञा का पालन करते हुए विष का प्याला पीना पड़ा। इसी प्रकार तत्कालीन शासन-सत्ता तथा सामाजिक और धार्मिक दुराचारों के विरुद्ध आवाज उठाने पर ईसा को सूली पर चढ़ना पड़ा। सलीब पर से ईसा का यह आर्तनाद आज भी गूँज रहा है - हे प्रभु, हे पिता, तुम हमें क्यों भूल गए हो ? साम्प्रदायिक विष को शांत करने और लोगों में साम्प्रदायिक सद्भावना फैलाने के लिए गांधीजी अपने जीवन की बाजी लगाकर एक स्थान से दूसरे स्थान घूमते फिरे, अंत में उन्हें गोली का शिकार होना पड़ा। इन दृष्टांतों की पुनरावृत्ति अभी हाल ही में अमरीका में हुई है। वहाँ के काले लोगों को उनके रंग और जाति के दुर्व्यहारों से मुक्ति दिलाकर समाज में समुचित स्थान दिलाने को डॉ॰ किंग ने अहिंसक आन्दोलन खड़ा किया था। उन्होंने चाहा कि अमरीका के गोरे लोगों में हृदय परिवर्तन हो और वे नीग्रो अमरीकनों को नौकरी में और सामाजिक प्रतिष्ठा में वही स्थान पाने दें जो श्वेत अमरीकनों को मिलता है, लेकिन उसको भी निर्भीक सच्चाई बरतने का मूल्य अपने प्राण देकर चुकाना पड़ा। आज संसार के सामने वही पुराना प्रश्न फिर खड़ा हो गया है। क्या दुनिया में सच कहने वालों का और इंसाफ माँगने वालों का इसी प्रकार अंत होता रहेगा ? क्या आपसी विद्वेष को समाप्त करने की सम्भावना, इस दुनिया में सबको पसंद नहीं हो सकेगी ? जरा सोचिए, यदि इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक हुआ, तो मनुष्य जाति का भविष्य कितना निराशाजनक होगा ?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

56. ग्रीस देश के एक दार्शनिक का नाम था -
(A) वाल्टेयर (B) प्लेटो
(C) सुकरात (D) अरस्तू

57. सुकरात को विष का प्याला क्यों पीना पड़ा ?
(A) वे लड़ाकू प्रकृति के थे
(B) उनकी सीधी सच्ची एवं तीखी बातें समाज सह नहीं सका
(C) वे खरी-खोटी कहते थे
(D) वे जाति-पाँति का भेदभाव करते थे

Join WhatsApp Group

58. ईसा का आर्तनाद कहाँ से गूँज रहा है ?
(A) कीले पर से (B) सूली पर से
(C) सलीब पर से (D) चोटी से

59. 'सद्भावना' शब्द का विलोम है -
(A) दुर्व्यवहार (B) सलीब
(C) दुराचार (D) विष

60. 'छुटकारा' शब्द का पर्याय है -
(A) शिकार होना (B) खड़ा करना
(C) मुक्ति (D) चुकाना

61. 'अहिंसक' आन्दोलन खड़ा करने वाले नेता का नाम था -
(A) डॉ॰ किंग (B) गांधीजी
(C) सुकरात (D) ईसा

62. डॉ॰ किंग को प्राणों का मूल्य किस लिए चुकाना पड़ा ?
(A) सामाजिक न्याय दिलाने के प्रयासों के लिए
(B) निर्भीक सच्चाई बरतने का मूल्य
(C) साम्प्रदायिक विष फैलाने के लिए
(D) रंगभेद का वातावरण तैयार करने के लिए

63. 'सकारात्मक' शब्द का विलोम शब्द होगा -
(A) नकारात्मक (B) आशात्मक
(C) संभावनात्मक (D) निराशात्मक

गद्यांश - 12

प्राचीनकाल में मानव को कपास और कपड़े के लिए कताई-बुनाई का ज्ञान नहीं था। इसलिए वह वृक्षों की छाल और पत्तों से अपने शरीर को ढ़क लेता था। वृक्षों की डाल पर वृक्षों के नीचे या किसी पर्वत की ओट में सो जाता था। समय बीतने पर मानव ने अपनी सुरक्षा और सुविधा की बात पर विचार किया। एक दिन उसने अचानक दो पत्थरों के टकराने से आग की चिंगारी निकलते देखी। धीरे-धीरे आग का उपयोग वह जान गया। तब से वह मांस को भूनकर खाने लगा। धीरे-धीरे पत्थर के स्थान पर कांस्य और लोहे के हथियार बनने लगे। इसलिए इस युग को 'कांस्य युग' कहते हैं। इसी युग में मानव ने खेती करना भी सीख लिया। कालान्तर में पहिए का आविष्कार हुआ। वस्तुत: यह विश्व का सबसे महत्त्वपूर्ण आविष्कार था। इसी के कारण मोटर, रेलगाड़ी, वायुयान तथा अनेक प्रकार की मशीनों का उपयोग शुरू हुआ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

64. प्राचीनकाल में मानव क्या पहनता था ?
(A) वृक्षों की छाल और पत्ते (B) जानवरों की खाल
(C) कपास के कपड़े (D) ऊनी कपड़े

65. प्राचीनकाल में मानव कहाँ सोता था ?
(A) वृक्षों के नीचे (B) झोंपड़ी में
(C) पहाड़ों पर (D) नदियों के किनारे

66. आग का आविष्कार कैसे हुआ ?
(A) जंगल में लगी आग से
(B) दो पत्थरों के टकराने पर निकली चिंगारी से
(C) दियासलाई से
(D) खोज और अनुसंधान से

67. आग के आविष्कार के बाद जानवरों का मांस किस प्रकार खाया जाता था ?
(A) कच्चा (B) भूनकर
(C) पकाकर (D) सब्जी की तरह

68. कांस्य के हथियार बनने से 'पाषाण युग' समाप्त हो गया और तब जिस युग का सूत्रपात हुआ, वह था -
(A) लौह युग (B) पाषाण युगान्तर
(C) कांस्य युग (D) आधुनिक युग

69. मानव ने खेती करना किस युग में सीखा ?
(A) पूर्व पाषाण युग में (B) पाषाण युग में
(C) पुरा पाषाण युग में (D) कांस्य युग में

70. पहिए का आविष्कार कब हुआ ?
(A) प्राचीन युग में (B) पाषाण युग में
(C) पुरा कांस्य युग में (D) कलयुग में

71. पहिए के आविष्कार से सबसे बड़ा लाभ क्या हुआ ?
(A) आधुनिक मशीनें और परिवहन के साधन बने
(B) बच्चों के खिलौने बने
(C) हल बना (D) हथगोला बना

गद्यांश - 13

विज्ञापन कला जिस तेजी से उन्नति कर रही है, उससे मुझे भविष्य के लिए और भी अंदेशा है। लगता है ऐसा युग आने वाला है जब शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और साहित्य इनका केवल विज्ञापन कला के लिए ही उपयोग रह जाएगा। वैसे तो आज भी इस कला के लिए इनका खासा उपयोग होता है। बहुत-सी शिक्षण संस्थाएँ हैं जो साम्प्रदायिक संस्थाओं का विज्ञापन हैं। अपनी पीढ़ी के कई लेखकों की कृतियाँ लाला छगनलाल, मगनलाल या इस तरह के नाम के किसी और लाल की स्मारक निधि से प्रकाशित होकर लालाजी की दिवंगत आत्मा के प्रति स्मारक होने का फर्ज अदा कर रही हैं मगर आने वाले युग में यह कला, दो कदम आगे बढ़ जाएगी। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के दीक्षांत महोत्सव पर जो डिग्रियाँ दी जायेंगी, उनके निचले कोने में छपा रहेगा - 'आपकी शिक्षा के उपयोग का एक ही मार्ग है, आज ही आयात-निर्यात का धंधा प्रारंभ कीजिए। मुफ्त सूचीपत्र के लिए लिखिए'। हर नए आविष्कारक का चेहरा मुस्कुराता हुआ, टेलीविजन पर जाकर कुछ इस तरह निवेदन करेगा - 'मुझे यह कहते हुए हार्दिक प्रसन्नता है कि मेरे प्रयत्न की सफलता का सारा श्रेय रबड़ के टायर बनाने वाली कम्पनी को है, क्योंकि उन्हीं के प्रोत्साहन और प्रेरणा से मैने इस दिशा में कदम बढ़ाया ....'। विष्णु के मंदिर खड़े होंगे, जिनमें संगमरमर की सुन्दर प्रतिमा के नीचे पट्टी लगी होगी - ''याद रखिए, इस मूर्ति और इस भवन के निर्माण का श्रेय लाल हाथी के निशान वाले निर्माताओं को है। वास्तुकला सम्बंधी अपनी सभी आवश्यकताओं के लिए लाल हाथी का निशान कभी मत भूलिए।' और ऐसे-ऐसे उपन्यास हाथ में आया करेंगे जिनकी सुन्दर चमड़े की जिल्द पर एक ओर बारीक अक्षरों में लिखा होगा - साहित्य में अभिरूची रखने वालों को इक्का मार्का साबुन वालों की एक और तुच्छ भेंट, और बात बढ़ते-बढ़ते यहाँ तक पहुँच जाएगी कि जब एक दुल्हा बड़े अरमान से दुल्हन ब्याह कर घर आएगा और घूँघट हटाकर उसके रूप की प्रसन्नता में पहला वाक्य कहेगा, तो दुल्हन मधुर भाव से आँख उठाकर हृदय का सारा दुलार शब्दों में पड़ेलती हुई कहेगी - 'रोज सुबह उठकर नौ सौ इक्यावन नम्बर के साबुन से नहाती हूँ।'

Join WhatsApp Group

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

72. भविष्य के लिए अन्देशा बढ़ता जा रहा है, क्योंकि -
(A) विज्ञापन के प्रचार में गतिशीलता नहीं है
(B) विज्ञापन का प्रचार-प्रसार बड़ी तेजी से हो रहा है
(C) विज्ञापन प्रसार में परिवर्तन नहीं हो रहा है
(D) विज्ञापन प्रचार-प्रसार का समय नहीं बढ़ाया जा रहा है

73. आज शिक्षण संस्थाएँ भी -
(A) साम्प्रदायिकता की शिक्षा देती हैं
(B) साम्प्रदायिकता को रोकती हैं
(C) साम्प्रदायिकता संस्थाओं का विज्ञापन मात्र हैं
(D) साम्प्रदायिकता के विज्ञापन पर अंकुश लगाती हैं

74. सुन्दर प्रतिमाओं के नीचे लगी पट्टी में लिखा होगा -
(A) मूर्ति और भवन के निर्माण का श्रेय हाथी निशान को जाता है
(B) मूर्ति और भवन के निर्माण का श्रेय हाथी और महावत को जाता है
(C) मूर्ति और भवन के निर्माण का श्रेय लाल हाथी वालों को जाता है
(D) मूर्ति और भवन के निर्माण का श्रेय शिल्पकार-रचनाकारों को है

75. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'महोत्सव' का सही संधि-विग्रह और उसका प्रकार निम्नलिखित है।
(A) महो + त्सव - स्वर संधि (B) महोत् + सव - व्यंजन संधि
(C) महः + उत्सव - विसर्ग संधि (D) महा + उत्सव - स्वर संधि

76. उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा -
(A) दूरदर्शन के कार्यक्रम (B) टायर कम्पनी की प्रेरणा
(C) विज्ञापन युग (D) विज्ञापन और साहित्य

गद्यांश - 14

जिन्दगी के असली मजे उनके लिए नहीं है जो फूलों की छाँह के नीचे खेलते और सोते हैं, बल्कि फूलों की छाँह के नीचे अगर जीवन का कोई स्वाद छिपा है, तो वह भी उन्हीं के लिए है जो दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं जिनका कंठ सूखा हुआ है, ओठ फटे हुए और सारा बदन पसीने से तर हैं। पानी में जो अमृतवाला तत्व है, उसे वह जानता है जो धूप में खूब सूख चुका है, वह नहीं जो रेगिस्तान में कभी पड़ा ही नहीं है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

77. यह गद्यांश किसका लिखा हुआ है ?
(A) राम धारी सिंह 'दिनकर' (B) रामचंद्र शुक्ल
(C) गुलाब राय (D) बालमुकुन्द गुप्त

78. जिन्दगी के असली मजे किनके लिए है ?
(A) जो आराम करते हें। (B) जो परिश्रम करते हैं
(C) जो शहर में रहते हैं (D) जो पैसे वाले है

79. उपर्युक्त गद्यांश में किस बात की महत्त्व को बताया गया है ?
(A) प्रकृति (B) जीवन
(C) श्रम (D) भाग्य

80. जो धूप में खूब सूख चुका है, वे अभिप्राय है ?
(A) कड़ा परिश्रम करना (B) धूप सेंकना
(C) बीमार होना (D) रेगिस्तान में रहना

81. 'अमृतवाला तत्व' का तात्पर्य है -
(A) जीवन का सार (B) अमृत
(C) जीवन का रहस्य (D) समुद्र से निकला हुआ अमृत

गद्यांश - 15

आवश्यकता इस बात की है कि हमारी शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषा हो, जिसमें राष्ट्र के हृदय-मन-प्राण के सूक्ष्मतम और गम्भीरतम संवेदन मुखरित हों और हमारा पाठ्यक्रम यूरोप तथा अमेरिका के पाठ्यक्रम पर आधारित न होकर हमारी अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं एवं आवश्यकताओं का प्रतिनिधित्व करें। भारतीय भाषाओं एवं आवश्यकताओं का प्रतिनिधित्व करें। भारतीय भाषाओं, भारतीय इतिहास, भारतीय दर्शन, भारतीय धर्म और भारतीय समाजशास्त्र को हम सर्वोपरि स्थान दे। उन्हें अपने शिक्षाक्रम में गौण स्थान देकर या शिक्षित जन को उनसे वंचित रखकर हमने राष्ट्रीय संस्कृति में एक महान् रिक्ति को जन्म दिया है, जो नयी पीढ़ी को भीतर से खोखला कर रहा है। हम राष्ट्रीय परम्परा से ही नहीं, सामयिक जीवन प्रवाह से भी दूर जा पड़े हैं। विदेशी पश्चिमी चश्मों के भीतर से देखने पर अपने घर के प्राणी भी बे-पहचाने और अजीब से लगने लगे हैं। शिक्षित जन और सामान्य जनता के बीच खाई बढ़ती गई है और विश्व संस्कृति के दावेदार होने का दम्भ करते हुए भी हम घर में वामन ही बने रह गए हैं। इस स्थिति को हास्यास्पद ही कहा जा सकता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

82. उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्ष है -
(A) हमारा शिक्षा-माध्यम और पाठ्यक्रम
(B) शिक्षित जन और सामान्य जनता
(C) हमारी सांस्कृतिक परम्परा (D) शिक्षा का माध्यम

83. हमारी शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषा होना चाहिए क्योंकि उसमें -
(A) विदेशी पाठ्यक्रम का अभाव होता है
(B) भारतीय इतिहास और भारतीय दर्शन का ज्ञान निहित होता है
(C) सामयिक जीवन निरन्तर प्रवाहित होता रहता है।
(D) भारतीय मानस का स्पन्दन ध्वनित होता है।

84. हमारी शिक्षा में ऐसे पाठ्यक्रम की आवश्यकता है जिसमें
(A) सामयिक जन-संस्कृति का समावेश हो।
(B) भारतीय सांस्कृतिक परम्परा का प्रतिनिधित्व हो।
(C) पाश्चात्य संस्कृति का पूर्ण ज्ञान कराने की क्षमता हो।
(D) आधुनिक वैज्ञानिक विचारधाराओं का सन्निवेश हो।

उत्तरमाला

1. (D)	2. (C)	3. (A)	4. (A)	5. (C)	6. (B)	7. (C)	8. (D)
9. (D)	10. (A)	11. (C)	12. (D)	13. (A)	14. (A)	15. (B)	16. (B)
17. (D)	18. (C)	19. (D)	20. (D)	21. (C)	22. (D)	23. (A)	24. (D)
25. (C)	26. (C)	27. (A)	28. (B)	29. (C)	30. (B)	31. (C)	32. (B)
33. (A)	34. (D)	35. (C)	36. (B)	37. (D)	38. (A)	39. (D)	40. (B)
41. (A)	42. (D)	43. (B)	44. (C)	45. (D)	46. (C)	47. (A)	48. (D)
49. (D)	50. (A)	51. (C)	52. (B)	53. (D)	54. (B)	55. (D)	56. (C)
57. (B)	58. (C)	59. (C)	60. (A)	61. (A)	62. (A)	63. (A)	64. (A)
65. (A)	66. (B)	67. (B)	68. (C)	69. (D)	70. (C)	71. (A)	72. (B)
73. (C)	74. (C)	75. (D)	76. (C)	77. (A)	78. (B)	79. (C)	80. (A)
81. (A)	82. (A)	83. (D)	84. (B)				

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

गद्यांश (रिक्त स्थानों की पूर्ति)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्राय: कुछ प्रश्न अनुच्छेद में रिक्त स्थानों की पूर्ति सम्बंधी होते हैं। इसके लिए एक गद्यांश या अवतरण होता है, जिसमें कई वाक्यों के शब्द लुप्त होते हैं और उसके स्थान पर प्रश्न संख्या अंकित होती है। अवतरण के नीचे प्रश्न संख्या के साथ ही चार-चार 'शब्द' विकल्प रूप में दिए रहते हैं। इन विकल्पों में से कोई एक शब्द सही होता है। परीक्षार्थियों को उपयुक्त विकल्प का चयन करके चिह्नित करना होता है।

इस प्रकार के प्रश्न हल करते समय विषय वस्तु, वाक्य रचना, शब्दों के उचित प्रयोग, समोच्चित शब्दों के अर्थ-भेद, समानार्थी शब्दों के प्रयोग में सतर्कता, शब्दों के विलोम और मुहावरे, कहावतों आदि का ज्ञान उचित विकल्प ढूँढ़ने में सहायक होता है।

निर्देश (प्रश्न 1-10) तक में सम्बद्ध वाक्यों के गद्यांश में से कतिपय शब्द निकाल दिए गए हैं। ये शब्द प्रत्येक रिक्त स्थान पूर्ति के लिए प्रस्तावित विकल्पों में सम्मिलित हैं। गद्यांश के विषय को समझने के लिए इसे ध्यान से पढ़िए। अब प्रस्तावित विकल्पों में से समुचित विकल्प चुनिए ।

गद्यांश - 1

मनुष्य स्वभावत: एकाकीपन पसन्द नहीं करता । परिवार अथवा समाज में रहते हुए भी हमें एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता अनुभव होती है, जिससे हम हृदय की बात निस्संकोच रूप से कह सकें। पारिवारिक मर्यादाओं के कारण पारिवारिक सदस्यों के सम्मुख हम अपने .....1..... वास्तविक रूप में नहीं रख पाते। परन्तु हृदय तो .....2..... के लिए सदा आकुल रहता है। हमारा अन्त:करण जिससे .....3..... नहीं रखता, जिसके सम्मुख खुल सकता है, वहीं हमारा ...4..... है। ऐसे मित्र प्रयत्नपूर्वक बनाए नहीं जाते, ...5..... ही मिल जाते हैं। हमारा मित्र हमारा ही .....6..... होता है। विपरीत विचारों वाले मित्र भी .....7..... रूप में मिलते हैं। परन्तु विचारों और स्थिति की .....8..... घनिष्ठ मित्रता के लिए अत्यन्त आवश्यक है। सामान्यत: दो .....9..... विचारों की टकराहट अशांति को ही जन्म देती है। .....10..... बढ़ाने वाले तो रास्ते चलते भी मिलेंगे पर वे स्वार्थपरायण होंगे और उनका सरोकार अपनी सुख-सुविधा एवं विलासिता तक सीमित होगा। उपयुक्त मित्र मिलना जीवन की सार्थकता है।

1. (A) संकल्प (B) विकल्प (C) स्वप्न (D) मनोभाव
2. (A) अभिव्यक्ति (B) अनुरक्ति (C) निवेदन (D) प्रतिवेदन
3. (A) अनुराग (B) विराग (C) दुराव (D) भुलाव
4. (A) पूज्य (B) श्रद्धेय (C) सुहृद् (D) सहृदय
5. (A) सायास (B) अनायास (C) बहुप्रयास (D) विपर्यास
6. (A) प्रतिरूप (B) अनुरूप (C) अपरूप (D) विरूप
7. (A) निर्विवाद (B) प्रतिवाद (C) संवाद (D) अपवाद
8. (A) असमानता (B) समानता (C) विपरीतता (D) विषमता
9. (A) अकूल (B) अनुकूल (C) प्रतिकूल (D) असंगत
10. (A) अभिमान (B) जान-पहचान (C) अनुमान (D) अवसाद

गद्यांश - 2

प्रेस समाज के <u>11</u> की एक महत्त्वपूर्ण शक्ति होती है। यह देश के एक भाग की जनता को दूसरे भागों में हो रही <u>12</u> से परिचित कराती है। विभिन्न <u>13</u> के बारे में ज्ञान के प्रसार का यह एक महत्त्वपूर्ण <u>14</u> है किसी काल के <u>15</u> विषयों पर जनमत तैयार करने का यह साधन भी है। समाज सुधार के <u>16</u> में और शासन के कार्यों को प्रभावित करने में इसकी सहायता महत्त्वपूर्ण होती है। जनहित के <u>17</u> पर जनता के विचारों की अभिव्यक्ति के लिए एक यह मंच का कार्य करता है।

भारत में प्रेस का विकास उन्नीसवीं सदी के आरंभिक वर्षों में आरंभ हुआ और इससे जनता को <u>18</u> बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत का पहला समाचार पत्र <u>1780</u> में स्थापित बंगाल गजट था।

11. (A) संगठन (B) ऐक्य (C) एकीकरण (D) एकता
12. (A) सूचनाओं (B) घटनाओं (C) अपदाओं (D) जटिलताओं
13. (A) समस्याओं (B) बाधाओं (C) अवरोधों (D) मुसीबतों
14. (A) मध्सम (B) माध्यम (C) मीडिया (D) मार्ग
15. (A) महत्त्वपूर्ण (B) महत्वाकांक्षी (C) मुख्य (D) गुरु
16. (A) प्रयासों (B) अनुष्ठानों (C) प्रयोगों (D) अभियानों
17. (A) मुर्दों (B) विषयों (C) बातचीत (D) कार्यकलापों
18. (A) रचनात्मक (B) कलात्मक (C) जागृत (D) तत्पर

गद्यांश - 3

समाचार-पत्र आधुनिक जीवन की आवश्यकता है और आज के जीवन की महान शक्ति। समाचार-पत्र जन साधारण के विचारों को <u>19</u> करने का साधन है। समाज, देश और विश्व में घटने वाली दिन प्रतिदिन की <u>20</u> का प्रामाणिक वर्णन समाचार-पत्र द्वारा ही मिल सकता है। यह जनजागृति का आधार होता है।

19. (A) दृष्टिगत (B) अभिव्यक्त (C) प्रकट (D) प्रस्तुत
20. (A) आपदाओं (B) विपदाओं (C) घटनाओं (D) कलेहों

Join WhatsApp Group

गद्यांश - 4

मैं यह विश्वास, जरूर रखता हूँ कि 21 सिर्फ बुजदिली और हिंसा में से 22 करना हो, तो मैं हिंसा को चुनने की 23 दूँगा। मैं यह पसन्द करुँगा कि हिन्दुस्तान अपनी इज्जत 24 के लिए हथियारों की मदद लें, वनिस्पत इसके कि वह कायरों की तरह खुद अपनी बेइज्जती का असहाय शिकार हो जाए या बना रहे, लेकिन मेरा 25 है कि हिंसा से अहिंसा कहीं ऊँची है। सजा की बजाय माफी देना कहीं 26 बहादुरी का काम है। 'क्षमा वीरस्य भूषणम्' क्षमा से वीर की 27 बढ़ती है, लेकिन सजा न देना उसी हालत में 28 होती है, जब देने की ताकत हो। किसी असहाय जीव का यह कहना कि मैंने अपने से 29 को क्षमा किया कोई अर्थ नहीं रखता। जब एक चूहा, बिल्ली को अपने शरीर को टुकड़े-टुकड़े करने देता है तब वह बिल्ली को क्षमा नहीं करता, लेकिन मैं यह नहीं समझता कि हिन्दुस्तान 30 है। न मैं यही समझता हूँ कि मैं बिल्कुल असहाय हूँ।

21. (A) मगर (B) जिगर (C) अगर (D) नगर

22. (A) तनाव (B) चुनाव (C) रुकाव (D) पहनाव

23. (A) सहयोग (B) मदद (C) सहकार (D) सलाह

24. (A) बचाने (B) बनाने (C) मनाने (D) जनाने

25. (A) नि:श्वास (B) आश्वासन (C) उच्छ्वास (D) विश्वास

26. (A) कम (B) थोड़ा (C) ज्यादा (D) अल्प

27. (A) मर्यादा (B) शोभा (C) सौन्दर्य (D) सुन्दरता

28. (A) क्षमा (B) रचना (C) याचना (D) जाँचना

29. (A) महान (B) बलवान (C) जवान (D) दयावान

30. (A) चतुर (B) कायर (C) बहादुर (D) साहसी

गद्यांश - 5

परमार्थ की उच्चत्तम भावना के साथ भी नागरिक जीवन में प्रवेश करने पर व्यक्ति को अविश्वास और संदेह के अनेक पैने तीरों का लक्ष्य बनना पड़ता है। नागरिक जीवन का अकारण संदेह कर्म निष्ठा को ...31... और उसका लक्ष्यहीन दुराव जीवन दर्शन को ...32... कर देता है। इसके विपरीत ग्रामीण ...33... की पुस्तक खुली ही मिलती है। कुछ ...34... परिस्थितियाँ इस मान्यता और विचारधारा की ...35... हो सकती हैं। पर जहाँ जीवन कुछ ...36... है, वहाँ एक ग्रामीण का सहयोग ...37... दैन्यरहित होने के कारण सहज है, सहायता का ...38... गर्वशून्य एवं अहंकारी वृत्ति से रहित होने के कारण ...39... और परस्पर किया जाने वाला विचार विनिमय ...40... होने के कारण जीवन के अध्ययन का पूरक है।

31. (A) निष्क्रिय (B) मूक (C) पंगु (D) मुखर

32. (A) अभ्रांत (B) भ्रांत (C) निर्भ्रान्त (D) विभ्रांत

33. (A) परिवेश (B) मानस (C) समाज (D) जीवन

34. (A) विषम (B) विशिष्ट (C) असम (D) असाधारण

35. (A) विवाद (B) संवाद (C) प्रवाद (D) अपवाद

36. (A) अस्वस्थ (B) स्वस्थ (C) आश्वस्त (D) प्रशस्त

37. (A) आदान (B) अवदान (C) दान (D) मान

38. (A) अवदान (B) आदान (C) दान (D) मान

39. (A) व्यावहारिक (B) अव्यावहारिक (C) स्वाभाविक (D) अस्वाभाविक

40. (A) कृत्रिम (B) अकृत्रिम (C) अशिष्ट (D) विशिष्ट

गद्यांश - 6

वीरों को बनाने के कारखाने ...41... नहीं हो सकते वे तो देवदार के वृक्षों की तरह जीवन के अरण्य में खुद-ब-खुद पैदा होते हैं और बिना किसी के दूध पिलाए, बिना किसी के हाथ लगाए तैयार होते हैं और ...42... के मैदान में अचानक ही आकर सामने खड़े हो जाते हैं। हर बार ...43... और नाम के लिए छाती ...44... आगे बढ़ना और फिर पीछे आना पहले दर्जे की बुजदिली है, वीर तो यह समझता है कि मनुष्य का जीवन जरा-सी चीज है। वह सिर्फ एक बार के लिए काफी है। मानो ...45... में एक गोली है, उसे एक ही बार प्रयोग किया जा सकता है। हाँ कायर पुरुष इसको बड़ा ...46... और कभी न टूटने वाला हथियार समझते हैं। हर-घड़ी आगे बढ़कर और यह दिखाकर कि हम बड़े हैं वे फिर पीछे इसलिए ...47... जाते हैं कि उनका ...48... जीवन किसी और बड़े काम के लिए बच जाए। गरजने वाले ...49... ऐसे ही चले जाते हैं परन्तु ...50... वाले जरा-सी देर में मूसलाधार वर्षा कर जाते हैं।

41. (A) कायम (B) आयाम (C) समान (D) सतत

42. (A) दुनिया (B) भारत (C) मानव (D) लड़ाई

43. (A) भुलावा (B) दिखावा (C) बुलावा (D) मिलावा

44. (A) खोलकर (B) ठोंककर (C) पीटकर (D) चीरकर

45. (A) सन्दूक (B) बन्दूक (C) मंडूक (D) कारतूस

46. (A) कीमती (B) सीमित (C) सम्पत्ति (D) विपत्ति

47. (A) चट (B) हट (C) झट (D) पट

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

48. (A) अद्भुत (B) अनोखा
(C) अनदेखा (D) अनमोल

49. (A) आसमान (B) बादल
(C) अम्बर (D) वसुन्धरा

50. (A) तरसने (B) चमकने
(C) बरसने (D) कसकने

गद्यांश - 7

यदि विचार-सामग्री निबन्ध की आत्मा है तो भाषा-शैली निबन्ध का शरीर है, एक अच्छे निबन्ध में ...51... स्पष्ट तथा सुबोध भाषा का ...52... करना चाहिए। इसके साथ ही उसका ...53... होना भी अपेक्षित है। वास्तव में एक ...54... निबन्ध की भाषा का सबसे बड़ा गुण यही है कि वह इतनी सशक्त हो कि पाठक का मन ...55... ही अपनी ओर आकर्षित कर लें। भाषा को सशक्त बनाने के लिए ...56... मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग किया जा सकता है, लक्षण तथा ...57... नामक शक्तियों का विभिन्न अलंकारों के द्वारा भी भाषा में ...58... का समावेश किया जा सकता है, लेकिन ...59... में अलंकारों, मुहावरों, लोकोक्तियों आदि की ...60... भी नहीं होनी चाहिए। ऐसा करने से निबन्ध में अस्वाभाविकता का समावेश हो जाता है और उसका सारा लालित्य नष्ट हो जाता है।

51. (A) क्लिष्ट (B) कृत्रिम
(C) शुद्ध (D) अपरिमार्जित

52. (A) आयोग (B) प्रयोग
(C) उपयोग (D) योग

53. (A) अशक्त (B) सशक्त
(C) निकृष्ट (D) आसक्त

54. (A) श्रेष्ठ (B) वरिष्ठ
(C) गरिष्ठ (D) विशिष्ट

55. (A) सायास (B) अभ्यास
(C) अनायास (D) विपर्यास

56. (A) यथाशक्ति (B) यथास्थान
(C) यथावत् (D) यथापूर्व

57. (A) व्यंजना (B) अभिव्यंजना
(C) रंजना (D) अतिरंजना

58. (A) औदार्य (B) व्यवहार्य
(C) सौजन्य (D) सौन्दर्य

59. (A) प्रबन्ध (B) निबन्ध
(C) पदबन्ध (D) अनुबन्ध

60. (A) अतिशयता (B) प्रगाढ़ता
(C) सघनता (D) प्रबलता

गद्यांश - 8

कई दिन वहाँ रहने पर मुझे यह साध्वी की ...61... के बारे में बहुत कुछ मालूम हो गया। प्रात:काल उसके आश्रम से निरन्तर आती हुई तुलसीदास के भजनों की स्वर लहरी मेरी सोई हुई आत्मा को ...62... कर देती थी। कितने दिनों से मैं रेल-पेल व भागमभाग से ...63... वातावरण में आने की बात सोच रहा था। इस युग में भविष्य के प्रति ...64... हमें जल्दी निर्णय लेने से रोकती रहती है। फिर भी भीड़ से दूर निकलने की बलवती ...65... किसके मन में रह-रह कर नहीं जाग उठती है ?

61. (A) परिचर्या (B) दिनचर्या
(C) परिचर्चा (D) परिक्रमा

62. (A) जागृत (B) उदास
(C) चंचल (D) विचलित

63. (A) प्रभावित (B) दूषित
(C) संलग्न (D) अचेत

64. (A) आशा (B) हताशा
(C) आशंका (D) निश्चिन्तता

65. (A) उत्सुकता (B) इच्छा
(C) लालसा (D) तृष्णा

गद्यांश - 9

माता अखिल ब्रह्माण्ड की अदम्य शक्ति-स्वरूपा होती है। समग्र सृष्टि का स्वरूप माता की गोद में अंकुरित, पल्लवित, पुष्पित एवं विकसित होता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अवलोकन करें तो विदित होगा कि आजकल अधिकांश माताएँ घर से बाहर कार्यरत है नन्हें सुकुमार बच्चों को आया के हवाले करके। माता का अर्थ ...66... हेतु दिनभर घर से बाहर रहना मातृत्व के ...67... पर एक प्रश्नचिह्न अंकित करता है। इस ...68... पर आँखें खोलते ही बालक को माता के अतुलित, अनिर्वच तथा अनुपम ...69... से वंचित रहना पड़ता है। माता के अमृततुल्य दुग्धपान के लिए ...70... शिशु को डिब्बे आदि का नकली दूध पीना पड़ता है। शाम को माता के घर आते ही बालक के स्नेह ...71... में ज्वार उठने लगता है। वह येन केन प्रकारेण अपने प्यार का ...72... माता का उडेलना चाहता है एवं माता के ...73... प्यार में भींगकर अलौकिक तृप्ति पाना चाहता है।

66. (A) प्लायन (B) उपार्जन
(C) संचयन (D) वैभव

67. (A) दायित्व (B) ज्ञान
(C) बोध (D) शोध

68. (A) भू (B) भूमिजा
(C) भूधर (D) भूप

69. (A) प्रणय (B) स्नेह
(C) संगति (D) निसर्ग

70. (A) पिपासु (B) आर्त्त
(C) आतुर (D) जिज्ञासु

71. (A) स्रोत (B) शतदल
(C) समर (D) सागर

72. (A) उफान (B) उछाल
(C) तूफान (D) उबाल

73. (A) विशाल (B) विपुल
(C) पुलक (D) अवरूद्ध

गद्यांश - 10

मानव मन की ...74... गहराई में यदि हम झाँक कर देखें तो ...75... आज भी गहामानस की दमित वासनाएँ केंचुली मारे बैठी है। वाणी उसकी ...76... ही संस्कारिक क्यों न हो गई हो ...77... अन्तर्जगत में मैल के पर्त और भी मोटे होते गये है। हमारे आचरण की तुलना में हमारे उद्गार इतने

Join WhatsApp Group

ऊँचे हैं। ...78... उन्हें सुनकर आश्चर्य होता हैं बातें तो हम 'बसुधैव कुटुम्बकम्' की करते है परन्तु काम हमारे ...79... और होते हैं। सिद्धांत तो सहिष्णुता का बघारते हैं, ...80... व्यवहार में हम चाहते हैं कि दूसरे भी वहीं सोचें जो हम सोचते हैं – हमारा नेतृत्व और श्रेष्ठता बेझिझक स्वीकार करें। यह खतरे की स्थिति में है और यह खतरा बाहर नहीं ...81... भीतर बैठा अवसर की ताक में है।

74. (A) ऊपर (B) नीचे (C) अतल (D) अवतल
75. (A) यहाँ (B) वहाँ (C) जहाँ (D) कहाँ
76. (A) उतनी (B) जितनी (C) कितनी (D) कुछ
77. (A) उसका (B) पर (C) उसपर (D) इसपर
78. (A) का (B) के (C) की (D) कि
79. (A) कभी (B) कोई (C) कुछ (D) कहीं
80. (A) लेकिन (B) उसकी (C) उसका (D) परन्तु
81. (A) हमारा (B) हमारी (C) हमारे (D) हममें

गद्यांश – 11

इंटरनेट इस सदी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अजूबा है। यह लाखों कम्प्यूटरों का एक नेटवर्क है जो संचार ...82... से आपस में एक दूसरे से जुड़े है। इस नेटवर्क के एक कम्प्यूटर से नेटवर्क से जुड़े किसी भी दूसरे कम्प्यूटर को डायल कर उसकी ...83... प्राप्त की जा सकती है या उसकी सूचना का आदान-प्रदान किया जा सकता है और यह सब कुछ क्षणों में ...84... पा जाता है चाहे दूसरा कम्प्यूटर लाखों मील दूर ही क्यों न हो। कम्प्यूटर ...85... से जुड़ी कम्पनी माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष के अनुसार अब वह दिन दूर नहीं जब आप अपनी आरामकुर्सी से उठे बिना ही देश-विदेश से ...86... कर सकते हैं, विश्व का कोई भी ...87... उपन्यास पढ़ सकते हैं, कपड़ों से लेकर आभूषण और कार से लेकर ब्लेड तक किसी भी तरह की खरीदारी कर सकते हैं, किसी भी विषय पर इच्छानुसार जानकारी ले सकते हैं। यदि आप चाहें तो विश्व का कोई भी चलचित्र देख सकते हैं। और इच्छा हो तो किसी भी ...88... को हटाकर आप स्वयं ही वह ...89... निभा सकते हैं।

82. (A) तकनीकों (B) तकनीशियनों (C) माध्यमों (D) उपकरणों
83. (A) क्षमता (B) भेद (C) सूचना (D) गोपनीयता
84. (A) नतीजा (B) अंजाम (C) फल (D) निष्कर्ष
85. (A) व्यापार (B) तकनीक (C) क्रय-विक्रय (D) उद्योग
86. (A) धन्धा (B) उद्योग (C) व्यापार (D) आयात-निर्यात
87. (A) मनपसंद (B) मनमोहन (C) इच्छानुसार (D) अपेक्षित
88. (A) नाटककार (B) किरदार (C) कलाकार (D) अभिनेता
89. (A) कलाकार (B) भूमिका (C) पात्र (D) कार्यक्रम

गद्यांश – 12

भारती माता की कोख में जो अमूल्य ...90... भरी है जिनके कारण वह ...91... कहलाती है उससे कौन परिचित न होना चाहेगा ? लाखों करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है। दिन-रात बहने वाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीस कर अंगिणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है। हमारे ...92.. आर्थिक ...93... के लिए उन सबकी जाँच-पड़ताल अत्यंत आवश्यक है। पृथ्वी की गोद में जन्म लेने वाले खड़े पत्थर कुशल ...94... से सँवारे जाने पर अत्यंत ...95... का प्रतीक बन जाते है। नाना भाँति के ...96... नग विंध्य की नीदयों के प्रवाह में सूर्य की धूप से चिलकते रहते हैं।

90. (A) वृत्तियाँ (B) मूर्तियाँ (C) कृतियाँ (D) निधियाँ
91. (A) श्वेताम्बरा (B) नीलाम्बरा (C) वसुन्धरा (D) कन्दरा
92. (A) भूतकालिक (B) तात्कालिक (C) भावी (D) वर्तमानकालिक
93. (A) निर्माण (B) उत्साह (C) पतन (D) उत्थान
94. (A) शिक्षितों (B) युवकों (C) शिल्पियों (D) प्रशिक्षितों
95. (A) सौन्दर्य (B) गौरव (C) समृद्धि (D) विशालता
96. (A) विशाल (B) आकर्षित (C) अनगढ़ (D) भौतिक

उत्तरमाला

1. (D)	2. (A)	3. (C)	4. (C)	5. (B)	6. (A)	7. (D)	8. (B)
9. (C)	10. (B)	11. (A)	12. (B)	13. (A)	14. (B)	15. (A)	16. (A)
17. (A)	18. (C)	19. (B)	20. (C)	21. (C)	22. (B)	23. (D)	24. (A)
25. (D)	26. (C)	27. (B)	28. (A)	29. (B)	30. (B)	31. (A)	32. (B)
33. (D)	34. (A)	35. (D)	36. (C)	37. (A)	38. (C)	39. (C)	40. (B)
41. (A)	42. (D)	43. (B)	44. (A)	45. (B)	46. (A)	47. (B)	48. (D)
49. (B)	50. (C)	51. (C)	52. (D)	53. (B)	54. (A)	55. (C)	56. (C)
57. (A)	58. (D)	59. (B)	60. (A)	61. (B)	62. (A)	63. (D)	64. (C)
65. (B)	66. (B)	67. (A)	68. (A)	69. (B)	70. (A)	71. (D)	72. (A)
73. (B)	74. (C)	75. (B)	76. (C)	77. (B)	78. (D)	79. (C)	80. (A)
81. (C)	82. (A)	83. (C)	84. (B)	85. (D)	86. (C)	87. (A)	88. (B)
89. (B)	90. (D)	91. (C)	92. (C)	93. (A)	94. (C)	95. (C)	96. (C)

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

रस, छन्द एवं अलंकार

रस

जिसकी अनुभूति मन को तन्मय, हृदय को एक तान, नेत्रों को जलप्लावित, शरीर को पुलकित और वचन रचना को गद्गद कर दे, उस अलौकिक एवं चमत्कारी आनन्द-विशेष को 'रस' कहा जाता है।

रस के चार अवयव है :-

1. स्थायीभाव **2.** विभाव, **3.** अनुभाव और **4.** संचारीभाव ।

1. **स्थायीभाव :** जो भाव रस का आस्वादन होने तक अथवा शुरू से अंत तक रहते है तथा जो अपने-आप में विभोर कर देने की क्षमता रखते हैं, उन्हें 'स्थायीभाव' कहा जाता है। यह रस-निष्पत्ति का मूलभूत कारण होता है। स्थायीभाव कुल 11 (ग्यारह) है – **1.** रति, **2.** हास, **3.** शोक, **4.** क्रोध, **5.** उत्साह, **6.** भय, **7.** जुगुप्सा, **8.** विस्मय, **9.** निर्वेद, **10.** वात्सल्य तथा **11.** भक्ति

2. **विभाव :** किसी भाव को 'रस' की अवस्था तक जगाने या उद्दीपन करनेवाले तत्त्व को विभाव कहा जाता है।

विभाव के दो भेद होते है – (i) आलम्बन और (ii) उद्दीपन

(i) **आलम्बरन :** जो विभाव भाव को जगाते है, उन्हें आलम्बन विभाव कहा जाता है।

(ii) **उद्दीपन :** जो विभाव भाव को उद्दीप्त या तेज करने वाले होते है, उन्हें उद्दीपन विभाव कहा जाता है। जैसे – फूलों से सुगंधित एकान्त बगीचे में शकुन्तला को देखकर दुष्यन्त के हृदय में 'रतिभाव' जागृत होता है। यहाँ 'शकुन्तला' आलम्बन विभाव है एवं 'सुगंधित एकान्त बगीचा' उद्दीपन विभाव है। इस तरह विभावों के बिना कोई भाव उदित नहीं होता है। सामान्यत: नायक-नायिका को 'आलम्बन' कहा जाता है, किन्तु वास्तव में जब नायिका के चित्त में प्रेमोदय होता है, तो आलम्बन नायक होता है और जब नायक के चित्त में प्रेमोदय होता है, तो आलम्बन 'नायिका' होती है। जिसके चित्त में प्रेमोदय होता है, उसे 'आश्रय' कहा जाता है। आलम्बन के द्वारा 'आश्रय' के चित्त में जो स्थायीभाव उदित होता है, उसे तीव्रता देनेवाले तत्त्व को उद्दीपन कहा जाता है। चाँदनी रात, रिमझिम वर्षा, कदली वन, मलय पर्वत, उद्यान, चिड़ियों का चहकना आदि उद्दीपन विभाव है।

3. **अनुभाव :** किसी प्रकार के स्थायी भाव के उदित होने के जो बाहरी लक्षण दिखाई पड़ते है, उन्हें अनुभाव कहते हैं। अनुभाव एक बाह्य लक्षण हैं जिनसे स्थायीभाव के उदित होने का निश्चित ज्ञान होता है।

4. **संचारीभाव :** जो भाव कुछ ही क्षणों तक रहकर विलीन हो जाते है, 'संचारी भाव' कहलाते है। संचारी भाव परिवर्तनशील होते हुए भी स्थायीभाव की पुष्टि करते है।

प्राचीन आचार्यों के अनुसार रस के नौ भेद ही प्रचलित रहे है : 1. शृंगार, 2. हास्य, 3. करुण, 4. रौद्र, 5. वीर, 6. भयानक, 7. वीभत्स, 8. अद्भुत तथा 9. शान्त। किन्तु अब कुछ विद्वान वात्सल्य और भक्ति को भी स्वतंत्र रस की कोटि में रख रहे है। इस प्रकार अब रस के ग्यारह (11) भेद माने जाते हैं।

सभी रसो के स्थायीभाव निम्नांकित है –

रस	स्थायीभाव	रस	स्थायीभाव
1. शृंगार	रति	4. वीभत्स	जुगुप्सा या घृणा
2. हास्य	हास	5. अद्भुत	विस्मय
3. करुण	शोक	6. शान्त	निर्वेद
7. रौद्र	क्रोध	10. वात्सल्य	वात्सल्य
8. वीर	उत्साह	11. भक्ति	भक्ति
9. भयानक	भय		

उदाहरण :-

1. **शृंगार रस –** खंजन मंजु तिरीछे नैननि ।
निज पति कहेउ तिनहि सिय सैननि ।।
– तुलसीदास

2. **वीर रस –** जौं राउर अनुशासन पाऊँ ।
कंटुक इव ब्रह्मांड उठाऊँ ।।
काँचे घट जिमि डारउँ फोरी ।
सकउँ मेरु मूलक इव तोरी ।।
– तुलसीदास

3. **हास्य रस –** बर बौराह बरद असबारा ।
ब्याल कपाल बिभूषण छारा ।।
– तुलसीदास

4. **रौद्र रस –** रे नृप बालक ! कालबस, बोलत तोहि न सँभार ।
धनुही सम त्रिपुरारि धनु, बिदित सकल संसार ।।
– तुलसीदास

5. **भयानक रस –** धाए बिसाल कराल मर्कटभालु काल समानते ।
मानहुँ सपच्छ उड़ाहिं भूधरबृन्द नाना बन ते ।।
– तुलसीदास

6. **अदभुत रस –** जस जस सुरसा बदन बढ़ावा ।
तासु दुगुन कपि रूप दिखावा ।।
– तुलसीदास

7. **वीभत्स रस –** उदर बिदारहि भुजा उपारहिं ।
गहि पद अवनि पटकि भट डारहिं ।।
– तुलसीदास

8. **करुण रस –** प्रिय पति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है ?
दुख जलनिधि डूबी का सहारा कहाँ है ?
– हरिऔध

9. **शान्त रस –** एहि कलिकाल न साधन दूजा ।
योग, जग्य, जप, तप, ब्रत, पूजा ।।
– तुलसीदास

10. **वात्सल्य –** जसोदा हरि पालनै झुलावै ।
हलरावै दुलराई मल्हावै जोई सोई कछु गावै ।
मेरे लाल कौ आउ निंदरिया काहे न बेगि सौं अवै ।।
– सूरदास

11. **भक्ति –** प्रभुजी ! तुम चन्दन हम पानी ।
जाके अंग-अंग वास समानी ।।
– रैदास

रसाभास : जहाँ सामाजिक मर्यादा के प्रतिकूल प्रेमोदय का चित्रण हो, वहाँ 'रसाभास' माना जाता है। पशु-पक्षियों की शृंगार-चेष्टाओं एवं क्रिया-कलापों को भी आचार्यों ने रसाभास ही माना जाता है।

भावाभास : भावों का जहाँ अनुचित चित्रण होता है, वहाँ 'भावाभास' माना जाता है। करुण भाव को अगर वीर भाव की तरह चित्रित कर दिया जाय, तो वह भावाभास का उदाहरण होगा।

Join WhatsApp Group

छन्द

जिस रचना में शब्द की सजावट, मात्रा, प्रवाह, विराम एवं तुक आदि के विशेष नियमों का पालन किया जाता है, उसे छन्दोबद्ध रचना कहते हैं।

छन्द के यति, गति, तुक, मात्रा आदि महत्त्वपूर्ण अंग है। किसी पद्य के पाठ में जहाँ-जहाँ थोड़ी रुकावट अपेक्षित होती है, उसे **यति** कहते हैं। उसके प्रवाह को गति की संज्ञा दी जाती है। जहाँ पद्य के पाठ में स्वाभाविक प्रवाह अवरुद्ध हो जाय, वहाँ समझना चाहिए कि पद्य-रचना में मात्रा जनित किसी प्रकार का दोष है। पद्य के अंतिम शब्द या मात्रा की समानता को **तुक** का मिलना कहा जाता है।

छन्दों के प्राय: चार भाग होते हैं जिन्हें **पाद** या **चरण** कहा जाता है।

पद्य-रचना या छन्द की सृष्टि में सबसे महत्त्वपूर्ण अंग है – 'मात्रा'। सामान्यत: व्याकरण में जसे 'ह्रस्व' और 'दीर्घ' कहा जता है, उसी को छन्द में 'लघु' और 'गुरु' कहा जाता है। लघु और गुरु के सम्बंध में निम्नांकित बातें स्मरणीय है –

(क) अ, इ, उ और ऋ तथा इनसे युक्त सभी व्यंजन वर्ण 'लघु' होते हैं।

(ख) आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ तथा इनसे युक्त व्यंजन वर्ण 'गुरु' होते हैं।

(ग) अनुस्वार (ं) और विसर्ग (:) से युक्त वर्ण गुरु माने जाते हैं।

(घ) चन्द्रबिन्दु (ँ) से युक्त वर्ण लघु माने जाते हैं।

(ङ) किसी भी संयुक्ताक्षर के पूर्व का वर्ण गुरु माना जाता है, किन्तु वह संयुक्ताक्षर उपर्युक्त (क) और (ख) के अनुसार लघु और गुरु होता है।

(च) लघु में 'एक' और गुरु में 'दो' मात्राओं की गिनती की जाती है।

(छ) लघु मात्रा का चिह्न (।) और गुरु चिह्न (ऽ) है।

(ज) जिन छन्दों में वर्ण गिनने का नियम है, उनमें स्वर-युक्त वर्णों की ही गिनती होती है अर्थात् हल् या स्वर रहित व्यंजन नहीं गिने जाते हैं। 'कर्म' के दो और 'मुक्त' में भी दो वर्ण गिने जाएँगे। उदाहरण के लिए

ऽ ।।	।।।	। ऽ ।।	ऽ ऽ	= 16 मात्राएँ
भोजन	करत	बुलावत	राजा	

इस अर्द्धाली में 'भो' में 'ओ' स्वर मिला हुआ है जो गुरु है, अत: इसमें दो मात्राएँ है। 'ज' और 'न' में 'अ' रहने के कारण ये लघु या एक मात्रा वाले हैं। 'करत' में प्रत्येक वर्ण लघु है। 'बुलावत' में पहला, तीसरा और चौथा वर्ण लघु और दूसरा वर्ण गुरु है। 'राजा' में दोनों वर्ण गुरु हैं, अत: 'भोजन' में चार मात्राएँ, 'करत' में तीन मात्राएँ, 'बुलावत' में पाँच मात्राएँ और 'राजा' में चार मात्राएँ है। इस तरह एक चरण में 'सोलह' मात्राएँ हुई।

छन्दों के भेद

मात्रा और वर्णक्रम के आधार पर छन्दों के दो भेद है –

1. **मात्रिक छन्द :** जिस छन्द में केवल मात्राओं की निश्चित संख्या का बन्धन होता है, वर्ण-संख्या घट-बढ़ सकती है, उसे 'मात्रिक छन्द' कहा जाता है।
2. **वर्णिक छन्द :** जिस छन्द में वर्ण-संख्या और मात्रा-क्रम का संयोजन होता है और जहाँ वर्णों की मात्राओं का क्रम मुख्य होता है, उसे 'वर्णिक छन्द' कहा जाता है।

इसके अलावे बड़े आकार के कुछ छन्द ऐसे होते हैं, जिनमें मात्राओं का आधार न होकर केवल वर्णों की ही गिनती होती है। इसमें समात्रिक व्यंजन को एक वर्ण माना जाता है। जैसे – 'कम', 'काम', 'कामा' तीनों में दो-दो वर्ण गिने जाते हैं।

मात्रा संख्या एवं वर्णक्रम के अनुसार छन्दों के भेद –

1. **सम छन्द :** जिन छन्दों के चारों चरणों में मात्रा संख्या या वर्ण-क्रम एक समान होता है, उसे 'सम छन्द' कहते हैं। जैसे – चौपाई, रोला।
2. **अर्द्धसम छन्द :** जिन छन्दों में 'पहले और तीसरे' तथा 'दूसरे और चौथे' चरणों में मात्रा संख्या और वर्ण-क्रम समान होता है, उन्हें 'अर्द्धसम छन्द' कहा जाता है। जैसे – दोहा, सोरठा।
3. **विषम छन्द :** जिन छन्दों के चरणों में मात्राओं और वर्णों की संख्या और क्रम में असमानता हो, उन्हें 'विषम छन्द' कहते हैं। जैसे – कुंडलिया।

प्रमुख छन्दों का परिचय

1. **दोहा :** दोहा वह मात्रिक अर्द्धसम छन्द है, जिसके 'प्रथम और तृतीय चरण' में तेरह-मात्राएँ तथा 'द्वितीय और चतुर्थ चरण' में ग्यारह-ग्यारह मात्राएँ होती हैं। यथा –

   ''श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुर सुधार ।
   बरनौं रघुवर विमल जस, जो दायक फलचार ।।''

   इसके प्रथम और तृतीय चरण में तेरह-तेरह मात्राएँ एवं दूसरे और चौथे चरण में ग्यारह-ग्यारह मात्राएँ है। एक-एक चरण के बीच अल्पविराम या विराम का चिह्न है।
2. **सोरठा :** सोरठा एकमात्रिक अर्द्धसम छन्द है, जिसमें प्रथम और तृतीय चरण में ग्यारह-ग्यारह मात्राएँ तथा द्वितीय और चतुर्थ चरण में तेरह-तेरह मात्राएँ होती हैं। इसे दोहे का ठीक उलटा मानना चाहिए। यथा –

   ''सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे ।
   विहँसे करुना ऐन, चितइ जानकी लखन तन ।।''
3. **चौपाई :** चौपाई एकमात्रिक सम छन्द है, जिसके प्रत्येक चरण में सोलह-सोलह मात्राएँ होती हैं। जैसे –

   ''मातु मोहि दीजे कछु चीन्हा । जैसे रघुनायक मोहि दीन्हा ।
   चूड़ामणि उतारि तब दयऊ । हरष समेत पवन-सुत लयऊ ।।''
4. **रोला :** रोला एकमात्रिक सम छन्द है, जिसके प्रत्येक चरण में 24 (चौबीस) मात्राएँ होती हैं तथा ग्यारह और तेरह मात्राओं पर यति होती है। यथा –

   ''जो जनहित पर प्राण निछावर है कर पाता ।
   जिसका तन है किसी लोकहित से लग जाता ।।
5. **हरिगीतिका :** हरिगीतिका एकमात्रिक सम छन्द है जिसके प्रत्येक चरण में अट्ठाईस (28) मात्राएँ होती है, इसमें सोलह और बारह मात्राओं पर यति होती है तथा अन्त में एक लघु और गुरु होता है। यथा –

   ''कहते हुए यों वह न उनका भूल सकता वेश है ।
   हे पार्थ ! प्रण पालन करो देखो अभी दिन शेष है ।।''
6. **कुण्डलिया :** यह एक संयुक्त छन्द है, जो दोहा और रोला दन्द के योग से बनता है। एक दोहे के बाद एक रोला छन्द रखने से कुण्डलिया छन्द हो जाता है। इस छन्द के लिए यह आवश्यक है कि इसका आरंभ जिस शब्द से होता है, अन्त भी उसी शब्द से होता है। कभी-कभी तो आरंभ और अन्त के कई शब्द एक समान होते हैं। दूसरी आवश्यक बात यह है कि दोहा के अन्त का 'चरण' रोला के आरंभ के अंश में दुहरा दिया

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

जाता है। इसके प्रत्येक चरण में चौबीस (24) मात्राएँ होती है। यथा –

''लाठी में गुण बहुत है, सदा रखिए संग ।
गहिरो नद नारा जहाँ, तहाँ बचावै अंग ।।
तहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता को मारै ।
दुश्मन दावागीर होय तिनहू को झारै ।।
कह गिरधर कविराय, सुनो हो धूर के बाटी ।
सब हथियारनि छाँड़ि हाथ में लीजै लाठी ।।''

7. सवैया : सवैया एक वण वृत्त है जिसमें चार समान चरण होते हैं और प्रत्येक चरण में बाईस (22) अक्षर तक होते हैं। इसके कई भेद हैं। नीचे 'मत्तगयन्द' सवैया का एक उदाहरण दिया जाता है, जिसके प्रत्येक चरण में सात बार 'एक गुरु' और 'दो लघु' वर्णों का प्रयोग होता है तथा अन्त में 'दो गुरु' वर्ण होते हैं। यथा –

''सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरन्तर गावैं ।
जाहि अनादि अनंत अखंड अछेद अभेद सुवेद बतावै ।
नारद से सुक व्यास रटै पचि हारै तऊ पुनि पार न पावै ।
ताहि अहीर की छोहरियाँ छछिया भरि छाँछ पै नाच नचावैं ।।''

8. मालिनी : यह भी वर्णिक छन्द है, जिसके प्रत्येक चरण में पन्द्रह (15) वर्ण होते हैं और 7-8 वर्णों पर 'यति' होती है। यथा –

''प्रय पति ! वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है ?
दुख जलनिधि डूबी का सहारा कहाँ है ? ''

अलंकार

जिस तरह आभूषण से मनुष्य के शरीर की शोभा में वृद्धि होती है, उसी तरह काव्य की शोभा बढ़ानेवाले तत्त्वों को अलंकार कहा जाता है। दूसरे शब्दों में, **जिस प्रयोग-विशेष के कारण काव्य के शब्द और अर्थ चमत्कारपूर्ण हो जाये, उसे अलंकार की संज्ञा दी जाती है।**

अलंकार काव्य का अनिवार्य अंग नहीं है, किन्तु उससे काव्य की महत्ता अवश्य अधिक हो जाती है।

अलंकार तीन तरह के होते है –

1. शब्दालंकार, **2.** अर्थालंकार, **3.** उभयालंकार ।

1. शब्दालंकार :

जहाँ काव्य की शोभा या चमत्कारिता उसमें प्रयुक्त शब्दों पर निर्भर करती है और उन शब्दों के स्थान पर उनका पर्यायवाची शब्द प्रयोग करने से चमत्कार नहीं रह जाता, वहाँ शब्दालंकार माना जाता है। जैसे –

''मल्लिकानु मंजुल मिलिन्द मतवारे मिले ।''

यहाँ शब्दालंकार का सुन्दर प्रयोग देखा जा सकता है। कुछ प्रमुख शब्दालंकार का यहाँ परिचय दिया जा रहा है।

(क) अनुप्रास : वर्णों के साम्य को 'अनुप्रास' कहा जाता है। तात्पर्य यह कि जहाँ एक ही वर्ण के बार-बार प्रयोग के कारण काव्य चमत्कारपूर्ण हो जाता है, वहाँ 'अनुप्रास' अलंकार माना जाता है। जैसे – बाकरगंज के बाकीपुर में बनवारी लाल बनिया बास करता था ।

या

''कूलन में, केलिन में, कछारन में, कुञ्जन में,
क्यारिन में कलित कलीन बिकसंत है ।।''

(ख) वक्रोक्ति : किसी कथन को सुननेवाला यदि दूसरे अर्थ में कल्पना कर लेता है अथवा उस कथन से ही उत्तर ध्वनित हो जाता है, तो वहाँ 'वक्रोक्ति' अलंकार होता है। जैसे –

''किसी न गोकुल कुलबधू, काह न केहि सिख दीन ।
कौने तजी न कुल गली, है मुरली सुर लीन ।।'

यहाँ 'काकु वक्रोक्ति' द्वारा यही अर्थ ग्रहण किया जाता है कि गोकुल में सभी कुलवधुएँ थीं और सबने सबको सीख दीं, किन्तु कोई कुल-मर्यादा का उल्लंघन करने से नहीं बची।

(ग) यमक : सुनने में एक समान शब्दों का बार-बार भिन्न अर्थों में जहाँ प्रयोग होता है, वहाँ 'यमक' अलंकार होता है। अर्थात् कविता में जहाँ एक ही शब्द एक से अधिक बार आए और हर बार उसका अर्थ भिन्न हो, वहाँ 'यमक' अलंकार होता है। जैसे –

''दीरघ साँस न लेई दुख, सुख साईंहि न भूलि ।
दई दई क्यों करतु है, दई दई सु कबूलि ।।''

यहाँ 'दई-दई' का भिन्न अर्थों में दो बार प्रयोग हुआ है। पहले 'दई' का अर्थ होता है – 'दैव' या 'भाग्य' तथा दूसरे 'दई' का अर्थ है 'दिया'। अत: यहाँ यमक अलंकार है।

(घ) श्लेष : 'श्लेष' का सामान्य अर्थ होता है – 'चिपकना'। जहाँ एक ही शब्द का एक से अधिक अर्थों में प्रयोग होता है, वहाँ 'श्लेष' अलंकार होता है। जैसे –

''चिरजीवौ जोरी जुरै, क्यों न सनेह गँभीर ।
को घटि ये वृषभानुजा, वे हलधर के वीर ।।''

यहाँ 'वृषभानुजा' और 'हलधर के वीर' में श्लेष है। पहले के दो अर्थ निकलते हैं – 'वृषभानु की बेटी या राधा' और 'वृषभ की अनुजा यानी बहन या गाय' दूसरे के भी दो अर्थ निकलते हैं – 'बलदेव के भाई' और 'साँढ़' । श्लेष अलंकार में अर्थ की प्रधानता होने के कारण कुछ आचार्य इसे अर्थालंकार मानते हैं ।

2. अर्थालंकार :

जहाँ शब्दों के अर्थ के कारण काव्य में सौन्दर्य और चमत्कार दिखाई पड़ता है, वहाँ अर्थालंकार होता है। उस सौन्दर्य के लिए एक शब्द के बदले उसके पर्यायवाची शब्द का प्रयोग करने से भी वह चमत्कार ज्यों-का-त्यों बना रहता है।

''उदित उदय गिरि मंच पर, रघुवर बाल पतंग ।
विकसे संत सरोज मुख, हरखे लोचन भृंग ।।''

यहाँ 'रूपक अर्थालंकार है। अर्थालंकार के कई रूप काव्य में प्रचलित है, उनमें कुछ प्रमुख निम्नांकित हैं –

(क) उपमा : समान धर्मवाले दो पदार्थो का उपमान, उपमेय रूप में कथन करने को 'उपमालंकार' कहते हैं। अथवा, किसी प्रसिद्ध वस्तु की समानता के आधार पर जब किसी व्यक्ति के रूप, गुण, धर्म का वर्णन किया जाता है, वहाँ 'उपमा' अलंकार होता है।

इसके चार अंग हैं – (i) उमपान, (ii) उपमेय, (iii) वाचक तथा (iv) साधारण धर्म।

(i) उपमान : जिस प्रसिद्ध वस्तु के उपमा दी जाती है, उसे 'उपमान' कहते है।

(ii) उपमेय : जिसकी उपमा दी जाती है, उसे 'उपमेय' कहते हैं।

(iii) वाचक : समानता को प्रकट करने वाले शब्द को 'वाचक' कहते हैं।

(iv) साधारण धर्म : जिस गुण-क्रिया आदि की समानता जहाँ दिखलाई जाती है, उसे 'साधारण धर्म' कहते हैं।

उदाहरण के लिए – ''चन्द्रमा-सा सुन्दर मुख है।''

यहाँ चन्द्रमा 'उपमान है, मुख 'उपमेय', या 'वाचक' और सुन्दर 'साधारण धर्म' है। जहाँ इन चारों अंगों का स्पष्ट उल्लेख होता है, वहाँ 'पूर्णोपमा' अलंकार होता है और जहाँ एक या अधिक अंग लुप्त रहते हैं, वहाँ 'लुप्तोपमा' अलंकार होता है।

Join WhatsApp Group

उदाहरण –

''सहित बसिष्ठ सोह नृप कैसे । सुर गुरु संग पुरंदर जैसे ।।'

यहाँ 'बसिष्ठ सहित दशरथ' उपमेय है, 'बृहस्पति सहित इन्द्र' उपमान है, 'जैसे' वाचक है और 'शोभित होना' साधारण धर्म है।

इस अलंकार में सा, सी, से, जैसा, जैसी, जैसे, ज्यों, सम, समान, सरिस आदि का प्रयोग होता है।

(ख) रूपक : जहाँ उपमान और उपमेय का अभिन्न कथन हो, अर्थात् जहाँ और गुण की अत्यधिक समानता के कारण उपमेय में उपमान का आरोप कर अभेद स्थापित किया जाए वहाँ 'रूपक' अलंकार होता है। यथा –

''उदित उदय गिरि मंच पर, रघुवर बाल पतंग ।
विकसे संत सरोज, मुख, हरखे लोचन भृंग ।।''

यहाँ 'मंच', 'रघुवर', 'मुख' और 'लोचन' जो उपमेय है, उनको 'उदयगिरि', 'बाल-पतंग', 'सरोज' और 'भृंग' उपमानों से अभिन्न प्रकट किया गया है।

(ग) उत्प्रेक्षा : जहाँ प्रस्तुत वस्तु की संभावना अप्रस्तुत से की जाती है, वहाँ 'उत्प्रेक्षा' अलंकार होता है। यथा –

''राम सीय सुन्दर प्रति छाँही । जगमगात मनि खंभन माँही ।
मनहु मदन रति धरि बहु रूपा । देखत राम बिआह अनूपा ।।''

यहाँ 'राम-जानकी की परछाँई' की संभावना 'कामदेव' और 'रति' के विविध रूपों से की गई है। साधारणत: जहाँ 'जनु', 'मानो' 'मनो', 'मनहु', 'ज्यों' आदि का प्रयोग हो, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार मानना चाहिए।

(घ) अतिशयोक्ति : किसी बात को इस तरह बढ़ा-चढ़ाकर कहना कि जिससे लोक-मर्यादा या सीमा का उल्लंघन हो जाय, 'अतिशयोक्ति' अलंकार कहलाता है। यह कई प्रकार से होता है :

(i) प्रकृत वस्तु के बदले उपमानों का कथन करके। यथा –

''अदभुत एक अनूपम बाग ।
जुगलकमल पर गजवर क्रीडत तापर सिंह करत अनुराग ।''
– सूरदास

यहाँ राधिका के अंग-प्रत्यंगों के लिए केवल उपमानों का कथन किया गया है।

(ii) यदि, अगर, आदि के प्रयोग से। यथा – यदि चन्द्रमा निष्कलंक हो जाय, तो उससे मुख की समता दी जा सकती है।

(ङ) अन्योक्ति : जहाँ उपमान (अप्रस्तुत) के वर्णन के माध्यम से उपमेय (प्रस्तुत) का वर्णन किया जाए, वहाँ 'अन्योक्ति' अलंकार होता है। इसे अप्रस्तुत प्रशंसा अलंकार भी कहा जाता है। जैसे –

''जिन दिन देखे वे कुसुम, गई सु बीति बहार ।
अब अलि, रही गुलाब में, अपत कटीली डार ।।

यहाँ अलि (भ्रमर) के माध्यम से एक ऐसे गुणी की ओर संकेत किया गया है, जिसका आश्रयदाता पत्रहीन शाखा-सा धनहीन हो गया है।

(च) मानवीकरण : जहाँ जड़ प्रकृति पर मानवीय भावनाओं तथा क्रियाओं का आरोप हो, वहाँ 'मानवीकरण' अलंकार होता है। जैसे –

''लो यह लतिका भी भर लाई
मधु मुकुल नवल रस गागरी ।''

यहाँ लतिका में मानवीय क्रियाओं का आरोप है, अत: यहाँ मानवीकरण अलंकार है।

(छ) उपमेयोपमा : उपमेय और उपमान को एक-दूसरे का उपमान-उपमेय रूप में कथन करना 'उपमेयोपमा' अलंकार कहलाता है। यथा –

''तब मुख सम ससि सोहत है, अरु सोहत है ससि सो मुख तेरो ।''

यहाँ 'मुख' और 'ससि' को एक दूसरे का उपमेय-उपमान बनाकर कथन किया गया है।

(ज) अनन्वयोपमा : जहाँ एक ही वस्तु का उपमेय और उपमान के रूप में कथन किया जाय, वहाँ 'अनन्वयोपमा' अलंकार होता है। यथा –

''हे सुखदायक प्रेमनिधि, जग में तो भले औ' बुरे सब ही हैं ।
दीन दयाल औ' दीन प्रभु, तुमसे तुम हीं हमसे हम हीं हैं ।।''

(झ) प्रतिवस्तूपमा : जहाँ उपमेय और उपमान के समान धर्म का भिन्न शब्दों में दो वाक्यों में कथन किया जाता है, वहाँ 'प्रतिवस्तूपमा' अलंकार होता है। यथा –

''चटक न छाँड़त घटत हूँ, सज्जन नेह गंभीर ।
फीको परै न बरु फटै, रँग्यो चोल रंग चीर ।।''

(ञ) अर्थान्तरन्यास : जहाँ 'सामान्य कथन' का किसी 'विशेष कथन' द्वारा अथवा 'विशेष कथन' का 'सामान्य कथन' द्वारा समर्थन किया जाय, वहाँ 'अर्थान्तरन्यास' अलंकार होता है। यथा –

'बड़े न हूजै गुनन बिनु, विरद बड़ाई पाय ।
कहत धतूरे सों कनक, गहनो गढ़्यो न जाय ।।''

यहाँ पूर्वार्द्ध में 'सामान्य कथन' करके उत्तरार्द्ध में विशेष उदाहरण के द्वारा उसका समर्थन किया गया है।

(ट) व्यतिरेक : जहाँ 'उपमान' की अपेक्षा 'उपमेय' का ही उत्कर्ष दिखलाया जाय, वहाँ 'व्यतिरेक' अलंकार होता है। यथा –

''राधा मुख को चन्द्र सा कहते हैं मति रंग ।
निष्कलंक है यह सदा उसमें प्रकट कलंक ।।''

यहाँ 'उपमेय राधिका' के 'मुख' का उत्कर्ष 'उपमान चन्द्रमा' की अपेक्षा दिखलाया गया है।

(ठ) विरोधाभास : जहाँ स्थूल दृष्टि के विरोध प्रकट हो किन्तु दूसरे अर्थ से उस विरोध का परिहार हो जाय, वहाँ 'विरोधाभास' अलंकार होता है। यथा –

''या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोय ।
ज्यों-ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यों-त्यों उज्जलु होय ।।''

यहाँ स्थूल दृष्टि से तो काले रंग में डूबने से उज्जवल होना विरोध-सा जान पड़ता है, किन्तु ''कृष्ण-प्रेम में अनुरक्त होने से मन का स्वच्छतर होता जाना'' अर्थ ग्रहण से विरोध का परिहार हो जाता है।

(ड) स्वभावोक्ति : जहाँ बच्चा, जानवर आदि के रूप या प्रकृति का हू-ब-हू वर्णन किया जाय, वहाँ 'स्वभावोक्ति' अलंकार होता है। यथा –

''सोभित कर नवनीत लिए ।
घुटरुन चलत रेनु तनु मंडित मुख दधि लेप किये ।''

(ढ) निदर्शना : दृष्टान्त के रूप में किसी कार्य को करके दिखलाना निदर्शना कहलाता है। जहाँ किसी कार्य की उपमा दृष्टान्त रूप में दिखलाई जाती है, वहाँ 'निदर्शना' अलंकार होता है। यथा –

''कहाँ अल्प मेरी मति, कहाँ काव्य मत गूढ ।
सागर तरिबो उडुप सों, चाहत हौं मति मूढ़ ।।''

यहाँ 'अल्प मति' वाले के लिए ग्रन्थ-रचना के प्रयास की उपमा 'उडुप' अर्थात् घड़नाई (घड़े की नाव) से समुद्र पार करने वाले की चेष्टा से दी गई है।

3. उभयालंकार :

जहाँ काव्य में शब्द एवं अर्थ दोनों प्रकार का चमत्कार दिखलाई पड़ता है, वहाँ उभयालंकार माना जाता है। यथा –

''तरनि-तनूजा-तट तमाल तरूवर बहु छाये ।
झुके कूल सों जल परसनहित मनहु सुहाये ।।''

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

यहाँ प्रथम चरण में 'त' की अनेक बार आवृत्ति होने से वृत्यनुप्रास और द्वितीय चरण में उत्प्रेक्षा है तथा दोनों की स्वतंत्र स्थिति है। इस प्रकार, यहाँ शब्दालंकार और अर्थालंकार की संसृष्टि है, अर्थात् यहाँ उभयालंकार है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : रस

निर्देश (1-40) : निम्नलिखित प्रश्नों में दी गई पंक्तियों में प्रयुक्त रस के सही भेद का चयन कीजिए।

1. मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई।
जाके सिर मोर मुकुट मेरी पति सोई॥
(A) शान्त (B) शृंगार
(C) करुण (D) हास्य

2. अटपटी उलझी लताएँ, डालियों को खींच लाएँ,
पैर को पकड़ें अचानक, प्राण को कस लें, कँपाएँ,
साँप भी काली लताएँ।
(A) वीभत्स (B) करुण
(C) रौद्र (D) अद्भुत

3. प्रिय व मेरा प्राण प्यारा कहाँ है।
दुख जल निधि में डूबी का सहारा कहाँ है॥
(A) शान्त (B)करुण
(C) रौद्र (D) शृंगार

4. देख समस्त विश्व-सेतु से मुख में,
यशोदा विस्मय सिन्धु में डूबी।
(A) अद्भुत (B) शान्त
(C) वीभत्स (D) रौद्र

5. हिमाद्रि तुंग श्रंग से, प्रबुद्ध शुद्ध भारती।
स्वयं प्रभा समुज्जवला स्वतंत्रता पुकारती॥
(A) भयानक (B) हास्य
(C) वीर (D) शृंगार

6. मज्जा मांस रूधिर पतनारे।
सूनि मिचली कस होइ निहारे।
उपरोक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है?
(A) रौद्र (B) अद्भुत
(C) वीभत्स (D) भयानक

7. जग असार संकट पुनि नाना।
विकल विरक्त चित साधु समाना॥
उपरोक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है?
(A) वात्सल्य रस (B) वीर रस
(C) शान्त रस (D) करुण रस

8. करि चिक्कार घोर अति धावा बदनु पसारि।
गगन सिद्ध सुर त्रासित हा हा हेति पुकार॥
(A) करुण (B) भयानक
(C) अद्भुत (D) वीभत्स

9. हा राम! हा प्राण प्यारे!
जीवित रहूँ किसके सहारे ?
(A) करुण (B) रौद्र
(C) वीभत्स (D) वीर

10. निर्जन नटि-नटि पुनि लजियावै।
छिन रिसाई छिन सैन बुलावे॥
इस चौपाई में कौन-सा रस है?
(A) संयोग शृंगार (B) वियोग शृंगार
(C) करुण रस (D) अद्भुत रस

11. जौ तुम्हारि अनुसासन पावौं, कंदुक इव ब्रह्माण्ड उठावों।
काचे घट जिमि डारों फोरी, सकउँ मेरु मूसक जिमि तोरी॥
(A) शान्त (B) अद्भुत
(C) वीर (D) रौद्र

12. अति मलीन, वृषभानु कुमारी।
अधमुख रहित, उरध नहिं चितवत्,
ज्यों गथ हो थकित जुआरी।
छूटे चिकुर बदन कुम्हिलानो, ज्यों
नलिनी हिसकर की मारी॥
(A) हास्य (B) करुण
(C) विप्रलम्भ शृंगार (D) संयोग शृंगार

13. आखियाँ हरि दरसन की भूखी।
केसे रहें रूप रस राँची, ए बतियाँ सुनि रूखीं।
(A) संयोग शृंगार रस (B) वीर रस
(C) वियोग शृंगार रस (D) शान्त रस

14. किलक अरे मैं नेह निहारूँ।
इन दाँतों पर मोती वारूँ॥
(A) वीर (B) शान्त
(C) वात्सल्य (D) हास्य

15. वीभत्स रस का स्थायी भाव है -
(A) निर्वेद (B) विस्मय
(C) क्रोध (D) जुगुप्सा

16. आचार्य भरत ने सर्वाधिक सुखात्मक रस किसे माना है?
(A) शृंगार रस (B) हास्य रस
(C) वीर रस (D) शान्त रस

17. सर्वाधिक प्राचीन सम्प्रदाय कौन है?
(A) रीति (B) रस
(C) वक्रोक्ति (d) अलंकार

18. शान्त रस का स्थायी भाव है
(A) शृंगार (B) ग्लानि
(C) निर्वेद (D) रति

19. करुण रस का स्थायी भाव क्या है?
(A) शोक (B) रति
(C) हास्य (D) उत्साह

20. सात्विक अनुभाव कितने हैं?
(A) दो (B) चार
(C) छः (D) आठ

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

21. भक्ति रस की स्थापना किसने की?
(A) भरत ने (B) विश्वनाथ ने
(C) रूपगोस्वामी ने (D) मम्मट ने

22. काव्यशास्त्र में हास्य के कितने भेद माने गए हैं?
(A) छः (B) सात
(C) चार (D) दो

23. आचार्य भरत ने कितने रसों का उल्लेख किया है?
(A) सात (B) आठ
(C) नौ (D) दस

24. रस सिद्धांत के आदि प्रवर्तक कौन है ?
(A) भरतमुनि (B) भानुदत्त
(C) विश्वनाथ (D) भामह

25. रौद्र रस का स्थायी भाव क्या है?
(A) भय (B) विस्मय
(C) क्रोध (D) शोक

26. कवि बिहारी मुख्यत: किस रस के कवि हैं?
(A) करुण (B) भक्ति
(C) शृंगार (D) वीर

27. संचारी भावों की संख्या है -
(A) 27 (B) 29
(C) 31 (D) 33

28. काव्यशास्त्र के अनुसार रसों की सही संख्या है
(A) आठ (B) नौ
(C) दस (D) ग्यारह

29. आलम्बन तथा उद्दीपन द्वारा आश्रम के हृदय में स्थायी भाव जागृत होने पर आश्रय में जो चेष्टाएँ होती है, उन्हें क्या कहते हैं?
(A) विभाव (B) अनुभाव
(C) उद्दीपन (D) संचारी भाव

30. विस्मय स्थायी भाव किस रस में होता है?
(A) हास्य (B) शान्त
(C) अद्‌भुत (D) वीर

31. स्थायी भावों की कुल संख्या है
(A) 12 (B) 13
(C) 14 (D) 9

32. जुगुप्सा कौन-से रस का स्थायी भाव है?
(A) शान्त रस (B) करुण रस
(C) अद्‌भुत रस (D) वीभत्स रस

33. शृंगार रस का स्थायी भाव है -
(A) उत्साह (B) शोक
(C) हास (D) रति

34. काव्य के आस्वादन से जो आनन्द प्राप्त होता है, उसे क्या कहते हैं ?
(A) छन्द (B) अलंकार
(C) रस (D) उपसर्ग

35. रस के कितने अंग होते हैं?
(A) दो (B) चार
(C) पाँच (D) छः

36. काव्य के आस्वादन से जो आनन्द प्राप्त होता है, उसे क्या कहते है?
(A) अलंकार (B) छन्द
(C) उपसर्ग (D) रस

37. सर्वश्रेष्ठ रस किसे माना जाता है?
(A) रौद्र (B) शृंगार रस
(C) करुण रस (D) वीर रस

38. रस के कितने अंग होते है ?
(A) चार (B) दो
(C) पाँच (D) छः

39. काव्य में कितने रस माने जाते है ?
(A) छः (B) नौ
(C) दस (D) सात

40. करुण रस का स्थायी भाव क्या है ?
(A) क्रोध (B) भय
(C) शोक (D) विस्मय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : छंद

1. छन्द की प्रत्येक पंक्ति को क्या कहते है?
(A) वाक्य (B) चौपाई
(C) चरण (D) यति

2. कुण्डली छः चरण वाले छन्द को कहते है। इसके प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?
(A) 11 (B) 13
(C) 16 (D) 24

3. छन्द का सर्वप्रथम उल्लेख कहाँ मिलता है?
(A) ऋग्वेद (B) उपनिषद्
(C) सामवेद (D) यजुर्वेद

4. 24-24 मात्राओं की दो पंक्यिों वाले छन्द को क्या कहते हैं?
(A) सोरठा (B) दोहा
(C) कुण्डलिया (D) रोला

5. छन्द की रचना किसके द्वारा होती है?
(A) गणों के समायोजन से (B) स्वर के समायोजन से
(C) ध्वनियों के समायोजन से (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

6. चरणों की मात्रा, यति और गति के आधार पर छन्द कितने प्रकार के हैं ?
(A) सम और विषम (B) सम, विषम और अर्द्धसम
(C) मुक्त और मात्रिक (D) साधारण और दण्डक

7. मैथिलीशरण गुप्त जी के काव्य से उन्हें कौन-से छन्द प्रिये होने का प्रमाण मिलता है?
(A) वार्णिक एवं मात्रिक (B) सम एवं विषम
(C) मात्रिक एवं सम (D) वर्णिक एवं सम

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

8. छप्पय किस प्रकार का छन्द है?

(A) सम (B) विषम

(C) अर्द्धसम (D) इनमें से कोई नहीं

9. एक से 26 वर्ण वाले छनछ को क्या कहते है?

(A) मात्रिक छन्द (B) साधारण छन्द

(C) दण्डक छन्द (D) इनमें से कोई नहीं

10. शिल्पगत आधार पर दोहे से उल्टा छन्द है

(A) रोला (B) चौपाई

(C) सोरठा (D) बरवै

11. चारों चरणों में समान मात्राओं वाले छन्द को क्या कहते हैं?

(A) मात्रिक सम छन्द (B) मात्रिक विषम छन्द

(C) मात्रिक अर्द्धसम छन्द (D) ये सभी

12. दोहा और रोला के संयोग से बनता है

(A) सोरठा (B) चौपाई

(C) कुण्डलिया (D) इनमें से कोई नहीं

13. दोहा छन्द में यति कहाँ होती है?

(A) 11 और 13 मात्राओं पर (B) चरण के अन्त में

(C) 24 मात्राओं के बाद (D) इनमें से कोई नहीं

14. कोई भी छन्द किसमें विभक्त रहता है?

(A) चरणों में (B) यति में

(C) दोनों में ही (D) इनमें से कोई नहीं

15. प्रवाह लाने के लिए छन्द की पंक्ति में ठहरना कहलाता है

(A) गति (B) रोला

(C) तुक (D) लय

16. जिस छन्द के प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएँ और अन्त में गुरु होता है, उसे क्या कहते हैं?

(A) दोहा (B) रोला

(C) चौपाई (D) सोरठा

17. 13-11 मात्राओं पर यति एवं चार चरण युक्त छन्द है

(A) दोहा (B) रोला

(C) चौपाई (D) कुण्डलिया

18. किस छन्द का प्रथम एवं अंतिम शब्द एक-सा होता है?

(A) दोहा (B) रोला

(C) सोरठा (D) कुण्डलिया

19. हिन्दी कविता में स्वच्छन्द छन्द रचना का सूत्रपात निम्नलिखित में से किसने किया था?

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) मैथिलीशरण गुप्त

(C) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(D) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

20. निम्नलिखित में मात्रिक सम छन्द का कौन-सा उदाहरण है?

(A) दोहा (B) सोरठा

(C) चौपाई (D) ये सभी

21. छन्द-बद्ध पंक्ति में प्रयुक्त स्वर-व्यंजन की समानता को कहते है

(A) चरण (B) यति

(C) तुक (D) गण

22. गणों की संख्या होती है -

(A) सात (B) आठ

(C) नौ (D) दस

23. द्रुतविलम्बित और मालिनी छन्छ किस प्रकार के हैं?

(A) वार्णिक छन्द (B) वार्णिक वृत्त

(C) मात्रिक छन्द (D) मुक्त छन्द

24. दोहा किस प्रकार का छन्द है?

(A) सम (B) विषम

(C) अर्द्धसम (D) इनमें से कोई नहीं

25. कौन-से छन्द में गणों का विचार नहीं किया जाता?

(A) मात्रिक छन्द (B) वार्णिक वृत्त

(C) A और B दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

26. चार चरण वाले चौपाई छन्द के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती है?

(A) 11 (B) 13

(C) 16 (D) 24

27. जिस छन्द के पहले तथा तीसरे चरणों में 13-13 और दूसरे तथा चौथे चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं, वह छन्द कहलाता है

(A) रोला (B) चौपाई

(C) कुण्डलिया (D) दोहा

28. छन्द मुख्य रूप से कितने प्रकार के होते है?

(A) दो (B) तीन

(C) चार (D) छः

29 किस छन्द में द्वितीय व चतुर्थ चरण के अन्त में तुक नहीं होती है?

(A) चौपाई (B) दोहा

(C) सोरठा (D) रोला

30. निम्नलिखित में से मात्रिक छन्द है -

(A) दोहा (B) सवैया

(C) इन्द्रवज्रा (D) इनमें से कोई नहीं

निर्देश (31-80) : निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए पद्यांश में छन्द के उचित प्रकार का चयन कीजिए।

31. 'अवधि शिला का उर पर था गुरु भार।
तिल-तिल काट रही थी दृग जल धार।।

उपरोक्त पंक्तियों में छन्द है

(A) दोहा (B) सोरठा

(C) रोला (D) बरवै

32. जो सुमिरत सिधि होई, गन नायक करिवर बदन।
करहु अनुग्रह सोई, बुद्धि रासि सुभ गुन सदन।।

(A) दोहा (B) चौपाई

(C) बरवै (D) सोरठा

33. नहिं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं विकास यही काल।
अली कली ही सौं बंध्यो, आगे कौन हवाल।

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

(A) दोहा (B) सोरठा
(C) बरवै (D) छप्पय

34. हिन्दी के उद्धार हित, कष्ट अनकेन जिन सहे।
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की, उज्जवल कीर्ति सदा रहे।

(A) उल्लाला (B) बरवै
(C) दोहा (D) मालिनी

35. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानस चून।

(A) दोहा (B) मंजरी
(C) चौपाई (D) काकली

36. ब्रज की कुमारिका वे
लीनें सुक सारिका ब
ढावैं कोक करिकानि
केसव सब निबाहि

(A) रूपघनाक्षरी (B) चौपाई
(C) सवैया (D) बरवै

37. राम राजानके राज आये यहाँ,
धाम तेरे महा भाग जागे अबै।

(A) घनाक्षरी (B) मालिनी
(C) चौपाई (D) सवैया

38. कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।।

(A) कवित्त (B) बरवै
(C) हरिगीतिका (D) घनाक्षरी

39. जो रहिम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चंन्दन विष व्यापत नहीं, लिपटै रहत भुजंग।।

(A) चौपाई (B) दोहा
(C) सोरठा (D) सवैया

40. जो जग हित पर प्राण निछावर है कर पाता।
जिसका तन है किसी लोकहित में लग जाता।।

(A) दोहा (B) रोला
(C) बरवै (D) हरिगीतिका

41. धाए धाम काम कब त्यागी।।

(A) दोहा (B) रोला
(C) सोरठा (D) दोहा

42. मंगल भवन अमंगल हारी।
द्रवहु सो दशरथ अजित बिहारी।।

(A) सोरठा (B) सवैया
(C) चौपाई (D) दोहा

43. किसको पुकारे यहाँ रोकर अरण्य बीच।
चाहे जो करो शरण्य शरण तिहारे हैं।।

(A) उल्लाना (B) छप्पय
(C) रोला (D) घनाक्षरी

44. गुरु पद रज मृदु मंजुल मंजन।
नयन अमिय दृग दोश विभंजन।।
तेहि करि विमल विवेक विलोचन।
बरनऊँ राममचरित भवमोचन।।

(A) हरिगीतिका (B) चौपाई
(C) कुण्डलिया (D) दोहे

45. जानकी जीवन को जन है जरि जाउ सो जीह को जाँचत औरहि।

(A) सवैया (B) चौपाई
(C) उल्लाला (D) सवैया

46. या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँपुर को तजि डारौं, आठहुँ सिद्धि नवौं निधि को सुख नन्द की गाय चराय बिसारौं, रसखानि कबौं इन आँखिन तें ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं, कोटिन वे कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर बरौं।

(A) सवैया (B) कुण्डलिया
(C) दोहे (D) सोरठा

47. अतिनिकट गोदावरी पाप-संहारिणी।
चल तरंग तंगावती चारु संचारिणी।।

(A) मनहरण (B) घनाक्षरी
(C) रोला (D) हरिगीतिका

48. कर मुरली उर माल, सीस मुकुट कटि काछनी।
बसौं बिहारी लाल, इहि बानक मो मन सदा।।

(A) चौपाई (B) सोरठा
(C) सवैया (D) दोहा

49. सब भाँति सुशासित हों जहाँ, समता के सुखकर नियम।
बस उसी स्वशासित देश में, जागें हे जगदीश हम।।

(A) घनाक्षरी (B) चौपाई
(C) छप्पय (D) उल्लाला

50. रहे बैठि कारी घटा देखि न्यारी,
बिहारी बिहारी बिहारी ररै जू।

(A) सवैया (B) रोला
(C) चौपाई (D) कवित्त

51. निज मन मुकुर सुधार, श्री गुरु चरण सरोज रज।
जो दायक फल चार, बरनौ रघुबर विमल जस।।

(A) सोरठा (B) कवित्त
(C) दोहा (D) रोला

52. मातृभू-सी मातृभू है अन्य से तुलना नहीं।

(A) सोरठा (B) सर्वया
(C) बरवै (D) गीतिका

53. सहज विलास हास, पिय की हुलास तजि,
दुख के निवास प्रेम, पास पारियत है।

(A) घनाक्षरी (B) बरवै
(C) सवैया (D) छप्पय

54. पल-पल जिसके मैं पन्थ को देखती थी,
निशिदिन जिसके ही ध्यान में थी बिताती।

rajbhashahindi
Join WhatsApp Group

(A) मालिनी (B) चौपाई
(C) कवित्त (D) हरिगीतिका

55. सुन मिय सत्य असीस हमारी।
पूजहि मन कामना तुम्हारी।
(A) बरवै (B) सोरठा
(C) दोहा (D) चौपाई

56. नबैं नव नीव थके गति केसव बालक ते संग ही संग खेली
(A) सोरठा (B) कवित
(C) छप्पय (D) सवैया

57. अतिनिकट गोदावरी पाप-संहारिणी।
चल तरंग तंगावती चारु संचारिणी।
(A) मनहरण (B) छप्पय
(C) घनाक्षरी (D) सवैया

58. कुछ और नहीं युग लोचनों में,
प्रतिबिम्बित है अनुराग अमंद।
(A) सवैया (B) हरिगीतिका
(C) रोला (D) मालिनी

59. प्रेम प्रीति को बिवा चले लगाइ
सींचन की सुधि लीजो मुरझि न जाइ।
(A) दोहा (B) चौपाई
(C) बरवै (D) सोरठा

60. दौलत पाय न कीजिए, सपने में अभिमान,
चंचल जल दिन चारि को, ठाँउ न रहत निदान॥
ठाँउ न रहत निदान, जियत जग में जस लीजै,
मीठे वचन सुनाय, विनय सबही की कीजै।
कह गिरिधर कविराय, अरे यह सब घर तौलत॥
(A) चौपाई (B) कुण्डलिया
(C) घनाक्षरी (D) दोहे

61. ठाढे हैं नौ द्रुम डार गहे धनु काँधे धरे कर सायक लै।
(A) सोरठा (B) उल्लाला
(C) बरवै (D) सवैया

62. लै संग भक्ति मलाह करि, आरूप सो ले आउ।
(A) सवैया (B) सोरठा
(C) गीता (D) बरवै

63. नित नूतन मंगल पुर माहीं।
निमिष सरिस दिन जामिनि जाहीं॥
बड़े भोर भूपतिमनि जागे।
जाचक गुनगन गावन लागे॥
(A) हरिगीतिका (B) मालिनी
(C) कवित्त (D) चौपाई

64. पर सहसा यह रूप, देख होता है विस्मय।
आर्य लोग क्या एक, समय थे ऐसे निर्भय।
क्या हम सब जो आज, बने हैं निर्बल कामी।
रहते थे स्वाधीन, समर में होकर नामी।
(A) रोला (B) घनाक्षरी
(C) दोहा (D) छप्पय

65. मुझे नहीं ज्ञात कि मैं कहाँ हूँ
हरे। यहाँ हूँ, अथवा वहाँ हूँ,
विचारता किन्तु यही यहाँ है।
नहीं वहाँ क्या तुम मैं जहाँ हूँ।
(A) रोला (B) उपेन्द्रवज्रा
(C) कवित्त (D) मन्दाक्रान्ता

66. प्रफुल्लित दास वसन्त कि फौज सिलीमुख भीर देखावति है।
(A) चौपाई (B) सवैया
(C) सोरठा (D) कवित्त

67. दिना दस जीवन जीवन री,
मरिबै पचि होइ जुपै मरिबै न।
(A) दोहा (B) चौपाई
(C) सवैया (D) रोला

68. सीस मुकुट कटि काछनी, कर मुरली उर माल।
इहि बानक मो मन बसौ, सदा बिहारी लाल।
(A) दोहा (B) सवैया
(C) सोरठा (D) घनाक्षरी

69. जहाँ स्वतंत्र विचार न बदलें मन में सुख में,
जहाँ न बाधक बनें सबल निबलों के सुख में।
सबको जहाँ समान निजोन्नति का अवसर हो,
शान्तिदायिनी निशा, हर्षसूचक वासर हो।
(A) कुण्डलिया (B) चौपाई
(C) मालिनी (D) छप्पय

70. सखीन सों देत उराहनों नित्य सो चित्त संकोच सने लहिए।
(A) बरवै (B) छप्पय
(C) चौपाई (D) सवैया

71. न जिसमें कुछ पौरुष हो यहाँ,
सफलता वह पा सकता कहाँ?
(A) मालिनी (B) घनाक्षरी
(C) द्रुतविलम्बित (D) मन्दाक्रान्ता

72. श्री गुरु चरण सरोज रज, निज मन मुकुर सुधार।
बरनौ रघुवर विमल जस, जो दायक फल चार॥
(A) दोहा (B) चौपाई
(C) सवैया (D) कवित्त

73. वाम अंग शिव शोभित, शिवा उदार।
सरद सुवारिद में जनु, तड़ित बिहार॥
(A) सवैया (B) घनाक्ष्ज़री
(C) रोला (D) बरवै

74. मुनि पद कमल बंदि होउ भ्राता।
चले लोक लोचन सुख दाता।
बालक वृन्द देखि अति सोभा।
चले संग लोचन मनु लोभा॥

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi

Join WhatsApp Group

(A) दोहा (B) चौपाई
(C) सोरठा (D) बरवै

75. कुछ के अपमान के साथ पितामह विश्वविनाशक युद्ध को तोलिए।
(A) बरवै (B) हरिगीतिका
(C) सवैया (D) कवित्त

76. मनिमय महल सिवराज के, इमि रायगढ़ में राजही।
(A) सवैया (B) हरिगीतिका
(C) रोला (D) मालिनी

77. जिन भाषा उन्नति अहै सब उन्नति कौ मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के मिटे न हिय कौ शूल॥
(A) सोरठा (B) दोहा
(C) रोला (D) हरिगीतिका

78. मूल होई वाचाल, पंगु चढ़ै गिरिवर गहन।
जासु कृपा सु दयाल, द्रवहु सकल कलिमलदहन।
(A) घनाक्षरी (B) बरवै
(C) सोरठा (D) कवित्त

79. फूली डालें सुकुसुममयी तीय की देख आँखें।
आ जाती है मुरलिधर की मोहिनी मूर्ति आगे।
(A) हरिगीतिका (B) मन्दाक्रान्ता
(C) मालिनी (D) दोहा

80. सोवै कित चकोर। तू सफल करै किन नैन ?
चार दिना की चाँदनी, फिरी अंधियारी रैन॥
फिरी अंधियारी रैन, सखे! लखि सोच करैगो।
सजग रहे नसिं भूलि, काल कृत जाल परैगो।
बरनै 'दीनदयाल' लाल। यह काल न खोवै।
रोम-रोम प्रति सोम कला न लखत कित सोवे।
(A) चौपाई (B) सवैया
(C) दोहे (D) कुण्डलिया

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : अलंकार

निर्देश (1-49): निम्नलिखित प्रत्येक प्रन में दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त अलंकार के भेद का चयन कीजिए।

1. गर्व करउ रघुनन्दन जिन मन माँहा,
देखउ आपन मूरति सिय के छाँह।
(A) व्यतिरेक (B) रूपक
(C) अतिशयोक्ति (D) प्रतीप

2. अति मलीन वृषभानुकुमारी।
'अधोमुख रहति, उरध नहि' चितवन, ज्यों गथ हारे थकित जुआरी।
छूटे चिकुरे बदन कुम्हिलानो, ज्यों नलिनी हिमकर की मारी।
(A) अनुप्रास (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) उपमा

3. चरण-कमल बन्दौ हरि राई।
(A) श्लेष (B) उपमा
(C) रूपक (D) अतिशयोक्ति

4. ज्यों-ज्यों बूढ़े स्याम रंग, त्यौं-त्यौं उज्जवल होय।
(A) उत्प्रेक्षा (B) विरोधाभास
(C) उपमा (D) यमक

5. नहीं पराग नहि मधुर मधु, नहिं विकास इहि काल।
अली कली ही सों विंध्यौ, आगे कौन हवाल॥
(A) रूपक (B) श्लेष
(C) अन्योक्ति (D) उत्प्रेक्षा

6. पीपर पात सारिस मन डोला।
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) उल्लेख

7. बाँधा था विधु को किसने, इन काली जंजीरों से।
मणिवाले फणियों का मुख, क्यों भरा हुआ हीरों से॥
(A) रूपक (B) अतिशयोक्ति
(C) श्लेष (D) विरोधाभास

8. चरर मरर खुल गए अरर रवस्फुटों से।
(A) अनुप्रास (B) श्लेष
(C) यमक (D) उत्प्रेक्षा

9. दीप सा हिय जल रहा है, कह दो तुम्हीं कैसे बुझाऊँ
(A) लुप्तोपमा (B) मालोपमा
(C) पूर्णोपमा (D) उपमेयोपमा

10. बिटपी बिटपी बँधी पडी रह गई मोह के पाश में
(A) वृत्यानुप्रास (B) श्रुत्यानुप्रास
(C) अन्त्यानुप्रास (D) लाटानुप्रास

11. रंभा झूमत हौ कहा, कछुक दिनन के हेत।
तुमते केते ह्वै गए, और ह्वै हैं यदि खेत॥
(A) वक्रोक्ति (B) विरोधाभास
(C) लोकोक्ति (D) अन्योक्ति

12. ध्वनि-मयी कर के गिरि-कंदरा।
कलित-कानन केलि-निकुंज को॥
(A) छेकानुप्रास (B) वृत्यनुप्रास
(C) लाटानुप्रास (D) यमक

13. नदियाँ जिनकी यशधारा-सी।
बहती हैं अब भी निशि-वासर॥
(A) श्लेष (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) उपमा

14. या मुरली मुरलीधर की अधरान-धरी अधरान धरौंगी।
(A) रूपक (B) यमक
(C) उपमा (D) उत्प्रेक्षा

15. ऊधो, मेरा हृदय तल था एक उद्यान न्यारा
शोभा देती अमित उसमें कल्पना-क्यारियाँ थीं।
(A) रूपक (B) उत्प्रेक्षा
(C) उपमा (D) अतिशयोक्ति

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group

16. तापस बाला-सी गंगा कूल।
(A) श्लेष (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) उपमा

17. मखमल के झूले पड़े हाथी-सा टीला।
(A) रूपक (B) उपमा
(C) उत्प्रेक्षा (D) उल्लेख

18. रहिमन जो गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।
बारे उजियारे लगै, बढ़ै अंधेरो होय॥
(A) उपमा (B) रूपक
(C) यमक (D) श्लेष

19. मो सम कौन कुटिल खल कामी।
(A)उपमा (B) वक्रोक्ति
(C) उत्प्रेक्षा (D) इनमें से कोई नहीं

20. कनक-कनक ते सौगुनी मादकता अधिकाय।
या खाए बौरात नर, वा पाए बौराय॥
(A) उपमा (B) यमक
(C) अनुप्रास (D) श्लेष

21. फूले कास सकल महि छाई।
जनु बरसा रितु पेकट बुढ़ाई॥
(A) उत्प्रेक्षा (B) उपमा
(C) रूपक (D) श्लेष

22. सब प्राणियों के मत्तमनोमयूर अहा नचा रहा।
(A) उपमा (B) रूपक
(C) श्लेष (D) उत्प्रेक्षा

23. भरतहि होइ न राजमदु विधि हरि हर पद पाई।
कबहुँ कि काँजी सीकरनि छीर सिंधु बिनसाई॥
(A) उदाहरण (B) दृष्टान्त
(C) निदर्शना (D) व्यतिरेक

24. पट-पीत मानहू तड़ित रूचि, सुचि नौमि जनक सुतावरं।
(A) उपमा (B) रूपक
(C) उत्प्रेक्षा (D) उदाहरण

25. माया महाठगिनि हम जानी।
तिरगुन फाँस लिए कर डोलै, बोलै मधुरी बानी।
(A) श्लेष (B) यमक
(C) रूपक (D) अन्योक्ति

26. बीती विभावरी जाग री।
अम्बर-पनघट में डुबो रही तारा-घट ऊषा-नागरी।
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) उपमेयोपमा

27. तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती है।
(A) अनुप्रास (B) श्लेष
(C) यमक (D) अन्योक्ति

28. मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्त्र दृग सुमन फाड़,
अवलोक रहा था बार-बार
नीचे जल में निज महाकार।
(A) उपमा (B) रूपक
(C) उत्प्रेक्षा (D) यमक

29. मुख-बाल-रवि-सम लाल होकर ज्वाल-सा बोधित हुआ।
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) उपमेयोपमा (D) रूपक

30. तू रूप है किरन में, सौंदर्य है सुमन में।
(A) विभावना (B) रूपक
(C) यथा संख्य (D) उल्लेख

31. अब अलि रही गुलाब में, अपत कटीली डार।
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) अन्योक्ति (D) अतिशयोक्ति

32. रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै, मोती मानस चून॥
(A) श्लेष (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) अनुप्रास

33. संदेसनि मधुवन-कूप भरे।
(A) रूपक (B) वक्रोक्ति
(C) अन्योक्ति (D) अतिशयोक्ति

34. ध्वनि मयी कर के गिरि-कन्दरा, कलित-कानन-केलि निकुंज को।
(A) छेकानुप्रास (B) वृत्यानुप्रास
(C) लाटानुप्रास (D) यमक

35. राम नाम-अवलंबु बिनु, परमारथ की आस,
बरसत बारदि बूँद गहि, चाहत चढ़न अकास।
(A) रूपक (B) उत्प्रेक्षा
(C) उपमा (D) अतिशयोक्ति

36. वह इष्ट देव के मंदिर की पूजा-सी,
वह दीप शिखा-सी शांत भाव में लीन
वह टूटे तरू की छूटी लता-सी दीन,
दलित भारत की विधवा है।
(A) उपमा (B) रूपक
(C) उत्प्रेक्षा (D) यमक

37. हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग।
लंका सिगरी जल गई, गए निसाचर भाग।
(A) श्लेष (B) रूपक
(C) अतिशयोक्ति (D) विरोधाभास

38. इस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उनका लगा।
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा।
(A) उपमा (B) रूपक
(C) उत्प्रेक्षा (D) अतिशयोक्ति

39. सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।
मनहुँ नील मनि सैल पर आतप परयो प्रभात।

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

(A) यमक (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) श्लेष

40. माला फेरत युग गया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर॥
(A) अनुप्रास (B) श्लेष
(C) यमक (D) रूपक

41. तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहुत छाए।
(A) अनुप्रास (B) यमक
(C) उत्प्रेक्षा (D) उपमा

42. वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।
(A) छेकानुप्रास (B) वृत्यनुप्रास
(C) लाटानुप्रास (D) यमक

43. बड़े न हुये गुनन बिनु विरद बड़ाई पाय।
कहत अधूरे सों कनक, गहनों गढ़ों न जाए।
(A) श्लेष (B) विरोधाभास
(C) अर्थान्तरन्यास (D) वक्रोक्ति

44. बढ़त-बढ़त सम्पत्ति सलिल मन-सरोज बढ़ जाए।
घटत-घटत फिर ना घटै करु समूल कुम्हिलाय॥
(A) यमक (B) विरोधाभास
(C) श्लेष (D) रूपक

45. चिरजीवौ जोरी जुरै, क्यों न सनेह गंभीर।
को घटि ये वृषभानुजा, वे हलधर के बीर॥
(A) यमक (B) रूपक
(C) श्लेष (D) उत्प्रेक्षा

46. कहे कवि बेनी बेनी व्याल की चुराई लीनी।
(A) यमक (B) श्लेष
(C) अतिशयोक्ति (D) रूपक

47. यह देखिए, अरविंद से शिशुवृंद कैसे सो रहे।
(A) उत्प्रेक्षा (B) उपमा
(C) रूपक (D) यमक

48. ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी,
ऊंचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती है।
(A) यमक (B) उपमा
(C) श्लेष (D) रूपक

49. नवल सुन्दर श्याम शरीर
(A) उल्लेख (B) उपमा
(C) रूपक (D) अतिशयोक्ति

50. 'अम्बर-पनघट में डुबो रही तारा घट उषा नागरी।' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) उपमेयोपमा

51. बाँधा था विधु को किसने, इन काली जंजीरों से।
मणि वाले फणियों का मुख, क्यों भरा हुआ हीरों से॥ पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -
(A) रूपक (B) अतिशयोक्ति
(C) श्लेष (D) विरोधाभास

52. कनक-कनक ते सौगुनी मादकता अधिकाय ।
या खाए बौराय जग वा पाए बौराय ॥
पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -
(A) श्लेष (B) यमक
(C) उपमा (D) रूपक

53. 'चारु चन्द्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल थल से' इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -
(A) उपमा (B) अनुप्रास
(C) उत्प्रेक्षा (D) रूपक

54. 'चरण-कमल वंदौ हरिराई' में कौन-सा अलंकार है ?
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) अनुप्रास

55. 'बाँधा था विधु को किसने,
इन काली जंजीरो से।
मणिवाले फणियों का मुख,
क्यों भरा हुआ हीरों से ।
ऊपर के पद में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है ?
(A) उपमा (B) अतिशयोक्ति
(C) उल्लेख (D) विरोधाभास

उत्तरमाला : रस

1. (B)	2. (A)	3. (B)	4. (A)	5. (C)	6. (C)	7. (C)	8. (B)
9. (A)	10. (A)	11. (C)	12. (C)	13. (C)	14. (C)	15. (D)	16. (B)
17. (B)	18. (C)	19. (A)	20. (D)	21. (C)	22. (A)	23. (B)	24. (A)
25. (C)	26. (C)	27. (D)	28. (B)	29. (B)	30. (C)	31. (D)	32. (D)
33. (D)	34. (C)	35. (B)	36. (D)	37. (B)	38. (A)	39. (B)	40. (C)

उत्तरमाला : छंद

1. (C)	2. (D)	3. (A)	4. (B)	5. (A)	6. (B)	7. (C)	8. (B)
9. (B)	10. (C)	11. (A)	12. (C)	13. (B)	14. (C)	15. (B)	16. (C)
17. (A)	18. (D)	19. (D)	20. (C)	21. (C)	22. (B)	23. (B)	24. (C)
25. (A)	26. (C)	27. (D)	28. (C)	29. (C)	30. (A)	31. (D)	32. (D)
33. (A)	34. (A)	35. (A)	36. (A)	37. (D)	38. (C)	39. (B)	40. (B)
41. (A)	42. (C)	43. (D)	44. (B)	45. (A)	46. (A)	47. (A)	48. (B)
49. (C)	50. (A)	51. (A)	52. (D)	53. (B)	54. (A)	55. (D)	56. (D)
57. (A)	58. (A)	59. (C)	60. (B)	61. (D)	62. (C)	63. (D)	64. (A)
65. (B)	66. (B)	67. (C)	68. (A)	69. (D)	70. (D)	71. (C)	72. (A)
73. (D)	74. (B)	75. (C)	76. (B)	77. (B)	78. (C)	79. (B)	80. (D)

उत्तरमाला : अलंकार

1. (D)	2. (D)	3. (C)	4. (B)	5. (C)	6. (A)	7. (B)	8. (A)
9. (C)	10. (B)	11. (D)	12. (B)	13. (D)	14. (B)	15. (A)	16. (D)
17. (B)	18. (D)	19. (B)	20. (B)	21. (A)	22. (B)	23. (B)	24. (A)
25. (A)	26. (C)	27. (C)	28. (B)	29. (A)	30. (D)	31. (C)	32. (A)
33. (D)	34. (C)	35. (B)	36. (A)	37. (C)	38. (C)	39. (B)	40. (C)
41. (A)	42. (C)	43. (C)	44. (D)	45. (C)	46. (A)	47. (B)	48. (A)
49. (A)	50. (C)	51. (B)	52. (B)	53. (B)	54. (A)	55. (B)	

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

प्रसिद्ध रचनाएँ एवं रचनाकार

हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यास और उनके लेखक

उपन्यास	लेखक
काकली	आचार्य जानकीवल्लभ 'शास्त्री'
गबन, गोदान, निर्मला, सेवासदन	प्रेमचंद
टेढ़े-मेढ़े रास्ते, चित्रलेखा	भगवतीचरण वर्मा
तितली, कंकाल	जयशंकर 'प्रसाद'
त्यागपत्र	जैनेंद्र कुमार
दिल्ली का दलाल	पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
देहाती दुनिया	शिवपूजन सहाय
पतितों के देश में	रामवृक्ष 'बेनीपुरी'
प्रेत और छाया	इलाचंद्र जोशी
बलचनमा	नागार्जुन
बाणभट्ट की आत्मकथा	डॉ॰ हजारीप्रसाद द्विवेदी
मृगनयनी, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई	वृंदावनलाल वर्मा
मैला आँचल	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
राम-रहीम	राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह
सूरज का सातवाँ घोड़ा	डॉ॰ धर्मवीर भारती
परीक्षा गुरु	लाला श्रीनिवास दास
त्रिवेणी	किशोरीलाल गोस्वामी
चन्द्रकान्ता	देवकीनन्दन खत्री
गुप्तचर	गोपालराम गहमरी
नूरजहां	गंगा प्रसाद गुप्त
लीलावती	किशोरीलाल गोस्वामी
अंगूठी का नगीना	किशोरीलाल गोस्वामी
अधखिला फूल	अयोध्यासिंह उपाध्याय
सेवा सदन	प्रेमचन्द
प्रेमाश्रम	प्रेमचन्द
रंगभूमि	प्रेमचन्द
निर्मला	प्रेमचन्द
कर्मभूमि	प्रेमचन्द
देहाती दुनिया	शिवपूजन सहाय
शराबी	पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
इरावती	जयशंकर प्रसाद
परख, सुनीता, त्यागपत्र	जैनेन्द्र
तीन वर्ष	भगवती चरण वर्मा
भूले बिसरे चित्र	भगवती चरण वर्मा
नदी के द्वीप	अज्ञेय
अपने-अपने, अजनबी	अज्ञेय
संन्यासी, जहाज का पक्षी	इलाचन्द्र जोशी
देशद्रोही	यशपाल
झूठा-सच	यशपाल
गिरती दीवारें	उपेन्द्रनाथ अश्क
गर्म राख	उपेन्द्रनाथ अश्क
अमृत और विष	अमृत लाल नागर
पुनर्नवा	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
मुर्दों का टीला	रांगेय राघव
दुखमोचन	नागार्जुन
मैला आंचल	फणीश्वर नाथ 'रेणु'
नीला चांद	शिव प्रसाद सिंह
पानी की प्राचीर	रामदरश मिश्र
गुनाहों का देवता	धर्मवीर भारती
सारा आकाश	राजेन्द्र यादव
बहती गंगा	शिव प्रसाद मिश्र 'रुद्र'
डाक बंगला	कमलेश्वर
सुबह-दोपहर-शाम	कमलेश्वर
काली आंधी	कमलेश्वर
राग दरबारी	श्रीलाल शुक्ल
आदमी का जहर	श्रीलाल शुक्ल
जुगलबन्दी	गिरिराज किशोर

हिन्दी के प्रसिद्ध नाटक एवं नाटककार

नाटक	नाटककार
अम्बपाली, नेत्रदान	रामवृक्ष 'बेनीपुरी'
आधे-अधूरे	मोहन राकेश
चंद्रगुप्त, अजातशत्रु, ध्रुवस्वामिनी	जयशंकर 'प्रसाद'
भोर का तारा, कोणार्क	जगदीशचंद्र माथुर
लोहा सिंह	रामेश्वर सिंह 'कश्याप'
सत्य हरिश्चंद्र	भारतेन्दु हरिश्चंद्र
भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी	भारतेन्दु हरिश्चंद्र
विशाख, अजातशत्रु, कामना	जयशंकर प्रसाद
एक घूंट	जयशंकर प्रसाद
प्रतिशोध	हरिकृष्णा प्रेमी
रक्षाबन्धन	हरिकृष्णा प्रेमी
आहुति	हरिकृष्णा प्रेमी
सिन्दूर की होली, संन्यासी	लक्ष्मीनारायण मिश्र
सबसे बड़ा आदमी	भगवती चरण वर्मा
मत्स्यगंगा	उदयशंकर भट्ट
बादल की मृत्यु	डॉ॰ रामकुमार वर्मा
भोर का तारा	जगदीश चन्द्र माथुर
अंधा कुआं	लक्ष्मीनारायण लाल
आषाढ़ का एक दिन	मोहन राकेश
शशिगुप्त	सेठ गोविन्ददास
नया समाज, क्रांतिकारी	उदयशंकर भट्ट
बकरी	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
रेशमी टाई, चारुमित्रा, दीपदान	रामकुमार वर्मा
समस्या का अन्त	उदयशंकर भट्ट

प्रसिद्ध काव्य-पुस्तकें और उनके रचनाकार

काव्य-पुस्तकें	रचनाकार
आँसू, कामायनी	जयशंकर 'प्रसाद'
आर्यावर्त	मोहनलाल महतो 'वियोगी'
विनयपत्रिका, रामचरितमानस	तुलसीदास

राजभाषा हिंदी rajbhashahindi.com

Join WhatsApp Group

- कुरुक्षेत्र, उर्वशी, रश्मिरथी — रामधारी सिंह 'दिनकर'
- गुंजन, लोकायतन, चिदम्बरा — सुमित्रानंदन 'पंत'
- तुलसीदास — पं॰ सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- दीपशिखा, यामा — महादेवी वर्मा
- पद्मावत — मलिक मुहम्मद 'जायसी'
- पृथ्वीराज रासो — चंदबरदाई
- प्रिय-प्रवास — अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔष'
- प्रेम-माधुरी — भरतेन्दु हरिश्चन्द्र
- सतसई (बिहारी) — बिहारीलाल
- मधुशाला — डॉ॰ हरिवंश राय 'बच्चन'
- रामचंद्रिका — केशवदास
- रासपंचाध्यायी, भँवरगीत — नंददास
- साकेत, यशोधरा, भारत-भारती — मैथिलीशरण 'गुप्त'
- सुरसागर — सूरदास
- हल्दीघाटी — श्यामनारायण पांडेय
- हिमकिरीटिनी — माखनलाल चतुर्वेदी
- महापुराण — पुष्पदन्त
- पृथ्वीराज रासो — चन्दबरदाई
- गोरखबानी — सम्पादक-पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
- ज्ञानबोध — मलूकदास
- मृगावती — कुतुबन
- मधुमालती — मंझन
- चित्रावली — उसमान
- ज्ञानदीप — शेखनबी
- भरत मिलाप — ईश्वरदास
- दोहावली, गीतावली — गोस्वामी तुलसीदास
- कवि रत्नाकर — सेनापति
- हनुमन्नाटक — हृदयराम
- सूरसागर — सूरदास
- साहित्य लहरी — सूरदास
- भंवरगीत — नन्ददास
- प्रेम वाटिका — रसखान
- रस मंजरी — नन्ददास
- रस विलास — मण्उन
- श्रृंगार लहरी — जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
- बापू — सियाराम शरण गुप्त
- रेणुका — रामधारी सिंह दिनकर
- अनामिका — निराला
- कुकुरमुत्ता — निराला
- परिमल — निराला
- पल्लव — सुमित्रानन्दन पन्त
- सांध्य गीत — महादेवी वर्मा
- मधुबाला — हरिवंश राय बच्चन
- आत्मजयी — कुंवर नारायण
- साये में धूप — दुष्यन्त कुमार
- हल्दीघाटी, जौहर — श्याम नारायण पांडेय
- चांद का मुँह टेढ़ा है — गजानन माधव मुक्ति बोध
- सतपुड़ा के जंगल — भवानी प्रसाद मिश्र
- अंधा युग, कनुप्रिया — धर्मवीर भारती

साहित्यकारों के लोकप्रिय उपनाम

उपनाम	साहित्यकार
अज्ञेय	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
कविरत्न	पंडित सत्यनारायण 'कविरत्न'
गुप्त	मैथिलीशरण 'गुप्त'
गुलेरी	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
चौहान	सुभद्रा कुमारी 'चौहान'
जायसी	मलिक मुहम्मद 'जायसी'
दिनकर	रामधारी सिंह 'दिनकर'
द्विवेदी	आचार्य महावीर प्रसाद 'द्विवेदी'
निराला	पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
नेपाली	गोपाल सिंह 'नेपाली'
पंत	सुमित्रानंदन 'पंत'
प्रभात	केदारनाथ मिश्र 'प्रभात'
प्रसाद	जयशंकर 'प्रसाद'
बच्चन	डॉ॰ हरिवंशराय 'बच्चन'
बेनीपुरी	रामवृक्ष 'बेनीपुरी'
भारतीय आत्मा	माखनलाल चतुर्वेदी
भारतेन्दु	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
भूपति	गुरुदत्त सिंह 'भूपति'
माधव	भुवनेश्वर मिश्र 'माधव'
रत्नाकर	पंडित जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
रसलीन	सैयद गुलाम नबी 'रसलीन'
रहीम	अब्दुर्र 'रहीम' खानखाना
रेणु	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
वियोगी	मोहनलाल महतो 'वियोगी'
शशि	डॉ॰ श्याम सिंह 'शशि'
शास्त्री	पंडित जानकीवल्लभ 'शास्त्री'
शुक्ल	आचार्य रामचन्द्र 'शुक्ल'
सनेही	मायाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
समीर	रामाज्ञा द्विवेदी 'समीर'
सुमन	डा॰ शिवमंगल सिंह 'सुमन'
हरिऔंध	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
प्रसाद	जयशंकर 'प्रसाद'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना रामधारी सिंह 'दिनकर' की है ?
(A) उर्वशी (B) अन्धायुग
(C) पल्लव (D) नीहार

2. 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' के रचनाकार कौन है ?
(A) भवानीप्रसाद मिश्र (B) गिरिजाकुमार माथुर
(C) गजानन माधव मुक्तिबोध (D) भारतेन्दु

3. हिन्दी के सर्वप्रथम प्रकाशित पत्र का नाम है –
(A) नागरी प्रचारिणी पत्रिका (B) सरस्वती
(C) उदन्त मार्तण्ड (D) सम्मेलन पत्रिका

Join WhatsApp Group

4. 'दशरूपक' के रचयिता कौन हैं ?
(A) रुद्रट (B) दण्डी
(C) धनंजय (D) अभिनवगुप्त

5. 'कुरू क्षेत्र' किसकी रचना है ?
(A) रामधारी सिंह दिनकर (B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) सुभद्रा कुमारी चौहान (D) जयशंकर प्रसाद

6. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक है -
(A) जयशंकर प्रसाद (B) जानकी वल्लभ शास्त्री
(C) चतुरसेन शास्त्री (D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

7. 'चित्रलेखा' के लेखक हैं -
(A) सुमित्रानन्दन पन्त (B) यशपाल
(C) प्रेमचन्द (D) भगवती चरण वर्मा

8. 'कामायनी' किसकी रचना है ?
(A) जायसी (B) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(C) जयशंकर प्रसाद (D) महादेवी वर्मा

9. 'अपने-अपने अनजबी' उपन्यास के लेखक कौन हैं ?
(A) निर्मल वर्मा (B) कमलेश्वर
(C) अज्ञेय (D) राजकमल चौधरी

10. 'सेवा सदन' किसका उपन्यास है ?
(A) राजेन्द्र यादव (B) प्रेमचन्द
(C) प्रसाद (D) रांगेय राघव

11. निम्नलिखित में से कौन छायावादी कवि हैं ?
(A) तुलसीदास (B) नागार्जुन
(C) सुमित्रानन्दन पन्त (D) भारत भूषण अग्रवाल

12. 'हरिश्चन्द्र मैगजीन' का नाम बदलकर रखा गया -
(A) सरस्वती (B) कविवचन सुधा
(C) हरिश्चन्द्र चंद्रिका (D) हंस

13. ढोला-मारुरा दूहा में क्या है ?
(A) वीरों की कथा (B) प्रेम कथा
(C) भक्ति कथा (D) ज्ञान कथा

14. 'रसिक प्रिया' के रचनाकार है -
(A) केशवदास (B) बिहारी
(C) मतिराम (D) बोधा

15. 'वैराग्य संदीपनी' किसकी रचना है ?
(A) तुलसीदास (B) नाभादास
(C) हृदयराम (D) कबीर

16. 'दृष्टिकूटवाले' पदों की रचना किसने की है ?
(A) बलभद्र मिश्र (B) केशवदास
(C) सूरदास (D) मतिराम

17. 'प्रेमवाटिका' किसकी रचना है ?
(A) रसखान (B) बोधा
(C) बल्लभचार्य (D) मीरा

18. इंशाअल्ला खाँ की रचना है -
(A) बैताल पचीसी (B) रानी केतकी की कहानी
(C) नासिकेतोपाख्यान (D) इश्तहर नामा

19. 'भावविलास' किसकी रचना है ?
(A) घनानन्द (B) देव
(C) सूरदास (D) पद्माकर

20. 'कीर्तिलता' के रचनाकार का नाम है -
(A) विद्याधर (B) विद्यापति
(C) कालिदास (D) हेमचन्द्र

21. 'नरपतिनाल्ह' ने किसकी रचना थी ?
(A) बीसलदेव रासो (B) पृथ्वीराज रासो
(C) कीर्तिपताका (D) हम्मीर रासो

22. 'आल्हा' के रचयिता का नाम है -
(A) श्रीधर (B) भट्ट केदार
(C) जगनिक (D) चन्दबरदाई

23. 'मृगावती' के रचनाकार है -
(A) ईश्वरदास (B) मुल्ला दाऊद
(C) कुतुबन (D) जायसी

24. 'तुलसीदास' किसकी रचना है ?
(A) जयशंकर प्रसाद (B) निराला
(C) तुलसीदास (D) नागार्जून

25. 'आम फिर बौरा गए' निबन्ध के लेखक है -
(A) विद्यानिवास मिश्र (B) कुबेरनाथ राय
(C) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) निर्मल वर्मा

26. 'मधुमालती' के रचनाकार है -
(A) कुतबन (B) मंझन
(C) कृष्णदास (D) कासिमशाह

27. 'नागमती' का वर्णन है -
(A) अखरावट में (B) आखिरी कलाम में
(C) पद्मावत में (D) मृगावती में

28. 'अनुराग बाँसुरी' किसकी रचना है ?
(A) नूर मोहम्मद (B) शेख नबी
(C) उस्माद (D) परमानन्द दास

29. मनस्वी शैली में कौन-सी रचना है ?
(A) रामचरितमानस (B) सूरसागर
(C) पद्मावत (D) कबीर ग्रन्थावली

30. 'कुकरमुत्ता' किसकी रचना है ?
(A) निराला (B) अज्ञेय
(C) सुमित्रानन्दन पंत (D) महादेवी वर्मा

31. 'हंसो हंसो जल्दी हंसो' के रचनाकार हैं -
(A) दुष्यंत कुमार (B) श्रीकान्त वर्मा
(C) रघुवीर सहाय (D) रामदरश मिश्र

32. 'ताप के तापे हुए दिन' के रचनाकार हैं -
(A) केदारनाथ सिंह (B) शमशेर बहादुर सिंह
(C) त्रिलोचन (D) राजेश जोशी

33. 'आत्मजयी' किसकी रचना है ?
(A) डॉ॰ विद्यानिवास मिश्र (B) डा॰ कर्ण सिंह
(C) कुंवर नारायण (D) नामवर सिंह

34. पुहकर किस भक्ति धारा के कवि है ?
(A) निर्गुण भक्ति (B) प्रेममार्गी
(C) सूफी (D) सगुण भक्ति

35. 'उखड़े हुए लोग' उपन्यास के लेखक है -
(A) राही मासूम रजा (B) अमरकान्त
(C) शेखर जोशी (D) राजेन्द्र यादव

Join WhatsApp Group

36. इनमें से कौन-सा उपन्यास प्रेमचन्द का लिखा हुआ है ?
(A) यह पथ बिन्दु था (B) अंधेरे बन्द कमरे
(C) रंगभूमि (D) सिंह सेनापति

37. 'नशा' कहानी के लेखक है -
(A) जैनेन्द्र (B) भगवतीचरण वर्मा
(C) जयशंकर प्रसाद (D) प्रेमचन्द

38. 'चीफ की दावत' कहानी के लेखक है -
(A) भीष्म साहनी (B) कमलेश्वर
(C) मोहन राकेश (D) मनोहर श्याम जोशी

39. 'अन्धायुग' किसकी रचना है ?
(A) लक्ष्मीनारायण लाल (B) नरेश मेहता
(C) धर्मवीर भारती (D) सुरेन्द्र वर्मा

40. 'दूसरी परम्परा की खोज' के लेखक है -
(A) डा॰ रामविलास शर्मा (B) डा॰ नामवर सिंह
(C) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (D रामशरण शर्मा

41. नहुष नाटक के रचनाकार का नाम है -
(A) महाराज विश्वनाथ सिंह (B) बाबू गोपाल चन्द्र
(C) गोपाल राम गहमरी (D) ठाकुर जगमोहन सिंह

42. इनमें से भारतेन्दु मण्डल का कौन-सा लेखक नहीं है ?
(A) बालकृष्ण भट्ट (B) बाबू तोताराम
(C) लाला श्रीनिवास दास (D) बाबू कार्तिक प्रसाद खत्री

43. 'परीक्षा गुरु' के लेखक कौन है ?
(A) लाल श्रीनिवास दास (B) पं॰ राधाचरण गोस्वामी
(C) राधाकृष्ण दास (D) अम्बिकादास व्यास

44. 'पान वाला' किसकी कहानी है ?
(A) पन्त (B) निराला
(C) विष्णु प्रभाकर (D) प्रेमचन्द

45. 'इन्दुमती' कहानी किसकी लिखी हुई है ?
(A) बंग महिला (B) किशोरीलाल गोस्वामी
(C) मास्टर भगवान दास (D) रामचन्द्र शुक्ल

46. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' सबसे पहले कहाँ प्रकाशित हुई ?
(A) भारत मित्र में (B) हरिश्चन्द्र मैगजीन में
(C) सरस्वती में (D) चांद में

47. 'कछुआ धरम' निबन्ध के लेखक है -
(A) श्यामसुन्दर दाम (B) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(C) पं॰ रामचन्द्र शुक्ल (D) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

48. 'पथिक' के रचनाकार है -
(A) जयशंकर प्रसाद (B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) मैथिलीशरण गुप्त (D) केदारनाथ अग्रवाल

49. 'भारत भारती' के रचनाकार है -
(A) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (B) सुमित्रानन्दन पंत
(C) मैथिलीशरण गुप्त (D) रामधारी सिंह दिनकर

50. जी हाँ हुजूर, मैं गीत बेचता हूँ। मैं तरह-तरह के गीत बेचता हूँ। किसकी रचना है ?
(A) हरिवंश राय बच्चन (B) भवानी प्रसार मिश्र
(C) नरेश मेहता (D) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

51. तुम कौन-सी पाटी पढ़े हो लला, मन लेहु पै देहु छटांक नहीं। ये किसकी पंक्तियाँ हैं ?
(A) पद्माकर (B) भारतेन्दु
(C) धनानन्द (D) परमानन्द

52. इनमें से कौन अष्टछाप का कवि नहीं है ?
(A) रैदास (B) नन्ददास
(C) कबीर (D) सूरदास

53. 'भारतीय आत्मा' निम्नलिखित कवियों में से किसे कहा गया ?
(A) विद्यापति (B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) कबीर (D) सूरदास

54. 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल' पंक्ति किसकी है ?
(A) मैथिलीशरण गुप्त (B) जगन्नाथशरण रत्नाकर
(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (D) रामधारी सिंह दिनकर

55. 'बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।' दी गई पंक्ति के रचयिता का नाम चुनिए -
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) मुक्ति बोध
(C) आ॰ रामचन्द्र शुक्ल (D) आ॰ हजारी प्रसाद द्विवेदी

56. ''मसि कागद छुओ नहीं, कलम गही नहिं हाथ'' दी गई पंक्ति के रचयिता का नाम चुनिए -
(A) दादू दयाल (B) कबीरदास
(C) रैदास (D) सुन्दरदास

57. 'विनय पत्रिका' का कवि-लेखक कौन है ?
(A) सूरदास (B) तुलसीदास
(C) कबीर (D) बिहारी

58. नीचे दिए गए अवतरण के सही रचयिता को चुनिए -
'वीरों का कैसा हो बसन्त ।
आ रही हिमाचल से पुकार ॥
है उदधि गरजता बार -बार ।
प्राची, पश्चिम, भू नभ अपार ॥
सब पूछ रहे हैं दिग-दिगंत ।
वीरों का कैसा हो बसन्त ॥'
(A) जयशंकर प्रसाद (B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) रामधारी सिंह 'दिनकर' (D) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

59. नीचे दिए गए अवतरण के रचयिता का चयन कीजिए -
''ऊँचे कुल का जनमिया, जो करणी ऊँच न होई।
सोवन कलस सुरै भरया, साधु निन्दा सोई॥'
(A) कबीरदास (B) रहीम
(C) तुलसीदास (D) गिरधर कवि

60. 'रश्मिरथी' ग्रंथ का स्वरूप चुनिए -
(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) एकार्थकाव्य (D) गीतिकाव्य

61. ''बीन भी हूँ मैं, तुम्हारी रागिनी भी'' यह पंक्ति किसने लिखी है ?
(A) मीरा (B) महादेवी
(C) प्रसाद (D) निराला

62. ''चाँद का मुँह टेढ़ा है।'' इस पंक्ति की रचना किसने की है ?
(A) बच्चन (B) अज्ञेय
(C) मुक्तिबोध (D) केदारनाथ

Join WhatsApp Group

63. 'यामा' के लेखक कौन है ?

(A प्रसाद (B) पन्त

(C) महादेवी वर्मा (B) निराला

64. 'कर्मभूमि' पुस्तक के लेखक है –

(A) चतुरसेन शास्त्री (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(C) प्रेमचन्द (D) रामचन्द्र शुक्ल

65. हिन्दी पत्रिका 'कादम्बिनी' के सम्पादक कौन है ?

(A) राजेन्द्र यादव (B) दुर्गा प्रसाद शुक्ल

(C) मृणाल पाण्डे (D) राजेन्द्र अवस्थी

66. 'राग दरबारी' के रचनाकार है –

(A) शरद जोशी (B) हरिशंकर परसाई

(C) श्रीलाल शुक्ल (D) राही मासूम रजा

67. 'कामायनी' किस विद्या में रचित है ?

(A) एकांकी (B) उपन्यास

(C) खण्डकाव्य (D) महाकाव्य

68. 'वापसी' किस विद्या में रचित है ?

(A) यात्रा-वृत्त (B) संस्मरण

(C) कहानी (D) आत्मकथा

69. 'अमृता प्रीतम' किस भाषा की साहित्यकार हैं ?

(A) हिन्दी (B) सिन्धी

(C) पंजाबी (D) उर्दू

निर्देश (प्रश्न 70-74) : निम्नलिखित काव्यग्रन्थों के साथ उनके सम्भावित चार रचयिताओं के नाम दिए गए हैं, सही नाम का चयन करें –

70. पद्मावती –

(A) जायसी (B) तुलसीदास

(C) केशवदास (D) नाभादास

71. प्रेमसागर –

(A) सुन्दरदास (B) लल्लू लाल

(C) उसमान (D) सदल मिश्र

72. बैताल-पचीसी –

(A) हरिश्चन्द्र (B) दयानन्द सरस्वती

(C) प्रेमचन्द (D) सूरत मिश्र

73. रसिकप्रिया –

(A) केशवदास (B) दादू दयाल

(C) बिहारीला (D) मलुकदास

74. कृष्णायण –

(A) द्वारका प्रसाद (B) लल्लू लाल

(C) सदल मिश्र (D) दौलतराम

निर्देश (प्रश्न 75-80) : आपको कुछ प्रसिद्ध कवियों/कवयित्रियों और साहित्यकोरों की पंक्तियाँ दी जा रही है। आपको उनका नाम चयन करना है –

75. ''दरवाजे से चंडालगढ़ी की तरफ नजर दौड़ाने पर एक अद्भुत दृष्य दिखाई देता था'' –

(A) डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद (B) जवाहर लाल नेहरू

(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) राहुल सांकृत्यायन

76. ''गुरुदेव यहाँ बड़े आनन्द में थे। अकेले रहते थे। भीड़-भाड़ उतनी नहीं होती है, जितनी शांति निकेतन में।''

(A) चतुरसेन शास्त्री (B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) मोहनदास करमचंद गांधी

77. 'तरुवर फल नहीं खात हैं, सरवर पियहिं न पान।'

(A) रहीम (B) कबीरदास

(C) रसखान (D) तुलसीदास

78. 'मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोई।'

(A) मीराबाई (B) बिहारीलाल

(C) तुलसीदास (D) सूरदास

79. 'तरनि-तनूजा-तट तमाल तरुवर बहु छाए।'

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) रामधारी सिंह दिनकर

(C) माखनलाल चतुर्वेदी (D) रामनरेश त्रिपाठी

80. 'रामपंचाध्यायी' किनकी रचना है ?

(A) केशवदास (B) हरिऔध

(C) नन्ददास (D) चन्दवरदाई

निर्देश (प्रश्न 81-84) : नीचे कुछ अवतरण दिए गए हैं, प्रत्येक में रचयिता के चार नाम दिए गए हैं। उपयुक्त रचयिता के नाम का चयन कीजिए –

81. कटकटान कपि कुंजर भारी ।
दुहु भुजदण्ड तमकि महिमारी ॥
डोलत धरनि सभापद खसे ।
चले भाजि भय मारुत ग्रसे ॥

(A) तुलसी (B) जायसी

(C) देव (D नूर मोहम्मद

82. मेरी भव-बाधा हरो राधा नागरि सोई ।
जा तन की झाईं परे स्याम हरित दुति होई ॥

(A) बिहारी लाल (B) दुलारे लाल

(C) केशव दास (D) पद्माकर

83. नर की और नल नीर की गति एके करि जोय ।
जेतो नीचो हे चले तेतो ऊँचो होय ॥

(A) तुलसीदास (B) केशवदास

(C) बिहारी लाल (D) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

84. नयन जो देखा कमल सा निरमल नीर सरीर ।
हंसत जो देखा हंस भा दसन ज्योति नगहीर ॥

(A) तुलसीदास (B) कबीरदास

(C) जायसी (D) जयशंकर प्रसाद

उत्तरमाला

1. (A)	2. (C)	3. (C)	4. (C)	5. (A)	6. (A)	7. (D)	8. (C)
9. (C)	10. (B)	11. (C)	12. (C)	13. (B)	14. (A)	15. (A)	16. (C)
17. (A)	18. (B)	19. (B)	20. (B)	21. (A)	22. (C)	23. (C)	24. (B)
25. (A)	26. (B)	27. (C)	28. (A)	29. (C)	30. (A)	31. (C)	32. (C)
33. (C)	34. (B)	35. (D)	36. (C)	37. (D)	38. (A)	39. (C)	40. (B)
41. (B)	42. (B)	43. (A)	44. (A)	45. (B)	46. (C)	47. (D)	48. (B)
49. (C)	50. (B)	51. (A)	52. (A)	53. (C)	54. (C)	55. (C)	56. (B)
57. (B)	58. (C)	59. (A)	68. (B)	61. (C)	62. (C)	63. (C)	64. (C)
65. (D)	66. (D)	67. (A)	68. (C)	69. (C)	70. (A)	71. (B)	72. (D)
73. (A)	74. (A)	75. (D)	76. (D)	77. (A)	78. (B)	79. (A)	80. (C)
81. (A)	82. (C)	83. (C)	84. (C)				

rajbhashahindi.com
Join WhatsApp Group